



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 7, 1974/भाद्र 16, 1896

No. 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 7, 1974/BHADRA 16, 1896

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रभा मंव्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य खेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए

साधारण नियम जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministers of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

मन्त्रिभाइल मन्त्रिवालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1974

सां का० नि० 944.—भारतीय पुलिस सेवा (वाहर) नियम, 1954 के नियम 4 के उप नियम (2) के प्रथम परन्तुक और उप नियम (1) के माथ पठिया आविल भारतीय गेवा अधिनियम, 1951 (1951 की धारा 61) की धारा (1) द्वारा प्रदल अकिन्यों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार, केंद्र सरकार के परामर्श से एवं द्वारा भारतीय पुलिस सेवा (काड़ मक्का का नियन्त) नियन्त्रम, 1955 की ओर आगे मंशोधित करने के लिये निम्नलिखित विनियम, बनाती है अर्थात् —

1. (1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस सेवा (काड़ मक्का का नियन्त) जनुदे मन्त्रिवाल विनियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख का प्रवृत्त दर्शे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (काड़ मक्का का नियन्त) विनियम, 1955 की प्रत्युम्भी में 'केंद्र' शब्द के लिये और नदीयन शाने वाली प्रविष्टियों के लिये, निम्नलिखित प्रतिशापित वी जापी, अर्थात् —

'केंद्र'	
1. राज्य सरकार के मंत्रीन विश्वित पद	35
पुलिस का महानीरीक्षक	1
पुलिस का उप-महानीरीक्षक (रेज.)	3
पुलिस का उप-महानीरीक्षक (मर्कन्ता)	1
महायाद पुलिस बहानिर्गंशक (मुख्यान्त्र)	1
अनिविक्त महायाद पुलिस महानीरीक्षक	1
पुलिस, आयुक्त दिव्येन्द्रम	1
पुलिस आयुक्त, अरनाकुलम शहर	1
मामादेटा मास्त्र पुलिस बटालियन	3
पुलिस अवीक्षक गविल आपूर्ति शाखा	1
पुलिस अधीक्षक, एका त्राव, मर्कन्ता शाखा	2
पुलिस अवीक्षक, विशेष शाखा	1
पुलिस अवीक्षक, अपराध शाखा मी शार्ट नी	2
पुलिस अधीक्षक, रेल	1
पुलिस अधीक्षक, त्रिला	11
प्रिमपन प्रणिक्षण कानिज	1
मधुकन पुलिस अवीक्षक (उप खड़)	3
कुल	35

2. केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति आरक्षित उपरोक्त 1 के 40 प्रति के हिसाब में	14
3. भारतीय पुलिस मेवा (भर्फ) नियम, 1954 के नियम 4 के अधीन प्रोफ्रेशन द्वारा भरे जाने वाले पद उपरोक्त 1 और 2 के 23 प्रतिशत के हिसाब से	12
4. सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले पद उपरोक्त 1 और 2 में से छाकर	17
5. प्रतिनियुक्ति आरक्षित उपरोक्त 4 के 20 प्रतिशत के हिसाब से	7
6. छहटी आगवानि 1 उपरोक्त के 5 प्रतिशत के हिसाब से	2
7. कनिम पद उपरोक्त 4 के 20-60 प्रतिशत के हिसाब से	8
8. प्रशिक्षण आरक्षित उपरोक्त 1 के 10-59 प्रतिशत के हिसाब से	4
सीधी भर्ती पश्च	54
प्रोफ्रेशन पश्च	12
कुल प्राधिकरण संक्षया	70

[स० एक 11/3/74 अर्थात् 2 (क)]

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi the 22 Aug., 1974

G. S. R. 944—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1) and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Police Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Kerala, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Police (Fixation of Cadre Strength) Fourth Amendment Regulations, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Police Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, for the heading 'Kerala' and the entries occurring thereunder, the following shall be substituted namely:—

"KERALA"

1. Senior Posts under the State Government Inspector General of Police	35
Deputy Inspectors General of police (Range)	1
Deputy Inspector General of Police CID & Rlys	3
Deputy Inspector General of Police (Vig)	1
Asstt. Inspector General of Police (Hqrs.)	1
Addl. Asstt. Inspector General of Police	1
Commissioner of Police, Trivandrum	1
Commissioner of Police, Ernakulam City	1
Commandants, Armed Police Battalions	3

Superintendent of Police, Civil Supplies Cell	1
Superintendent of Police, X-Branch, Vigilance Division	2
Superintendents of Police, Special Branch	1
Superintendents of Police, Crime Branch, CID	2
Superintendents of Police, Railways	1
Superintendents of Police, Districts	11
Principal Police Training College	1
Joint Supdts. of Police (Sub-Divisions)	3
TOTAL	35
Total	
2. Central Deputation reserve (a) 40% of 1 above	14
3. Posts to be filled by promotion under rule 9 of the Indian Police Service (Recruitment) Rules, 1954 (b) 25% of 1 and 2 above	12
4. Posts to be filled by Direct Recruitment 1 and 2 minus 3 above	37
5. Deputation Reserve (c) 20% of 4 above	7
6. Leave Reserve (d) 5% of 4 above	2
7. Junior Posts (e) 20-60% of 4 above	8
8. Training Reserve (f) 10-59% of 4 above	4
Direct Recruitment posts	58
Promotion posts	12
Total authorised strength	70

[N]. F. 11/3/74-AIS.II(A)]

सांकेतिक 945.—भारतीय पुलिस मेवा (बैठन), नियम, 1954 के नियम 11 के माध्यम पर्याप्त अधिक भारतीय मेवा अधिनियम, 1951 (1951 को 61) की धारा 3 को उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयाग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, केरल सरकार के परामर्श में, एन्ट्रै धारा भारतीय पुलिस मेवा (बैठन) नियम, 1951 को और संशोधित करने के लिये निम्नलिखित नियम घोषी है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय पुलिस मेवा (बैठन) एन्ट्रै संशोधन नियम, 1974 है।

(2) ये गजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रदृढ़ ठोंगे।

3. भारतीय पुलिस मेवा (बैठन) नियम, 1954 को नीमी अनु-सूची में —

(क) मारणी में, "वे पद, जिनका बैठन गत्य मरकारों के अधीन भारतीय पुलिस मेवा के ब्रिटिश बैठन मात्र से प्रबंधित है" और के अधीन स्थान 1 में अति वासी 'केरल' प्रविष्टि के लिये और स्थान 2 और 3 में तन्त्रमान प्रविष्टियों के स्थान पर, प्रमुख नियमित प्रतिनियुक्ति की जायेगी, अर्थात् —

"केरल महा निरीक्षक पुलिस 2500—125/2—2750

उप-महानीक्षक पुलिस (रेज) 1600-100-2000

पुलिस उप-महानीक्षक प्रपराध 1600-100-2000

प्रस्त्रेषण विभाग तथा रेत

पुलिस उप-महानीक्षक (सतका) 1600-100-2000"

(क) सारणी में 'श्री-गव्य सरकारों के अधीन' भारतीय पुलिस में श्रेष्ठ वेतन मान में वेतन वाले पद जिनके अन्तर्गत काल वेतन मान में वेतन के अन्तर्गत विषेष वेतन वाले पद भी हैं 'श्रीप के अधीन, प्रथम स्तर में आने वाली 'केरल' प्रविष्टि के लिये और द्वितीय स्तर में तत्सामान प्रविष्टियों के लिये, निम्नलिखित प्रतिष्ठापित की जाएगी, अर्थात् —

'केरल' गव्याक मठा निरीक्षक पुलिस (मुख्यालय)'

आपर भट्टाचार्यक मठानिरीक्षक पुलिस

पुलिस आयुक्त विवेदनम्

पुलिस आयुक्त भारतीय सरकार

समावेशा समन्वय पुलिस क्रांतिकारी

पुलिस अधीक्षक मिशन आपूर्ति साक्षा

पुलिस अधीक्षक एवं शास्त्रा भवनकर्ता अधिकारी

पुलिस अधीक्षक विषेष शास्त्रा,

पुलिस अधीक्षक अपराध शास्त्रा, सी.० अफॉ. डी

पुलिस अधीक्षक रेल,

पुलिस अधीक्षक जिला

प्रिसिपल पुलिस प्रशिक्षण कार्यालय

मयूक्त पुलिस अधीक्षक (उप-जिला)'

[स० एक ११/३/७५ ए आई एम ii(क)]

G.S.R. 945.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Kerala, hereby makes the following rules further to amend the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Police Service (Pay) Fourth Amendment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule III to the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 :—

(a) Under the heading "A-Posts carrying pay above the senior scale in the Indian Police Service under the State Governments" occurring in the first column and the corresponding entries in the second and third columns the following shall respectively be substituted, namely :—

"Kerala Inspector General of 2500-125 2-2750
Police Deputy Inspector General
of Police (Range) 1600-100-2000

Deputy Inspector General of
Police CID & Rlys. . . . 1600-100-2000

Deputy Inspector General of
Police (Vig.) 1600-100-2000";

(b) Under the heading "B-posts carrying pay in the senior scale of the Indian Police Service under the State Government" including posts carrying special pay in addition to pay in "Kerala" occurring in the first column and the corresponding entries in the second column, the following shall be substituted, namely :—

"Kerala

Asstt. Inspector General of Police (Hqrs.)
Addl. Asstt. Inspector General of Police
Commissioner of Police, Trivandrum

Commissioner of Police, Ernakulam City
Commandants, Armed Police Battalions
Superintendent of Police, Civil Supplies Cell
Superintendent of Police, X-Branch, Vigilance Division
Superintendent of Police, Special Branch
Superintendent of Police, Crime Branch, CID
Superintendent of Police, Railways
Superintendent of Police, Districts
Principal, Police, Training College.
Joint Superintendents of Police (Sub-Division)."

[No. F. 11/3/74-AIS-II(B)]

नं० दिल्ली, 21 अगस्त 1974

सांख्यिकी 946.—अधिक भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त पाइलोटों का प्रयोग करने हुए, केंद्रीय सरकार सब्धित राज्य गवर्नर में परामर्श करके अधिक भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृति प्रसुविधा) नियम, 1959 में आगे मार्गदर्शन करने के लिये एनड्यूआर निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का नाम अधिक भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृति प्रसुविधा) तृतीय मानदण्डन नियम, 1971 है।

(2) ये नियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अधिक भारतीय सेवा (मृत्यु तथा सेवा निवृति प्रसुविधा) नियम, 1958 के नियम 2 के उप-नियम (1) में,—

(1) उप-उप (२) के द्वारा पर निम्नलिखित लड़खड़ा जायेगा, अर्थात् :—

"(२) वेतन में वह धनराशि अद्वितीय है जो उक्त सेवा के किसी मदम्य द्वारा निम्नलिखित रूप में प्रतिमास ली जाए। —

(i) विशेष वेतन या उसका व्याधिक अद्वितीयों को देखते हुए अनुदान वेतन को डाढ़ार वह वेतन जो उस पद के लिये मजूर किया गया है जिस पद में वह अधिकारी रूप से अपना स्वातान्त्र्य रूप में कार्य करता है या जिसके लिये वह काफ़ार में अपनी स्थिति पांजीयता के कारण हकदार है,

(ii) ममुद्र पार वेतन, विशेष वेतन तथा वैयक्तिक वेतन, और

(iii) काई अन्य उपलब्धियाँ किसी केंद्रीय सरकार द्वारा विशेष रूप से वेतन के रूप में वर्गीकृत किया जाए",

(2) उप-उप (1) में,—

(क) उप-उप (ii) में अन्त में प्रयुक्त 'या' प्रवद का लोप किया जाएगा;

(ख) उप-उप (iii) का लोप किया जायेगा।

[स० २०/९१/७०-प्र०मा०८०(२)]

देश प्रकाश सर्वान्ना, अग्रर गच्छ

New Delhi, the 24th August, 1974

G.S.R. 946.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government after consultation with the Governments of the States concerned hereby makes the following rules further to amend the All India

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(Legislative Department)

New Delhi, the 31st July, 1974

G.S.R. 949.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule appended to the Ministry of Law, Legislative Department, Class III Non-Gazetted posts (Law Journals) Recruitment Rules, 1969—in the entries relating to the post of "Sales Assistant", in column 11 before the existing entries, the following shall be inserted, namely :—

"Transfer of officers of the U.D.Cs. Grade of the C.S.C.S. (with 5 years' service in the Grade) failing which, officers of the I.D.Cs Grade of the C.S.C.S. (with 10 years' service in that Grade), preferably having experience relating to the sale of publications."

[No. A. 12018/1/73-Journal (Adm.)]

N. K. SETH, Under Secy.

मोर्जना मंत्रालय

(मानियकी विभाग)

नई दिल्ली, 14 अगस्त, 1974

मा० का० नि० 950.—राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मन्त्रिमंडल यजिकालय केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, श्रीधारिक प्रांकड़ा पश्च, कलकत्ता में सामान्य केन्द्रीय मंत्रा श्रेणी III पदों के लिये भर्ती नियम 1950 में और प्राप्त संशोधन करते के लिये एवं द्वारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

(1) ये नियम मन्त्रिमंडल मंत्रिवालय, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, श्रीधारिक आकड़ा पश्च, कलकत्ता, सामान्य मंत्रा श्रेणी-III पद की अनुसूची के सम्बन्ध 10 में, कम गा० ५ से जा निम्न श्रेणी प्रिपिक ग, जिसके अन्तर्गत डिप्टी डायरिस्ट भी है, गवधित है, अपनाने प्रवित्तिया में स्थान पर निर्माणित गर्वा जाएगी, अर्थात् —

(2) ये नियम भारत के गजपत्र में प्रकाशित तात्त्व की नारीक का सार्व होगे।

मन्त्रिमंडल मंत्रिवालय, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, श्रीधारिक आकड़ा पश्च, कलकत्ता, सामान्य केन्द्रीय मंत्रा श्रेणी-III पद की अनुसूची के सम्बन्ध 10 में, कम गा० ५ से जा निम्न श्रेणी प्रिपिक ग, जिसके अन्तर्गत डिप्टी डायरिस्ट भी है, गवधित है, अपनाने प्रवित्तिया में स्थान पर निर्माणित गर्वा जाएगी, अर्थात् —

"90 प्रतिशत श्रीर्था मरी द्वागा।

निम्नलिखित शर्तों के अधीन कुल शक्तियों में में 10 प्रतिशत शक्तिया चतुर्थ श्रेणी कमंसार्ग्यों द्वागा मरी जाएगी। —

(1) चरन विभागीय परीक्षा द्वागा एमें चरन श्रेणी के अधीनिया तक गोर्गमित रुपा जा अनुत्तम शीक्षण अहेता अर्थात् मंत्रिया सम्पुर्ण, अपेक्षा पूरी करते हैं।

(2) इस परीक्षा के लिये अधिकतम आयु सीमा 45 वर्ष होगी।
(अनुसूचित जाति एवं प्रत्यसूचित जन जाति के कमंसार्ग्यों के लिये 50 वर्ष)

(3) चतुर्थ श्रेणी में पाच वर्ष का मंत्रा अनिवार्य होगी।

(4) इस द्वाग से प्रोफेशनों की अधिकतम संख्या निम्न श्रेणी निपिक के मंत्रांग की प्रतिवर्ष तात्त्व काली रिक्तियों की 10 प्रतिशत सक सीमित होगी। रिक्तिया जा भरी नहीं गई है अगले वर्ष पर नहीं ले जाई जायेगी।"

[एफ गा० ए-12018/1/74-स्थापना-2]
कौ० सी० गोहानी, प्रबन्ध मन्त्री

MINISTRY OF PLANNING

(Department of Statistics)

New Delhi, the 14th August, 1974

G.S.R. 950.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Cabinet Secretariat) Recruitment Rules, 1959, namely :—

1.(1) These rules may be called the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Department of Statistics, Cabinet Secretariat) (Amendment) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the General Central Service (Class III posts in the Industrial Statistics Wing, Central Statistical Organisation, Calcutta, Cabinet Secretariat) Recruitment Rules, 1959, against serial No. 5 relating to the post of Lower Division Clerk including Typist (Hindi), in column 10, for the existing entry, the following shall be substituted, namely :—

"90 per cent by direct recruitment.

10 per cent of the vacancies to be filled up by class IV employees subject to the following conditions :—

(i) Selection would be made through a departmental examination confined to such Class IV employees who fulfil the requirement of minimum educational qualification viz. Matriculation or equivalent.

(ii) The maximum age for the examination would be 45 years (50 years for Scheduled Castes/Scheduled Tribes employees).

(iii) At least five years of service in Class IV would be essential.

(iv) The maximum number of promotees by this method would be limited to 10 per cent of the vacancies in the cadre of Lower Division Clerks occurring in a year; unfilled vacancies would not be carried over to the next year."

[F. No. A-12018/1/74-Estt. II]
K. C. GEHANI, Under Secy.

गह मन्त्रालय

नई दिल्ली, २५ अगस्त, १९७४

ता० छा० नि० 951 - राष्ट्रपति, सविभाग के अनुशंसेद ३१० के परन्तु द्वारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने से द्वा० राष्ट्रपति गृह मन्त्रालय के महानिदिशक तात्परिक सुरक्षा एकम सुनसारायक के पद मे० मन्त्रित भर्ती की पढ़ानि के विनियमन के स्थित एन्डवारा निम्नलिखित नियम बनाने हैं, पर्याप्त् ।

१. मर्थान नाम और पारम (१) ऐ नियम गुलामाश्व भर्ती नियम, १९७४ कहलायेंगे।

(2) ये नियम शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. पत्रों की संख्या, वर्गीकरण और बेतनमान प्राप्ति : उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान हरके साथ सलग्न अनुसूची के कानूनम् १८ में ; मेरे विनियोगात्मकार होंगे ।

३. भर्ती का पद्धनि, प्रायू-सीमा और प्रन्य अर्हताएँ आदि उक्त पद का भर्ती की पद्धनि, प्रायू-सीमा, अर्हताएँ और उस से सर्वधित प्रन्य बातें उक्त अनुभवी के काम्प ३ में १३ तक में निर्दिष्टानयार होंगी।

- #### 4. अनहंसाएँ वल्ल अकित --

(क) जिसने एम्बेवराइट में विश्वाह किया हा (जिसका पर्ति/जिगर्का पर्ति जीवित है, या

(क्ष) जिसने अपने पति/अपनी पत्नी के बीचित होते हुए विर्मा व्यक्ति से विवाह किया है,

उपर पश्च पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि इस सबधार में केन्द्रीय मरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्तिमान और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू व्यवितक कानून के प्रतीक्षण अनुच्छेय है और ऐसा करने के लिये अन्य प्राधार भी मौजूद हैं, तो तब किसी व्यक्ति का इस नियम में घट द सकेगी।

५. छठ देवी की शक्ति। जहा केन्द्रीय मरवार का यह मत हो, कि गैमा करना आवश्यक या सर्वार्थीय है, वहा वह उसके बारण लिंगिवद्ध करते हुए किसी वर्ग या श्रेणी के व्यक्तियों को इन नियमों के किसी उग्रबद्ध से छठ नहीं सकते हैं।

6. अपवाद - केन्द्रीय सरकार द्वागे समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुगाम अनुसूचित आभिया, अनुसूचित आदिम जातियाँ और अन्य विशेष प्रवर्गों के अधिकारियों के संबंध में दिये जाने वाले आरक्षण और अन्य अनुसूचित चिह्नावता पर हन नियमों में विस्तृत किसी व्यवस्था का अवलिप्त प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अनुभवा

गृह मन्त्रालय के महानिदेशक नागरिक सुरक्षा एवं कर्म में पूर्णवाध्यक्ष के पद के विषेशताएँ नियम

पद नाम	पदों की मख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रबलग पद है या अशरण पद	मीठी भर्ती के लिये आधुनि-मीमा	मीठी भर्ती यासा के लिये अपार्श्व जीक्षक व अन्य अर्हताएँ
1	2	3	4	5	6	7
पुस्तकालयक्ष मेरी-III	1	गामान्य बैस्ट्रीय मेया मेरी-III अगज- पत्रिन-अनुभूचिक्षीय	गपये ३४०-१२-१५०- द०रा० १५-५६०- द०रा० २०-६१०	शाशृ नहीं हाथा	३० वर्ष से अधिक नरी किसी भान्यताप्राप्त विषयविज्ञालय का स्नातक और पुरतवाधय विज्ञान मे डिलामा धारक वास्तुनीय	पुस्तकालय सबर्दी कायं के कुछ

भया मीढ़ी भर्हि किं गरिवाड़ा
जाने वालों के लिये प्रथमि, य
निर्विश्वित प्राय् व कोई न
पैशिक अहंकारं पश्चेषन
होने वाले व्यक्तियों
पर लाग दोगी

मर्ती को पद्धति, या मर्ती मार्दाग या पश्चात्तन हारा आप
दुकित/स्पानालरण हारा की
प्रीर विमिक्ष पद्धतियों से
शारीर गिरक्षया वा प्रान्तिण।

८	यदि पदोपर्याप्ति प्रतिनियुक्ति/व्यानाल्लग्न व्याना भर्ती का जारी हा ता विन गेह मे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थिताल्लग्न किया जाना है।	यदि कोई विभागीय पदोपर्याप्ति समिति हो, तो उसका गठन धर्म धारा मेंका आयोग किया जाना है।	भर्ती करने के लिये विन परिस्थितिया मे स्थिताधारा मेंका आयोग में पशासन किया जाना है।
---	--	---	---

8

भागु नहो होम

4

गांधी भर्ती वृत्ति | 100 प्रसिद्ध

1

ਨਾਗੁ ਨਹੀਂ ਹਾਸਾ

[स० एक० बी० २,३/७-४/३०ग्रा०]

१५० रोम उत्तर-गांधीव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, 24 August, 1974

G.S.R. 951.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the method of recruitment to the post of Librarian in the Director General Civil Defence Unit of the Ministry of Home Affairs, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Librarian Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. No. of posts, Classification and scale of pay . The number of the posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications : No person—

(a) who has entered into, or contracted, a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into, or contracted, a marriage with any person

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Librarian in the DGCD unit, Ministry of Home Affairs

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Upper age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7
Librarian Class III	1	General Central Services Class III Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 380-12-440-RB-15-560-LB-20-640.	Not Applicable	Not more than 30 years	Graduate of a recognised university and Diploma holder in Library Science. Desirable : Some practical experience of work in library.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotion.

Period of Probation, if any.

Method of recruitment whether by direct recruitment or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.

In case of recruitment by promotion/transfer/ deputation grades from its composition which promotion/deputation to be made.

If a DPC exists what UPSC is to be consulted in making recruitment.

8	9	10	11	12	13
Not Applicable	Two years	100 % by direct recruitment	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

[No. F-6/23/74-L.R.]
S. KAUR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 अगस्त 1974

साः कां० नि० ९५२.—मनिधान ने असंघेद १०७ के पुरुषक द्वारा आन गतिया रा पर्योग करा हा, गां० ८०। वर्ग III पद समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) भर्ती नियम, १९६१ मे आगे गंणोपन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनावे २, यथांत —

१. (१) इन नियमों का नाम, वर्ग III पद, समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) भर्ती (द्वितीय सशोधन) नियम १९७४ है।

(२) वे गतिय मे दर्शके प्रकाशन की जारीव को प्रदूष होंगे।

२. वर्ग III पद समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) भर्ती नियम, १९६२ की अनुसूची मे तकनीकी महायक के पद मे मम्बन्धित पम भज्या ८ मे मम्बन्धित प्रविण्टियो मे, स्वभ मद्या ७.११ और १२ मे प्रविण्टियो के स्थान पर, कमश तिम्नलिखित प्रविण्टिया गद्दी जाएगी, यथांत —

स्वभ ७	स्वभ ११	स्वभ १२
---------------	----------------	----------------

“स्थानान्तरण द्वारा जिमके न होने पर “आगू नही होना किस्तु प्रोश्नों के लिए निम्नलिखित आधारभूत “प्रोश्नति
प्रोश्नति द्वारा।” प्रह्लाद ग्रन्तिवार्य होगी —
(क) बेनार आपरेटर:
(i) स्नानक जिमकी एक वर्ष की सेवा हो
या

मैट्रीकुलेट जिमकी निरन्तर ५ वर्ष की सरकारी सेवा हो
जिमके अन्तर्गत बेनार आपरेटर के लिए मे समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) मे कम से कम २ वर्ष की सेवा भी है।
(ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) के श्रेणी १ के रेडिया
तकनीशियन।

अन्तरण
बेनार पर्यंत्रको या तकनीकी महायको
(ग्रन्ति) या तकनीकी महायक (स्टोर)
से, जिस अन्तराग मे रिक्त उद्भव हो उम पर
पर तिर्हर रहते हूए।

(ख) रेडियो तकनीशियन

(i) स्नानक जिमकी एक वर्ष की सेवा हो
या

मैट्रीकुलेट जिमकी ३ वर्ष गेवा हो

(ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) के श्रेणी १ के रेडिया
तकनीशियन।

(ग) स्टोर कीपर (तकनीकी)

(i) डिलोमाधारी जिनका हमी श्रेणी मे २ वर्ष का निरन्तर
अनुभव हो।

या

जा डिलोमाधारी नही हों उतका हमी श्रेणी मे ३ वर्ष
का निरन्तर अनुभव हो।

(ii) समन्वय निदेशालय (पुलिस बेनार) का श्रेणी १ का स्टोर
ट्रेड परीक्षण।

(घ) प्रोश्नति/अन्तर्नियो के लिए टिप्पण, प्राप्त और कार्यालय पर्कि-
याओ का अरुद्धा ज्ञान (जो परीक्षण द्वारा सम किया जाएगा)।

New Delhi, the 24th August, 1974

G. S. R. 952.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Class III posts [Directorate of Coordination (Police Wireless)] Recruitment Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Class III posts [Directorate of Co-ordination (Police Wireless)] Recruitment (Second Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Class III Posts [Directorate of Co-ordination (Police Wireless)] Recruitment Rules, 1962, in the entries relating to S. No. 6 relating to the post of Technical Assistant for the entries in columns 7, 11 and 12, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

Col. 7	Col. 11	Col. 12
1	2	3
"By transfer failing which by promotion"	<p>"Not applicable but following basic qualifications for the promotees will be essential :—</p> <p>(a) Wireless Operator</p> <p>(i) Graduate with one year's service</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>Matriculate with at least 5 years continuous Government service including at least two years in Directorate of Coordination (Police Wireless) as Wireless Operator.</p> <p>(ii) Grade I Wireless Operator of Directorate of Coordination (Police Wireless)."</p> <p>(b) Radio Technician</p> <p>(i) Graduate with one year's service</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>Matriculate with 3 years service.</p> <p>(ii) Grade I Radio Technician of Directorate of Coordination (Police Wireless).</p> <p>(c) Storekeeper (Technical)</p> <p>(i) Diploma holder with 2 years continuous experience in the grade</p> <p style="text-align: center;">OR</p> <p>Non-diploma holder with 3 years continuous experience in the grade.</p> <p>(ii) Grade I Stores Trade Test of Directorate of Co-ordination (Police Wireless).</p> <p>(d) Sound knowledge of noting, drafting and Office Procedure (To be adjudged by a Test) for promotees/transferees".</p>	<p>"Promotion From Wireless Operators to Radio Technicians or Store-keeper (Technical) depending on the Section in which vacancy arises."</p> <p>Transfer From Wireless Supervisors or Technical Assistants (Maintenance) or Technical Assistant (Stores) depending on the section in which vacancy arises."</p>

विन भावालय

(राजस्व बीमा विभाग)

भौषधीय और प्रमाधन नियमिति

नई दिल्ली, 28 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 953—(सं० 11) भौषधीय और प्रमाधन नियमिति
(उत्पादशुल्क) नियम, 1956 के नियम 60 के उपनियम (3) के अनुसरण में और स्थायी समिति की सलाह पर, केन्द्रीय सरकार, मैर्सेस राजपाल इडलीज, सील बामा, दादर, और नगर हवेली द्वारा नियमित फैग्स लोहान, नई भौषधीय नियमिति, का एक अनिवार्यता नियमिति के रूप में घोषित करती है और नियेश देनी है कि उक्त नियमिति की भौषधीय और प्रमाधन नियमिति (उत्पादशुल्क) अधिनियम 1955 (1955 का 16) की अनुमूल्य की मद 1 (i) (क) के अधीन सम्मिलित अनिवार्यता नियमिति के प्रबंग में भविमिति किया जाए।

[फा० मा० 656/12/73-ओपीयम]

जे० रामाकृष्णन, अवर सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

Medical and Toilet Preparations

New Delhi the 28th August, 1974

G.S.R. 953.—(No. 11). In pursuance of sub-rule(3) of rule 60 of the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Rules, 1956 and on the advice of the Standing Committee, the Central Government hereby declares the new medicinal preparation FUNGUS LOTION, manufactured by Messrs Rajpal Industries, Silvansa, Dadra and Nagar Haveli to be an unrestricted preparations and directs that the said preparation be included in the category of unrestricted preparations falling under item 1(i)(a) of the Schedule to the Medicinal and Toilet Preparations (Excise Duties) Act, 1955 (16 of 1955).

[F. No. 656/12/73-OPIUM]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

(बीमा)

नई दिल्ली, 31 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 954—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा नियम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 43 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुये, नियेश देती है कि भारत के राजपत्र, प्रमाधन, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I), तारीख 23 अगस्त, 1958 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त भवालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 724, तारीख 23 अगस्त, 1958 में नियमिति, संशोधन किया जायेगा, अर्थात् —

बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27-के प्रतिस्थापन से सबधिन, उक्त अधिसूचना के पैरा 8 में, जीवन बीमा नियम को इसके लागू होने में, उक्त धारा 27-क में,—

- (i) जहा कभी भी “अनुमोदित विनिधान” शब्द आये हो उनके स्थान पर “अनुमतित विनिधान” शब्द रखे जायेगे।
- (ii) उपधारा (1) में, खण्ड (ग) के पश्चात्, नियमिति खण्ड अन्त स्थापित किया जायेगा, अर्थात् —

(गग) ऐसी कम्पनी के खेयरों में मरिवर्टनीय डिवेलर जिसने एक पूर्ववर्ती पाच वर्षों गा पूर्ववर्ती सात वर्षों में से पाच वर्ष के लिये अपने खेयरों पर खोल्स सहित कम-सेक्सम चार प्रतिशत लाभाग दिया हो।

[फा० मा० 99(48)-भाई एन एम/74]

Insurance

New Delhi, the 31st August, 1974

G.S.R. 954.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. GSR. 734, dated the 23rd August, 1958, published in the Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3—sub-section (i), dated the 23rd August, 1958, namely :—

In paragraph 8 of the said notification relating to substitution of section 27A of the Insurance Act 1938, in its application to the Life Insurance Corporation of India, in the said section 27A, —

(i) for the words “approved investments” and “approved investment”, wherever they occur, the words “scheduled investments” and “scheduled investment” shall respectively be substituted;

(ii) in sub-section (1), after clause (c), the following clause shall be inserted, namely :—

“(cc) debentures convertible into shares of a company which has paid on its shares dividends of not less than four per cent including bonus for the five years immediately preceding or for at least five out of the seven years immediately preceding;”

[F. No. 88(48)INS. IV/74]

सा० का० नि० 955—केन्द्रीय सरकार, जीवन बीमा नियम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 13 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, नियेश देती है कि भारत के राजपत्र, प्रसाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I), तारीख 23 अगस्त, 1958 में प्रकाशित भारत सरकार के वित्त भवालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 724, तारीख 23 अगस्त, 1958 में नियमिति, संशोधन किया जायेगा, अर्थात् —

बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 27-क के, जैसे कि वह भारतीय जीवन बीमा नियम का लागू होती है, प्रतिस्थापन से संबंधित, उक्त अधिसूचना के पैरा 8 में, उक्त धारा 27-क की उपधारा (1) के खण्ड (ट) में—

(i) “प्रतिक्रिया लिमिटेड कम्पनी” शब्दों के पश्चात्, या “प्रतिक्रिया सेक्टर स्थापन” शब्द अन्त स्थापित किये जायेंगे,

(ii) परन्तु के पश्चात्, नियमिति स्पष्टीकरण अन्त स्थापित किया जायेगा, अर्थात् —

“प्रतिक्रिया इम खण्ड में प्रतिक्रिया सेक्टर स्थापन से नियमिति के स्थापित, नियंत्रण या प्रबन्ध के अधीन स्थापन अभियंत है —

(क) कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 617 में क्या परिभावित गरवानी कम्पनी,

(म) ऐसा निगम जिसमें इसकी पूरी का आविष्कार प्रतिशत से अध्यून (चाहे अकेले ही या अन्यों के मात्र मिलकर) निम्नलिखित द्वारा पारित है—

- सरकार; या
- भारतीय रिजर्व बैंक, या
- सरकार या भारतीय रिजर्व बैंक के स्वामित्वाधीन निगम।

[फा० स० 88 (73) बीमा IV/73]

ओ० एच० दामले, बीमा नियंत्रक तथा प्रबन्ध समूह सचिव।

G.S.R. 955.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby directs that the following amendment shall be made to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. G.S.R. 734, dated the 23rd August, 1958, published in the Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3—Sub-section (i), dated the 23rd August, 1958 namely:—

In paragraph 8 of the said notification relating to substitution of section 27A of the Insurance Act, 1938, in its application to the Life Insurance Corporation of India, in clause (k) of sub-section (1) of the said section 27A—

- after the words "a public limited company", the words "or an establishment in public sector" shall be inserted;
- after the proviso, the following explanation shall be inserted, namely:—

"Explanation.—In this clause "establishment in public sector" means an establishment, owned, controlled or managed by—

- a Government company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
- a corporation in which not less than forty per cent of its capital is held (whether singly or taken together) by—
 - Government; or
 - the Reserve Bank of India; or
 - a corporation owned by Government or the Reserve Bank of India."

[F. No. 88 (73) Ins-IV/73]

G. H. DAMLE, Controller of Insurance & Ex-Officio
Jt. Secy.

(केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क)

नई चित्रली, 7 सितम्बर, 1974

सा. का. नि. 956.—खानिज उत्पाद (अर्तिरक्त उत्पाद-शुल्क और बीमा-शुल्क) अधिनियम, 1958 (1958 का 27) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पीठत केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवर्त्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं. 4/69-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अधित्:—

(CENTRAL EXCISES)

New Delhi, the 7th September, 1974

G.S.R. 956.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Mineral Products (Additional Duties of Excise and Customs) Act, 1958 (27 of 1958), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue & Insurance) No. 4/69-Central Excises, dated the 18th January, 1969.

[No. 134/74-CE/F. No. 11/4/67-CX.3]

सा. का. नि. 957.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना संलग्न 34/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अधित्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तु (क) में, "सालेन्ट के रूप में" शब्दों के पश्चात और "प्रयोग किया जाना आशीर्वाद है" शब्दों से पूर्व "या ही, डी. टी. (तकनीकी) और बी. एच. सी. (तकनीकी) के विनियम में" शब्द, अक्षर और कोष्ठक अन्तः-स्थापित किए जाएंगे।

[सं. 136/74-सी. ई/फा. सं. 83/7/73-सी. एस-3]

G.S.R. 957.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendment in the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 34/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973, namely:—

In the said notification, in clause (a) of the proviso, after the words "sprays and suspensions", the words, letters and brackets "or for use in the manufacture of D.D.T. (Technical) and B.H.C. (Technical)" shall be inserted.

[No. 136/74-C.E./F. No. 83/7/73-CX.3]

सा. का. नि. 958.—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 187/61-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 23 दिसम्बर, 1961 में आगे और निम्नलिखित संशोधन करती है, अधित्:—

उक्त अधिसूचना में अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा, अधित्:—

"2. अधिसूचना में सम्मिलित छूट उस कल्पे नेपथा के संबंध में लागू होगी जिसका प्रयोग अमानिया के विनियम में किया जाता है, परन्तु यह कल्पे जब तक इसी अमानिया अस्त्यक्ष उर्ध्वत्कों के विनियम में प्रयोग की जाती है और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के अध्याय 10 में वर्णित प्रक्रिया का अनुगमन किया जाता है।"

[सं. 137/74-सी. ई/फा. सं. 83/14/74-सी. एस-3]

के विश्वनाथन, उप सचिव।

[सं. 134/74-के. उ-का. सं. 11/4/67-सी. एस-3]

G.S.R. 958.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 187/61-Central Excises, dated the 23rd December, 1961, namely :—

In the said notification, the following shall be inserted at the end, namely :—

"2. The exemption contained in this notification shall also apply in respect of such Raw Naphtha as is used in the manufacture of Ammonia, provided such Ammonia is used elsewhere in the manufacture of fertilizers and the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed."

[No. 137/74-C.E./F. No. 83/14/74-CX. 3]

K. VISHWANATHAN, Deputy Secy.

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 मई, 1974

सांख्यिकीय विभाग के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्स शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने एनडब्ल्यूआर वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के बैंक नोट प्रेस, देवास में श्रेणी III के पदों पर भर्ती की तरीकों को नियन्त्रित करने वाले नियम संस्थित नियम बनाए हैं, प्रथम :—

1. संधिक्षण कार्यक्रम और लागू होने की तारीख।

(1) ये नियम वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंक नोट प्रेस, देवास श्रेणी-III पद) भर्ती नियमावधी 1974 के अनुरूप होंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. प्रयुक्ति : ये नियम इस अधिसूचना से अनुबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 1 में निर्दिष्ट पदों पर लागू होंगे।

3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान।

पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उन से सम्बन्धित वेतनमान वे होंगे जैसाकि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 में निर्दिष्ट किया गया है।

4. भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अन्य अहंताएँ :

उक्त पदों पर भर्ती का तरीका, आयु सीमा, अहंताएँ तथा उनसे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जैसी कि उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 में निर्दिष्ट की गयी हैं।

लेकिन ऊपरी आयु-सीमा के बारे में, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित आदिम जातियों तथा अन्य विशेष वर्गों के उम्मीदवारों के मामले में छूट वीं जा सकती है।

5. अनहंताएँ कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का मविदा किया हो जिसका पति/पत्नी जीवित हो, अथवा

(ब) जिसने पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह का सविदा किया हो, उक्त पदों में से किसी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति पर और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत इस प्रकार की शारीरी की अनुभवी दी जा सकती है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हों, तो वह उस व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. छूट देने की शक्ति :

जिस मामले में केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि इस नियमावधी के किन्तु उपबन्धों में किसी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों अथवा पद के सम्बन्ध में छूट देना आवश्यक अथवा इष्टकर है, वहां वह इसके कारणों का लिखित रूप से अधिसूचकरके, आदेश द्वारा ऐसा कर सकती है।

7. छूट :

इस नियमों में निर्दिष्ट किसी बात का, केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये जाने वाले आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों और विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिए किये जाने वाले आरक्षणों और उन्हें वीं जाने वाली रियायतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

मनुसूची

वित्त मंत्रालय (ग्राहिक कार्य विभाग) में बैंक नोट प्रेस, देवास (मध्य प्रदेश) में कनिष्ठ पर्यवेक्षकों को (मिविल)
और एयर कडीशनिंग के पदों के लिए भर्ती नियमाबली

(प्रबरण)

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेसनमान	मिलक्षण पद है मीधी भर्ती वालों के नीधी भर्ती वालों के लिए आवश्यक प्रथवा उसमें लिए गये शैक्षणिक एवं अन्य अहंताएं भिन्न पद है	(प्रबरण)	
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ पर्यवेक्षक मिविल	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III (अराज- पक्षित)	270-15-435-वर्ध- तारोध-20-535 रूपये	लागू नहीं अधिक आयु नहीं	30 वर्ष की आयु से अधिक आयु नहीं	मिविल इनीशियरिंग में डिप्लोमा/ डिग्री तथा डिप्लोमा धारियों के मामले में तीन वर्ष या अनु- भव और डिग्री धारियों के मामले में एक वर्ष का अनुभव।
कनिष्ठ पर्यवेक्षक (एयर कडीशनिंग)	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी III (अराज- पक्षित)	270-15-435-इक्ष- तारोध-20-535 रूपये	लागू नहीं अधिक आयु नहीं	30 वर्ष की आयु से अधिक आयु नहीं	इनीशियरिंग/मैकेनिकल इनीशियरिंग में डिप्लोमा/डिग्री तथा डिप्लोमा धारियों के मामले में दरमियाने और बढ़े केन्द्रीय एयर कडीशनिंग (आतानकूलन) संयंस्करण और उसमें मध्यम उपकरणों की स्थापना और मरम्मत के बारे में तीन वर्ष का अनुभव और डिग्री धारियों के मामले में एक वर्ष का अनु- भव।
स्थायी भर्ती वालों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षणिक अहंताएं पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों पर भी लागू होती।		परिविकास की भर्ती का तारीका सीधी भर्ती द्वारा प्रथवा पदोन्नति द्वारा प्रथवा प्रतिनियुक्ति/स्थाना- न्तरण द्वारा और श्रिभिन्न तरीकों द्वारा भरे जाने वाले रिक्त पदों की प्रतिशतता	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण उन सवार्गों का उल्लेख जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ स्था- नान्तरण किया जाना हो।	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण उन सवार्गों का उल्लेख जिनसे पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ स्था- नान्तरण किया जाना हो।	यदि कोई विभागीय वा परिस्थितिया जिस पदोन्नति समिति में भर्ती करते समय विद्यमान है तो सभ लोक-सेवा आ- उसका गठन क्या है। याग से परामर्श किया जाना है।	वे परिस्थितिया जिस में भर्ती करते समय विद्यमान है तो सभ लोक-सेवा आ- उसका गठन क्या है। याग से परामर्श किया जाना है।
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	
लागू नहीं	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	

[मध्या एफ० 10/33/73-बी० एन० पी०]

एग० एग० दस, प्रब्र भविव

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 17 May, 1974

G.S.R. 959.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Class III posts in the Bank Note Press, Dewas, in the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, namely :—

1. Short title and commencement: (1) These rules may be called the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Bank Note Press, Dewas Class III posts) Recruitment Rules, 1974.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official gazette.
2. Application : They shall apply to the posts specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of posts classification and scale of pay: The number of posts, their classification and the scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters relating to the said posts shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid :

Provided that the upper age limit specified for direct recruits may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Caste Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time.

5. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient to do so, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or the post.

7. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste and the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance wth the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the posts of Junior Supervisors (civil and Air-conditioning) in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) in the Ministry of Finance (Dept. of Eco. Affairs)

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruitment	Educational & other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Supervisor (civil)	1	General Central Service Class III (Non-gazetted)	Rs. 270-15-435- EB-20-535	Not Applicable	Not exceeding 30 years	Diploma/Degree in Civil Engineering with three year's experience in the case of Diploma holders and one year in the case of Degree holders.
Junior Supervisor (Air conditioning)	1	General Central Service Class III (non-gazetted.)	Rs. 270-15-435- EB-20-535	Not applicable	Not exceeding 30 years	Diploma/Degree in Electrical Mechanical Engineering with three years' experience in the case of diploma holders and one year in the case of degree holders in the installation and maintenance of medium and large central air-conditioning system and related equipment.
Whether age & educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of the promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled up by various methods.	In case of recruitment by promotion, deputation, transfer grade from its composition which promotion/deputation transfer to be made	If a D.P.C. exists, what is	Circumstances in which USPC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	2 years	By direct Recruitment	Not Applicable	Not applicable	Not Applicable	
Not applicable	2 years	By direct recruitment	Not applicable	Not applicable	Not applicable	

[No. F. 10/33/73-BNP]

S.L. DUTT, Under Secy.

वाणिज्य भौतिक

नई दिल्ली, 6 अगस्त 1974

सा० का० नि० 960 --राष्ट्रपति, संतोषित के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त गमितों का प्रयोग करते हुए वर्ग I तथा वर्ग II राजपत्रित पद (वस्त्र प्राप्ति का कार्यालय तथा प्रांखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती नियम, 1962 मे प्रौर और आगे संबधित करने के लिये निम्नलिखित नियम एनदब्ल्यूआरा बनाने हैं, अर्थात् --

1. (1) इन नियमों को वर्ग I तथा वर्ग II राजपत्रित पद (वस्त्र प्राप्ति का कार्यालय तथा प्रांखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती (संशोधन) नियम 1974 कहा जायेगा।

(2) ये नियम, शासकीय राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. राजपत्रित पद वर्ग I तथा वर्ग II (वस्त्र प्राप्ति का कार्यालय तथा प्रांखिल भारतीय हथकरघा बोर्ड) भर्ती नियम, 1962 की अनुसूची मे --

(1) सहायक निवेशक (प्रेड I) (गैर-नकनीकी) पद से संबधित कम संभ्या 44 तथा उससे संबधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :--

1	2	3	4	5	6	7	
" 44. सहायक निवेशक प्रेड I (गैर-नकनीकी)	7	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग I (राजपत्रित) वर्ग I (राजपत्रित)	400-100-450-30- 600-35-670- 3000-35-950 रुपये।	चयन	35 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिये शिवलीनीय)	प्रावधारक :	(1) मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की छिड़ी अथवा उसके समकक्ष। (2) सामान्यतः हथकरघा अथवा वस्त्र उद्योग अथवा वाणिज्य अथवा उद्योग से संबंधित कार्य वाले उसर- दायी पद का लगभग 5 वर्ष का अनुभव प्रौर साध ही कुछ लिपि- कीय/संगठनात्मक/प्रणामनिक अनु- भव हो (आयोग की स्वैच्छा से अर्हताएं शिविल की जा सकती है यदि अभ्यर्थी अन्यथा सुधार्य हो)

बालबोध :

- (1) व्यापार/पर्यावरण तदा वस्त्रों
के विपणन के क्षेत्र में जानकारी
तथा अनुभव।
(2) विधि की छिड़ी।

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	62. १ प्रतिशत प्रोफ्रेशन द्वारा प्रोफ्रेशन : सहायक निवेशक प्रेड II (गैर वर्ग I विभागीय प्रोफ्रेशन संघ सोक सेवा आयोग 33. १ प्रतिशत सीधी भर्ती तकनीकी) (400-680 रुपए) मन्त्रिति द्वारा इस प्रेड मे 3 वर्ष की सेवा सहित।			(परामर्श से छूट) विनियमन, 1958 के प्रस्तर्गत यथा- पेक्षित।

(ii) सहायक प्रबन्धन अधिकारी प्रेड I के पद से संबधित कम संभ्या 66 तथा उससे संबधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :--

1	2	3	4	5	6	7
66. सहायक प्रब- न्धन अधिकारी प्रेड I	2	सामान्य केन्द्रीय सेवा वर्ग I (राजपत्रित)	100-100-450-30- 600-35-670-3000- 35-950रुपये।	चयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रौद्योगिकी वार्षिक सेवा न होने पर प्रतिनियुक्ति पर इसानामतरण वार्षिक	प्रोब्रति मन्त्रालय के प्रबन्धन में अधिकारी श्रेणी II (100-680 रुपए) इस ग्रेड I में 3 वर्ष की सेवा महिला प्रतिनियुक्ति पर इसानामतरण : वस्त्र शायक के कार्यालय में महायक निदेशक ग्रेड I (गैर तकनीकी)। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	वर्ग 1 विभागीय प्रोफ्रेशन समिति। वर्ग 2 इस ग्रेड I में 3 वर्ष की सेवा महिला	संघ स्वेच्छा सेवा आयोग (परामर्श से छूट) वित्तियमन, 1958 के अन्तर्गत पथा- प्रेक्षित।
----------------	---------	--	---	--	---

[का० स० ए० १२०१८/८/७१-६-१(टैक्स.)]

ओ० पी० गुप्ता, अवर सचिव

MINISTRY OF COMMERCIAL
New Delhi, the 6th Aug., 1974

G.R.S. 960.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board) Recruitment Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board), Recruitment (Amendment) Rules, 1974.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the Schedule to the Class I and Class II Gazetted posts (Office of the Textile Commissioner and the All India Handloom Board) Recruitment Rules, 1962.
- (i) for S. No. 44 relating to the post of Assistant Director (Grade I) (Non-Technical) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"44. Assistant Director Grade I (Non-Technical)	7	General Central Services Class I (Gazetted).	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.	Selection	35 years laxable for Government servants)	(Re- quired : (i) Degree of recognised University or equivalent. (ii) About 5 years experience in a responsible capacity of work connected with Handloom or Textile Industry or Commerce or Industry in general together with some Secretarial/Organisational/Administrative experience. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well-qualified).
Desirable :						
(i) Knowledge and experience in the field of commerce/transport and marketing of textiles. (ii) A degree in Law.						

8	9	10	11	12	13
No.	2 years	By promotion By direct recruitment 33½%.	66½ % Promotion: Assistant Director Grade II (Non-Technical (Rs. 400-680) with 3 years service in the grade.	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."

(ii) for S.No.66 relating to the post of Assistant Enforcement Officer Grade I and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
"66. Assistant Enforcement Officer Grade I	2	General Central Services Class I (Gazetted).	Rs.400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950.	Selection	Not applicable.	Not applicable.
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	Two years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion: Assistant enforcement Officer Grade II (Rs. 400-680) with 3 years service in the grade. Transfer on deputation: Assistant Director Grade I (Non-Technical) in the office of the Textile Commissioner. (Period of deputation not exceeding 3 years).	Class I Departmental Promotion Committee.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."	

[F.No.A.12018/8/71-E.I.(Tex.)]
O.P. GUPTA, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 23 अगस्त, 1974

सा० का० नि० 961.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एन्डद्वारा सीरम विज्ञानी विभाग, कलकत्ता (तृतीय श्रेणी और चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती नियमाबली 1965 में आगे भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. (1) इन नियमों को सीरम विज्ञानी विभाग, कलकत्ता (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती (संशोधन) नियमाबली, 1974 कहा जाए।

(2) ये मरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. सीरम विज्ञानी, कलकत्ता (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती, नियमाबली, 1965 की अनुसूची में कालम 12 के प्रलंगत तकनीकी सहायक के पद से सम्बन्धित क्रमांक 6 की प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएः—

“पदोन्नति.—जिन वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियनों की दो वर्ष की सेवा हो अथवा जिन्होंने वरिष्ठ प्रयोगशाला तकनीशियन और प्रयोगशाला तकनीशियन के बीचों बीचों में मिलाकर 7 माल तक कार्य किया हो।”

[मं० 14-4/71-एम० सी०]

न० स० भाटिया, प्रबंध मन्त्रिव

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 961.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Serologist's Department, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, namely:—

1. (1) These rules may be called the Serologists's Department, Calcutta (Class III and Class IV Posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Serologist's Department, Calcutta, (Class III and Class IV Posts) Recruitment Rules, 1965, against serial number 6 relating to the post of Technical Assistant, under column 12, for the entire, the following shall be substituted, namely:—

“Promotion

Senior Laboratory Technicians with two years' service or with seven years' combined service in the grades of Senior Laboratory Technician and Laboratory Technician”.

[No. F. 14-4/71-MC]
N. S. BHATIA, Under Secy.

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई विली, 1 अगस्त, 1974

सां. का० नि० 962.—संविधान के अनुच्छेद 309 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एनद्वारा शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय (शिक्षा विभाग) में कनिष्ठ विशेषक (कार्य अध्ययन) के पद के लिये भर्ती की प्रणाली का नियमन करने हेतु निम्ननिबित्त नियम बनाते हैं, प्रस्तुतः—

1. नघु शीर्षक संघा आरम्भ होना :

- (1) इन नियमों को शिक्षा विभाग (कनिष्ठ विशेषक) भर्ती नियम, 1974 कहा जाए।
- (2) सरकारी राजपत्र में लप्ते की तारीख से ये लागू होंगे।

2. संस्था वर्गीकरण तथा वेतनमान :

इस पद की संस्था, उसका वर्गीकरण तथा वेतनमान उसी प्रकार से होंगे, जिस प्रकार इस से अनुबद्ध अनुसूची के कालम 2 से 4 में निर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, अन्य योग्यताएं आदि :

इस पद के लिए भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा, योग्यताएं तथा भर्ती से संबंधित अन्य विषय उपरोक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में निर्दिष्ट हैं।

4. अयोग्यताएं :

कोई भी ऐसा व्यक्ति

(क) जो तेसे व्यक्ति में विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, जिसकी पत्नी अथवा पति जीवित हो, अथवा

(ब) जो पति/पत्नी के रहने हुए किसी दूसरे व्यक्ति में विवाह का अनुबन्ध अथवा विवाह करता है, उक्त पद पर लियक्ति के लिए पात्र नहीं होगा,

इतने कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से मंतुष्ट हो कि उस व्यक्ति प्रौढ़ विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा विवाह अनुशेष है तथा ऐसा करने के कुछ अन्य आधार भी हैं, किसी को इस नियम से छूट दे मिलती है।

5. रियायत देने की शक्ति :

जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक प्रथवा उचित है तो लिखित रूप में कारणों का दर्ज करते हुए वह आदेश द्वारा तथा सभ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी भी श्रेणी अथवा वर्ग के व्यक्तियों के पदों के संबंध में इन नियमों के किसी भी उपबंध से रियायत दे सकती है।

6. घर्ता :

इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित आविष्कार जाति तथा अन्य वर्गों के व्यक्तियों को दी जाने वाली अपेक्षित रियायतों और आरक्षणों को इन नियमों में से कोई भी प्रभावित नहीं करेगा।

अनुसूची

शिक्षा विभाग में कनिष्ठ विशेषक के पद के लिए भर्ती नियम

पदनाम	पदों की	वर्गीकरण	वेतनमान	प्रवरण पद है या	प्रन्यक्ष भर्ती वालों के	प्रश्यक्ष भर्ती वालों के लिए अपेक्षित
	संख्या			अप्रवरण	लिए आयु	शैक्षिक तथा अन्य योग्यताएं
1	2	3	4	5	6	7
कनिष्ठ विशेषक (कार्य अध्ययन)	2	मासान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-II राजपत्रित अधिकारीय	400-25-500-30- 590-द रो० 30- 800-द रो० 30- 830-35-900 रु०	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

कूपा प्रत्यक्ष भर्ती परिवेशका की अवधि भर्ती प्रणाली, प्रत्यक्ष भर्ती या पदों-
बालों के लिए यदि कोई नति या प्रतिनियुक्ति तबादले भर्ती किए जाने की स्थिति में उन
निर्धारित की गई हो तो द्वारा विभिन्न प्रणालियों द्वारा ग्रेडों का उल्लेख जिससे पदोन्नति/
आयु तथा शैक्षिक भरे जाने वाले रिक्त स्थानों प्रतिनियुक्ति/तबादले किया जाना है।
अद्वारा, पदों-
नति के विषय में
भी लागू होगी।

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता लागू नहीं होता प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा
अधिका नियुक्ति द्वारा ठेके पर

पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा यदि विभागीय पदों-
भर्ती किए जाने की स्थिति में उन नति समिति हो भर्ती करने के विषय
ग्रेडों का उल्लेख जिससे पदोन्नति/उमसी संरचना क्या में संघ लोक सेवा
प्रतिनियुक्ति/तबादले किया जाना है। है। आयोग में परामर्श
किया है।

प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा अधिका
ठेके पर नियुक्ति :
केन्द्रीय सेवा में श्रेणी-2 के पद धारण
करने वाले अधिकारियों में से,
जिसके न होने पर, राज्य सरकार
में श्रेणी-2 का कोई भी पद
धारण करने वाले अधिकारी अधिका
किसी भरकारी मेक्टर प्रतिष्ठान
में इसके समान ग्रेड धारण करने
वाले अधिकारी, जिनके पास निम्न-
निलिखित योग्यताएँ हों—

- (1) किसी विश्वविद्यालय का डिप्री
अधिका उसके समकक्ष ;
- (2) बराबर के ग्रेड के राजपत्रित
पद में कम से कम 5 वर्ष की
सेवा अधिका किसी भराजपत्रित
अधिका बराबर के ग्रेड में कम से
कम 8 वर्ष की सेवा ; तथा
- (3) मञ्चिवालय प्रशिक्षण तथा
प्रबंध मन्त्रालय, अधिका कार्य
प्रब्लेम के रक्षा संस्थान से
कार्य प्रब्लेम व्यवसायी पाठ्यक्रम
में सफलता पूर्वक प्रशिक्षण
पूरा किया हो अधिका किसी
अन्य संस्था से इसी तरह का
प्रशिक्षण पाया हो।

अधिका

कार्य प्रब्लेम संगठन और
प्रदत्त अधिका विश्वविद्यालय की
अधिका गमनन (आप्रेशन्स)
अनुसंधान नया अन्य प्रबन्ध
अनुसंधान तकनीकों की प्रायोग-
गत्या में कम से कम एक वर्ष
का अनुभव।

(प्रतिनियुक्ति अधिका ठेके की
अवधि साधारणतया 6 वर्ष से
अधिक नहीं होगी)

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Department of Education)

New Delhi, the 1st August, 1974

G.S.R. 962.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Junior Analyst (Work Study) in the Ministry of Education and Social Welfare (Department of Education), namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Department of Education (Junior Analyst Work Study) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay : The number of the said posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed hereto.

3. Method of recruitment, age limit and qualifications, etc : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule :

4. Disqualification : No person—

(a) who have entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government, may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Junior Analyst in Department of Education

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Junior Analyst (Work Study).	2	General Central Service Class II Gazetted Non- Ministerial.	Rs. 400-25-500- 30-590-EB-30- 800-EB-30-830- 35-900.	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees Period of Probation if any Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation or transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods In case of recruitment by promotion or deputation or transfer, grades from which promotion or deputation or transfer to be made If a DPC exists, what is its composition or transfer, grades from position Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment

8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation or by appointment on contract.	Transfer on deputation or appointment on contract From among officers holding any Class II post under Central Government, failing which officers holding any Class II post under State Government or holding equivalent grade in any Police Sector Undertakings, and who have :— (i) a University degree or its equivalent; (ii) a minimum of 5 years service in a gazetted post of equivalent grade or a minimum of 8 years service in non-gazetted or equivalent grade; and (iii) successfully completed training in the work study practitioners' Course of the Institute of Secretariat training and Management or Defence Institute of work study or equivalent training in any other institution.	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958

OR

have atleast 1 year's experience in the application of Work Study organisation and methods or analytical statistical or operations research and other management research techniques.

(Period of deputation or contract-ordinarily not exceeding 6 years).

नीवहन और परिवहन मत्रालय

(परिवहन पथ)

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1974

(पत्र)

सा० का० नि० 963—राष्ट्रपति मंत्रियां के अनुच्छेद 309 के परन्तुक हारा प्रदल मणियों का प्रयोग करने हुए, मारन सरकार के भूत्युवृ परिवहन और विमान मत्रालय के परिवहन और नीवहन विभाग (परिवहन पक्ष) की भूमिकूलता म० 4-वीं ई (7)/64, सारीख 4 मार्च, 1967 के नाथ प्रकाशित नवु पमन निकरण और सर्वेक्षण मणठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बंग 3 और बंग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 मे और सशाधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

1 (1) इन नियमों का नाम लघु पत्र निकरण और सर्वेक्षण मणठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बंग 3 और बंग 4 पद) भर्ती (सशाधन) नियम, 1974 है।

(2) ये राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 लघु पत्र निकरण और सर्वेक्षण मणठन (सर्वेक्षण पक्ष) (बंग 3 और बंग 4 पद) भर्ती नियम, 1967 मे —

(i) नियम 6 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् — “6 वटा अधिकता”

(क) जिमन ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिमन अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों पर से नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को सार्व स्वीय विधि के अधीन घनत्तेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

(ii) नियम 7 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अस्त स्थापित किया जाएगा, अर्थात् —

“8 व्यावृति इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आराधणा और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिसका केन्द्रीय सरकार हारा इस सबध मे समय-समय पर निकासे गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जानियो, अनुसूचित जन आनियो के आव्यायियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपचार करना अपेक्षित है।”

(iii) “मात्र 3 पद” शीर्षक के अधीन भूमिकूली (I) मे —

(क) “भरग ग्रेड” के पद के सामने —

(क) स्तम्भ 7 की प्रविशिष्ट के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविशिष्ट रखी जाएगी, अर्थात् —

“अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन प्रथम श्रेणी मास्टर के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र,

या

अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन द्वितीय श्रेणी मास्टर के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड मे कम से कम दो वर्ष की सेवा या अनुभव।”

(अ) स्तम्भ 11 मे “5 वर्ष” प्रक और शब्द के स्थान पर “3 वर्ष” प्रक और शब्द रखे जाएं।

(ब) “भरग ग्रेड II” के पद के सामने —

(क) स्तम्भ 7 की प्रविशिष्ट के स्थान पर निम्नलिखित प्रविशिष्ट रखी जाएगी, अर्थात् —

‘अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन द्वितीय श्रेणी मास्टर के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड मे कम से कम दो वर्ष की सेवा या अनुभव,

या

अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम, 1917 के अधीन सेराग के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड मे कम से कम दो वर्ष का अनुभव।’

(ब) स्तम्भ 11 मे, “प्रोन्टन्टि” शीर्षक के अधीन, “अपेक्षित प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड मे 5 वर्ष की सेवा” शब्दों और प्रक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और शब्द रखे जाएंगे, अर्थात् —

“अपेक्षित अहंताएँ तथा इस ग्रेड मे 3 वर्ष की सेवा।”

(ग) “नौ (इंजिन) चालक ग्रेड I” के पद के सामने —

(क) स्तम्भ 7 की प्रविशिष्ट के स्थान पर निम्नलिखित प्रविशिष्ट रखी जाएगी, अर्थात् —

“वाणिज्य पात्र परिवहन अधिनियम, 1958 के अधीन जारी किया गया समुद्रगामी इंजिन-चालक (मोटर) के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र,

या

अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम 1917 के अधीन जारी किया गया प्रथम श्रेणी इंजिन चालक (मोटर) के रूप मे सक्षमता प्रमाणपत्र तथा उस ग्रेड मे कम से कम 3 वर्ष की सेवा या अनुभव।”

(ब) स्तम्भ 11 की प्रविशिष्ट के स्थान पर निम्नलिखित प्रविशिष्ट रखी जाएगी अर्थात् —

“प्रोन्टन्टि अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम 1917 के अधीन ऐसे द्वितीय श्रेणी नौ (इंजिन) चालक (ग्रेड 2) मे से जिन्होंने उस ग्रेड मे 3 वर्ष सेवा की हा,

या

अनदेशीय वाय्य जलयान अधिनियम 1917 के अधीन ऐसे द्वितीय श्रेणी नौ (इंजिन) चालक (ग्रेड 2) मे से जिन्होंने उस ग्रेड मे कम से कम 3 वर्ष सेवा की हा।

स्थानान्तरण

अन्य केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों से समक्षा या समतुल्य ग्रेड मे मे।”

(घ) “नौ (इंजिन) चालक ग्रेड 2” पद के सामने, स्तम्भ 11 मे “प्रोन्टन्टि” शीर्षक के अधीन, “और जिन्होंने उस ग्रेड मे 5 वर्ष सेवा की

हाँ शब्दों और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखें जाएँगे,
अर्थात् :—

"श्री जिहोने उस प्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो" ;

(क) "चालक (परिवहन)" पद के सामने स्तम्भ 11 की प्रविष्टि
के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँगी, अर्थात् :—

"प्रोन्नति"

"ऐसे मददगारों में से जिनके पास अपेक्षित मोटर चालन अनुशासित
हो और जिन्होंने उस प्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो, जिसके न हो
गकने पर ऐसे वर्षे 4 कर्मचारियोंन्द में से जिनके पास अपेक्षित
मोटर चालन अनुशासित हो और जिन्होंने उस प्रेड में 3 वर्ष
सेवा की हो।"

(II) "भाग II—वर्षे 4 पद" जीर्णक के अधीन—

(क) "टिल्ला" पद के सामने, स्तम्भ 11 में "ऐसे नाविक और
श्रीजरों में से प्रोन्नति द्वारा जिनके पास 3 वर्ष का अनुभव हो" शब्दों
और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखें जाएँगे, अर्थात् :—

"प्रोन्नति"

"ऐसे नाविकों में से जिन्होंने उस प्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।"

(क) "नाविक" पद के सामने स्तम्भ 11 में "ऐसे खालामियों
और मददगारों में से प्रोन्नति द्वारा जिन्हें 3 वर्ष का अनुभव प्राप्त हो"
शब्दों और अंक के स्थान पर निम्नलिखित शब्द और अंक रखें जाएँगे
अर्थात् :—

"प्रोन्नति"

"ऐसे खालामियों में से जिन्होंने उस प्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।"

(ग) "श्रीजर" पद के सामने, स्तम्भ 11 की प्रविष्टि के स्थान पर
निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँगी, अर्थात् :—

"प्रोन्नति"

"ऐसे खालामियों में से जिन्होंने उस प्रेड में 3 वर्ष सेवा की हो।"

[मं० 18-पी ई(33)/73]

श्रीमती बी० निम्नल,
अवार सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 20th August, 1974

(Ports)

G.S.R. 963.—In exercise of the powers conferred by
the proviso to article 309 of the Constitution, the President
hereby makes the following rules further to amend as Minor
Ports Dredging and Survey Organisation (Survey Wing) (Class
III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1967, published
with notification of the Government of India in the late
Ministry of Transport and Aviation, Department of Trans-
port and Shipping (Transport Wing) No. 4-PE(7)/64 dated
the 4th March, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Minor Ports Dredg-
ing and Survey Organisation (Survey Wing) (Class III and
Class IV posts) Recruitment (Amendment) Rules 1974.

(2) They shall come into force on the date of their pub-
lication in the Official Gazette.

2. In the Minor Ports Dredging and Survey Organisation
(Survey Wing) (Class III and Class JV posts) Recruitment
Rules, 1967—

(i) for rule 6, the following rule shall be substituted,
namely :—

"6. No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage
with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or
contracted a marriage with any person,
shall be eligible for appointment to the said posts :

Provided that the Central Government may, if satisfied
that such marriage is permissible under the personal law
applicable to such person and the other party to the marriage
and there are other grounds for so doing, exempt any person
from the operation of this rule."

(ii) after rule 7, the following rule shall be inserted,
namely :—

"8. Saving Nothing in these rules shall effect reser-
vations and other concessions required to be pro-
vided for candidates belonging to the Scheduled
Castes, the Scheduled Tribes and other special cate-
gories of persons in accordance with the orders by
the Central Government from time to time in this
regard."

(iii) in the Schedule (I) under the heading "PART I—Class
III POSTS"—

(a) against the post of "Serang Grade I"—

(A) in column 7, for the entry, the following entry shall
be substituted, namely :—

"Certificate of Competency as Master I Class under
Inland Steam-vessels Act, 1917;

OR

Certificate of Competency as Master II Class under
Inland Steam-vessel Act, 1917 with not less than
2 years service or experience in the grade."

(B) in column 11, for the figure and letters "5 years", the
figure and words "3 years" shall be substituted;

(b) against the post of "Serang Grade II".

(A) in column 7, for the entry the following entry shall
be substituted, namely :—

"Certificate of Competency as Master II Class under
the Inland Steam-vessels Act, 1917 with not less
than 2 years service or experience in the grade;

OR

Certificate of Competency as Serang under Inland Steam-
vessels Act, 1917 with at least 2 years experience
in the grade."

(B) in column 11, under the heading "Promotion", for the
words and figure "requisite certificate(s) and having 5 years
service in the grade", the following words and figures shall
be substituted, namely :—

"requisite qualifications and having 3 years service in
the grade."

(c) against the post of "Marine (Engine) Driver Grade I"—

(A) in column 7, for the entry the following entry shall
be substituted, namely :—

"Certificate of Competency as Sea Going Engine-Driver
(Motors) issued under the Merchant Shipping Act,
1958 ;

OR

Certificate of Competency as I Class Engine Driver
(Motor) issued under the Inland Steam-vessels Act,
1917 ;

OR

Certificate of Competency as II Class Engine Driver (Motor) issued under the Inland Steam-vessels Act, 1917 with not less than 3 years service or experience in the grade."

(B) In column 11 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion: From amongst II Class Marine (Engine) Drivers under the Inland Steam-vessels Act, 1917 (Grade II) who are holding the requisite Certificate of Competency and having 3 years service in the grade;

OR

II Class Marine (Engine) Drivers under the Inland Steam-vessels Act, 1917 (Grade II) who have rendered a minimum of 3 years service in the grade.

Transfer

From similar or equivalent Grades from other Central Government Offices."

(d) against the post of "Marine (Engine) Driver Grade II", in column 11, under the heading "Promotion", for the words and figure "and having 5 years service in the grade", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"and having 3 years service in the grade.";

(e) against the post of "Driver (Transport)", in column 11 for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From helpers possessing the requisite Motor Driving Licence and having 3 years service in the grade, failing which the Class IV staff possessing the requisite Motor Driving Licence and having 3 years service in the grade.;"

(II) under the head "PART II—Class IV POSTS"—

(a) against the post of "Tindel", in column 11, for the words and figure "By promotion amongst Deck-Hand and Greasers with 3 years experience", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From amongst Deck Hands with 3 years service in the Grade.";

(b) against the post of "Deck Hand", in column 11 for the words and figure "By promotion amongst Khalasis and Helper with 3 years of experience", the following words and figure shall be substituted, namely:—

"Promotion"

"From amongst Khalasis with 3 years service in the grade.";

(c) against the post of "Greasers", in column 11, for the entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Promotion"

From amongst Khalasis with 3 years service in the Grade."

[No. 18-PE(33)/73.]

Mrs. B. NIRMAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 मार्च 1974

(बाणिज्य परिवहन)

सा० का० नि० 964—यत् बाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा माधिक) नियम, 1969 का प्राप्त बाणिज्य परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 288 की उपधारा (1) द्वारा यथा ग्राहेत्रीन भारत सरकार के नोवेहन एवं परिवहन मनालय की अधिसूचना सा० का० नि० 149 दिनांक 15 जनवरी, 1969 के अधीन भारत के राजपत्र के धारा 2 खण्ड 3, उपखण्ड (1), दिनांक 26 जून, 1971 के पुळ 2463 से 2531 तक प्रकाशित किया गया था, जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उनसे प्रभावित होना संभाल्य था, ग्राहेत्री और सुझाव भागे गये थे;

और यत् उक्त प्राप्त को फिर से उन लोगों के सुचनार्थ, जिनका उससे प्रभावित होना संभाल्य था, प्रकाशित करना बाधीय ममका गया है।

इसनिए यत् उक्त अधिनियम की धारा 457 और धारा 288 की उपधारा (1) तथा उपधारा (2) की धारायें (क), (ख), (ग), (घ), (इ), (च), (छ), (ज), (ट), (ठ) और (ण) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यथा भारतीय बाणिज्य परिवहन (प्राण रक्षा माधिक) नियम 1956 का प्रधिकरण करते हुए प्रत्येक धारा 288 की उपधारा (1) द्वारा उन सभी व्यक्तियों के सुचनार्थ, जिनका इससे प्रभावित होना संभाल्य है, प्रकाशित की गई है और एनडब्ल्यूएसूचना दी जाती है कि उक्त प्राप्त पर इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तरीके से पैतालीम दिनों के पश्चात् विचार किया जाएगा, केन्द्रीय सरकार एनडब्ल्यूएसूचित नियम बनाने का निश्चय करती है।

उक्त नियमों के प्राप्त के संबंध में किसी व्यक्ति से कोई ग्राहेत्री या सुझाव विनिर्दिष्ट ममका से पूर्व प्राप्त हो जाय केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

1. मध्यस्थ नाम प्रारम्भ और प्रयोज्यता :— (1) ये बाणिज्य पोत परिवहन (प्राण रक्षा माधिक) नियम 1974 के जा सके।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

(3) ये

(क) सभी समूद्र में जाने वाले भारतीय पोतों और

(ख) भारतीय पोतों में भिन्न सभी पोतों को जब कि वे भारत में किसी पलन या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समूद्र की सीमा में हैं:

को लाग् होंगे:

परन्तु ये नियम किसी पोत के भारत के किसी पलन या स्थान पर या भारत के राज्य क्षेत्रीय समूद्र की सीमा में होने के कारण ही नहीं लाग् होंगे यदि वह पोत, ऐसे पलन या स्थान पर मौसम या किसी परिस्थिति के दबाव के कारण आ गया हो जिसका न तो पोत के मास्टर न तो स्वामी, न तो भाई पर लेनेवाला निवारण या पुर्वानुमान कर सकते हैं।

2. परिभाषा:—इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो—

(क) "अधिनियम" से बाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम 1958 (1958 का 44) अधिनियम है।

- (८) "अनुमोदित" में केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित अभियेत है,
- (ग) "उत्साहन बेड़ा" से रक्षा नौका या रक्षा जॉकेट से भिन्न प्रबन्ध उपस्कर अभियेत है जो व्यक्तियों की विनिश्चित संख्या को जो जन में है महायात्रा देने के लिए त्रिजाइन किया गया हो और ऐसे सत्तिमणि का हो जो अपने आकार और गुण धर्म की प्रतिधारित करें,
- (घ) "प्रमाण पक्षित रक्षा नाथिक" से, कर्मीदल का कोई मदस्य अभियेत है जिसके पास रक्षा नाथिकों की (अर्हताएं और प्रमाण पत्र) नियम, 1963 द्वारा दिया हुआ रक्षना का प्रमाण-पत्र हो,
- (ङ) "वर्ग 'ग' नौका" से वक्त नौका अभियेत है जो नियम, 16 के उपबन्धों के अनुसार है,
- (च) "स्फीनियोग्य बचाव-नरापा" से ऐसा बचाव-नरापा अभियेत है जो सातवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (छ) "अवतरण साधिक" से ऐसा साधिक अभियेत है जो पंत्राही अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ज) "रजिस्ट्रीडॉन पोट" के मध्य में "नश्वर्डी" में रजिस्ट्रीडॉन संबाई अभियेत है और अराजिस्ट्रीडॉन पोट के मध्य में माथे के अंगठे हिस्से में कुदान के शीर्ष के पिछले तरफ तक या प्रगर सुकान को लेने के लिए कुदान नहीं लगा हो तो ती सुकान दण्ड के आगे की तरफ से उस स्थान तक यह सुकान छोड़ से बाहर जाता है तक की लंबाई अभियेत है,
- (झ) "रक्षा नौका से" ऐसी नौका अभियेत हैं जो नियम, 12 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ञ) "बचाव-नरापा" से ऐसा बचाव-नरापा अभियेत है जो नियम, 12 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ट) "पन्त्र चालिन रक्षा नौका" से ऐसी नौका अभियेत है जो नियम, 15 के उपबन्धों के अनुसार है,
- (ठ) "मोटर रक्षा नौका" से ऐसी मोटर रक्षा नौका अभियेत है जो नियम, 14 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ड) इन नियमों के संबंध में "व्यक्ति" से प्रत्यक्ष वर्ष में ऊपर की भवस्था का कोई भी व्यक्ति अभियेत है और इसके अन्तर्गत पोत के कर्मी और प्राक्षिपर भी आते हैं,
- (ढ) "अनन्य बचाव-नरापा" से ऐसा बचाव-नरापा अभियेत है जो सातवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार है,
- (ण) "अनुसूची" में इन नियमों की अनुसूची अभियेत है,
- (ञ) "संक्षित अन्तर्राष्ट्रीय समूद्र यात्रा" से ऐसी अन्तर्राष्ट्रीय समूद्र यात्रा अभियेत है जिसके दौरान पोत किसी भी समय पन्त्र या उस स्थान से जहाँ यात्री और कर्मी सुरक्षा पूर्वक रखे जा सकते थे 200 नाटिकल मील से अधिक दूर न हो और जो किसी देश के जहाँ से समूद्र यात्रा प्रारंभ होती है यह विश्वाम-पत्रन और अन्तिम गलव्य पत्रन के बीच 600 नाटिकल मील से अधिक दूर न हो।

3. पोतों का वर्गीकरण :—इन नियमों के प्रयोजन के लिए पोत निम्न नियन्त्रित वर्गों में रखे जाएंगे अर्थात् —

क—यात्री पोत

वर्ग I अन्तर्राष्ट्रीय समूद्रयात्रा में लगे हुए, वर्ग II, III और IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न, यात्री पोत,

वर्ग II संक्षित अन्तर्राष्ट्रीय समूद्र यात्रा से लगे हुए वर्ग IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न यात्री पोत,

वर्ग III अन्तर्राष्ट्रीय समूद्र यात्रा में लगे हुए वर्ग IV के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न यात्री पोत,

वर्ग IV संक्षित अन्तर्राष्ट्रीय समूद्रयात्रा में लगे हुए यात्री पोत,

वर्ग V तटीय समूद्र यात्रा में लगे हुए डैक यात्री पोत।

क-- यात्री पोतों से भिन्न पोत

वर्ग VI वर्ग VII के अन्तर्गत आने वाले पोतों से भिन्न स्थैतिक पोत, वर्ग VII सटीय समूद्र यात्रा या निकटवर्ती पड़ोसी देशों की समूद्र यात्रा में लगे हुए स्थैतिक पोत,

वर्ग VIII मछली पकड़ने वाले जलयान और अन्य पोत जो वर्ग I से VII जिसमें दोनों सम्मिलित हैं, के अन्तर्गत नहीं प्राप्त हैं।

4. वर्ग I के पोत—(1) यह नियम वर्ग I के पोतों को लागू होगा।
(2) वर्ग I का हर पोत —

(क) पोत प्रत्येक और रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या बहन करेगा जिसकी पार्याप्त कुल धारिता उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को जिसने पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये होगी, या

(ख) रक्षा नौकाओं और बचाव-नरापों को ऐसी संख्या बहन करेगा जिसकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये होगी, परन्तु पोत के प्रत्येक और बहन की हुई रक्षा नौकाएं, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, 37½ प्रतिशत को आवश्यक स्थान देने के लिये कभी भी कम नहीं होगी; परन्तु उस पोत के बारे में जिसकी पठाण 26 मई, 1965 के पहले रक्षी गई थी, इस दण्ड के उपबन्ध केवल तभी लागू होगे जब व्यक्तियों की संख्या, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, इस कारण से नहीं बढ़ा दी गई है कि बोर्ड पर उपलब्ध बचाव-नरापों की संख्या, ऐसी बढ़ी हुई संख्या के लिये पर्याप्त है।

(3) (क) हर पोत पर, जब वह समूद्र में है, उपनियम (2) के प्रधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं, पोत के प्रत्येक और एक-एक आपात में तकाल प्रयोग के लिये तैयार रखी जाएंगी।

(ख) इन दोनों रक्षा नौकाओं में से किसी की भी लंबाई 8.5 मीटर से अधिक होगी, किसी उनमें से कोई या दोनों मोटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएं हो सकती हैं, और उस वशा में, उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोजन के लिये कही जा सकेगी।

(ग) नियम, 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के हाने हुए भी, स्केट या अन्य उपर्युक्त साधिकों का इन रक्षा नौकाओं में लगा होता अपेक्षित नहीं है।

(4) हर पोत अपने प्रत्येक और कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहन करेगा :

परन्तु कोई पोत जो 30 व्यक्तियों से अधिक को बहन करने के लिये प्रमाणित है, उसके लिये केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका बहन करना अपेक्षित होगा।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिये प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुमार बहन की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में नियम, 25 के उपनियम (1) से विनियिष्ट उपस्कर व्यवस्थित होगे,

(ख) हर पोत में जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को बहन करने के लिये प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुमार बहन की हुई कम से कम एक मोटर रक्षा नौका में, नियम, 25 के उपनियम (1) में विनियिष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगी,

(ग) इस नियम के अनुपालन में बहन की हुई प्रत्येक मोटर रक्षा नौका में, नियम, 25 के उपनियम (2) में विनियिष्ट सर्चलाइट होगी।

(6) हर एक पोत जो अपने प्रत्येक और उपनियम (5) के धारा (क) में विनियिष्ट उपस्कर से लगी मोटर रक्षा नौका बहन नहीं करता, एक सुचालन रेडियो उपस्कर बहन करेगा जो नियम, 34 के उपबन्धों के अनुमार होगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में बहन की हुई प्रत्येक रक्षा नौका की लंबाई 7.3 मीटर से अन्यत होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक में से संलग्न होगी जो गुरुत्व प्रकार होगा इसके अलावा कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिये जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक है, उनकी अवतरण स्थिति में लकिंग-डेविट लगे हो सकें।

(9) (क) उपनियम (2) के बांड (ख) के अनुमार बहन किये हुए बचाव-तरापे अवतरण साधितों से युक्त होंगे,

(ख) पोत के प्रत्येक और कम से कम ऐसा एक साधित होगा और प्रत्येक और लगे हुए साधितों की संख्या में एक में अधिक अन्यरक्षी नहीं होगा।

(10) हर पोत ऐसे बचाव-तरापे बहन करेगा जो ऐसे अवतरण साधितों से युक्त नहीं हो सकेंगे। जिसमें उन व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिये जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है उस संख्या के 3 प्रतिशत के लिये उत्तमावन बेड़ा के साथ, पर्याप्त आर्टिलरी हो:

परन्तु—

(क) यदि उपनियम (2) के बांड (ख) के अनुमार बचाव-तरापे भी बहन किये जाते हैं तो पोत द्वारा बहन किए गए सभी बचाव-तरापे, उपनियम (9) के अनुमार पोत पर लगे हुए अवतरण साधितों द्वारा अवतरित होने योग्य होंगे, और

(ख) वह पोत जो 0.33 या उससे कम के प्रविभाग का गुणक रखता है, बदले में केवल, व्यक्तियों की कुल संख्या, जिसे यह बहन करने के लिये प्रमाणित है, के 25 प्रतिशत के लिये उत्तमावन बेड़ा बहन कर सकेगा।

(11) (क) हर पोत-निम्नलिखित सारणी के अनुमार, रक्षा बोयों की स्थूनतम संख्या बहन करेगा:—

मारणी

पोत की लंबाई मीटर में

बहन किए जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की स्थूनतम संख्या

61 मीटर से कम .	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम .	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम .	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम .	24
244 मीटर और उससे अधिक .	30

(ख) इस प्रकार बहन किये हुए रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, स्थूनतम 6 के अध्यधीन रक्षा दक्ष स्व-प्रज्वलन वक्ती की व्यवस्था होगी।

(ग) स्व-प्रज्वलन वक्तियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में 15 मिनट से अन्तर टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ण के दक्ष स्वतः सक्रिय धूम सकेतों की भी व्यवस्था होगी और धूम सकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोये नौशालन कक्ष में शीघ्र नियुक्त होने से समर्थ होगा।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोये में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्तमावन रक्षा रस्मी की व्यवस्था होगी

(12) (क) हर पोत पर —

(1) यथानियत हर व्यक्ति के लिये या व्यक्तियों की उस संख्या के लिये जिससे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, जिसमें जो भी अधिक है, वस्त्री अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुमार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम तस प्रतिशत के लिये, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है, दम्भी अनुसूची में भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुमार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

(ख) हर पोत बांड (क) के अनुमार बहन की हुई रक्षा जाकेटों के प्रतिरक्षित व्यक्तियों की उस संख्या में कम से कम पांच प्रतिशत के लिये जिसे यह बहन करने के लिये प्रमाणित है, दम्भी अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुमार रक्षा जाकेट भी बहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर नौशालित होंगी जो सहजवृद्ध रूप से चिह्नित होगा।

(13) हर पोत एक अनुमोदित रस्मी प्रभेषण माधित्र बहन करेगा।

5. वर्ग 1 के पोत—(1) यह नियम वर्ग 2 के पोतों की लागू होगा।

(2) उपनियम (8) के उपबन्धों के मध्यधीन हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुमार प्रथम अनुसूची में उपर्याप्त सारणी के सम्म के विनियिष्ट डैविटों के सेटों की स्थूनतम संख्या नहीं होगी:

परन्तु किसी भी पोत में डैविटों के सेटों की उस संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे बहन करने के लिये प्रमाणित है, स्थान देने के लिये अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डैविटों के हर ऐसे सेट में एक रक्षा नौका संलग्न होगी और उपनियम (8) के उपबन्धों के अध्यधीन इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में, प्रथम अनुसूची में उपर्याप्त सारणी के सम्म ग में विनियिष्ट कम से

कम धारिता की या उम धारिता की जो व्यक्तिया की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है यदि परवर्ती कम हो स्थान देने के लिये व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर जब वह समूद्र में हो उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएँ पोत के प्रत्येक और आपान में तत्काल प्रयोग के लिये तैयार रखी जाएँगी।

(ख) धारा (क) में उपर्याप्त इन दोनों रक्षा नौकाओं में में कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अधिक होगी, किन्तु उनमें से कोई भी या दोनों मोटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएँ हो मर्केगी और उम दण में उपनियम (5) के अनुसार प्रयोग के लिये गिनी जा सकेंगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं में स्केटों या अन्य उपयुक्त साधितों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत अपने प्रत्येक और कम से कम एक मोटर रक्षा नौका बहन करेगा, परन्तु उम पोत को 30 से अनाधिक व्यक्तियों को बहन करने के लिये प्रमाणित है, उसे केवल एक ऐसी मोटररक्षा नौका बहन करना अपेक्षित होगा।

(6) उपनियम (7) और (8) के उपबन्धों के अध्यधीन, जब उपनियम (3) के अनुसार बहन को मुई रक्षा नौकाओं में, उन व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत बहन करने के लिये प्रमाणित है स्थान नहीं है तो ऐसे स्थान देने की कसी की पूर्ति के लिये डेविटों के प्रतिरिक्षण सेट, जिनमें प्रत्येक में रक्षा नौका संलग्न हो लगे होंगे।

(7) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की घटिकाना के कारण ऐसा अपेक्षित है तो यह, किसी पोत को, जो अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाये गये नियमों के उपबन्धों के अनुसार उपनियम (3) के अनुसार उम पोत पर रक्षा नौकाओं की व्यवस्थित धारिता से अधिक्य में व्यक्तियों को बहन करने के लिये, अनुजा दे सकेगी :

परन्तु—

(क) जब ऐसा कोई पोत केन्द्रीय सरकार द्वारा भारत में किसी पत्तन या स्थान से अन्तर्राष्ट्रीय समूद्र याक्ता पर जो 600 मील से अधिक किन्तु 1200 मील में अधिक न हो भारत में गत विद्याम पत्तन या स्थान में बाहर अनियम गतिय या पत्तन या स्थान तक समृद्ध में जाने के लिए अनुजात तो यह पोत पर स्थित व्यक्तियों के कम से कम पचहत्तर प्रतिशत को स्थान देने के लिए डेविटों से संलग्न रक्षा नौकाएँ बहन करेगा,

(ख) मध्य दिशाओं में बहन किये जाने वाले बचाव-तरापों की संख्या ऐसी होगी जो यह सुनिष्कित कर सके कि बचाव-तरापों के साथ रक्षा नौकाओं की कुल संख्या व्यक्तियों की कुल संख्या जो जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित है यह बहन करने के लिए अनुजा है स्थान देने के लिये पर्याप्त होगी, और

(ग) यदि ऐसे किसी पोत में प्रनविभाग का मानक वाक्य दो कठ पूरे में प्राप्त नहीं है तो यह उन व्यक्तियों के दस प्रतिशत को जिन्हें यह बहन करने के लिए प्रमाणित है या अनुजात है स्थान के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव-तरापे बहन करेगा ऐसे बचाव-तरापे उनके प्रतिरिक्षण होंगे जिनको यथास्थिति इस परन्तुके खण्ड (ख) के या उपनियम (8) के खण्ड (ख) के और उपनियम (12) के अनुसार व्यवस्थित किये जाने की अपेक्षा है।

(8) जहाँ केन्द्रीय सरकार को यह समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि संक्षिप्त समूद्र याक्ता पर लगे हुए किसी पोत में रक्षा नौकाओं की संख्या जम किये जिन उपनियम (7) के अनुसार में बहन किये जाने के लिए अपेक्षित बचाव-तरापे समाधान प्रदरूप में नौशरित करना अमाध्य है वहाँ केन्द्रीय सरकार उपनियम (2) के अधीन लगाये जाने के लिए अपेक्षित डेविटों के सीटों की संख्या और उपनियम (3) के अधीन डेविटों से संलग्न किये जाने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या की भी कम होने के लिए अनुजा दे सकेगी :

परन्तु—

(क) पोत की उस दण में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से अधिक हो तो बहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी जिनमें से दो-दो पोत प्रत्येक और होंगी और उम पोत की दण में जिसकी लम्बाई 58.5 मीटर से कम हो बहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी दो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोत के प्रत्येक और बहन की जायेगी,

(ख) मध्य दिशाओं में रक्षा नौकाओं और बचाव-तरापों की संख्या मदेव उन व्यक्तियों की कुल संख्या का जिसे पोत बहन करने के लिए प्रमाणित या अनुजात है स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी, और

(ग) उस पोत की दण में जिसमें बहन की हुई रक्षा नौकाओं की कुल धारिता प्रयम अनुमूली में उपर्याप्त सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धारिता से कम है तो नियम, 30 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट गाधितों द्वारा अवतीर्ण किये जाने में समर्थ ब्रकार के प्रतिरिक्षण बचाव-तरापों की व्यवस्था की जायेगी,

(घ) इस प्रकार व्यवस्थित बचाव-तरापों की संख्या इतनी होगी जो यह सुनिष्कित कर सके कि बचाव-तरापों की कुल धारिता कम से कम, रक्षा नौकाओं की कुल धन धारिता और प्रथम अनुमूली के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट धन धारिता के अन्तर का 10 से विभाजित करने से प्राप्त संख्या के बराबर है, यह इस घने के अध्यधीन है कि—

(1) ऐसे प्रतिरिक्षण बचाव-तरापे, कम से कम 40 व्यक्तियों का स्थान देने के लिए पर्याप्त होंगे,

(2) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक प्रवतरण साधित्र की व्यवस्था है, और

(3) पोत के प्रत्येक और लगे हुए अवतरण साधित्र की संख्या का अन्तर एक से अधिक नहीं है।

(9) यह पोत में, इस नियम के अनुसार बहन की हुई रक्षा नौकाएँ लम्बाई में 7.3 मीटर से अन्तर्नु होगी।

(10) हर पोत में इन नियम के अनुसार बहन किये जाने के लिए अपेक्षित डेविट गुरुत्व प्रकार के होंगे इसके अनावा रक्षा नौकाओं के प्रवतरण के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अधिक नहीं है, उनको अवतरण स्थिति में लकिंग डेविट लगाये जा सकेंगे।

(11) हर पोत जो अपने प्रत्येक और एक मोटर रक्षा नौका जिसमें नियम 25, के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट उपकार भी व्यवस्था हो बहन नहीं करता तो वह एक सुचावा रेडियो उपकार बहन करेगा जो नियम, 34 के उपबन्धो के अनुसार होगा—

परन्तु मदि किसी पोत के बारे में जेन्ड्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि समुद्र यात्रा की कालावधि ऐसी है कि सुबाहू रेडियो उपस्कर को ले जाना अवश्यक है, तो वह इस नियम को अपेक्षाओं से अधिकृत होने के लिए अनुमति दे सकेगी।

(12) हर पोत, उपनियम (7) और (8) के अनुसरण में वहन किये हुए, किसी बचाव-तरापे के प्रतिरक्त, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के बाहर प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिनके लिए पोत में रक्षा नौका स्थान की व्यवस्था है, पर्याप्त प्रतिरक्त बचाव-तरापे वहन करेगा।

(13) हर पोत उन व्यक्तियों की कुल संख्या को पांच प्रतिशत को जिन्हे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, मम्मालने के लिए पर्याप्त, उत्पालन बैड़ा वहन करेगा।

(14) (क) हर पोत निम्न-सारणी के अनुमार अवधारित रक्षा बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा—

सारणी

पोत की सम्भाई, मीटर में

1	2
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये गये, रक्षा बोयों की कुल संख्याएँ के कम से कम प्राप्ति में, न्यूनतम 6 के अधिकीन, दक्ष-स्वप्रज्ञलन-व्यक्तियों की व्यवस्था होगी।

(ग) स्व-प्रज्ञलन व्यक्तियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में, 15 मिनट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ग के दक्ष स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों की भी व्यवस्था होगी और धूम्र संकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोये नौचालन कक्ष से शोध निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोये में, सम्भाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पालन रक्षा रस्ती की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोत—

(1) पोत पर, यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उम संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक है, वस्त्री अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुमार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या से कम से कम दम प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, वस्त्री अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(अ) हर पोत खण्ड (क) के अनुमार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के प्रतिरक्त, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुमार रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट हेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होगी जो महजदृश्य रूप से चिन्हित होगा।

(16) हर एक पोत एक अनुमोदित रस्मी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा।

6. वर्ग iii के पोत—(1) नियम वर्ग 3 के पोतों को लागू होगा।

(2) वर्ग 3 का हर पोत—

(क) पांच प्रत्येक और रक्षा नौकाओं की ऐसी संख्या वहन करेगा जिनकी पर्याप्त कुल धारिता, उन व्यक्तियों की कुल संख्या के आधे को, जिन्हें पांच वडा करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए होगी, या

(ख) रक्षा नौकाओं और बचाव-नरायां की ऐसी मंडपा वहन करेगा जिनकी कुल धारिता व्यक्तियों की कुल मंडपा को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, स्थान देने के लिए होगी :

परन्तु पोत के प्रत्येक और वहन की हुई नौकाएं, जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत वहन के लिए प्रमाणित है, 35 प्रतिशत को अवश्यक स्थान देने के लिए, कभी भी कम नहीं होगी।

(3) (क) हर पोत पर जब वह समुद्र में है इस नियम के उपनियम (2) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं पोत के प्रत्येक और एक-एक, प्राप्ति में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जायेगी।

(ख) इन रक्षा नौकाओं में से किसी की भी लम्बाई 8.5 मीटर से अनधिक होगी किन्तु उनमें से कोई या थोनों मीटर रक्षा नौका या रक्षा नौकाएं हो सकती है और उस वजा में उपनियम (4) के अनुपालन के प्रयोगन के लिए कहीं जा सकेगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, स्केट या अन्य उपयुक्त साधितों का इन रक्षा नौकाओं से लगा हाना अपेक्षित नहीं है।

(4) हर पांच अपने प्रत्येक और कम से कम एक मोटर रक्षा नौका वहन करेगा:

परन्तु जब कोई पोत जो 30 व्यक्तियों से अनधिक को वहन करने के लिए प्रमाणित है, उसके लिए केवल एक ही ऐसी मोटर रक्षा नौका वहन करना अपेक्षित होगा।

(5) (क) हर पोत में, जो 1500 या उससे अधिक व्यक्तियों को वहन करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में वहन की हुई कम से कम एक मोटर-बोट में नियम 25 के उपनियम (1) में विनियित उपस्कर होगे।

(ख) हर पोत, में, जो 199 से अधिक किन्तु 1500 से कम व्यक्तियों को वहन करने के लिए प्रमाणित है, उपनियम (4) के अनुपालन में वहन की हुई कम से कम एक मोटर-बोट में नियम 25 के उपनियम (1) में विनियित उपस्कर होगा।

(ग) पोत पर, जिसका पठाण 26 मई, 1965 को या उसके पश्चात् रक्षा गया था, हर मोटर रक्षा नौका में जो इस नियम के अनुसार वहन

की गई है नियम 26 के उपनियम (2) में विनिर्विष्ट उपस्कर की व्यवस्था होगा।

(6) हर पोत जो अपने प्रत्येक और उपनियम (5) की खण्ड (क) के अधीन अपेक्षित मोटर रक्षा नौका वहन नहीं करता, एक मुद्रासूचि रेडियो उपस्कर भी वहन करेगा जो नियम 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा।

(7) इस नियम के अनुपालन में वहन की हुई प्रत्येक रक्षा नौका की लम्बाई 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(8) हर पोत में प्रत्येक रक्षा नौका डेविटों के पृथक् सेट से संलग्न होगी गो गुरुत्व प्रकार का हागा इसके अनादा कि यथास्थिति उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रभालन के लिए जिनका मार 2300 किलोग्राम में प्रतिविधि है, उनकी अवश्यकता इस्थिति में लकिंग डैविट लंग हो सकेंगे।

(9) हर पोत, व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त धारिता के अचाव तरापे या उत्प्लावन बेंडा वहन करेगा:

परन्तु इस नियम के अन्तर्गत किसी पोत में वहन किये हुए अचाव तरापे जो व्यक्तियों की कुल संख्या के, जिसे पोत वहन के लिए प्रमाणित है, उस प्रतिशत को पर्याप्त स्थान होगा।

(10) (क) हर एक पोत, निम्न-सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या वहन करेगा:

सारणी

पोत की लम्बाई मीटरों में

वहन किये जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या

1	2
61 मीटर से कम	8
61 भीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये गये रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधी में, न्यूनतम 6 के अध्यवधीन, उस स्वप्रज्वलन बर्ती की व्यवस्था होगी।

(ग) सभी ज्वलन वर्तियों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में, 15 मिटट से अन्यून टिकने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ग के ध्रुव उत्पन्न करने में समर्थ दक्ष स्वतः सक्रिय ध्रुव सकेत की भी व्यवस्था होगी और ध्रुव सकेतों से इस प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोयों नौवालन कक्ष से प्रोत्त्र निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोयों में, लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्प्लावन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(11) (क) हर पोत—

(1) पोत पर यथास्थिति हर व्यक्ति के लिए या व्यक्तियों की उस संख्या के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है,

उनमें जो भी अधिक है, दसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दण प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(ब) हर पोत, खण्ड (क) के अनुसार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अन्तर्गत, व्यक्तियों की उस संख्या के कम से कम पाच प्रतिशत के लिए जिसे वहन करने के लिए प्रमाणित है, वसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार, रक्षा जाकेट भी वहन करेगा, और ऐसी रक्षा जाकेट डेंक पर समुचित स्थान पर नौभारित होंगी जो सहज दृश्य रूप से चिह्नित होंगा।

(12) हर पोत अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा।

7. वर्ग iv के पोत—(1) यह नियम वर्ग iv के पोतों को लागू होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुसार वहली अनुसूची में उपर्याप्त मारणी के स्तम्भ के में विनिर्विष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(ख) जहा केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहां वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने के लिए अनुशा वे सकेंगी परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या वहली अनुसूची के स्तम्भ ख में विनिर्विष्ट न्यूनतम संख्या से कमी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी भी पोत में, डेविटों के सेटों की उस संख्या का लगा हाना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या को जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है।

(3) डेविटों के द्वारा सेट से एक रक्षा नौका संलग्न होगी और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में पहली अनुसूची में उपर्याप्त सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्विष्ट कम से कम धारिता को या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या को, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, यदि परवर्ती कम हा, स्थान देने के लिए व्यवस्था होगी।

(4) (क) हर पोत पर, जब वह समुद्र में हो उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित दो रक्षा नौकाएं, पोत के प्रत्येक भी एक-एक, आपात में तत्काल प्रयोग के लिए तैयार रखी जायेगी।

(ख) खण्ड (क) में विनिर्विष्ट दानों रक्षा नौकाओं में से कोई भी लम्बाई में 8.5 मीटर से अनधिक होगी, किन्तु उनमें से कोई भी या बीनों, मोटर रक्षा नौकाओं या रक्षा नौकाएं हो सकेंगी, और इस बशा में उप नियम (5) के अनुसार प्रयोजन के लिए गिनी जा सकेंगी।

(ग) नियम 29 के उपनियम (13) के उपबन्धों के होते हुए भी, इन रक्षा नौकाओं या नौकाओं में स्केटों या उपयुक्त साधितों का लगा होना अपेक्षित नहीं होगा।

(5) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा नौका वहन करेगा।

(6) जहा उपनियम (3) के अनुसार वहन की हुई रक्षा नौकाएं पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या को स्थान नहीं देती है वहा उपयुक्त रूप से रखे हुए अचाव तरापों की इस प्रकार व्यवस्था की जायेगी कि रक्षा नौकाओं और अचाव तरापों पर स्थान की, की गई व्यवस्था पोत पर से सभी व्यक्तियों के लिए पर्याप्त हो।

(7) यद्यपि उपनियम (6) में अन्तर्विष्ट, वर्ग 4 का कोई पोत रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को मही ले जायेगा जब तक कि केन्द्रीय सरकार से प्रासांगिक यातायात की यात्रा के लिए अनुमति न मिले।

(8) यहां उपनियम (7) के उपबन्धों के अधीन पोत पर रक्षा नौका की धारिता से अधिक व्यक्तियों को ले जाने की अनुमति है वहां केन्द्रीय सरकार का यह मन्तोष हो जाय कि उस पोत में उपनियम (6) के अनुसार रक्षा नौकाओं को कम लिये बिना वहन किये जाने वाले बचाव तरापों को रखना प्रासाध्य है तो उस पोत में ले जाये जाने वाले रक्षा नौकाओं को कम करने की अनुमति दी जाय।

परन्तु—

(1) पोत की उस वशा में जिमकी लम्बाई 58 मीटरों या इससे अधिक हो तो वहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी चार से कम नहीं होगी, जिनमें से दो-दो पोत के प्रत्येक और होंगी और उस पोत की वशा में जिमकी लम्बाई 58 मीटरों से कम हो वहन किये जाने के लिए रक्षा नौकाओं की संख्या कभी भी तो से कम नहीं होगी जिनमें से एक-एक पोत के प्रत्येक और वहन की आवेगी;

(2) रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या, सर्वेव पोत पर कुछ व्यक्तियों की मंजूरी स्थान देने के लिए पर्याप्त होगी;

(3) यहां प्रथम अनुसूची में उपर्याप्त सारणी के स्तम्भ ग में रक्षा नौकाओं की अपेक्षित धारिता नहीं है वहां नियम 30 में निर्दिष्ट साधितों द्वारा यहां तक साध्य हो अवशीर्ण किये जाने में समर्थ बचाव तरापे उस कमी को दूर करेगे।

(4) यदि केन्द्रीय सरकार की राय में यातायात की अधिकता के कारण ऐसा अपेक्षित है, तो वह किंतु पोत को भारत में किसी पत्तन या स्थान से या अन्तर्राष्ट्रीय समुद्र यात्रा पर जो 600 मील से अधिक किन्तु 1200 मील से अधिक न हो, भारत में गतिशील पत्तन या स्थान से भारत के बाहर अंतिम गतिशील पत्तन या स्थान तक समुद्र में जाने के लिए आवश्यक हो सकेगी।

परन्तु—

(1) पोत पर व्यक्तियों के कम से कम 70 प्रतिशत को स्थान देने वाली डेविटों से संलग्न रक्षा नौकायें वहन करता हो, और

(2) पोत पर वहन की हुई रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों की संख्या, व्यक्तियों की कुल संख्या का जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित या अनुमति है स्थान देने के लिए पर्याप्त हो।

(10) हर पोत में, इस नियम के अनुसार वहन की हुई रक्षा नौकाओं की लम्बाई 7.3 मीटर से अन्यून होगी।

(11) हर पोत में, इस नियम के अनुसार वहन किये जाने के लिए अपेक्षित डेविट युक्त प्रकार के होंगे इसके अलावा कि उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए जिनका भार 2300 किलोग्राम से अनधिक हो, उनकी अवक्तरण स्थिति में लकिंग डेविट लगे हो सकेंगे।

(12) उपनियम (5) के अनुसार में वहन की हुई हर मीटर रक्षा नौका एक सुवाह्य रेडियो उपस्कर वहन करना जो नियम 34 के उपबन्धों के अनुसार होगा :

परन्तु यदि किसी पोत या पोतों के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाये कि समुद्र यात्रा की कालाखधि ऐसी है कि सुवाह्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है, तो वह इस उपनियम की प्रभि लिए अनुमति दे सकेगी।

(13) हर पोत, उपनियम (6) या जैसा मामला हो उपनियम (9) के अन्तर्गत वहन किये रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों के अतिरिक्त व्यक्तियों की कुल संख्या के कम प्रतिशत को स्थान देने के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, पर्याप्त बचाव तरापे या उत्पादन बेड़ा वहन करेगा :

परन्तु यदि पोत में इस उपनियम के अन्तर्गत वहन किये हुए बचाव तरापों की मंजूरी कभी भी अपेक्षित व्यक्तियों की कुल संख्या के पाल प्रतिशत को स्थान देने के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, से कम नहीं होगी।

(14) (क) हर पोत निम्न सारणी के अनुसार रक्षा बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा :—

सारणी

पोत की लम्बाई मीटरों में	वहन किए जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की त्यूनतम संख्या
--------------------------	---

61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	12
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	18
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 244 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ख) इस प्रकार वहन किये हुये रक्षा बोये की कुल संख्या के कम से कम डेक्क में, त्यूनतम 6 के अध्यधीन, दक्ष स्व प्रज्वलन वित्तीयों की व्यवस्था होगी।

(ग) स्व प्रज्वलन वित्तीयों से व्यवस्थित कम से कम दो रक्षा बोयों में 15 मिनट से अन्यून टिक्कने वाले स्पष्ट दृश्यमान वर्ग के धूम्र उत्पन्न करने से समर्थ व दक्ष स्वतः तकिय धूम्र सकेतों से हम प्रकार व्यवस्थित रक्षा बोये नवचालन कक्ष से शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ होंगे।

(घ) पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा बोये में, लबाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पादन रक्षा रसी की व्यवस्था होगी।

(15) (क) हर पोत :—

(i) पोत पर यथास्थिति, हर व्यक्ति के लिये या, व्यक्तियों की उम संख्या के लिए जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक हो, दसवी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(ii) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए, जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है, दसवी अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक जाकेट वहन करेगा :

(अ) हर पोत, बंड (क) के अनुमार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनिरिक्त व्यक्तियों की उम संख्या के कम से कम पोत प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है दसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुमार, रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान नौभारित होंगी जो सहज-दृश्य रूप से चिन्हित होगा।

(16) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा।

8. वर्ग V के पोतः—(1) यह नियम वर्ग V के पोतों को ला होगा।

(2) (क) हर पोत में, उसकी लम्बाई के अनुमार पहली अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ के में विनिर्दिष्ट डेविटों के सेटों की न्यूनतम संख्या लगी होगी।

(छ) जहाँ केन्द्रीय सरकार का इस प्रकार समाधान हो जाता है वहाँ वह पोत पर डेविटों के सेटों की कम संख्या की व्यवस्था करने की अनुमति दे सकेगा परन्तु फिर भी डेविटों के सेटों की संख्या पहली अनुसूची के स्तम्भ व्य में विनिर्दिष्ट न्यूनतम संख्या से कमी भी कम नहीं होगी।

परन्तु किसी पोत में डेविटों के सेटों की उम संख्या का लगा होना अपेक्षित नहीं है जो व्यक्तियों की कुल संख्या की जिसे पात वहन करने के लिये प्रमाणित है स्थान देने के लिए अपेक्षित रक्षा नौकाओं की संख्या से अधिक है;

(3) एक रक्षा नौका पर डेविटों के हर ऐसे सेट संलग्न होंगे और इस प्रकार संलग्न रक्षा नौकाओं में प्रथम अनुसूची में उपवर्णित सारणी के स्तम्भ ग में विनिर्दिष्ट कम से कम धारिता की या उस धारिता की जो व्यक्तियों की कुल संख्या का जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है यदि परवर्ती कम हो, स्थान देने के लिये व्यवस्था होगी।

(4) हर पोत कम से कम एक मोटर रक्षा वहन करेगा।

(5) उपनियम (3) के अनुसरण में वहन की हुई रक्षा नौकाओं के माथ-साथ ऐसी अनिरिक्त रक्षा नौकायें और बचाव तरपे या उत्पावन बेड़ा वहन किया जायेगा जो व्यक्तियों की कुल भंड्या के लिये जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है पर्याप्त होगा:

परन्तु रक्षा नौकायें व्यक्तियों की कुल संख्या के 25 प्रतिशत से अन्यून को स्थान देने के लिये जिसे पोत वहन करने के लिये प्रमाणित है वहन की जायेगी:

(6) इस नियम के अनुमार वहन की हुई रक्षा नौकायें जहाँ युक्तियुक्त और साध्य हो लम्बाई में 7.3 मीटर से अन्यून होंगी।

(7) इस नियम के अनुमार लगे होने के लिये अपेक्षित डेविट गुरुत्व प्रकार के होंगे इसके अनुसार कि उन रक्षा नौकाओं या नौकाओं के प्रचालन के लिये जिनका भार 2300 किलो-ग्राम से अधिक हो उनके अवतरण स्थिति में लकिंग-डेविट लगे हो सकेंगे।

(8) उपनियम (4) के अनुसरण में वहन की हुई हर मोटर रक्षा नौका एक सुवाइ रेडियो उपकर वहन करेगी जो नियम 34 के उपवर्णियों के अनुमार होगा।

(9) (क) हर पोत निम्न सारणी के अनुमार बोयों की कम से कम संख्या वहन करेगा:—

सारणी	
पोत की लम्बाई मीटरों में	वहन किये जाने के लिये अपेक्षित रक्षा बोयों की न्यूनतम संख्या
61 मीटर से कम	8
61 मीटर और उससे अधिक किन्तु 122 मीटर से कम	122 मीटर से कम
122 मीटर और उससे अधिक किन्तु 183 मीटर से कम	183 मीटर से कम
183 मीटर और उससे अधिक किन्तु 241 मीटर से कम	24
244 मीटर और उससे अधिक	30

(ब) इस प्रकार वहन किए हुए रक्षा बोयों की कुल संख्या के कम से कम आधे में, न्यूनतम 6 के अधिकौन, दक्ष स्व प्रज्वलन वर्तियों की व्यवस्था होगी।

(ग) पोत के प्रत्येक और कम से कम ए.ए. रक्षा बोये में लम्बाई में कम से कम 27.5 मीटर की उत्पावन रक्षा रस्सी की व्यवस्था होगी।

(10) (क) हर पोतः—

(1) पोत पर, यथास्थिति, हर अधिकारी के लिए या, व्यक्तियों की उम संख्या के लिये जिसे यह वहन करने के लिये प्रमाणित है, उनमें जो भी अधिक हो, दसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुमार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(2) व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम दस प्रतिशत के लिए जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है दसवीं अनुसूची के भाग 2 की अपेक्षाओं के अनुमार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(छ) हर पोत खंड (क) के अनुमार वहन की हुई रक्षा जाकेटों के अनिरिक्त, व्यक्तियों की उम संख्या के कम से कम पांच प्रतिशत के लिये जिसे पोत वहन करने के लिए प्रमाणित है दसवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुमार रक्षा जाकेट भी वहन करेगा। और ऐसी रक्षा जाकेट डेक पर समुचित स्थान पर नौभारित होगी जो महजदृश्य रूप से चिन्हित होगा।

(11) हर पोत एक अनुमोदित रस्सी प्रक्षेपण साधित वहन करेगा

9. वर्ग VI के पोतः—(1) यह नियम वर्ग 6 के पोतों को लागू होगा।

(2) कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत अपने प्रत्येक और सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल भारिता की एक या अधिक रक्षा नौकाएं वहन करेगा।

(3) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर पोत में उपनियम,
(2) के अनुमरण में वहन की गई रक्षा नौकाएं लम्बाई में
7.3 मीटर से अन्तर होंगी।

(4) कुल 1600 टन या उससे अधिक के तेल-पोत से भिन्न, कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत व्यक्तियों की फुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के बचाव तराये वहन करेगा।

परन्तु ऐसे पोतों की दशा में, जो निकटवर्ती वेशों के बीच अन्तर्भूतीय ममुद, यात्राओं पर लगे हों केन्द्रीय सरकार यदि इसका समाधान हो जाए कि समुद्र-यात्रा की दशाएँ ऐसी हैं कि बचाव तरापों का अविनाशीय वहन अनुकृत्युक्त या प्रनावश्यक है तो वह ऐसे विशेष पोतों या पोतों के बगी को इस उपनियम की अपेक्षाओं के अनुपालन से छूट दे सकेगा।

(5) कुल 500 टन से कम का हर पोत या तो—
(क) कुल 500 टन या उससे अधिक के पोतों के लिए उपनियम (2) में विहित बचाव तराये वहन करेगा;

या

(ख) एक रक्षा नौका या वर्षा ग नौका जो पोत के प्रत्येक और से अवृत्तीय होने में समर्थ होगी और पोत पर व्यक्तियों की संख्या के दुगुने को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के कम से कम दो बचाव तराये वहन करेगा।

(6) (क) कुल 3000 टन या उससे अधिक का हर तेल-पोत, पोत के प्रत्येक और, बोर्ड पर व्यक्तियों की कुल संख्या की स्थान देने के लिए, प्रयात कुल धारिता की कम से कम दो रक्षा नौकाएं, वहन करेगा।

(ख) इन रक्षा नौकाओं में से दो, पीछे और दो पोत मध्य वहन की जायेंगी सिवाय उन तेल पोतों में जिनमें कोई पोत मध्य अधिरक्षना नहीं है, सभी रक्षा नौकाएं पीछे वहन की जाएंगी:

परन्तु उन तेल पोतों की दशा में, जिनमें पोत-मध्य अधिरक्षना नहीं है, यदि पीछे चार नौकाएं वहन करना अनावश्यक हो तो उसके बदले में केन्द्रीय सरकार तेल-पोत के प्रत्येक और केवल एक रक्षा नौका को पीछे वहन करने के लिए इसके अधिकारी अनुज्ञा दे सकेगी कि तेल पोत निम्नलिखित उपबन्धों का अनुपालन करे अर्थात्—

- (i) प्रत्येक रक्षा नौका की लम्बाई 8.5 मीटर से अधिक नहीं होगी।
- (ii) प्रत्येक रक्षा नौका यथावाध्य दूर आगे नौमारित होगी और कम से कम उसी दूर आगे कि रक्षा नौका का परवर्ती सिरा, तेल-पोत नौदिन के रक्षा नौका लम्बाई के छेक गुना आगे हो,
- (iii) प्रत्येक रक्षा नौका ममुद सम्पूर्ण के इतनी निकट नौमारित होगी जो सुरक्षित और साध्य हो,
- (iv) रक्षा नौकाओं के अतिरिक्त पोत पर व्यक्तियों की कुल संख्या के कम से कम आधे को स्थान देने के लिए पर्याप्त बचाव तराये वहन किए गए हों।

(7) इस नियम के उपबन्धों के अधीन वहन किए गए बचाव तराये इस प्रकार नौमारित होंगे कि वे पोत के प्रत्येक और से अवृत्ति संख्या जल में प्रतंरित किया जा सके।

(8) हर पोत में जिसको उपनियम (2) या उपनियम (6) लागू होता है, प्रत्येक रक्षा नौका डेकिटों के पृथक सेट से संलग्न होगी जो गुरुत्व प्रकार का होगा इसके अनावश्यक है कि 1600 कुल टन या उससे अधिक के तेल-पोतों से भिन्न पोतों में उन रक्षा नौकाओं के प्रचालन के लिए, जिनका वजन 2300 किलोग्राम से अनधिक हो, उनकी अवनुवरण विधि में लकिं डेकिट लगे हो सकेंगे।

(9) (क) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर पोत में उपनियम (2) के अनुसार वहन की गई रक्षा नौकाओं में कम से कम एक मोटर रक्षा नौका होगी,

(ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के हर तेल-पोत में उपनियम (2) या उपनियम (6) के अनुसार पोत के प्रत्येक और वहन की गई रक्षा नौकाओं में कम से कम एक मोटर रक्षा नौका होगी।

(10) हर पोत, नियम 34 की अपेक्षाओं के अनुसार एक सुवाद्य रेडियो उपस्कर वहन करेगा:

परन्तु यदि किसी पोत के बारे में केन्द्रीय सरकार का समाचार हो जाए कि समुद्र यात्रा की कालावधि ऐसी है कि सुवाद्य रेडियो उपस्कर को ले जाना अनावश्यक है, तो वह इस नियम के अपेक्षाओं से अभियुक्त होने के लिए अनुज्ञा दे सकेगी।

(11) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक का हर पोत कम से कम 8 रक्षा बोये वहन करेगा;

(ख) कुल 500 टन के कम का हर पोत कम से कम 4 रक्षा बोये वहन करेगा;

(ग) इस प्रकार वहन किए गए रक्षा बोयों की कम से कम आधी संख्या में, नियम 21 में निर्दिष्ट वक्त स्व प्रज्यवन विधियों की अवस्था होगी।

(12) हर पोत—

(क) पोत पर हर व्यक्ति के लिए दसवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा, और

(ख) हर बछड़े के लिए जिसे पोत वहन करता है, दसवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट वहन करेगा।

(13) हर पोत एक अनुमोदित रसी प्रत्येपण माधित्र वहन करेगा।

10. वर्ग VII— के पोत नियम 9 के उपबन्ध वर्ग VII के पोतों को वेसे ही लागू होंगे जैसे वे वर्ग VI—के पोतों को लागू होते हैं।

11. वर्ग VIII के पोत—(1) लम्बाई में 44 मीटर या उससे अधिक का हर पोत या तो—

(क) डेकिट से संलग्न कम से कम दो रक्षा नौकाएं, जो इस प्रकार अवस्थित हो कि पोत के प्रत्येक और कम से कम एक रक्षा नौका हो, वहन करेगा पोत के प्रत्येक और ऐसी रक्षा नौका, पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की हो, या

(x) किसी डेविट से गलवन एक वर्ष ग नौका और पोत पर व्यक्तियों की सम्मान के दृग्ने को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के कम से कम दो अनुमोदित स्फीनियोग्य बचाव तराये बहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोत के प्रत्येक प्रोग्राम और अधिकार जल में अवरित किए जा सके।

(2) हर पोत, जो लम्बाई में 44 मीटर से कम किन्तु 35 मीटर से कम नहीं है पोत पर सभी व्यक्तियों को स्थान देने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के कम से कम दो अनुमोदित स्फीनियोग्य बचाव तराये या अनुमोदित उत्पादन बेड़ा बहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोत के प्रत्येक प्रोग्राम और अधिकार जल में अवरित किए जा सके।

(3) हर पोत जो लम्बाई में 35 मीटर से कम किन्तु 24 मीटर से कम नहीं है इस प्रकार नौभारित वर्ष ग नौका बहन करेगा कि वह पोत के प्रत्येक प्रोग्राम सरलता में जल में अवरित हो गए और यथास्थिति, पोत पर व्यक्तियों की सम्मान के डेक्कु गुने से ल्यून को स्थान देने या संभालने के लिए पर्याप्त कुल धारिता के अनुमोदित स्फीनियोग्य बचाव तराये या अनुमोदित उत्पादन बेड़ा भी बहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि पोत के प्रत्येक प्रोग्राम और अधिकार जल में अवरित हो सके।

(4) खण्ड भौमिक वाली छत्रु में चलता हुआ हर पोत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम किन्तु 12 मीटर से कम नहीं हो, पोत पर सभी व्यक्तियों का स्थान देने के लिए एक वर्ष ग नौका या अनुमोदित स्फीनियोग्य बचाव तराये या अनुमोदित उत्पादन बेड़ा बहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे पोत की प्रत्येक प्रोग्राम और अधिकार जल में अवरित हो सके।

(5) साफ मौसम वाली छत्रु में चलता हुआ हर पोत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम किन्तु 12 मीटर से कम नहीं हो, यथास्थिति सभी व्यक्तियों को स्थान देने या संभालने के लिए पर्याप्त कुल धारिता की एक वर्ष ग नौका या अनुमोदित स्फीनियोग्य बचाव तराये या अनुमोदित उत्पादन बेड़ा बहन करेगा और वे इस प्रकार नौभारित होंगे कि वे पोत की प्रत्येक प्रोग्राम और अधिकार जल में अवरित हो सके।

(6) (क) लम्बाई में 30 मीटर या उससे अधिक का हर पोत कम से कम चार अनुमोदित रक्षा बोये बहन करेगा। और लम्बाई में 30 मीटर से कम का हर पोत कम से कम दो अनुमोदित रक्षा बोये बहन करेगा।

(ख) बहन किए जाने के लिए अपेक्षित कम से कम एक रक्षा बोये में स्व प्रज्वलन बनी लगी होगी और जल में प्रनिर्वापित रहने में गमर्ह हो।

(7) इस नियम की कार्ड बात किसी भी लम्बाई की डोगियों को नागू नहीं होगी परन्तु ऐसी डोगियों में आगे और पीछे से प्रत्येक और चौथाई दूरी पर सूख वाली रक्षा रसी की व्यवस्था हो और 'खण्ड भौमिक वाली छत्रु' में सफली पकड़ने में न लगी हो।

(8) इस नियम के प्रयोगन के लिए—

(i) "साफ मौसम वाली छत्रु" में—

(क) अरब सागर में 1 मिनस्वर 31 मई तक की छत्रु और

(ख) बगाल की छाड़ी में 1 दिसम्बर, में 30 अप्रैल तक की छत्रु अभियेत है।

(ii) "खण्ड भौमिक वाली छत्रु" में—

(क) अरब सागर में 1 जून से 31 अगस्त तक की छत्रु, और

(ख) बगाल की छाड़ी में 1 मई से 30 नवम्बर तक की छत्रु, अभियेत है।

(9) हर पोत—

(क) पोत पर हर व्यक्ति के लिए दगड़ी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा, और

(ख) हर बच्चे के लिए जिसे पोत बहन करना है वस्त्री अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक रक्षा जाकेट बहन करेगा।

12. रक्षा नौकाओं के लिए सामान्य अपेक्षाएँ—इन नियमों के अनुसार में पोत पर बहन की हुई रक्षा नौकाएँ दूसरी अनुसूची में विनियिष्ट अपेक्षाओं के अनुसार होंगी।

13. रक्षा नौका की बहन धारिता—(1) (क) उपनियम (2),

(3), (4) और (5) के उपबंधों के अध्यक्षीन व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी जाएगी वह V/X सूख द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी पूर्णक संख्या के बराबर होगी जहाँ "V" लीसी अनुसूची के उपबंधों के अनुसार प्रवधारित घन मीटरों में रक्षा नौका की घन धारिता है और X प्रत्येक व्यक्ति के लिए घन मीटरों में आपत्तन है जो 7.3 मीटर लम्बी या उससे अधिक की रक्षा नौका के लिए 0.283 और 4.9 मीटर लम्बी रक्षा नौकाओं की दशा में 0.396 होगा।

(ख) रक्षा नौकाओं की मध्यवर्ती लम्बाईयों के लिए X का मान अनन्यैतन छाग अवधारित किया जाएगा।

(2) व्यक्तियों की वह मंख्या जिसे रक्षा देने के लिए रक्षा नौका ठीक समझी गयी है रक्षा जाकेट पहने हुए उन वयस्क व्यक्तियों की संख्या में अधिक नहीं होगी जिनके लिए समुचित बैठने का स्थान इस प्रकार अवशिष्ट है कि व्यक्ति जब बैठा हो वे चापुओं के प्रयोग या अन्य नोडन उपस्कर के प्रचालन में किसी प्रकार बाधा न डाले।

(3) कोई भी रक्षा नौका 150 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(4) मोटर रक्षा नौका से मिस्र कोई भी रक्षा नौका 100 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

(5) मोटर रक्षा नौका या यन्त्रोनादित रक्षा नौका से मिस्र कोई भी रक्षा नौका 60 से अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक नहीं समझी जाएगी।

14. मोटर रक्षा नौकाएँ—हर मोटर रक्षा नौका लीसी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगी।

(क) इसमें संपीड़न जलन लगा होगा और ऐसा हज़न और इसके उपसाधक चौपी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगे और हर प्रकार बनाये रखे जाएंगे कि सभी समय उपयोग किए जा सकें।

(ख) इसमें खंड (ध) और खंड (ह) में विनिर्दिष्ट गति से 24 घण्टे लगातार प्रचलन के लिए पर्याप्त ईंधन की व्यवस्था होगी।

(ग) यह पीछे जाने में समर्थ होगी,

(घ) यदि यह ऐसी रक्षा नौका हो जिसमें नियम 4 के उपनियम (4) नियम 5 के उपनियम (5), नियम 6 के उपनियम (4) या नियम 9 के उपनियम (9) के अनुसार व्यवस्था हो तो अब इसमें व्यक्तियों की पूरी संख्या हो और उपस्कर लदे हों तो यह 6 समुद्री भील की गति से शान्त जल में आगे जाने में समर्थ होगी।

(इ) यदि यह ऐसी मोटर रक्षा नौका है जिसमें खंड (घ) में विनिर्दिष्ट नियमों के सिवाय किसी अन्य नियम के अनुसार व्यवस्था हो तो व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर के साथ 4 समुद्री भील की गति से शान्त जल में आगे जाने में समर्थ होगी।

15. यन्त्र नोकिय रक्षा नौकाएँ.—यन्त्र नोकिय रक्षा नौकाओं में दूसरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होने के अतिरिक्त ऐसी भारीनी जगी हुई होंगी जो पांचवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगी।

16. वर्ग "ग" नौकाएँ.—वर्ग ग नौकाएँ छठवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगी।

17. बचाव तराये.—(1) बचाव तराये सातवीं अनुसूची के भाग I या भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

(2) सातवीं अनुसूची के भाग 1 की अपेक्षाओं के अनुसार बचाव तराये केंद्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित किसी सर्विसिंग स्टेशन पर ऐसे अंतरालों पर जो 12 महीने से अनधिक हो सर्वेक्षित किये जाएँ।

परन्तु यदि केंद्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसे बचाव तरायों का 12 महीनों के अन्तराल से सर्वेक्षण असाध्य है तो यह उम अंतराल को 3 महीने से अनधिक के लिए विस्तारित होने की अनुमति दी सकेगी।

18. उत्पालन बेड़ा.—(1) उत्पालन बेड़ा आठवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगा।

(2) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे संभालने के लिए उत्पालन बेड़ा ठीक समझा जाएगा—

(क) उस अधिकतम पूर्णांक के जो सोहे की किलोग्राम संख्या को जिसे उपकरण अलयण जल में आपनी पकड़ रखियों में संभालने में समर्थ है 14.5 से आगे करने द्वारा प्राप्त की जाए, या

(ख) उम अधिकतम पूर्णांक सख्तों के जो सटीमीटरों में इसकी परिमाप का 30.5 द्वारा भाग करने द्वारा प्राप्त की जाए, इसमें से जो भी कम हो उसके बराबर होगी।

19. रक्षा नौकाओं, वर्ग ग सौकाओं, बचाव तरायों और उत्पालन का चिह्न—

(1) (क) किसी रक्षा नौका या किसी वर्ग ग नौका की विभाग, और व्यक्तियों की संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझी गई है, इस पर स्पष्टता से स्थायी रूप में चिह्नित होगी।

(ख) पोत रजिस्ट्री का नाम और पत्तन, जिसे रक्षा नौका या वर्ग ग नौका संभित है, ऐसी रक्षा नौका या वर्ग ग नौका के मदान के बोनों और चिह्नित होगा।

(2) (क) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे सातवीं अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार बचाव तराया, स्थान देने के लिए ठीक समझा गया है, बचाव तराये पर और उपस्कर के थेसे या अन्य आधार पर जिसमें बचाव तराया जब प्रयोग में नहीं है रक्षा जाना है, स्थायी रूप से स्पष्टता से चिह्नित होगी।

(घ) ऐसे हर बचाव तराये पर, कम संख्या तथा विनिर्माण का नाम और विनिर्माण का वर्ण भी होगा।

(3) हर बचाव तराया जो सातवीं अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार है, पोत का जिसमें वह बहन किया जाता है, साम और रजिस्ट्री-पत्तन और व्यक्तियों की वह संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह ठीक समझा गया, से चिह्नित होगा।

(4) व्यक्तियों की वह संख्या जिसे संभालने के लिए उत्पालन बेड़ा ठीक है, इस पर रथायी रूप में स्पष्टता से चिह्नित होगी।

20. रक्षा बोये—रक्षा बोये नवीं अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

21. रक्षा बोया बत्तियाँ, धूम संकेत और रसिस्याँ—

(1) इन नियमों के अनुसार वहन किये हुए रक्षा बोये में नियम 4 के उपनियम (11), नियम 5 के उपनियम (14), नियम 6 के उपनियम (10), नियम 7 के उपनियम (12), नियम 8 के उपनियम (9), नियम 9 के उपनियम (11) और नियम 11 के उपनियम (6) में विनिर्दिष्ट मापमानों पर स्व प्रज्वलन बत्तियाँ होंगी।

(2) (क) स्व प्रज्वलन बत्ती जल में रहने हुए निर्वासित हुए बिना रहने में समर्थ होगी।

(ख) वे 4.5 मिनट से अन्यून तक जलने में समर्थ होंगी और 3.5 ल्यूमेन से अन्यून दीप्ति रखेंगी।

(3) तेल पोतों में वहन किये हुए रक्षा बोये से संलग्न स्व प्रज्वलन बत्तियाँ विशृद्ध बैटरी प्रकार की होंगी।

(4) (क) हर पोत में, जिसकी लम्बाई 21.5 मीटर से कम है और जो वर्ग VIII का पोत नहीं है, पोत के प्रत्येक और एक रक्षा बोया से, कम से कम 27.5 मीटर लम्बी उत्पालन रस्सी संलग्न होगी।

(ख) 21.5 मीटर से कम लम्बे हर वर्ग 8 के पोत में, पोत के प्रत्येक और एक रक्षा नौका से कम से कम 18 मीटर लम्बी उत्पालन रस्सी संलग्न होगी।

(ग) इस उप-नियम के अनुसार रक्षा बोये में जिनसे रसिस्या संलग्न है, स्व प्रज्वलन बत्ती संलग्न नहीं होगी।

(5) वर्ग 8 के पोत से भिन्न हर एक पोत में, उपनियम (1) के उपर्योगों के अनुसार स्व प्रज्वलन बत्ती से व्यवस्थित दो से अन्यून रक्षा बोयों में कम से कम 15 मिनट के स्पष्ट वृश्यमान वर्ष के धूम्र उत्पालन करने में समर्थ स्वतः मक्किया धूम संकेतों की व्यवस्था होगी।

(6) (क) इन नियमों के अनुसार स्व प्रज्ञान बनी और स्वतः सक्रिय धूम्र संकेतों से अवश्यित रक्षा बोये, नौआनल कक्ष के प्रत्येक और, यदि कोई हो, वहन किये जायेंगे और इस प्रकार लगे होंगे कि शीघ्र निर्मुक्त होने में समर्थ हों।

(ब) खंड (क) में तिर्दिष्ट प्रत्येक रक्षा बोया या अन्य रक्षा बोया उग मिथि में जहाँ स्व प्रज्ञान बनी की निर्मुक्त गेंसे रक्षा बोये के बजत पर निर्भर करती है, 4.3 किलोग्राम से अन्यून भार का होगा।

22. रसी प्रक्षेपण माधित्र—हर एक रसी प्रक्षेपण माधित्र भारहरी अनुसूची की अपेक्षाओं के अनुसार होगा।

23. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं के लिए उपस्कर—(1) उपनियम (2), (3) और (4) के उपर्योग के अध्यधीन, हर रक्षा नौका का उपस्कर निम्न प्रकार का होगा—

(क) इकहरी बैठक वाले उत्पावन कर्म चप्पू दो अतिरिक्त उत्पावन चप्पू और एक के उत्पावन कर्म-चप्पू मध्यटेकों का डेट सेट, डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न एक नौका हुक;

(ख) डोरी या जंजीर द्वारा रक्षा नौका से संलग्न प्रत्येक जन छिद्र के लिए दो पलग (उसके सिवाय जहाँ समुचित स्वचालित वाल्व लगे हों) एक उमीषक और दो बाल्टी;

(ग) रक्षा नौका से संलग्न एक मुकान और एक पतवार;

(घ) रक्षा नौका से बाहर आरों और भूलवाली रक्षा रसी और ऐसे माधन जो पैरेज में पठान की नीचे पैरेज तक सुरक्षित पकड़ रस्सियों के साथ नितल पट्टी या पठान पर पट्टी के रूप में यदि रक्षा नौका उमट जाय तो उसे पकड़ने के लिए, अविक्षियों को समर्थ बनाये;

(ङ) इस रूप में स्पष्टता से चिन्हित एक लाकर, जो उपस्करों की छोटी भद्रों के नोभरेन के लिए उपयुक्त हो;

(च) वो कुलहाड़ी, रक्षा नौका के प्रत्येक सिरे पर एक;

(छ) एक सैम्प जिसमें 12 घंटे के लिए पर्याप्त तेल हो;

(ज) एक जलरोधी जिसमें हवा में मरनला से न निवापित होने वाले दियासलाईयों के बक्स हों;

(झ) मस्तूल जस्तेदार तार रस्सियों महिल और नारंगी रंग वाली पाने सहित जो पहियान के प्रयोजन के लिए उस पोत के नाम के प्रथम और प्रतिम अक्षर से चिन्हित छोटी जिसकी रक्षा नौका है;

(ञ) भारहरी अनुसूची के भाग I की अपेक्षाओं के अनुसार विनैविल रक्षा होगा एक कम्पाम;

(ट) भारहरी अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुसार एक किरमिच लगार;

(ठ) पर्याप्त लम्बाई और आकार के दो कर्पेक रस्से जिसमें एक रक्षा नौका के आगे गिल्ली गाठ से बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके और दूसरा रक्षा नौका के माथे पर दूक्ता से बंधा होगा और जो प्रयोग किया जाए सके;

(ड) एक पाल जिसमें 4.5 लीटर शाक-सब्जी, मछली या जानवर तेल हो। जल पर तेल के आमान वितरण के लिए एक

गाधन की अवस्था होगी और यह इस प्रकार से अवस्थित होगा कि यह किरमिच लगार से सलग्न हो सके;

(इ) बारहरी अनुसूची के भाग 3 की अपेक्षाओं के अनुसार चार संकट छतरी मणाल और बारहरी अनुसूची के भाग 4 के उत्तर्वधारों के अनुसार उँच हस्तधारित संकट मणाल;

(ण) भारहरी अनुसूची के भाग 5 की अपेक्षाओं के अनुसार दो उत्पावन धूम्र संकेत;

(स) भारहरी अनुसूची के भाग 6 की अपेक्षाओं के अनुसार एक प्राथमिक उपचार बक्स;

(थ) कोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त, बैटरियों के प्रतिरिक्षत सेट के साथ एक जन-सह विद्युत टार्च और एक जन सह आधान में एक अतिरिक्त बल्ट;

(द) एक विवालोक सिगनल दर्पण;

(ध) टीन बोनने वाले में लगा हुआ एक जैक चाकू जो ढोरी द्वारा रक्षा नौका से लगाया जायेगा;

(न) दो हल्की उत्पावन गोफियां रसी;

(ग) भारहरी अनुसूची के भाग 8 की अपेक्षाओं के अनुसार एक कर चन पम;

(फ) एक सीटी।

(ब) एक बनी डोरी और उँचाई का;

(भ) स्पष्ट धूम्यमान वर्ण का एक दृक्फन जो खुले रहने से होने वाली अवधि से अधिभोगियों का रक्षा करने में समर्थ हों;

(म) मसुद्र में जीशन रक्षा अन्तर्गतीय कन्वेशन, 1960 के भाग IV के विनियम 16 के अन्तर्गत यथावेक्षित बचाव संकेत सारणी की एक प्रति;

(य) जल में अविक्षियों की रक्षा नौका में चढ़ने के लिए समर्थ बनाने वाले माधन।

(२) (क) किमी भी मोटर रक्षा नौका या यंत्र नोदिन रक्षा नौका के लिए न तो मस्तूल या पाल और न चप्पूओं के आधे से अधिक संख्या को वहन करना अपेक्षित होगा।

(ख) ऐसे हर रक्षा नौका दो नौका हुक वहन करेगी।

(३) (क) हर मोटर रक्षा नौका, कम से कम हो—सुआष-अग्नि शामक, जो तेल अग्नि को रिवर्पित करने के लिए उपयुक्त फैन या अन्य पदार्थ विसर्जित करने में समर्थ हो जालू की पर्याप्त मात्रा रखने वाला एक पाल और जालू का वितरण करने के लिए एक बेल्ची वहन करेगा।

(ख) ऐसे सुआष अग्नि शामक इस प्रकार के होंगे जो वाणिज्य पोत परवाहन (अग्नि साधित) नियम, 1968 की अपेक्षाओं के अनुसार हों मियाय इसके कि प्रत्येक शामक की धारिता 4.5 लीटर ट्रक या इसके समतुल्य से अधिक नहीं होगी।

(४) वर्ग VI, VII, और VIII के पोतों में वहन की हुई हर वर्ग ग नौका निम्नविविरा प्रकार से उपस्करित (भौजित) होगी—

(क) उत्पावन चप्पूओं की एकल संख्या और एक प्रारंभिक उत्पावन चप्पू परन्तु यह कि कभी भी तीन चप्पूओं से

कम नहीं होगे, नौका से ढोने या जंजीर द्वारा संलग्न मध्यटेकों का एक सेट, एक नौका-दूँक ;

(ख) डोरी या जंजीर द्वारा नौका में सलग्न प्रत्येक लग छिप के लिए दो पत्ते (सिवाय वहाँ के ज़र्ज़ा समृद्धि व्यवस्थित बाल्य लगे हों, एक उचित और एक बाटी) ;

(ग) नौका में सलग्न एक मुकान और एक पमधार,

(घ) नौका के बारों और मूल बासी एक रक्षा रस्मी,

(उ) इस रूप में स्पष्टता में चिन्हित एक माकर, जो उपस्करों की लोटी मर्दी के नौगरण के लिए उपयुक्त हो;

(च) पर्याप्त लम्बाई और आकार का एक कर्यक रस्मा नौका के आगे गिल्ली गाठे बंधा होगा ताकि यह निर्मुक्त हो सके;

(छ) ऐसे साधन जो यदि नौका निश्चल भृती या पठाण पट्टी के रूप में उलट जायें जा व्यक्तियों को नौका को पकड़ने के लिए मर्मदं बनायें;

(ज) मोर्स संकेतन के लिए उपयुक्त, बैटरियो के अनिवार्य सेट के माथ एक जलमह विषुत टाच और एक जलमह आधान में एक अनिवार्य बल्ब; और

(झ) दो हृकी उत्पादन गोफियां रस्मी।

24. रक्षा नौकाओं के लिए राशन:—

(1) हर रक्षा नौका में, उस प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए यह टीक समझी गई है, कम से कम निम्नलिखित मापमान पर विनिर्विट राशन की व्यवस्था होगी;

(क) 450 ग्राम बिस्कूट

(ख) 450 ग्राम यव-शर्करा; और

(ग) 450 ग्राम प्रथम ब्रावली का भीठा किया हुआ मंधनित दूध :

परन्तु वर्ग V और VIII के पोत जो श्रेणी व्यापार की सीमाओं से आगे नहीं बढ़ते हैं उन पर यहन की हुई किसी भी रक्षा नौका को यह नियम नामू नहीं होगा।

(2) उपनियम (1) में विनिर्विट सभी खाद्य पदार्थ उपयुक्त जलरोधक आधानों में पैक किये गये होंगे और प्रन्तवस्तुओं को उगर्दशित करने वाले लेबल लगे होंगे।

(3) (क) I से वर्ग VIII (जिसमें दोनों सम्मिलित है) के पोत में यहन की हुई हर रक्षा नौका में प्रत्येक व्यक्ति के लिए जिसे यह स्थान देने के लिए टीक समझी गई है कम से कम 3 नीटर ताजा जल या, प्रत्येक ऐसे व्यक्ति के लिए कम से कम 1 नीटर पेय जल की व्यवस्था करने में समर्थ नवण प्रपमारक यंत्र के माथ ऐसे प्रत्येक व्यक्ति के लिए कम से कम दो नीटर ताजा जल की व्यवस्था होगी और प्रत्येक रक्षा में जल की कुल मात्रा जहाँ तक साध्य हो बड़ा दी जायेगी।

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट वर्गों के पोतों में यहन की हुई हर वर्ग ग नौका में जल की पर्याप्त मात्रा की व्यवस्था होगी।

(4) रक्षा नौका में जल उपयुक्त आधानों गत्ता आयेगा और और आधान में कम से कम एक डिपर की जो एक डॉगी के द्वारा आधानों से सलग्न होगा और 25, 50 और 100 मिली मीटर में अंशकित तीन जग मह तीन के पावों की व्यवस्था होगी।

गण्डु दो लीटर में अनधिक धारिता के आधान में डिपर की व्यवस्था अपेक्षित नहीं होगी।

(5) उपनियम (4) में निर्दिष्ट आधान में जल, यह सुनिश्चित करने के लिए कि यह सदैव तीन के लिए कि साफ और ठीक है, प्रक्षम बदला जायेगा।

25. कनिपय मोटर रक्षा नौकाओं के लिए विशेष उपस्कर:—

(1) वर्ग 1 और 3 के दूर पात में, नियम 4 के उपनियम (5) के खंड (क) यानियम 6 के उपनियम (5) के खंड (क) के अनुमार वहन की हुई मोटर रक्षा नौकाओं में विस्तरित उपस्करों की व्यवस्था होगी:—

(क) एक रेडियो उपस्कर जो जंतवा रेडियो विनियम, 1959 के अनुमार होगा और इसके प्रतिरक्षित विस्तरित उपस्कर भी उसका भाग होगे:—

(1) यह एक केबिन में स्थापित होगा जो उपस्कर और उसका प्रयोग करने वाले व्यक्ति, दोनों की जगह देने के लिए पर्याप्त बड़ा हो,

(2) इनजाम एंसा होगा कि परियक और प्रापक का दधतापूर्ण प्रसालन मोटर रक्षा नौका के इनजन को बाधा के कारण हानित नहीं होगा, जाते बैटरी आज़ हो या न हो,

(3) किसी हँडल चालन मोटर या प्रज्वलन प्रणाली को गतिप्रदाय करने के लिए रेडियो वेंटी का प्रयोग नहीं होगा,

(ख) मोटर रक्षा नौका के इनजन से लगा हुआ और रक्षा नौका में सभी बैटरियों को पुनः चार्ज करने में समर्थ एक डॉगी नेमी।

(2) (क) इन नियमों के अनुसरण के वहन की हुई मर्ज लाइट जिसमें कम से कम 80 याट का एक लैम्प, एक प्रभवशाली परावर्तक और शक्ति का बोत होगा जो, हल्के वर्ग वाली 18 मीटर और डॉगी रखने वाली वस्तु को उभावी प्रशीर्पित, 183 मीटर की दूरी पर कुल 7. घंटे की कालावधि तक देगा।

(ख) मर्जलाइट लगानार कम से कम 3 घंटे तक कार्य करने में समर्थ नहीं होगी।

26. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं में उपस्कर और राशन की सुरक्षा:—

(1) (क) किसी रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका में व्यवस्थित उपस्कर की सभी मर्ज, नौका हुक के सिवाय जो वक्फराने के प्रयोगन के लिए स्वतंत्र रक्षा जायेगा, रक्षा नौका या नौका के अन्दर व्याप्ति रूप से सुरक्षित होगी।

(ख) काई भी इसी इन रूप में प्रयोग की जायेगी कि वह उपस्कर की सुरक्षा मुनिश्चित करे, और उठाने वाले हुक

यदि नगे हों तो उसमें वादा न डाले या सुगम नौरेहण को न रोके।

(ग) ऐसे उपस्कर की सभी मट यथा सभव छोटी और बजन म इन्हीं होती और यथार्थत तथा सघनता से पैक की गई होगी।

(2) रक्षा नीता में व्यवस्थित सभी राशन जलरोक टेब्ला में नीतिशिक्षण विधा जायेगा जो रक्षा नीता से दूँहता रे वधा होगा।

(3) भोजन और जल, राशन वाले टैब, "भोजन" या "जल" जो भी समुचित हो उससे मठजदृश स्पष्ट मे चिह्नित होगा।

27 बचाव तरापा के लिए उपस्कर और राशन —

(1) उपनियम (2) और (3) के उपराधा के अध्यार्थीत हर एक बचाव तराप म निम्नलिखित उपस्कर और राशन की व्यवस्था होगी

(क) कम से कम 31 मीटर की उत्तरावन रस्मी मे सलगन एक उत्तरावन बचाव ब्रायट,

(ख) (1) उन व्यावधार तरापो के लिए जो 12 मे अनधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, एक जेक चाकू और एक उलीचक,

(2) उन व्यावधार तरापो के लिए जो 13 या उससे अधिक व्यक्तियों को स्थान देने के लिए ठीक है, दो जेक चाकू और दो उलीचक,

(ग) दो स्पज,

(घ) दो किरमिन लगर, एक स्थायी स्पष्ट मे बचाव तरापा मे सलगन और एक अनिश्चित, रस्मी भृति,

(इ) दो पैडल,

(ख) बचाव तरापा जब तक मात्री अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुमार नहीं हो, उत्तरावन कक्षो मे छेदों की भरमत करने मे समर्थ एक भरमत करने वाला उपकरण,

(छ) बचाव तरापा जब तक मात्री अनुसूची के भाग II की अपेक्षाओं के अनुमार नहीं हो, एक पानी भरन वाला स्पष्ट या धोकनी,

(ज) दोन निरापद टीन खोलने वाले,

(झ) आगड़ी अनुसूची के भाग VIII की अपेक्षाओं के अनुमार एक प्राथमिक उपचार उपकरण,

(ञ) 25, 50 और 100 मिनीमीटर मे अणाकिंग एक जग जल पान का पात्र,

(ट) बैटरिया के एक अनिश्चित सट के साथ सोर्म सकन के उपयुक्त एक जल मह विद्युत टार्न और जल मह आधान मे एक अनिश्चित बल्ट,

(ठ) एक द्विवात्र मिगनल दर्पण और एक मिगनल सीटी,

(ड) बारहड़ी अनुसूची के भाग III की अपेक्षाओं के अनुमार दो सफ्ट छतरी मशान,

(ढ) बारहड़ी अनुसूची मे भाग IV की अपेक्षाओं के अनुगार छ हस्तधारित सर्ट मशान

(ण) एक बसी डार्ट और छ काढे,

(म) उम प्रथेक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए व्यावधार तरापा ठीक समझा गया है, प्रति 450 ग्राम बजन पर कम से कम 2200 कैलारी उपयोग करने वाला, 340 ग्राम, प्यास न उत्तराप्ति वरने वाला उपयुक्त भोजन और 170 ग्राम यव-शर्करा या समान स्पष्ट मे उपयुक्त अन्य फिटाइया,

(ग) उम प्रथेक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान देने के लिए व्यावधार तरापा ठीक समझा गया है, डेव लीटर ताजा जल रखने वाला जलसह पात्र, जिसका प्रति व्यक्ति आधा लीटर ताजे जल एक समान मात्रा उपयोग करने मे समर्थ उपयुक्त सवण अपमार्क उपकरण द्वाग बदला जा सकेगा,

(द) प्रथेक व्यक्ति के लिए जिसे स्थान के लिए व्यावधार तरापा ठीक समझा गया है छ जहाजी मतली गोतरे वाली टिकियों,

(घ) बचाव तरापा मे कैमे बच हम बायत अंग्रेजी और हिन्दी भाषाओं मे मुद्रित अनुदेश

(न) समुद्र मे जीवन रक्षा अनुगार्दीय कन्वेशन 1960 के भाग 5 के विनियम 16 के प्रत्यंत यथा अपेक्षित बचाव गकन सारणी की एक प्रति।

(2) वर्ग II और IV के पोता मे --

(i) एक या अधिक बचाव तरापा जो ऐसे किसी पोत मे बहत किए हुए बचाव तरापो की कुल मध्या के छटव भाग मे अन्यन हा उपनियम (ठ) के खड (क) मे (छ) (जिसमे दासी मस्मिनित है), (ठ), (घ) और (न) विनियमित और उसी उपनियम के खड (५) और (ठ) मे विनियमित उपस्कर के आधे की व्यवस्था हो सकेगी।

(ii) खड (1) के अनुमार उपरकरित (मजित) बचाव तरापा मे भिन्न बचाव तरापो मे उपनियम (i) के खड (क) मे (छ) (जिसमे दासी मस्मिनित है), (ध) और (न) मे विनियमित उपस्कर की व्यवस्था होगी।

(iii) वर्ग IV, V, VII, और VIII के पोतो मे बचाव तरापा मे किरमिन घगर के साथ जो बचाव तरापा मे स्थायी स्पष्ट मे सवन रहेगा, इस नियम के उपनियम (1) के खड (क), (घ), (ग), (ठ), (च), (छ), (झ), (थ), (व), और (न) मे विनियमित उपस्कर खड (५) तथा (ठ) मे एकाद्वय विनियमित उपस्कर की व्यवस्था होगी।

28 प्राण रक्षा माधिका के नीतराप और अवालने मे मस्तिष्ठ भासान्व उपवध -- (1) प्रथेक रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका बचाव तरापा और उत्तरावन बेडो की बम्पुओ के लिए जिसी व्यवस्था होगी कि वे सभी कम गे कम समय मे सुरक्षा पूर्वन अवतरित किए जा नक और वर्ग I और II और VI के पाता की दाग मे जो प्रवर्गण माधिको के अन्वर्गत बचाव तरापे बहत रुग्ने हे समस्त प्रवर्गण उत्तरावन 30 मिनट मे अविर्त नहीं होगी।

(2) रक्षा नीका, वर्ग ग नीका या अन्य नीका बचाव तरापा और उत्तरावन बेडो इन प्रकार नीमित होगे कि वे सभी कम गे कम समय मे सुरक्षा पूर्वन अवतरित किए जा नक और वर्ग I और II और VI के पाता की दाग मे जो प्रवर्गण माधिको के अनुरूप के स्पष्ट मे बहत की गई है इविटो के एक मेट से सलगन हर

29 रक्षा नीकाओ, वर्ग ग नीकाओ और अन्य नीकाओ का नीमण और चालन -- (1) उपनियम (1) (3) और (1) के उपवध अध्यार्थीत उम रक्षा नीका मे मिस, जो वर्ग ग नीका या अन्य नीका के अनुरूप के स्पष्ट मे बहत की गई है इविटो के एक मेट से सलगन हर

रक्षा नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि नौनि के अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत भी और दोनों और 15 डिग्री सूकाव तब भी, जब इन नियमों द्वारा प्रेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित हो तो यह जल में रखी जा सके वर्ग 7 के 45.7 मीटर से कम लम्बे पोतों के सिवाय ऐसी रक्षा नौकाएँ इस प्रकार व्यवस्थित होंगी कि पूर्वाधिन दशाओं में जब अपने अपेक्षित उपस्कर और कम से कम दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मी बल से भारित हो तो वे जल में रखी जा सके।

(2) कोई रक्षा नौका जो वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अनुकूल्य के रूप में बहन की रही है और कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका जो यन्त्र नियत्रित एकल भुज डेविट से भिन्न डेविट या डेविटों के सेट से संलग्न है वह इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा प्रेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीदान जब पोत सीधा हो तो उस के किसी और से या जब पोत उम दिशा को और 15 डिग्री सूका हो सूकाव की ओर से जल में रखी जा सके।

(3) यदि नियत्रण एकत्र भुज डेविट से संलग्न है रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका इस प्रकार व्यवस्थित होगी कि जब इन नियमों द्वारा प्रेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीदान से भारित हो तो जब पोत सीधा हो तो उसके एक और से या उस की ओर से जिस ओर पोत 15 डिग्री सूका हो जल में रखी जा सके, उन मछली पकड़ने वाले जलयानों की दशा के सिवाय जो नियम 11 के उपनियम (3) के अनुसार रक्षा नौका बहन करते हैं, रक्षा नौका इस प्रकार से व्यवस्थित होगी कि जब अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीदान से भारित हो तो यह पात के किसी ओर से या यदि पोत में सूकाव है तो उस ओर से जिधर पोत सूका हो जल में रखी जा सके।

(4) नियम 9 के उपनियम (5) के खण्ड (अ) और नियम 9 के उपनियम (10) के अनुसार बहन की हुई हर रक्षा नौका या वर्ग ग नौका, यदि डेविट या डेविटों के सेट से संलग्न नहीं है तो यह एक ऐसे माध्यम से संलग्न होगी जो प्रथमतः नौका के अवतरण के प्रयोजन के लिए व्यवस्थित होगा और जब पोत इन नियमों द्वारा प्रेक्षित अपने उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवतरण कर्मीदान से भारित हो तो पोत के एक ओर से नौका से नौका को जल में रखने में समर्थ हो, और जब पोत सीधा हो या 15 डिग्री सूका हो तो ऐसा साधन रक्षा नौका या वर्ग ग नौका का पोत के उस ओर से जिधर यह सूका हो जल में रखने में समर्थ हो।

(5) एक से अन्यधिक रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेविटों के किसी सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधनों से संलग्न होगी।

(6) रक्षा नौकाएँ केवल एक से अधिक डेक पर नौभारित की जा सकती परन्तु यह तब जब कि ऊपर डेक पर नौभारित रक्षा नौकाओं को निचले डेक पर की रक्षा नौकाओं से उलझन को रोकने के लिए समूचित उपाय किये जाएँ।

(7) रक्षा नौकाएँ पोत के मैदानों में नहीं रखी जाएँगी और वे इस स्थिति में विष्ट होंगी कि नौका से निकाली और खोखू के पीछे के बाहर निकले हुए छालू लिंगों का विशेष ध्यान रखने हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सके, और यथा साध्य यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे पोत के सीधी तरफ शवतरित हो सके।

(8) पोत में डेविट वर्धात्वित रूप से रखें जाएँगे।

(9) इन नियमों के अनुसार व्यवस्थित डेविट, बिन्ध, रस्से, दराढ़ी और अवतरण माध्यम तंगहड़ी अनमूची की अपेक्षाओं के अनुसार होंगे।

(10)(क) निम्नलिखित दशाओं में डेविटों से संलग्न सभी रक्षा नौकाएँ, वर्ग ग नौकाएँ या अन्य नौकाएँ, तार रस्सी और बिंध से युक्त होंगी:—

- (1) जब वे गुरुत्व, डेविटों से संलग्न हों, या
- (2) जब ये यंत्र नियत्रित एकल भुज डेविटों से संलग्न हों, या
- (3) जब ये नियम 11 के उपनियम (2) के प्रत्येक वर्ग I, II, III, IV, V, के किसी पोत और वर्ग VIII के पोतों से लगी हों, या

- (4) जब ये नियम 9 के उपनियम (2) या नियम 9 के उपनियम (5) के खण्ड (क) के अनुसार वर्ग VI और VII के किसी पोत से लगी हों, या
- (5) जब समूद्र में अवनमन की दशा में सलग्न रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका का भार 2300 किलोग्राम से अधिक हो:

परन्तु आगात रक्षा नौकाओं से भिन्न रक्षा नौकाओं की वर्णा में केन्द्रीय मरकार जहा उसका समाधान हो जाय कि ऐसे रस्से पर्याप्त हैं, जिन्हों से लगे हुए या उनके द्विना अन्य प्रकार के रस्सों के लिये अनुज्ञा दे सकते।

(ब) हर पोत में, जिस में रक्षा नौकाएँ, वर्ग ग नौकाएँ या अन्य नौकाएँ तार रस्से से युक्त हों तो ऐसे रस्सों के चालन के लिये जिन्हों की व्यवस्था होगी।

(ग) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4) नियम 6 के उपनियम (3) और नियम 7 के उपनियम (14) के अनुसार बहन की हुई आपान रक्षा नौकाएँ ऐसे जिन्हों से युक्त होंगी जो, जब रक्षा नौका इन नियमों द्वारा प्रेक्षित अपने उपस्कर और 1016 किलोग्राम के बराबर विनियम भार में भारित हो तो उसे प्रति मिनट 18 मीटर में अन्यून गति में पुनः प्राप्त करने में समर्थ हों।

(11) सभी रक्षा नौकाएँ, वर्ग ग नौकाएँ या अन्य नौकाएँ जो जिन्हों में युक्त हैं, उनकी पुनः प्राप्ति के लिये प्रभावणीय लग्नगियर की व्यवस्था होगी।

(12) जहा डेविट, शक्ति द्वारा रस्सों के कार्य द्वारा पुनः प्राप्त है वहाँ सुरक्षा माध्यम लगे होंगे, जो डेविट, बेड़ियों से कम से कम 10 सेंटीमीटर दूर हो तो यह सुनिश्चित करने के लिये कि तार रस्सा या डेविट अपिनियित नहीं है, पक्किन का स्वतं टाट देंगे।

(13) जब तक इन नियमों में प्रभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबन्धित न हो 15 डिग्री के सूकाव पर रक्षा नौकाओं के अवतरण को सुकर बनाने के लिये, कोई रक्षा नौका में, जो डेविटों के प्रत्येक रखी गई है स्केंड या अन्य उपयुक्त माध्यम की व्यवस्था होगी, डेविट ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि इन नियमों द्वारा प्रेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर सहित रक्षा नौका जल में अवनमन की जा सके।

(14) उन रक्षा नौकाओं में से जो पोत की दिशा के विरुद्ध पूर्णतः भारित दशा में अवनमन होने में समर्थ होने के लिये अपेक्षित है, व्यक्तियों के सुरक्षित नौरोद्धरण के लिये, उनको वहाँ धारण करने के लिए साधनों की व्यवस्था होगी।

15(क) किसी पोत में, जो उस पोत से भिन्न है जिसमें रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका यत्र नियत्रित एकल भुज डेविट से संलग्न है, डेविट, तार रस्सा पाट से लगे होंगे जो इस प्रकार स्थित होगा कि जब नौका अवनमन की दशा में हो तो पाट नौका की केन्द्रीय लाइन के ऊपर यथा माध्य नज़शीक हो।

(क) ऐसा एक तार रस्सा पाट कम से कम दो रक्षा रस्सियों से लगा होगा जो अलातम गमुद्रगामी इवाव और किसी और 15 डिग्री सुके हुए पोत में जल तक पहुँचने के लिये पर्याप्त नम्बा होगा ।

16(क) डेविटों में मंलगन रक्षा नौकायें, वर्ग ग नौकायें और अन्य नौकायें कार्य के लिये रस्सा तैयार रखी और ऐसा रस्सा अल्पतम समुद्रगामी इवाव और किसी और 15 डिग्री सुके हुए पोत से जल तक पहुँचने के लिये कम से कम पर्याप्त नम्बा होगा ।

(ख) रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं को रस्से से अलग करने के लिये माध्यनों की व्यवस्था होगी ।

(ग) जब तक खोदहवाँ अनुमूली की अपेक्षाओं के अनुसार अलग करने वाला गियर नहीं लगा हुआ हो तब तक कोटे को संलग्न करने के लिये निचला रस्सा दराबी उपयुक्त छल्ने या लम्बे योजक से लगा होगा ।

(घ) वे स्थान जहाँ रस्से से रक्षा नौकायें, वर्ग ग नौकाएं और नौकाएं भी हों वेरज से ऊपर हल्ती ऊचाई पर होंगे जो रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं और अन्य नौकाओं के जल में अवतरित करने समय उनका स्वायित्व सुनिश्चित करें ।

(17)(क) नियम 4 के उपनियम (3), नियम 5 के उपनियम (4), नियम 6 के उपनियम (3) और नियम 7 के उपनियम (4) के अनुसार बहन की हुई हर एक आपात रक्षा नौकाओं में, जब प्रतिकूल भोमम की दशाओं में नौका समुद्र से पुतः प्राप्त हो तो उठाने के प्रबन्धों से निचले रस्सा दराबी के लाया को मुकर बनाने वाले साधनों की व्यवस्था होपी ।

(ख) इस प्रयोजन के लिये प्रत्येक डेविट के लिये पर्याप्त मामर्थ्य और यथोचित लम्बाई की एक कूप रस्सी की व्यवस्था होगी, और कूप-रस्सी, का एक सिरा निचली रस्सा दराबी से और दूसरा सिरा नौका पर उठाने वाले प्रबन्ध से मंलगन होगा ।

(ग) इसके अतिरिक्त, निचले रस्सा दराबी को उठाने वाले कांटे से सीधे संलग्न होने में समर्थ बनाने के लिये उठाने के बाद नौका को ठीक स्थिति में बनाये रखने के लिये भी माध्यनों की व्यवस्था होगी ।

(18) किसी पोत में, जब रक्षा नौका डेविटों, के किसी सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधन जो ऐसे वर्ग के पोत के लिये जो उन नियमों में विनिर्दिष्ट नहिं की या इकाव की वाणियों के अन्तर्गत इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित होने पर नौका को जल में सुरक्षित रूप से नामिन करने के लिये पर्याप्त सामर्थ्य के नहीं हैं, संलग्न है या जब कोई वर्ग ग नौका या अन्य नौका डेविटों के सेट, डेविट या आवरण के अन्य साधन जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर से भारित ऐसी वर्ग ग नौका या अन्य नौका के सुरक्षित रूप से अवनमित करने के लिये पर्याप्त मामर्थ्य के नहीं हैं, संलग्न हैं, तो डेविटों के ऐसे प्रत्येक सेट डेविट या अवतरण के अन्य साधन एवं पृष्ठभूमि पर गंगी हुई 15. 25 मेट्रीमीटर छोड़ी लाल पट्टी से सहज दृश्य रूप से चिह्नित होंगे ।

30. बचाव तराये उत्पादन बेड़ा और रक्षा बोये का नीमरन और बालन :—(1) बचाव तराये और उत्पादन बेड़ा इस प्रकार नीमरित होंगे कि वे नहिं को अनुकूल के अन्तर्गत भी और किसी और 15 डिग्री इकाव तक सुरक्षा पूर्वक जल में रखे जा सकें ।

(क) वर्ग I और II के हर एक पोत में जो नियम 4 के उपनियम (2) के खंड (अ) या नियम 5 के उपनियम (8) के परन्तुक की मद (ग) के अनुसार बचाव-तराये वहन करते हैं ऐसे बचाव तराये लिये पन्द्रहवीं अनुमूली की अपेक्षाओं के अनुसार अवतरण साधितों की व्यवस्था होगी ।

(ख) वर्ग III की हर पोत में, जो नियम 6 के उपनियम (2) के खंड (अ) के अनुसार बचाव तराये वहन करता है, ऐसे बचाव तराये के लिए पन्द्रहवीं अनुमूली की अपेक्षाओं के अनुसार अवतरण साधितों की व्यवस्था होती, केन्द्रीय सरकार जितनी संख्या निश्चित करे जहाँ तक यथामात्र हो पोत की प्रत्येक और सभ विभाजित होंगे ।

परन्तु पोत को प्रत्येक और कम से कम हर समय ऐसा एक साधित होगा ।

(ग) हर बचाव तराये अवतरण साधित इस प्रकार अवस्थित होगा कि नियम की अनुकूल दशाओं के अन्तर्गत भी और किसी और 15 डिग्री इकाव तक, प्रत्येक बचाव तराये भी जो ऐसे साधित के प्रयोग के लिये इकाइत किया गया है, व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर में भारित होने पर अवतीर्ण कर सके ।

(घ) बचाव तराये जिनके लिये अवतरण साधितों की व्यवस्था है, और ऐसे अवतरण साधित पोत के मदान में नहीं रखे जायेंगे और ऐसे रखे होंगे कि नौका से निकाली और खोके के पीछे के बाहर जिकले हुए गालू हिस्से का विणेप ध्यान रखते हुए सुरक्षित अवतरण सुनिश्चित कर सके, और रक्षा साध्य यह सुरक्षित करने के लिये कि वे पोत के सीधे भाग की ओर अवतीर्ण हो सके ।

(ङ) बचाव तराये में, जिनके लिये अवतरण साधितों की व्यवस्था की गई है, व्यक्तियों के सुरक्षित नौरोहण के लिए उनको बहाँ धारण करने की पोत की दिशा के विरुद्ध लाने के लिए साधनों की व्यवस्था होगी ।

(३) रक्षा बोये इस प्रकार नीमरित होंगे कि सभी व्यक्तियों को सरलता से सुलभ हो सके और उत्की स्थिति स्पष्टता से और स्थायी रूप से उपर्याप्त की जायगी ।

(४) रक्षा बोये इस प्रकार नीमरित होंगे कि सभी व्यक्तियों को सरलता से सुलभ हो सके और उत्की स्थिति स्पष्टता से और स्थायी रूप से उपर्याप्त की जायगी ।

31. रक्षा नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं और बचाव तरायों पर नौरोहण :—(1) यह सुनिश्चित करने के लिए इतजाम होगा कि रक्षा नौकाओं, वर्ग ग नौकाओं, अन्य नौकाओं और बचाव तरायों में शीघ्रता से और ठीक कम में नौरोहण सम्भव हो ।

(2) हर पोत में, जब यह लगभग परिस्थित होने को है उस समय यात्रियों और कर्मीदल को बैताशनी देने के लिए इतजाम किया जाएगा ।

(३)(क) (i) वर्ग VI, VII और वर्ग VIII के पोतों में जब पोत की सम्भाई 45 मीटर से अधिक है, जहाँ इन नियमों द्वारा अपेक्षित रक्षा नौका व्यक्तियों की पूरी संख्या और उपस्कर में भारित हो तो डेविट उसके अवतरण में समर्थ होंगे बढ़ा रक्षा नौका डेविटों के प्रत्येक सेट में एक सीधी वहन की जाएगी ।

(ii) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में, भी ऐसी व्यवस्था होती है कि सभी उम्रके विद्यार्थी ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी गोदियों की उपयुक्त वाचिक साधनों द्वारा प्रतिष्ठापित होने वी अनुज्ञा दे सकते हैं एक ऐसे पोत के प्रत्येक पार एक सीढ़ी से अन्यतन होगी।

(ब) वर्ग VI, VII और VIII के पोतों में, जो एक वर्ग या नौका या एक रक्षा नौका बहन करते हैं, जो इन नियमों द्वारा अपेक्षित जब व्यक्तियों की पूरी सज्जा और उपस्कर से भाग्य, अवनमित होने में समर्थ नहीं हो तो नौका में व्यक्तियों के नौरोहण के लिए यथोचित साधनों की व्यवस्था होगी।

(ग) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों के ग्राह कुल 500 टन या उसमे अधिक के वर्ग VI, VII और VIII के पोतों में बचाव तरापों में जब वे जलवाहिन हो नौरोहण को मुकर भनाने के लिए पर्याप्त मीडियों की व्यवस्था की जाएगी मिलाय इसके कि ऐसे पोतों में केन्द्रीय सरकार ऐसी कुछ या भी गोदियों को यथोचित वाचिक साधनों द्वारा प्रतिष्ठापित की अनुज्ञा दे सकती।

(घ) इस उपनियम के उपबन्धों के अनुमार व्यवस्था की गई सीढ़ियों अल्पमात्र छुवाव तक और प्रत्येक और 15 डिग्री सूक्ष्म तृप्त धोने से जल रेखा तक पहुँचने के लिए पर्याप्त तम्बार्ह की होगी।

(4) हर पोत में, इनिजन कक्ष से, जहां से नियम अवनरण स्थानों पर इनमे वे भी समिलित हैं जो अवनरण साधिकों के अधीन हैं रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों में जल का नियमारण नियांनियन करने के लिए बाहर स्थित साधनों की व्यवस्था होगी।

32. रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों का कर्मी संयोजन :—(1) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में, प्रत्येक रक्षा नौका का प्रारंभी एक डेक आफिसर या एक प्रमाणपत्रिल रक्षा नाविक होगा और एक विविनीय समावेशक का भी नाम निर्दिष्ट किया जायगा। भाग्याधिक व्यक्ति, रक्षा नौका कर्मीदल की एक सूची रखेगा और यह देखेगा कि उसके आदेशों के अधीन रखे गये व्यक्ति अपने विभिन्न कर्तव्यों में परिचित है।

(2) वर्ग I और III के पोतों में बचाव तरापे के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षित एक व्यक्ति प्रत्येक बचाव तरापे के लिए समनुदेशित होगा।

(3) (क) वर्ग II के पोतों में, जो अवनरण साधिकों से युक्त नरापे बहन करते हैं, जो बचाव तरापे के चालन और प्रयोग में प्रशिक्षित हो व्यक्ति प्रत्येक अवनरण साधित के लिए समनुदेशित किए जाएंगे।

(ब) वर्ग III, IV और V के पोतों में, जो ऐसे बचाव तरापे बहन करते हैं जो अवनरण साधिकों से युक्त नहीं है, और जो नियम अवनरण स्थिति पर योगों में रखे हुए हैं बचाव तरापों के चालन और प्रचालन में प्रशिक्षित एक व्यक्ति प्रत्येक ऐसी स्थिति के लिए समनुदेशित होगा।

(4) वर्ग I, II, III, IV और V के पोतों में रेडियो उपस्कर और सर्च साइट उपस्कर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति ऐसे उपस्कर को बहन करने वाली प्रत्येक रक्षा नौका के लिए समनुदेशित होगा।

(5) हर पोत जिसमे मोटर रक्षा नौकाएं थहन की गई है, मोटर के परिचालन में समर्थ एक व्यक्ति प्रत्येक मोटर रक्षा नौका के लिए समनुदेशित होगा।

33. प्रमाणपत्रित रक्षा नाविक :—(1) वर्ग I, II, III, IV और V के हर पोत के कर्मीदल में इन नियमों के अनुसार बहन की त्रुटि प्रत्येक रक्षा नौका के लिए, नियनिविन मार्गी में नियनिविन में अन्यतन प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की मद्दा भी समिलित है।

मारणी

एक रक्षा नौका के लिए विहित व्यक्तियों की मद्दा	अपेक्षित प्रमाणपत्रित रक्षा नाविकों की अन्यतन सम संदेश
--	--

41 व्यक्तियों से कम	2
41 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 62 व्यक्तियों से कम	3
62 व्यक्तियों और उससे अधिक किन्तु 86 व्यक्तियों से कम	4
86 व्यक्तियों से अधिक और उससे अधिक	5

(2) इस नियम में विहित व्यक्तियों की पूरी मद्दा में व्यक्तियों की वह सल्ला अभिषेत है जिसे इन नियमों के अन्तर्गत, स्थान देने के लिए रक्षा नौका टीक समझी गई है।

34. मुवाला रेडियो उपस्कर :—(1) नियम 1 के उपनियम (6) नियम 5 के उपनियम (ii) नियम 6 के उपनियम (6) नियम 7 के उपनियम (10) नियम 8 के उपनियम (8) और नियम 9 के उपनियम, (10) के अनुसार बहन किए जाने के लिए अपेक्षित मुवाला रेडियो उपस्कर जनेवा रेडियो नियम, 1959 की ऐसी अपेक्षाओं के अनुसार होगा ऐसी उम्रको लागू होती है और यथोचित स्थान पर, आगात की दशा में रक्षा नौका और बचाव तरापे में रखने के लिए तैयार रखा जाएगा।

(2) पोतों में जहां अधिरचनाओं और डेक अधीक्षकों का विन्यास ऐसा है जो मुक्त पारेक्ष प्रत्येक रक्षा नौका का पर्याप्त प्रारंभी और पीछे पार्थक्ष करता है, ऐसा उपस्कर इन रक्षा नौकाओं या बचाव तरापों के समीप रखा जाएगा जो भूम्य पारेक्ष से सर्वाधिक दूर हो।

35. विद्युत प्रकाशन सिस्यमल :—वर्ग I, II, III और IV के हर पोत में, पूरे पोत में मस्टर स्टेशनों पर पुल से माधियों को बुलाने के लिए नियमित विद्युत प्रकाशन सिस्यमलों की व्यवस्था होगी।

36. विद्युत प्रकाश प्रबंध :—(1) (क) वर्ग I, II, III, IV और V के हर पोत में, पूरे पोत में और विशेषण: डेक पर, जिसमें रक्षा नौकाओं और बचाव तरापों का नौरोहण होता है, विद्युत प्रकाश प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी।

(ब) ऐसे हर पोत में, अवनरण के विद्युत प्रकाश प्रबंध के लिए भी और जल, जिसमें अवनरण साधिकों से युक्त रक्षा नौकाएं और बचाव तरापों प्रत्येकीं किए जाने हैं, जब तक अवनरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती उसके लिए भी और बचाव तरापों, जिनके लिए अवनरण साधिकों की व्यवस्था नहीं है उनके नौमरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्था की जाएगी।

(ग) प्रकाश प्रबंध पोत के मुक्त विद्युत उत्तादक संयंत्र में प्रकाशित होगा इस प्रकाश अवधिस्थित होगा कि यात्री पोतों के मन्त्र-मणि से संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाये गए नियमों के अधीन ऐसे पोतों के लिए व्यवस्थित शक्ति के आपात ज्ञात से विद्युत शक्ति दी जा सकेगी।

(2) वर्ग J, II, III, IV और V के हर एक पोत से याकियों या कर्मीवाल द्वारा अधिकृत हर मुख्य कक्ष से निर्गम द्वारा, पोत के मुख्य विश्वुत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित आपात विश्वुत शेष्य से लगातार प्रकाशित किया जाएगा और यह इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि याकी पोतों के मन्तिमाण गे संबंधित अधिनियम की धारा 284 के अधीन बनाए गए नियमों के अधीन, ऐसे पोतों के लिए व्यवस्था किए जाने के लिए अपेक्षित शक्ति के आपात श्रोत से विश्वुत शक्ति दी जा सकेगी।

(3) (क) कुल 500 टन या उससे अधिक के वर्ग VI और VII के हर पोत में, अवनरण माध्यन, रक्षा नौकाओं और बचाव तरायां के विश्वुत प्रकाश प्रबंध के लिए, जिसका ये अवनरण की तैयारी और प्रतिया के द्वारा प्रयोग करने है, जल जिस में अवनरण माध्यिक से मुक्त रक्षा नौकाओं और बचाव तराये अवतीर्ण किए गए हैं, जब तक अवनरण की प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती है, उनके प्रकाश प्रबंध के लिए बचाव तराये जिनके लिए अवनरण माध्यिकों की व्यवस्था नहीं की गई है, उनके नीभरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्था होगी।

(ख) कुल 1600 टन या उससे अधिक के वर्ग VI और VII के हर पोत में, गलियां, सीढ़ियां और निर्गम द्वारा के विश्वुत प्रकाश प्रबंध के लिए ऐसी व्यवस्था होगी यह मुनिहित हो जाए कि पान पर चमो अवलोकन की, रक्षा नौकाओं और बचाव तरायां के अवनरण स्टेशन और नौभरण स्थिति तक पहुँचान में बाधा न हो।

(ग) इस नियम के छठे (क) और (ख) के अधीन अपेक्षित प्रकाश प्रबंध पोत के मुख्य विश्वुत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और इसके अनिरिक्त—

(i) कुल 5000 टन या उससे अधिक के ऐसे हर पोत में, या उन पोतों भी दशा में जिनका वाणिज्य पोत परिवहन (स्पैग पोत मन्तिमाण और मर्वेक्षण) नियम, 1974 के नियम 7 के उपनियम (1) के अधीन नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए अवस्थित विश्वुत शक्ति के आपात श्रोत से प्रचालित होते में समर्थ होंगे।

(ii) कुल 1600 टन से अधिक किलो कुल 5000 टन से कम के हर पोत में ऐसे पोतों में या उन पोतों की दशा में जिनका, वाणिज्य पोत परिवहन (स्पैग पोत मन्तिमाण और मर्वेक्षण) नियम, 1968 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्थित विश्वुत शक्ति के आपात श्रोत में प्रचालित होते में समर्थ होंगे।

(घ) कुल 500 टन या उससे अधिक किलो 1600 टन से कम के हर पोत में इस उपनियम के छठे (क) के अन्तर्गत अपेक्षित प्रबंध, पोत के मुख्य विश्वुत उत्पादक संयंत्र से प्रचालित होगा और, उनके अनिरिक्त ऐसे पोतों या उन पोतों की दशा में जिनका, वाणिज्य पोत परिवहन (स्पैग पोत मन्तिमाण और मर्वेक्षण) नियम, 1971 के नियम 9 के उपनियम (1) के अधीन नियम लागू होते हैं ऐसे प्रकाश प्रबंध के लिए व्यवस्थित विश्वुत शक्ति के आपात श्रोत में प्रचालित होते में समर्थ होंगे या यदि केन्द्रीय सरकार ऐसी अनुज्ञा देती है तो इस शर्त के अध्यधीन कि प्रकाश-प्रबंध परिवहन सरकार से अलग हो सकता है और आरक्षित श्रोत, उन नियमों के अधीन अपेक्षित धारिता

के कम हुये बिना अनिरिक्त भार या भारों का प्रदाय करने के लिये समर्थ है, सो अनेक रेडियो नियम, 1959 के अन्तीम ऐसे पोतों पर के लिये व्यवस्थित विश्वुत ऊर्जा के प्रारक्षित श्रोत से प्रचालित होंगे।

(4) वर्ग VI और VII के हर पोत में, जिसके उपनियम (3) लागू नहीं होता, और वर्ग VIII के हर पोत में प्रवनरण की प्रक्रिया के लिये तैयारी के द्वारा प्रवनरण साधन और रक्षा नौकाएं या नौकाओं के विश्वुत प्रकाश प्रबंध के लिये, और बचाव तरायां के नौभरण स्थिति के प्रकाश प्रबंध के लिये भी साधनों की व्यवस्था की जायेगी।

37. पोत के संकट मशाल—(1) वर्ग VIII के पोत जो लम्बाई में 24 मीटर से कम है मिश्राय हर पोत, सोलहवीं अनुसूची के अपेक्षितों के अनुसार बारह से अन्यन मंडल छतरी मशाल बहन करेगा।

(2) लम्बाई में 24 मीटर से अधिक के पोतों से भिन्न वर्ग VIII के पोतों, उपनियम (3) के अनुसार छठे भी अन्यन नाल तारक मंडल मशाल बहन करेंगे।

(3) इस नियम के अधीन अपेक्षित कोई भी नाल तारक सिंगल 45.7 मीटर से अन्यन उंचाई पर या भाथ-माथ या पुयक रूप से दो या अधिक नाल तारकों के उत्तर्जन में समर्थ होगा, और इन तारकों में से प्रत्येक, 5 सैकंड से अन्यन 5000 कोडल शक्ति की व्यन्तरम प्रवीप्ति में जाएगा।

(4) सभी आनिशी मंडल मशाल जल रोक आधारों में ऐक किए जाएंगे और अपना प्रयोजन उपर्दिन करने के लिये म्यान्टा से और अमिट रूप से अपर लेबल लगे होंगे।

38. समनुल्य बस्तुएं और छुटें—(1) जहा इन नियमों द्वारा यह अपेक्षित हो कि कोई विशेष फिटिंग पदार्थ, माध्यिक या उपकरण या उनका प्रकार, पोत में लगा या वहन किया होता या कि कोई विशेष व्यवस्था की जायेगी, वहा केन्द्रीय सरकार किसी अन्य फिटिंग, पदार्थ, माध्यिक का उपकरण या उनका प्रकार जो पोत में फिट होने, वहन किये जाने या किसी अन्य की जाने वाली व्यवस्था की उनके परीक्षण के द्वारा यह समाधान हो जाने पर अनुज्ञा देसकेगी कि ऐसी अन्य फिटिंग, पदार्थ माध्यिक या उपकरण या उनका प्रकार या व्यवस्था कम से कम उनी अभावशाली हो जिनी इन नियमों द्वारा अपेक्षित हों।

(2) किसी पोत के स्थामी के आवेदन पर यदि केन्द्रीय सरकार को यह प्रसीद होता है कि उन पोत में इन नियमों द्वारा अपेक्षित डेविटों के मेटों की संख्या का फिट किया जाना साध्य या युक्ति-युक्त नहीं है तो केन्द्रीय सरकार, ऐसी शर्तों के अध्यधीन, यदि कोई छोटी, जिन्हे अधिरोपित करना वह ठीक समझे, उन पोत में डेविटों के एक या अधिक मेट से अभियुक्त करने की अनुज्ञा देसकेगी।

पञ्च वर्ग II और V के पोतों की दशा में फिट किये गये डेविटों के मेटों की संख्या, नियम 5 के उपनियम (2) और (8) और नियम 7 के उपनियम (2) के अध्यधीन पहली अनुसूची में उपर्दिन सारणी के स्तरम् (छ) द्वारा प्राप्तारित व्यन्तरम संख्या से किसी भी दशा में न्यून नहीं होगी।

(3) यदि वर्ग I या III के किसी पोत को, जब वह भारन में किसी पत्तन या म्यान्ट में समत्र की ओर बढ़ता है, विनिर्दिष्ट विशेषी पत्तनों या स्थानों के बीच, अनुज्ञान संख्या के अनिरिक्त किसी संख्या को वहन करने

के लिये अनुज्ञा दी गई है जो केन्द्रीय गवर्नर, प्रेसी पर्सी व प्रधार्यांगन जिन्हें प्रशिर्णोपित नहीं यह ठीक समझे, जहाँ तक यह विनियोग नहीं या स्थानों के बीच समृद्ध यात्रा के भाग का माध्यम है नियम १ के उपनियम (२) और (१०) और नियम ८ के उपनियम (१) और (५) के उपनियम (२) और (१०) द्वारा उपायरण की अनुज्ञा दी गयी है।

परन्तु जहा ऐसे उपायणों की अवश्य ही गई है एवं वचाव नगपा के साथ रक्षा नौराहा की कुल मज्हा जो बहन ही गई है अर्किया ही कुल मज्हा के लिये जिस पोत मरन वरन के लिये प्रमारित है मैत्र पर्याप्त होगी और इसके अनिवार्य वचाव नगप अन्तिया को साधा कर दम प्रतिशत को पर्याप्त स्व में समावने के लिये बहन किये जाएंगे।

(4) ऐन्ट्रीय मरकार किसी पात को जा प्रसामान्य रूप से अन्तर्राष्ट्रीय ममद्र यात्राओ पर नही लगा हा किन्तु जिसका माधारण परिस्थितिया म हन नियमो भी विसी अपेक्षा मे कि किसी एक अन्तर्राष्ट्रीय ममद्र यात्रा पर जाता अपेक्षित हो छट बे गवंगी

परन्तु जब तक ऐसा पात ऐसी भ्रष्टाकारी का भ्रन्तिपालन नहीं करता जो केन्द्रीय मरकार भी गय मे उस गमदयाला के निये पर्याप्त है जो हम पात के द्वाग की आनी है बाई भी छट नहीं दी जायेगी।

(5) यदि किसी पात का, इन नियमों के अन्वर्गत शिश्ट ल्यूगतम लम्बाई की रक्षा नौका को बहुत करना प्रसाध्य और भ्रयुनियक है तो कंट्रीय गरवार उस पात में उसमे छोटी रक्षा नौका या नौका क थहर किये जाने जी अनजा दे सकेगी।

(6) बैंद्रीय मरकार यदि उमका गमाधान हो जाये कि ऐसे पात
भी दशा में अपेक्षा का अनुपालन अमाध्य या अदृष्टियुक्त हो वह या
सो आत्यक्तिक स्प भी या एसी शर्तों के प्रबल्यधीन जिन्हे वह ठीक समझे
किसी पोल का जिमका पठाण 26 मई 1965 में पूर्व रखा गया था
इन नियमों की किसी अपेक्षा के लाग जाने में छट दें मकरी।

ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੱਸਥੀ

नियम ५(२), (३) और (८) (ग) (घ) ७(२) और (३) ८(२) और ३९(२) देखिये]

वर्ग II, IV और V के पानी में व्यवस्था दिये जाने वाले डेविटों के सेटों की व्यूनतम संख्या और रक्षा नौकाओं की व्यूनतम घन धारिता का दर्शन यानी सारणी —

पोत की रजिस्ट्रीड लबाई मीटर मे	डेविट सेटो की लूनलम सख्ता	प्रमाणारण लग स प्राधिकृत हेविटो के सेटो की	रक्षा नीकामा की लूनलम धन घारिया मीटर मे
—	—	—	—
मीटर	सख्ता	सख्ता	धन मीटर
37 मीटर नव	2	2	11
37 मीटर और उमस प्रथिक किलो 4.3 मीटर स लम	2	2	15-
43 " 49	2	2	26
49 " 53 "	3	3	13
53 " 58 "	3	3	38
58 " 63 "	4	4	14

			₹	₹	₹
63	67	,	3	4	50
67	70	,	5	4	52
70	75	,	5	4	61
75	78	,	6	5	68
78	82	,	6	5	76
82	87	,	7	5	85
87	91	,	7	5	94
91	96	,	8	6	102
96 मी० और उससे क्रापर लेकिन					
101 मी० से कम			8	6	110
101	107	,	9	7	122
107	113	,	9	7	135
113	119	,	10	7	146
119	125	,	10	7	157
125	133	,	12	9	171
133	140	,	12	9	185
140	149	,	14	10	202
149	159	,	14	10	221
159	169	,	16	12	238
169	177	,	16	12	--
177	187	,	18	13	--
187	196	,	18	13	--
196	205	,	20	14	--
205	214	,	20	14	--
214	223	,	22	15	--
223	232	,	22	15	--
232	241	,	24	17	--
241	251	,	24	17	--
251	261	,	26	18	--
261	271	,	26	18	--
271	281	,	28	19	--
281	293	,	28	19	--
293	304	,	30	20	--
304	315	,	30	20	--

दस्तावेज़ी

(नियम १२ और १५ देखिए)

रखा नौकराओं के लिए मामान्य अपेक्षाएँ

। दूर रक्खा नीका अनस्य किनार मे भलिमित होगी

२ (क) अनन्य आवरण गे लगी हुई किसी रक्षा नीति में आवरण भी नहीं और आहर दोनों आर म सरलता में खुलन में समर्थ होगा और रक्षा नीति के शीघ्र नीतिकृष्ण और प्रश्नकृष्ण या अवश्यक और आवश्यक में अद्वितीय नहीं दाखिला।

(क्र) एमा आवश्यक जर्हा लगा होगा तिथम् २३ के उपनियम् (१) के अड़ (म) सी अपेक्षाओं का अनुपालन करने हुए प्रनिगदीत किया जायेगा।

३ तब्बला म बनी हुई लकड़ी की रक्षा नौकाओं के गिराय, इस एक रक्षा नौका, तृतीय अनुमती के अनमरण में अवधारिता वर्त धारिता का ०.६४ के प्रत्युत्तर कम घनत्व गुणक रखती है।

४ हर रक्षा नौका ऐसे आकार और अनुपात की हाई कि जब वह व्यक्तियों की पूरी सद्या और उपस्थिति में भारित हो तब जलगामी होने में प्रसन्न स्थिरता और पर्याप्त कीवाड़ होगा।

५ हर रक्षा नौका इस प्रकार मर्त्तमित हाई कि जब वह खुल ममद्र में व्यक्तियों की पूरी सद्या और उपस्थिति में भारित हो तब वह घनत्वमुक्त स्थिरता कायम रखने में मर्मधृत होगी।

६ (न) हर रक्षा नौका उम प्रयोजन के लिए जिसके लिए वह आण्डित है, ममुचित स्तर में गिर्नामित होगी और व्यक्तियों को पूरी रक्षा और उपस्थिति में भारित होने पर जल में सुरक्षित रूप में अवनमित किया जा सकने के लिए पर्याप्त भार्या की होगी।

(ख) वह ऐसे सामर्थ की हाई कि, यदि उस पर कम से कम २५ प्रतिशत अधिकार हो तो उसमें अवधारित विशेष नहीं होगा।

७ कोई भी रक्षा नौका लबाई म ५.७ मीटर से तब तक वे मिराय उभ नहीं होगी जब कि इन मिराय इन नियमों में वर्ग ग नौका के विकल्प के रूप में एक रक्षा नौका की लबाई, छठी अनुमती के पैरा ३ वे अनुमान में यथा अवधारित वर्ग ग नौका की लबाई से कम नहीं होगी,

८ बिंदी भी रक्षा नौका का भार, जब वह व्यक्तियों का पूरी सद्या और उपस्थिति में भारित हो तब ३०३ टोन्स में अधिक नहीं होगा।

९ हर रक्षा नौका में सभी आडे तल्ले और बगल की सीट यथा साध्य नीचे लगी होंगी और तल्लफलक लगे होंगे।

१० हर रक्षा नौका इसकी लबाई के कम में वर्ग चार प्रतिशत के बगबर और उठान रखेगी और यह उठान आकार में लगभग परश्वाल्यक होगी।

११ हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्त्वावत मधित लगे होंगे जिसमें वायुमुख छिँड़े या उत्त्वावत पदार्थ लोगे, जिनपर तेव या लें उत्त्वावत द्वारा प्रतिक्षल प्रत्यावत नहीं पड़ेगा और जिनमें नौका पर प्रतिक्षल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

१२ हर रक्षा नौका में आन्तरिक उत्त्वावत मधित का कुल शायतन ऐसा होगा जो कम से वर्ग उन आयतनों के योग के बगबर होगा—

(क) जो रक्षा नौका और उसके उपस्थित का उम समय जब वह रक्षा नौका जलालावत हो और उसमें ममुर जल प्रविहार हो सकता हो, तो ऐसे आवास करने के लिए अवेक्षित है विप्राप्तमध्य पेरेज का ऊर्ध्वा लिए जलमग्न न हो,

(ख) जो रक्षा नौका की धनधारित के १० प्रतिशत के बगबर हो।

१३ उन रक्षा नौकाओं की दण में जिसमें १०० या उसमें अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है इन पर अनुमती का पृथक्कर्ता पैरा १२ के छण्ड (ख) द्वारा उपेक्षित उत्त्वावत गाधितों का आयतन निम्नलिखित प्रकार से बढ़ाया जायेगा—

(क) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें १०० से अकर १३० व्यक्तियों ने लिए स्थान होता है उनमें मात्रा भी जो १०० व्यक्तियों पर गम्य और १३० व्यक्तियों पर रक्षा नौका की धनधारित १५ प्रतिशत के बीच अवर्गित होगा।

(ख) उन रक्षा नौकाओं में जिनमें १३० से अधिक व्यक्तियों के लिए स्थान होता है, रक्षा नौका धनधारित १५ प्रतिशत के बगबर की मात्रा द्वारा।

नीमरी अनुमती

[नियम १३ (१) और १४ वेक्षण]

रक्षा नौकाओं को धनधारित की गणना

१ इस अनुमती के पैरा ४ के उपवर्धा के अध्यर्थीन इन नियमों के प्रयोगजनार्थ रक्षा नौका की धनधारित वर्त मीटर में मापी जायेगी और मटीलग के (गिम्पगन के) नियम द्वारा अवधारित होगी जो निम्नलिखित सूत्र के अनुसार निर्धारित की जायेगी।

(क) धनधारिता -३८/१२ (३०--२०--१८) जहा एवं माथ के गीर्ये पर खोल के भीतर में कुदास के गीर्ये पर तत्त्वमन्धी बिन्दु तक मीटर में रक्षा नौका की लबाई दर्शित करता है, वर्गाकार दुम्बाल वाली रक्षा नौका की दण में लम्बाई पृष्ठ वन्द के गीर्ये के भीतर तक मापी जायेगी।

और ३० बी० मी० कमण वह अनुप्रस्थ काटो के उत्तरों की दणित करता है जो आगे में चतुर्थांश लबाई, पोतमस्थ और पीछे से चतुर्थांश लम्बाई पर है, जो एवं की चार बगबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन स्थानों के बगबर (रक्षा नौका के दो लिए के तत्त्वमन्धी अत्र उपेक्षानीय समझ जायेगे)।

(ख) ४० बी० मी० धोत्र तीन आडी कोटा में से प्रत्येक को निम्न प्रियत्रित सूत्र के अनुशासिक समायोजित द्वारा वर्ग मीटरों में दिया हुआ समझा जायेगा।

धोत्र-२५ (४+४ बी०१२ मी०१०१८) जहा एवं व्याग म

१२

पठाण में पेरेज की सतह तक, या कुछ दिणाओं में, आगे जलकर यथा अवधारित उसमें नीचे की समृद्ध भक्त मीटरों में मापी गई गहराई मूल्य अवधारिता उसमें नीचे की समृद्ध तक मीटरों में मापी गई गहराई मूल्य अवधारित वरता है, और ३, दी, सी, ढी, इ खाल के भीतर गहराई के ऊपरी और निचले बिन्दुओं पर और एवं भी चार बगबर भागों में विभक्त करने पर प्राप्त तीन बिन्दुओं पर भीटरों में मापी गई रक्षा नौका की धेन्तिज चौड़ाई मूल्य अवधारित करते हैं (सीमान्त बिन्दुओं पर ए और इ चौड़ाई है और यी, एवं के मध्य बिन्दु पर है)।

(ग) वर्गाकार प्रोफल वाली रक्षा नौका की क्षमता नाकदार पीछल वाली रक्षा नौका की तरह समर्पित होगी।

२ यदि रक्षा नौका के दाना छेग में लम्बाई के चतुर्थांश पर स्थित दो बिन्दुओं पर मापी दूरी एवं उठान, नौका की लम्बाई के प्रतिशत पर मापी दूरी पेरेज की उठान, नौका की लम्बाई के एवं प्रतिशत हो भाली है, तो ए और आडी काट धोत्र के सरणन में नियाक्षित गहरा पान मध्य गहराई में रक्षा नौका की लम्बाई के १ प्रतिशत की जोड़ कर समझी जायेगी।

३ यदि पास मध्य रक्षा नौका की गहराई चौड़ाई के पैतालीम प्रतिशत में बढ़ जाता है तो पास मध्य आडी काट वी के धेन्ति सरणन में नियाक्षित गहराई, चौड़ाई के पैतालीम प्रतिशत के बगबर समझी जायेगी और ए और भी काट की चतुर्थांश लम्बाई के धात्रा के गणन में नियाक्षित गहराई रक्षा नौका की लम्बाई के १ प्रतिशत की जोड़ कर समझी जायेगी।

परत्तु किसी भी दशा में गणना में नियोजित गहराई, इन बिन्दुओं पर वास्तविक गहराई से अधिक नहीं होगी।

4 रक्षा नौका का स्वामी, जब तक यथावत् माप द्वारा धन क्षमता के प्रवधारित छोटे की अपेक्षा नहीं करता है, यदि यह सूक्ष्म इस अनुमूल्य के लिए (1) में उपर्युक्त मूल द्वारा प्राप्त क्षमता से अधिक क्षमता नहीं प्रदान करता है तो लकड़ी के तख्ते से मन्त्रिमित रक्षा नौका की धन क्षमता 0.7 द्वारा गुणित अन्वार्ड, चौड़ाई और गहराई के उन्यावक होने की मानी हुई हो सकेगी। लम्बाई चौड़ाई और गहराई निम्नलिखित रीति से मानी जायेगी—

(क) अन्वार्ड—माथे के शीर्ष सहित फलकावरण के बादर के कटान से कुशाम पर तलाम्बन्धी बिन्दु तक या बगाकार पीछल बाली रक्षा नौका की दशा में पृष्ठ बन्द के शीर्ष के पीछे की ओर तक।

(ख) चौड़ाई—फलकावरण के बाहर उम बिन्दु से जहां तक नौका की चौड़ाई सबसे अधिक हो।

(ग) गहराई—पाल मध्य फलकावरण के भीतर पठाम से परेज के शीर्ष की सनह तक लैकिन धन क्षमता मण्डन में प्रयुक्त गहराई किसी भी दशा में चौड़ाई के पैनालीम प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकेगा।

5. मोटर रक्षा नौका या अन्य नौधन साधन में लगी हुई रक्षा नौका की धन क्षमता, मोटर और इसके उपाधनों या अन्य नौदन साधन के गियर बक्स प्रौढ़ कोई उपस्कर जिससे रक्षा नौका नियम 25 के अनुपालन में उपचारित हो सकेगा उसके प्रधारासित मात्रा के बगवर कुल क्षमता से कटीली करने पर प्राप्त होगी।

चौर्थी अनुमूल्य

[नियम 14 (क) देखिए]

मोटर रक्षा नौका की मण्डनीय

1. इंजन ठड़े मौसम में सरलता से स्टार्ट होने और नापक्रम की पराकाष्ठा की व्यवस्थाओं में विश्वसनीय रूप से जरूर योग्य होगा।

2. (क) कम से कम 10 डिग्री नीति की दशाओं में इंजन समूचित रूप से प्रबलित होगा।

(ख) जहां चरण जनप्रम्प लगे हैं वहां ये स्व अप्रक्रमणाय छोड़े।

3. (क) इंजन और उसके उप-माध्यन-जिनमें ईंधन टकी, पाण्डप और फिटिंग सम्मिलित हैं, समूद्र में प्रतिकूल भीमस के दौरान मध्यवन् उत्पन्न हो सकने वाले व्यवस्थाओं में विश्वनीय प्रबलित को सुनिष्ठित करने के लिए पर्याप्त रूप से मरक्षित होंगे।

(ख) इसके अन्तिरिक्ष, इंजन खाल अग्निशमी होगा और वाय शीतित डीजल इंजनों की दशा में इस प्रकार पर्याप्तित होगा कि मौतन वायु का प्रदाय निवधित न हो।

4. मध्यी रक्षा नौकाओं में ईंधन के फैलने को रोकने के लिये साधनों की व्यवस्था हासी, लकड़ी की रक्षा नौका में इंजन के नीचे एक धानु ट्रैलरी हुई होगी।

5. (क) ईंधन टकी यंत्रणा रूप से संवित उपयुक्त, स्थिति में मजबूती में लगी हुई होगी, उसके नीचे एक धानु तज्जरी शूर्पी तथा उपयुक्त भरण वाल निकास और रिपारें व्यवस्थाओं में युक्त होगी।

(ख) टकी या उसके समोजनों का कोई भी भाग या ईंधन पाइप दृष्टिंग का कोई भी भाग अभ्याव के लिये नरम टाफेपर निर्भर नहीं होगा और इस्पात से भी टकियों समृद्ध जलसे संक्षारण के विवर धातु पुद्धरण या समृद्ध साधनों द्वारा बाह्यत मरक्षित होगी।

(ग) टकी और उसके समोजन कम से कम 4.5 मीटर की ऊंचाई के नरम द्रवचाव के महस करने योग्य होंगे।

(घ) पाइप के प्रत्येक भिर पर एक काँच लगा होगा।

6. इंजन और ईंधन टकी की जगह वक्षनापूर्वक मरक्षित होगी।

7. जहां रक्षा नौका ग व्यक्तियों का क्षति मरक्षित करना आवश्यक है वहा पैकाटिंग और अन्य गविमान भागों को बाइ लगाई जायेगी।

पाञ्चांशी अनुमूल्य

(नियम 15 देखिए)

यह चालित रक्षा नौकाओं की मण्डनीय

1. नीदन साधन इस प्रवार व्यवस्थित होगा कि यह, कार्य के लिए शीघ्रता में और आसानी से नैयार किया जा सके और रक्षा नौका में व्यक्तियों के शीघ्र नौरहण में आधा न करे।

2. यदि नौदन साधन कर चालित है तो यह उसके प्रयाग में अप्रणिक्षित व्यक्तियों द्वारा प्रचालित होने योग्य होगा और रक्षा-नौका के ज्ञावित होने पर प्रचलित किये जाने योग्य होगा।

3. नीदन साधन का, विभिन्न कद के व्यक्तियों द्वारा चलाने योग्य होने के लिए समायोजन अर्थात् नहीं होगा और यह, भागत या पूर्णत भारित रक्षा नौका के नीदन में प्रभावी होगा।

4. (क) नीदन साधन योग्य से मन्त्रिमित शाग और रक्षा नौका में वक्षनापूर्वक लगा होगा।

(ख) यह सुनिष्ठित करने के लिए, चालका के हाथ जीत की पराकाष्ठा की दशा में मरक्षित है, किसी भी प्रबलन टैन्कल का प्रात् याता साग लकड़ी से जित प्रदाय द्वारा उपयुक्त रूप से आचलित होगा।

5. नीदन साधन इनी पर्याप्त शक्ति का होगा कि जब रक्षा नौका हन नियमा द्वारा ग्रेडिट ग्राने उपस्कर और व्यक्तियों को उम पूरी मध्या बगवर, जिसे वह वहन करने के योग्य है, विरागत वजन में भारित हो, तक यह जान जल में 100 मीटर दूरी नक रक्षा नौका को आगे की दशा में 3.5 नाट को गति में नीदन हो सके।

6. नीदन साधन रक्षा को आगे या पीछे नादित करने में समर्थ होगा और उसमें एक ऐसा साधन लगा होगा जिसके द्वारा किसी भी समय जब नादन साधन प्रदालित हो नौका नौका का पीछे या आगे कर सकेगा।

छठांशी अनुमूल्य

(नियम 16 देखिए)

1. हर एक वर्गे ग नौका यन्त्र्य में मन्त्रिमित खुली नौका होगी।

2. नौका ऐस आकार और अनुपाल की होगी कि जब यह व्यक्तियों की मध्यसे प्रश्नक मध्या में, जिनके बैठने के लिए स्थान की व्यवस्था है, और प्रपते पूर्ण उपस्कर में भारित हो तो जनगामी होने में प्रवृत्ति मिर्चा और पर्याप्त प्री ब्राइ रखेगी।

३ नौका की तबाई कम से कम —

- (क) उस पान के लिए जिसकी लम्बाई 12 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 21 मीटर से कम है 4 3 मीटर होगी,
- (ख) उस पान के लिए जिसकी लम्बाई 24 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 35 मीटर से कम है 1 9 मीटर होगी,
- (ग) उस पान के लिए जिसकी लम्बाई 35 मीटर या उससे अधिक है किन्तु 11 मीटर से कम है 5 2 मीटर होगी,
- (घ) उस पान के लिए जिसकी लम्बाई 41 मीटर या उससे अधिक है 5 5 मीटर होगी।

१ नौका में सभी तब्दीलों और बगण की सीढ़ियाँ यथा साध्य नीचे लगी होंगी और नव फक्कर लगे होंगे।

५ नौका बर्गकार पीछने वाली होगी और कम से रुम इमारत तबाई के पाच प्रतिशत के बगबार और उपर रखेगी।

६ नौका में आलंरिक उत्तमावन माधित्र लगे होंगे जो इस प्रकार रखें होंगे कि प्रतिकूल सौगम का दण्डाप्रा में नौका के पूर्ण रूप से लदे हाने पर स्थिरता सुनिश्चित करे।

७ आलंरिक उत्तमावन माधित्र या तो वाषु-डू छिक्का जा 1675 ग्राम प्रति वर्गमीटर से अन्यनाताज्ज्ञ या मट्टी धातु या अन्य समान यथोचित पदार्थ के होगे।

८ लकड़ी की वर्ग ग नौका में आलंरिक उत्तमावन माधित्र का कुल आयतन कम से कम नौका की धन धारिना के साझेसात प्रतिगत के बगबार होगी जो तृतीय अन्तस्थी के पैर ५ के अनुमार अवधारित किया जायेगा।

९ लकड़ी से बिन्न किसी पदार्थ की बनी वर्ग ग नौका की उत्तमावना उसी धन धारिना को लकड़ी का वर्ग ग नौकाक के लिए अपेक्षित उत्तमावना में अन्यून होगी भी और आलंरिक उत्तमावन माधित्र का आयतन नदिमार बढ़ा दिया जायेगा।

१० व्यक्तिया की वह अन्तनम सज्जा जिसके बैठन की व्यवस्था की जायेगी धन मीटर से नौका की धन धारिना को २ ६५ से गुणा करने पर प्राप्त सबसे बड़ा सज्जा के बराबर होगी।

गानवी अनुमूली

(नियम २(चे) और (३) १७ १९ (२) और (३) और २७ (च) और (४) देखिए)

बचाव तरापा न लिए अपधा

मात्र ।

स्फीति याप्य बचाव तराप

१ उस मात्र के पैर २ वे उपग्रन्थी के अध्यधीन इर एक स्फीति याप्य बचाव तरापा तिम्निश्चित प्रपञ्चाप्रा के अनुमार होगा —

(क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्तिर्मित होगा कि जब यह पृष्ठ स्व से स्फीत हो और सबसे ऊपरी शुक्कत महित उत्तमावन हो तो यह जलगार्मी हानि में स्थायी रहेगा।

(ख) बचाव तरापा इस प्रकार गर्निर्मित होगा कि यदि यह १८ मीटर की ऊचाई से जल में गिराया जाये तो न तो बचाव तरापा न इसके उपर्युक्त अन्तर्गत अस्ति होगा।

(ग) (१) बचाव तरापे के मनिर्माण में उच्च दृष्ट्यमान वर्ण द्रवक्कन मार्मिलित छापा जा जब बचाव तरापा स्फीति हो ना स्वन स्वत पर मेंट हो जायेगा।

(२) तक्कन अनावरण में अनि के विद्युत अधिमारियों की रक्षा करने में समर्थ होगा, और वर्षा का पानी हक्कड़ा करने के लिए गांधनों की व्यवस्था की जायेगी,

(३) इक्कन के एवं पर ऐसा लैस्प लगा होगा जो समृद्ध सक्रियत सेव में अपनी अर्धात् प्राप्त तरापा हो और बचाव तरापा के अन्दर भी एक वैसा ही लैस्प लगा होगा।

(४) (१) बचाव तरापे में कर्पक रसाय लगा होगा और बाहर के चारों और सूलशालों रक्षा रस्ते लगी होंगी।

(२) बचाव तरापा के अन्दर बार आर और भी एक रक्षा रस्ती लगी होगी, बचाव तरापा यदि अधामुखी स्थिति में स्फीत होना है तो एक व्यक्ति द्वारा सरकार में सीधा होने योग्य होगा,

(३) बचाव तरापे में प्रत्येक भार्प पर जल में के व्यक्तियों को ब्राउं पर चुने में समर्थ बनाते के लिए इक्ष्य साधन लगे होंगे,

(४) (१) बचाव तरापा इस प्रकार मनिर्मित चमड़े के थेले या अन्य आधान में रखा होगा जो समृद्ध में मिलने वाली दशाप्रा में ब्राउं दृट फूट महन करने में समर्थ हो,

(२) चमड़े के थेले या अन्य आधान में रखा हुआ बचाव तरापा महन स्पष्ट से उत्तमावक छोगा।

(३) बचाव तरापे की उत्तमावकता इस प्रकार व्यवस्थित होगी जो, यदि बचाव तरापा अनिप्रस्त हो जाय या भागत स्फीत नहीं होती हो तो पृथक कक्षों के सम सड़या में विभाजन द्वारा, जिसका आधा, अक्षित्या की सड़या को जिसे स्थान देने के लिए बचाव तरापा ठीक है जल के बाहर सभालने में समर्थ होगा या अन्य मामान रूप से दक्ष साधन द्वारा यह सुनिश्चित हो जाये कि उत्तमावकता के लिए सुकितयुक्त गुजाइश है।

(४) बचाव तरापे, इसके चमड़े के थेले या अन्य आधान और इसके उपर्युक्त का युन भार १८० तिं ग्राम में अधिक नहीं होगा।

(ज) व्यक्तियों की वह सज्जा जिसे स्वात देने के लिए बचाव तरापा ठीक समझा जायेगा—

(१) स्फीत होन पर मुच्य उत्तमावन दृप्ता (जिसमें इस प्रयोजन के लिए तो तो आइ तज्ज्ञ या तज्ज्ञ भी सम्मिलित है) के वर्ग मेन्टीमीटर में माप हुए खेलफल का ३७२० द्वारा विभागित करने से प्राप्त सबसे बड़ी सज्जा इन दोनों में जो सज्जा कम होगी उसके बराबर होगी।

(२) स्फीत होन पर बचाव तरापे के कण (जिसमें इस प्रयोजन के लिए वर्ग नहीं तो तो आइ तज्ज्ञ या तज्ज्ञ भी सम्मिलित है) के वर्ग मेन्टीमीटर में माप हुए खेलफल का ३७२० द्वारा विभागित करने से प्राप्त सबसे बड़ी सज्जा इन दोनों में जो सज्जा कम होगी उसके बराबर होगी।

(३) बचाव तरापे का फर्श जलगह होगा और ठहक से बचने के लिए पर्याप्त रूप में राध होने पर समर्थ होगा या नो—

(४) यह या अधिक कक्ष जिसे अधिमारी यदि ऐसा चाहते हैं, तो स्फीत होने भक्त हैं या जो स्वन स्फीत हो

जाता है कि और अधिभोगियों द्वारा जो अनुसंधान किया जाता सकता है और पूरे स्थीत किया जा सकता है, या

- (2) जो अन्य समान रूप से दक्ष माध्यमों द्वारा स्फीत जाने पर निर्भर नहीं है,
 - (3) (1) बचाव तरापा ऐसी गैम से स्फीत किया जायेगा जो अधिभोगियों के लिए हानिकारक नहीं होगी और स्फीत या तो रस्मी के बीचने पर या किसी अन्य समानरूप में सख्त और दक्ष पश्चात् भवत घटित होगी,
 - (2) ऐसी गाधनों की अवस्था होगी कि जिसमें दक्षाव बनाये रखने के लिए हवा भरने पर्याय या धाकनी प्रयुक्ति किये जा सके।
 - (4) बचाव तरापा यथोचित प्रवार्ष और सन्निर्माण का होगा, और इस प्रकार सन्निर्मित होगा जो सभी समुद्री दण्डाओं में लिखा हुआ 10 दिन तक के खुले रहने के प्रभाव को सहन में समर्पण होगा,
 - (5) हर बचाव तरापा जो अवनरण माध्यम के साथ प्रयाग के लिए डिजाइन किया गया है, जिस प्रयोजन के लिए वह आवश्यित है उसके लिए समुचित रूप से सन्निर्मित होगा और अधिकारी की पूरी मद्द्या और उपस्कर में भागित होने पर जल में सूखादृवक अवनरण मिल होने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा,
 - (6) बचाव तरापा, इस पैरा (5) के अनुभाव समर्गित छा अधिकारी में अन्यत या पच्चीस अधिकारी में अतिथिक की वश्वन धारिता रखेगा,
 - (7) बचाव तरापा, 66 अण सेटीयोंड से लेकर 30 अण सेटीयोंड के नाप परिमर में प्रवालन में समर्पण होगा।
 - (8) बचाव तरापा ऐसी अवस्थाओं में लगा होगा जो इसको सख्तमा से कर्तित होने में समर्पण बनाये।
 - (9) किसी पोत पर जिस पर सुकृत नेटियो उपस्कर की अवस्था की गई है वहन किये हुए लग एक बचाव तरापों में प्रवाल की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एग्जियन का स्थान देने के लिए प्रबन्धा की अवस्था होगी
- 2 लबाई में 21 मीटर से कम के वर्ग 4 और 5 के पोतों में और कुल 500 टन से कम के वर्ग के 8 के पोतों में इस भाग के पैरा 1 के उप-पैरा (ख), (ग), (ट), (ग) (न) और (थ) की अपेक्षाएँ निम्नलिखित रूप से उपलब्धित हो सकेंगी —
- (क) उक्त उप-पैरा (ख) में निश्चिट 18 मीटर की ऊबाई डैक की ऊबाई के समनुस्य हो गकेगी जिस पर बचाव तरापा पाल की निर्भर जल रेखा के ऊपर नौमारित हो, किन्तु किसी भी दणा में 6 मीटर से कम नहीं हो सकेगी,
 - (ख) उक्त उप-पैरा (ग) में निश्चिट वर्षा जल का इकट्ठा करने के लिए साधनों की अवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा,
 - (ग) उक्त पैरा (ट) में बचाव तरापों के फर्ग पर यथानिश्चिट डैक के विरुद्ध राधन प्रणाली का पालन करना अपेक्षित नहीं होगा।
 - (घ) उक्त उप-पैरा (ण) द्वारा अधिकारी वनाव तरापों की अनुसन्धान अधिकारी की वहन धारिता वार अधिकारी की तो मकानी

परन्तु ऐसे पोतों पर जिन के बोर्ड पर अधिकारी की कुल सख्त छ से कम है केथल वही बचाव भग्ये बहन किये जायेंगे जो अधिकारी से कम का स्थान देने के लिए टीक समझे गये हैं।

- (इ) उक्त उप-पैरा (३) में निश्चिट 30 अण सेटीयोंड का नाप 18 अण सेटीयोंड हा सकेगी
- (ब) उक्त उप-पैरा (थ) में निश्चिट नौकर्यण रस्मी के इतजामा की अवस्था करना अपेक्षित नहीं होगा।

भाग-II

अनन्य बचाव तरापों

- हर अनन्य बचाव तरापा निम्नलिखित अधिकारी के अनुसार होगा —
- (क) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निर्मित होगा कि यदि यह इसके नौमारित होने की स्थिति में जल में गिराया जाये तो बचाव तरापा न इसके उपस्कर अनिप्रस्तु होगे,
 - (ख) काई बचाव तरापा जो अवनरण माध्यम के साथ प्रयोग के लिए डिजाइन किया गया है, उस प्रयोजन के लिए जिसके लिये यह आवश्यित है समुचित रूप में सन्निर्मित होगा और अधिकारी की पूरी मलशा और उपस्कर में भागित होने पर जल में सूखा पूर्वक अवनरण होने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा,
 - (ग) बचाव तरापा इस प्रकार सन्निर्मित होगा की इसके हवा बन्द दिये या उत्तराफ पश्चात् इसके किनारों के यथा सभ्य नशीक रखें होंगे,
 - (घ) (1) बचाव तरापों का डैक क्षेत्र, बचाव तरापों के उम भाग में स्थित होगा जो इसके अधिभोगियों का संरक्षण करना हो,
 - (2) डैक की प्रवृत्ति ऐसी होती जो यथा माध्य जल के प्रवेश का निवारण करे और यह जल के बाहर अधिभोगियों की प्रभावणाली रूप से संभाले,
 - (इ) बचाव तरापा एक रुक्कत मा उत्तर दुष्प्राप्त वर्षा की समनुस्य अवस्थाओं में लगा होगा जा, बचाव तरापा जिस प्रकार में भी तैर रहा हो अति से बचते हुए अधिकारी के सरक्षण के समर्थ होंगे।
 - (ज) बचाव तरापों का उपस्कर इस प्रकार नौमारित होगा कि बचाव तरापा जिस प्रकार में भी तैर रहा हो हा सरक्षण में प्राप्त होंगा।
 - (क) (1) यावी पाता में वहन किये हुए किसी बचाव तरापे और इसके उपस्कर का कुल भार 180 किंवा 180 से अधिक नहीं होगा।
 - (ख) व्योग पोतों में वहन किये हुए बचाव तरापों यादि वे पोत के दाना और अवतीर्ण होन में समर्पण द्वारा यथा पाल के किसी और में इन्हे यत्र में जल में रखने के लिए साधन हो तो वे भार में 180 किलोग्राम में अधिक हो सकेंगे।
 - (ज) बचाव तरापा गमी समय, किसी तरफ से तैरने पर प्रभाव-शाली और नियर होगा,

(म) व्यक्तियों की वह सत्ता जिसे आनंद देने के लिए बचाव नरपा ठीक समझा जायेगा —

(१) हवा बन्द डिव्हिंग के या उत्तराधिक पदार्थ के धन इंसामीटर में मापे गये आयतन का ५० हार्ड विभाजन करन पर प्राप्त सबसे बड़ी पूँजी सख्ता, या

(२) वर्ग मटीमीटर में मापे गए बचाव नरपे के एक शेकड़फल की ३७२० द्वारा विभाजन करने से प्राप्त सबसे बड़ी पूँजी सख्ता

उन दानों में से जारख्या कम होगी उसके बराबर होगी,

(ज) (१) बचाव नरपा एक सलग कार्क रस्मा और बाहर के चाग बरु लुखा पूर्वक कूल बाली एक रक्षा रस्मी रखेगा
(२) बचाव नरपे के अन्दर भी चारों ओर एक रक्षा रस्मी लगी होगी।

(ट) जल से के अधिकारों के पात पर चड़िये में समर्थ बनाने के लिए बचाव नरपे के हर एक मार्ग पर दक्ष साधनों की व्यवस्था होगी,

(रु) बचाव नरपा हम प्रकार मन्त्रिमित होगा कि नेत्र या तेल उत्तरादा द्वारा प्रभावित न हो।

(इ) विश्व बैंडी प्रकार की एक उत्तरावन बनी बचाव नरपे में झोरी द्वारा सलग होगी।

(इ) बचाव नरपा सख्ता में कार्यत होने में समर्थ बनाने वाली व्यवस्थाओं से लगा होगा।

(ग) बचाव नरपा हम प्रकार नौशारित होगा कि पीन इधने की दृश्या में स्वतंत्र तैर सके।

(ग) किसी पात पर जिस पर मुख्य रेहिया उपस्कर की व्यवस्था की गई है वहन किये हुए हर एक बचाव नरपे में प्रवालन की स्थिति में ऐसे उपस्कर के एस्यिल का स्थान देने के लिए प्रशंसनी की व्यवस्था होगी।

आठवीं अनुसूची

(नियम 18 वेखिए)

उत्तरावन बैंडे के लिए प्रयोगाधार

1 (१) उत्तरावन बैंडा ऐसे मन्त्रिमित का होगा कि यह पीन पर मौसम में अनावृत रहने पर प्रीर जल में रहने पर अपने आकार और विरेण्यताओं का प्रतिधारण करे,

(२) वह हम प्रकार मन्त्रिमित होगा कि प्रयोग के पहले समायाजन की प्रोत्ता न करे।

2 उत्तरावन बैंडा उस पांच परीक्षण को महत करने में समर्थ होगा जिसकी ऊर्ध्वाई उग ईक भी ऊर्ध्वाई के समरूप होगी जिस नरह पर यह पार की निम्नर जल रेखा के ऊपर रक्षा हुआ है, किन्तु किसी भी दशा में निम्ननिश्चित में कम नहीं होगी —

वर्ग १ प्रीर वर्ग ३३ के पांतों में वहन किया हुआ बैंडा—१८ मी० वर्ग ४ के पांतों में वहन किया हुआ बैंडा—६ मी०

3. (१) उत्तरावन बैंडा किसी भरक में तैरने पर प्रभावणाली और स्थिर होगा,

(२) यह, बैंडे के ऊपरी जल के किसी भरक को छुबाये बिना किसी किनारे से प्रति भीटा दी पर २.३ किलोग्राम (नूनतम २५ किलोग्राम के अधिकारी) पकड़ रस्मियों से अभ्यवण जल में लटकाये हूए, जोहे का भार सभालने में समर्थ होगा।

4 (१) हवा बन्द डिव्हिंग या समरूप उत्तरावनता, बैंड किनारे पर यथा सम्भव नज़दीक रखी होगी और ऐसी उत्तरावनता स्फीति पर निर्भर नहीं होगी,

(२) उत्तरावन पदार्थ तेल या तेल उत्तरादो में प्रतिकूल स्पष्ट में प्रभावित नहीं होगा न तो यह उत्तरावन बैंडे का प्रतिकूल स्पष्ट भ प्रभावित वरेगा।

5 (१) (१) बैंडे के चारों प्रोटर पकड़ रस्मियों इस ग्रीन से लगी होगी जा, अधिकारी की सख्ता जिसे समाजन के लिए बैंडा ठीक है उसके बराबर फदों की सख्ता की व्यवस्था हो।

(ii) प्रयेक फदा एक कार्क या ब्लकी लकड़ी या निरोदा रखेगा, मार्ग होने पर फदे की गहराई १५ मेटीमीटर से अन्धूर और २० मेटीमीटर से अनधिक होगी।

(2) (i) समग्र गहराई में ३० मेटीमीटर से अधिक के बैंडे पर पकड़ रस्मियों की दो फदारें लगी होंगी जिसमें एक के लगाव का स्थान, हवा बन्द डिव्हिंग की गीर्धी के थोड़ा नीचे और दूसरे का हवा बन्द डिव्हिंग के तेल से थोड़ा ऊपर हवा बन्द डिव्हिंग किनारे के वथा साध्य हो।

(ii) समग्र गहराई में ३० मेटीमीटर या उससे कम के बैंडे पर पकड़ रस्मियां की एक कतार गहराई के मध्य की लाईन मलगन हो सकेंगी।

(3) (i) पकड़ रस्मिया, परिधि में ५ मेटीमीटर से अन्धूर रस्मि की होगी,

(ii) ये हावे में के छिद्रों में स निकाल कर और चलने की निवारित करने के लिए अन्तर्गत होने पर बैंडे से सलग हो सकेंगे, या वे पिट्टरा लोडा या इन्पार स्थिरकों के द्वारा बैंडे से सलग हो सकेंगी;

(iii) जो भी गीति अपनाई गई हो, संयोजना, पकड़ रस्मियों द्वारा बैंडे को उठाने के लिए पर्याप्त मजबूत होगा।

6 उत्तरावन बैंडा, कपंक रस्मि में लगा होगा।

7 (१) उत्तरावन बैंडा, जब तक इसको हाथ में उठाए बिना अतिरीक्ष होने में समर्थ बनाने के लिए उपयुक्त साधनों की व्यवस्था न हो, भार में १८१ किलोग्राम से अधिक नहीं होगा;

(२) यदि बैंडे का भार १३६ किलोग्राम से अधिक है तो इस प्रयाजन के लिए उपयुक्त हैन्डल या डण्डी लगी होगी;

8 वर्ग १ के पांतों में वहन किया हुआ उत्तरावन बैंडा औडाई में १०६ मेटीमीटर से अन्धूर होगा।

नवीं अनुसूची

(नियम 20 वेखिए)

रक्षा बाया के लिए प्रयोगाधार

1. हर रक्षा बाया समक्षवाता में गठित प्रीर सुरक्षा पूर्वक शाट जगे हुए कार्क या अत्य समान स्पष्ट से दक्ष उत्तरावन पदार्थ में समर्तिमित होगा जो नेत्र या तेल उत्तरादों से प्रतिकूल स्पष्ट में प्रभावित नहीं होगा और इससे लटकने हुए १४.५ किलोग्राम ३० लोहे महित कम से कम २४ घन्टे तक अन्वयन जल में तैरने में समर्थ होगा।

2 ज्ञानास्त्रिक या अत्य संशिलान गोर्गिक में बना हुआ हर एक रक्षा बोया, समुद्री जल या नेत्र उत्तरादों के सम्पर्क में या नापकम के परिवर्तन

के गतर्यां या युनी समृद्ध प्राकाशा में प्रवर्तनान उल्लास्य मवभी पर्यावरणों में आपने उल्लास्य यथा और स्नापित की प्रतिशारित करने में गमर्थ होगा।

3. रक्षा बोया, दक्ष कार्क शेषिंग कार्क और किसी अन्य द्वारे दानेवार पदार्थ में भग द्वारा नहीं होगा और इसकी उल्लास्यकता उस वायु कथा के ऊपर तिर्हि नहीं होगी किंतु स्फीत किये जाने की अपेक्षा होगी है।

1 (1) रक्षा बोया की भीतरी व्याग 15 मी० और बाहरी व्याग 76 स० मीटर होगा;

(2) काट का दीर्घ अक्ष 15 मी० मीटर होगा,

(3) काट का अध्यक्ष 10 मी० मीटर होगा

5 हर रक्षा बोया उच्च दृष्यमान वर्ग का होगा।

6 (1) हर रक्षा बोया, उस पोत के जिसमें यह बहन किया जाता है नाम और रजिस्ट्री पलन में स्पष्ट अक्षरों से चिह्नित होगा।

(2) कार्क में चिन्त पदार्थ में सन्तुर्मित रक्षा बोया, उस उन्नाद के लिए विनिर्माता के व्यापार नाम में स्थायी रूप से चिह्नित होगा।

7 हर रक्षा ओपे में पकड़ रस्सियां नहीं छोड़ी जो अच्छी उल्लासिती के न उबने योग्य रस्से की होगी और प्रत्येक 70 मी० मी० से अन्यून रस्सी के चार फंदे की ध्यवस्था करने द्वारा चार समदरमाण स्थानों पर अच्छी तरह बन्धी होगी।

8 नव निर्मित होने पर रक्षा बोये का भार 6.1 कि० ग्रा० से अधिक नहीं होगा।

दसवीं अनुमूली

[नियम 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 9(12), और 11(9) देखिये]

रक्षा जाकेटों के लिए अपेक्षाएँ

भाग—I

1. इस भाग के पैरा 7 के उपर्यांतों के अध्यधीन किसी वयस्क अक्ति द्वारा प्रयोग के लिये हर रक्षा जाकेट इस प्रकार पर्याप्त उल्लास्यकता होगी कि इसे इस भाग के पैरा 3 के खंड (ख) की अपेक्षाओं का समाधान करने के लिए समर्थ बनाये।

स्पष्टीकरण——इस भाग के प्रयोजन के लिए 30 कि० ग्रा० या उससे अधिक भार बाला हर एक व्यक्ति, वयस्क समझा जायेगा।

2. हर ऐसी रक्षा जाकेट, दोनों ओर, प्राकार में 1.27 मी० मी० के अन्यून में वयस्कों के लिए, शब्दों से भीर केवल एक ओर बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिन्ह से अमिट रूप से चिह्नित होगी।

3. दूरपक्ष ऐसा रक्षा जाकेट निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगा—

(क) यह इस प्रकार सन्तुर्मित होगा कि गलनी से रखे जाने के मध्यी जोश्विम यथा संभव विलुप्त हो जाए और यह उस्टी भी पहनी जा सकेगी।

(ख) (i) यह किसी श्रान्त या अवैत अक्ति के मुख को जल में बाहर उठाने और शरीर की बाह्य स्थिति से इसे पीछे की ओर सुके होने के साथ जल के वायु सुरक्षापूर्वक धारण करने में समर्थ होगी।

(ii) यह जर्सी के उच्चावकाश में इसके पीछे या आगे जलने के साथ जर्सी का जल में किसी स्थिति से सुरक्षित रैखने की स्थिति में उभाने में समर्थ होगी।

(iii) ऐसे रक्षा जाकेट के उल्लास्यकता जिसमें पूर्ववर्ती कार्य का अवस्था करना अपेक्षित है जलरूप जल में 21 घंटे के निम्नजन के पश्चात् पाव प्रतिशर में अधिक कर नहीं होगी।

(ग) यह नेव या नेव उल्लादो द्वारा प्रतिशर जल में प्रभावित नहीं होगा।

(घ) यह उच्च दृष्यमान वर्गी की होगी।

(ङ) बचाव को सुगम बनाने के लिए यह एक लंबाया कंदा या पर्याप्त मजबूती के उमी प्रकार के भाष्ठन म लगा होगा।

(च) यह कम उल्लासील पदार्थ का बना होगा और कपड़े जिसमें यह छाड़ा होगा है तथा इसके फीले विगत गोदी होगे।

(ज) यह ऊंची मजबूती से संतुर्मित अनुमादित मीटी से लगी होगी।

(ज) (i) इसमें बन्ध फीले होने जो रक्षा जाकेट कमर में मजबूती से बंधे होंगे और 91 कि० ग्रा० भार उठाने में समर्थ होंगे।

(ii) फीलों को बोधने की गीती गेसी लोगी कि आसानी में समझी जाये और सरलता में कार्यान्वयन होने में समर्थ होंगे;

(iii) धारु बन्ध जब प्रयुक्त हो तो ये बन्ध फीले से प्रत्यक्ष आकार और मजबूती के होंगे और संरक्षण प्रतिरोधी मामली के होंगे।

(iv) जल में, इसको पहनने वाला बिना क्षति के और रक्षा जाकेट के उनारे बिना 6.1 मीटर की उच्चावकाश दूरी कूद सकेगा;

4. ऐसे हर रक्षा जाकेट की उल्लास्यकता भेसल की रई या अन्य समान जल में प्रभावशाली उल्लास्यन मामली द्वारा अवस्थित होगी।

5. ऐसा हर सेमल रई आवा रक्षा जाकेट, इस भाग के पैरा 1 से 4 तक की अपेक्षाओं के अनुपार होने के अधिकारिक निम्नलिखित अपेक्षाओं के भी अनुसार होगा—

(क) इसमें 1 कि० ग्रा० में अन्यून भेसल की रई होगी,

(ख) भेसल-रई अच्छी जलन किसी की, भली प्रकार धून की हुई, समनवता से पैक की रई और दीज तथा उस विज्ञातीय पदार्थ से मुक्त होगी।

(ग) भेसल रई या नेव उल्लादों के प्रभाव में इस प्रकार संरक्षित होगी कि 48 घंटे की कालावधि के लिए 4 मिली-मीटर से अन्यून गहराई कि गैस लेल मिश्रण बाने विशुद्ध जल में उत्तरने के पश्चात् रक्षा जाकेट में उल्लास्यकता की हानि प्रारंभिक उल्लास्यकता से 2 प्रतिशत में अधिक नहीं होगी और इस परीक्षण के प्रयोजन के लिए रक्षा जाकेट इसके प्रारंभिक उल्लास्यकता के आधे के बराबर भार में भारित होगी।

(घ) (i) आच्छादन पूर्व आकूचित मूली मामली का होगा जिसका करणे की स्थिति में प्रति मीटर भार 0.68 मीटर चौड़ाई के लिए 170 ग्रा० में अन्यून और अन्य चौड़ाई के लिए इसी अनुपान में होगा;

(ii) कपड़ा, गाढ़ी या अन्य विज्ञातीय पदार्थ के मिलावट से मुक्त होगी;

- (iii) वार्षिक की स्थित में तारे प्रति 25 मि० होहरे तारे के 44 तारे और दोहरे तारे के 31 बाने होंगे।
- (iv) मिलाई 25 के नम्बर बाली बटिया बिटमोर ढोरी की क्वानिटी से अन्यून के विवेत तारे से होंगी।

6. ऐसी हर रक्षा जाकेट जिसमें सेमल रुई से भिन्न उत्पादन सामग्री प्रयोग की जाती है, इस भाग के पैग 1 से 4 और पैग 5 के खंड (घ) की ओरेक्षाओं के अनुसार होने से प्रतिरिक्त निम्नलिखित ओरेक्षाओं के भी अनुसार होंगी—

(क) (i) नामशी प्रति धन मीटर 192.5 कि० ग्रा० से अधिक भार की नहीं होगी और अच्छी क्वानिटी की एवं साफ होगी,

(ii) यदि नामशी टुकड़ा में है तो हर एक टुकड़े का आकार तब तक ऐसे टुकड़े तक के रूप में नहीं है और अनुमोदित आमतजक के महिने वर्षे हुए नहीं है, 16.4 धन में० मी० से अन्यून होगी;

(ख) नामशी रामायनिक रूप से स्थिर होगी।

7. हर रक्षा जाकेट क्रिस्टी उत्पादकता रफीनि पर निर्भर करती है जो तेज पातां से भिन्न पर्स VI और VII के पोतों के कर्मदिल के मदस्यों द्वारा प्रयोग के लिए बहन किया जा सकता, यह इस भाग के पैग (3) की ओरेक्षाओं के अनुसार होगा और इसके प्रतिरिक्त निम्नलिखित ओरेक्षाओं के भी अनुसार होगा—

(क) निम्नलिखित में से किसी एक प्रकार के दो पृथक उत्पादन कक्ष होंगे.—

(i) कम से कम 9 कि० ग्रा० के बराबर अन्तर्निहित उत्पादन कक्ष का एक कक्ष और कम से कम 6.8 कि० ग्रा० का एक शायु कक्ष; या

(ii) दो पृथक वायु कक्ष जिनमें से प्रत्येक कम से कम 9.4 कि० ग्रा० उत्पादकता का हो,

(ख) यह दोनों और आकार में 25 मि० मी० से अन्यून के अधिकरों से 'केवल कर्मदिल' शब्दों से और एक और केवल छोटे अधिकरों में बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिन्ह से अभिट रूप से चिन्हित होंगी;

(ग) यह यत्र और सुह दोनों से स्पीन होने से समर्थ होगा।

भाग II

1. बालक द्वारा प्रयोग के लिये हर रक्षा जाकेट में इस प्रकार प्रयाण उत्पादकता की अवस्था होगी कि यह भाग 1 और पैग 3 के खंड (ख) की ओरेक्षाओं का समाधान करे।

स्पष्टीकरण—इस भाग के प्रयोग के लिए 30 किलोग्राम से कम भार वाला हर व्यक्ति बालक समझा जायेगा।

2. ऐसी हर रक्षा जाकेट दोनों और आकार में 12.7 मि० मी० से अन्यून के अधिकरों में "बालक के लिए" शब्दों से और एक और नेवेल बनाने वाले का नाम या अन्य पहचान चिन्ह से अभिट रूप से चिन्हित होंगी।

3. ऐसी हर रक्षा जाकेट भाग 1 के पैग 3 और 4 की ओरेक्षाओं के अनुसार होंगी।

4. ऐसी हर सेमल-रुई बाली रक्षा जाकेट में 425 ग्राम में अन्यून सेमल रुई होगी और इस भाग के पैग 1 से 3 की ओरेक्षाओं के अनुसार होने के प्रतिरिक्त भाग 1 के पैग 5 के खंड (ख) (ग) और (घ) की ओरेक्षाओं के अनुसार होंगी।

5. सेमल रुई से भिन्न उत्पादन सामग्री प्रयोग करने वाली ऐसी हर रक्षा जाकेट इस भाग के पैग 1 से 3 की ओरेक्षाओं के अनुसार होने के प्रतिरिक्त भाग 1 के पैग 5 के खंड (घ) और पैग 6 के उप-पैग (क) और (ख) के अनुसार होंगी।

प्रारूपी अनुसूची

(नियम 22 देखिए)

रक्षा प्रक्रिया साधिकरण के लिए अपेक्षाएँ

1. हर रक्षी प्रश्नेपण माधित्र में 4 राकेट और 4 रक्षी, प्रत्येक रक्षी परिधि में 12.7 मिलीमीटर और योरेचित लंबाई की होगी जिसकी मजबूती विकल्पी 11.4 कि० ग्रा० से अन्यून हो, समिक्षित होगा।

2. हर रक्षी प्रश्नेपण माधित्र ऐसी रीति से रक्षी प्रत्येक करने में समर्थ होगा कि फायर करने को दिशा के प्रत्येक ओर रक्षी का पार्श्वपक्ष विशेष राकेट की उड़ान के दूष प्रतिरिक्त होने से अधिक न होता हो।

3. रक्षी प्रश्नेपण राकेट उनके प्रज्ञवलन करने के माध्यमों के मध्य जलरेशी छिपे में रखे जायेंगे।

4. अंबाई में 11 मीटर या उसमें अधिक के पोतों में बहन किया हुआ हर रक्षी प्रश्नेपण माधित्र परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रक्षी को शाल मौसम में 230 मीटर की त्वरनतम दूरी तक प्रश्नेपिन करने में समर्थ होगा।

5. लंबाई में 44 मीटर या उसमें अधिक के पोतों में बहन किया हुआ हर रक्षी प्रश्नेपण माधित्र, परिधि में 12.7 मिलीमीटर की रक्षी को शाल मौसम में 123 मीटर को त्वरनतम दूरी तक प्रश्नेपिन करने में समर्थ होगा।

6. (i) राकेटों के सभी सघटक, रचना और अवधिय और उनको प्रज्ञवलन करने के माध्यम से रक्षा क्वानिटी के दूषों कि कम के कम दो वर्ष की कानाकार्यि तक अच्छी औगत भण्डारकरण दशाओं के अन्तर्गत उनकी उपयोगिता प्रतिधारित करने में उन्हें समर्थ बनायें।

(ii) जिस तारीख को राकेट भरा गया हो वह राकेट और उनके आधार पर अभिट रूप से स्टाइग्नेशन होगी और ऐक करने की तारीख कारबूम आधार पर तत्समय से स्टाइग्नेशन होगी।

प्रारूपी अनुसूची

[नियम 23 (1)(अ), (ट), (उ), (ण), (न) और (प) और 27 (1) (ग), (ड) और (ढ) देखिए]

रक्षा नौकाओं, बोकाओं और बचाव तरारों के उपकर के विविधों

भाग-1

रक्षा नौकाओं के लिए कम्पास

1. (i) हर कम्पास द्रव प्रकार का होगा।

(ii) प्रयुक्त द्रव, औषधिक मैथिलिन मिरिट और जल का मिश्रण होगा, जिसका विस्तृत घनत्व 15.5 अंश से० पर 0.93 होगा।

यह -23.5 अंश सेन्टीग्रेड से +49 अंश सेन्टीग्रेड के नाप पर प्रभाव-सामौती रूप में कार्य करेगा।

2. (i) अम्बक प्रभून-दैशिक बन करेगा।

(ii) लगभग 15.5 अंश से ० तापक्रम पर 40 अंश के विशेष के पश्चात् 18 से 22 मेंकेंद्र तक की कानावधि, इस अपेक्षा के अनुसार समस्ती जायेगी। इस वैग के प्रयोगनों के लिए "कानावधि" वह समय है जो 40 विशेष के पश्चात् कार्ड के पूर्ण दोलन में, उसकी विश्वाम स्थिति से हो कर एक वेग और उस दिशा में जिससे यह मूलन विशेषित हुआ था किंव ऐसे वापिस लौट कर अपने वेग को पूरा करने में, लगता है।

3. -23.5 अंश सेन्टीग्रेड से +49 अंश सेन्टीग्रेड के रेज में कार्ड मिस्टर, 4 और 10 ग्राम के बीच भार सहित, कम्पास द्रव्य में निर्मित होने पर धूग्राह प्रधान होगा।

4. (i) कार्ड, व्यास 10 मेंटी मीटर से अन्यून होगा और कम्पास कटोरा में उसकी दूरी कम से कम 7 मिनीमीटर होगी।

(ii) यह अद्वितीय पर विक्लित होगी और आठ मुळ्य विन्दु स्पष्टना से चिह्नित होगे। कार्ड दीप्त होगा या प्रदीप्ति के यथोचित साधन उभये लगेहोंगे।

5. कार्ड का केन्द्र नीलम या समान रूप में यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

6. कार्ड का धूग्राह इरीडियम या गमान रूप से यथोचित कठोर सामग्री का होगा।

7. द्रव्य के प्रसार और सकृचन के लिए किये गये प्रबन्ध तेसे होगे कम्पास को, नीक, घनवृत्तों के निर्माण या अन्य दोषों के बिना -23 अंश सेन्टीग्रेड से +19 मेन्टीग्रेड तक के नाप रेज को महसून कर गके।

8. (i) कम्पास कटोरा उन जिम्बलों में पर्याप्त रूप से तोला हुआ और समुचित रूप से रखा होगा जो पोत के आगे-पीछे और छोड़ाई की ओर कार्य कर सकेगा।

(ii) जिम्बल लगाना उसी क्षेत्रिज समस्त में होगा जिसमें कार्ड के निर्माण का विन्दु और आहरी जिम्बल पिने आगे पीछे रखी होगी।

(iii) कम्पास कटोरा, बिल्कल, या अनुमतिकीय सामग्री के बक्स में रखा होगा और लबर लाइन या विन्दु दीप्त होगा या प्रदीप्ति के यथोचित साधन उभये लगे होंगे।

(iv) जब कम्पास कटोरा 10 अंश नत हो तो कार्ड मिस्टर सुकर होगा।

9. (i) कार्ड के केन्द्र में लबर लाइन या विन्दु की दिशा उसी उष्ठवधि स्थान में रहेगी जिसमें बाहरी जिम्बल अक्ष या अन्य आगे पीछे दस रेखा है।

(ii) कार्ड, धूग्राह दैशिक और अन्य तमस त्रुटिया और लबर के विन्दु के त्रुटियों रित्यन होने का सकलिन प्रभाव ऐसा होंगा कि पृथ्वी के अविकृच्छ अंतर्र में लबर विन्दु के सामने कार्ड पर पही गई दिशा में, आहरी जिम्बल अक्षों चूम्बकीय दिशा या आगे-पीछे दस रेखों से पश्चात्-वर्ती की किसी दिशा के लिए 3 अंश से अधिक अन्तर नहीं होगा।

10. (i) कम्पास के मशीर्माण में प्रयुक्त धातु की त्यूनतम मोटाई निम्नलिखित होगी—

कम्पास कटोरा

2.1 एम इल्युजी

कम्पास बक्स (बिल्कल)

2.4 एम इल्युजी

दीप

2.4 एम इल्युजी

(iii) (क) कम्पास कटोरा जिम्बल पिनो को लेने के लिए दस रेज में मशबूत किया जायेगा।

(छ) विनीकिता आधार रिंग में स्वैग या स्पन किया जायेगा और आरें तरफ टाका लगा होगा।

(iii) (क) जिम्बल पिनो, जहाजी पीलल की या अन्य 16 मी० मी० × 3.1 मी० अन्य अचूम्बकीय धातु की होगी।

(छ) जिम्बल पिन, जहाजी पीलल की या अन्य कठोर अचूम्बकीय सामग्री की 6.2 मी० अन्य व्याप्र की होगी, वे और विरागिंग जिसमें वे लगी हैं दोनों ही पूर्णत्व से चिकनी होंगी।

11. कम्पास कटोरा के अन्दर का इलाइट स्फोटन का कोई चिह्न नहीं दिखाने करेगा।

12. सामग्री और कारीगरी आद्योपाल अचूम्बी होगी और कम्पास ऐसा होगा जो समुद्र में जाने की दणाओं के अन्तर्गत कार्यवधि रहेगा।

13. कम्पास कटोरा बनाने वाले के नाम या अन्य पहचान चिह्न के उत्कीर्ण या स्टार्टिंग होगा।

भाग II

जूता नौकाओं और वर्ग ग नौकाओं से भिन्न नौकाओं के किरमिच लगार—

1. हर एक किरमिच और वर्ग ग नौकाओं से भिन्न नौकाओं के अनुसार होगा—

(क) यह नम्बर 1 मर्वेन्टम सन किरमिच, या अन्य यथोचित सामग्री से समर्पित होगा,

(छ) किरमिच भाग साथ-साथ मजबूती में मिला हुआ और जोड़ी पर 44 मी० मी० की पाल रसी में बधा होगा, नब रस्मे लगार की माकर के रूप में बनाये जायेंगे और पिम्बल, मयोजन लिंगों में डोरी से आधे जायेंगे और रस्मे पार्सेल फेवे में रोक रस्मी के लिए लगाव बनाने के लिए विस्तरित होंगे और छोरी से बाधे जायेंगे।

(ग) एक नीनपान, चिम्बल का लेने के लिए यथोचित आकार वी एक शैक्षण द्वारा किरमिच लगार से समग्र होगा।

(घ) तीन पान की अंशाई, रक्षा नौका या नौका की अंशाई के तीन गुनीहोंगी।

(इ) तीन पान से दो फैब्रम लक्षी एक रोक रस्मी की व्यवस्था की जायेगी।

2. (i) एक बृत्ताकार किरमिच लगार, मुहर पर एक जम्नेवार लोहे के हुक महिन लगा होगा।

(ii) किसी अन्य प्रकार का किरमिच लगार, मुहर के आगपार जम्नेवार प्रसारक माध्यन में लगा हुआ और ऊपरी किनारे पर एक अंश प्रसारक माध्यन से लगा होगा।

3. किरमिच लगारों का आकार निम्नलिखित होगा :—

(क) 9 मीटर से अधिक लस्मी रक्षा नौकाओं के लिए अवृत्ताकार बन्द होने वाला किरमिच

नगर .	मुहू 76 सें० मी०, अमरी किनारा 68 सें० मी०, नीचला किनारा 68 सें० मी० प्रत्येक ओर मुहू का अंतकल 50 वर्ग मीटर
किरमिच थेने की लम्बाई .	1.37 मीटर
तीनपान .	परिधि में 76 मि० मि०।
रोक रस्सी .	परिधि में 51 मि० मि०।
(ब) उन रक्षा नौकाओं के लिए जिनकी लम्बाई 9 मीटर से अधिक नहीं है .	7 मीटर अस्ती किलू ७ मीटर से अधिक लम्बी नहीं।
भूताकार किरमिच नगर	मुहू व्यास 68 सें० मी०, अवृत्ताकार अन्दर होने वाला।
किरमिच .	मुहू 61 सें० मी० प्रत्येक ओर 1.3 मीटर
किरमिच थेने की लम्बाई	परिधि में 76 मि० मि०।
तीनपान	परिधि में 51 मि० मि०।
रोक रस्सी .	परिधि में 51 मि० मि०।
(ग) रक्षा नौकाएँ जो 6 ते 7 मीटर से अधिक लम्बी नहीं हैं और अन्य नौकाओं के लिए (वर्ग ग नौकाओं में भिन्न)	वृत्ताकार किरमिच नगर . प्रत्येक ओर मुहू 61 सें० मी० व्यास। अवृत्ताकार अन्दर होने वाला किर-
मिच नगर .	मुहू 55 सें० मी० प्रत्येक ओर 1 मीटर
किरमिच थेने की लम्बाई	परिधि में 64 मि० मि०।
तीनपान .	परिधि में 38 मि० मि०।

भाग—III

रक्षा नौकाओं और बचाव तरापा के लिए सफल गंतव्य छतरी-मणाल

1. (i) हर एक सफल मंडेन छारी-मणाल में एक बमकीना घान तारक होगा जो एक गेफेट द्वारा अपेक्षित ऊंचाई तक प्रक्षिप्त किया जाता है और जो गिरने समय ज्ञाता है, इसके गिरने की दर एक छोटी छतरी द्वारा नियंत्रित होने पर 4.5 मी० प्रति सेकेण्ड और मत दर तक हो।
- (ii) यह, प्रज्वलन के स्वतं, पूर्ण माध्यम से लगा होगा, जो इस प्रकार डिजाइन किया गया होगा कि बाहरी सहायता के बिना इस धारित स्थिति से प्रबलित हो सके और गंतव्य को रक्षा नौका, या बचाव तरापा से अधिभोगियों को किसी हानि के बिना छोड़ने में समर्थ बनाये।
- (i) जब गंतव्य लगभग उच्चाधार फायर किया गया हो तो तारक और छतरी, 183 मीटर न्यूनतम ऊंचाई पर, प्रत्येक पथ के शीर्ष पर या पहले उकिष्ट होंगे।
- (ii) गंतव्य समन्वय में 45 अंश के कोण पर फायर किये जाने पर भी कार्य करने में समर्थ होगा।
- (i) तारक, 30 सेकेण्ड में अन्यून के लिए 15,000 कैण्डल शक्ति की न्यूनतम दीविन के एक लाल प्रकाश उत्पादित करने में समर्थ होगा।

(ii) यह, समुद्र तल से 46 मीटर से अन्यून ऊंचाई पर जल जायेगा।

4 (i) छतरी ऐसे शाकार की शीरी जो जलमें हुए तारक के गिरने की दर का अपेक्षित नियंत्रण कर सके।

(ii) यह, तारक में, नम्य अग्नि सह कथच द्वारा सलग्न होगी।

5 राकेट जलमह होगा और जल में एक मिनट तक निर्मजित रहने के पश्चात् समाधान प्रदर्शन से कार्य करने में समर्थ होगा।

6 सभी संघटक, नरसना और प्रवयव ऐसे स्वरूप के होंगे जो कम-से-कम दो वर्ग की कालावधि तक अच्छी और मत भट्टाकरण दशाओं के अन्तर्गत इस का उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ होताये।

7 (i) राकेट ऐसे आधान में फेंक किया होगा जो प्रभावशाली रूप से मृदावद होगा।

(ii) यदि धातु का बना हो तो आधान अच्छा कलईदार और लैकर किया हुआ या मनक्षण के विशुद्ध अन्यथा पर्याप्त रूप में सरक्षित होगा।

8 वह जिस तारीख जिसका गंतव्य भरा गया है राकेट और आधान पर अमिट रूप से स्टाम्पित होगी।

9 प्रयोग के लिए स्पष्ट और मक्षित निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अमिट रूप में मुद्रित होंगे।

भाग—IV

रक्षा नौकाओं और बचाव तरापा के लिये हस्त धारिता सकाट-मणाल

1 हर एक हस्तधारित सकत-मणाल, प्रज्वलन के स्वतं, पूर्ण साधनों में सही होगी जो इस प्रकार डिजाइन की गई होगी कि बाहरी सहायता के बिना इस्तधारित स्थिति से प्रबलित हो सके और भासात को, रक्षा नौका, नौका या बचाव तरापे से अधिभोगियों को छानि के बिना मप्रदर्शित होने में समर्थ बनाये।

2 जहां मणाल, बचाव तरापे में बहन की गई है या इस प्रकार सनिन्मित होगी कि जब मणाल फायर की जाव तो चोई दाहक पदार्थ जो बचाव तरापों का तुक्रान करे मणाल में नहीं पिरेगा।

3. मणाल 55 सेकेण्ड से अन्यून तक के लिये 15,000 कैण्डल शक्ति की न्यूनतम दीविन के एक लाल प्रकाश उत्पादित करने में समर्थ होगी।

4 मणाल जब सह होगी और एक मिनट तक जल में निर्मजित रहने के पश्चात् समाधानप्रद रूप में कार्य करने में समर्थ होगी।

5 सभी संघटक, नरसना और प्रवयव ऐसे स्वरूप और ऐसी बचावनी के होंगे जो कि एक रूप से जल और मणाल को कम-से-कम दो वर्ग की कालावधि तक अच्छी और मत भट्टाकरण दशाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये।

6 यह तारीख जिसको मणाल भरी गयी है अमिट रूप से स्टाम्पित होगी।

7. प्रयोग के लिये स्पष्ट और मक्षित निर्देश अंग्रेजी और हिन्दी भाषा में मणाल पर अमिट रूप में मुद्रित होंगे।

भाग—V

रक्षा नौकाओं के लिये उत्पावन धूम संकेत

1. हर एक उत्पावन धूम संकेत में, प्रश्वलन के स्थान पूर्ण माध्यन लगे होंगे।

2. संकेत, जल पर तैरने ममय दो मिनट से अन्तिम और जार मिनट से अनधिक की कालाबधि के अन्ती मात्रा में नरंगी रंग याने धूम को उत्पाजित करने में समर्थ होगा।

3. संकेत जलमह होगा और एक मिनट तक जल में निपच्छित रहने के पश्चात् ममाधान प्रदर्शन में कार्य करने में समर्थ होगा।

4. मध्यी सष्टरु, सरचना और अवधार ऐसे स्वरूप और ऐसी क्यालिटी के होंगे जो कि एक रूप से जले और संकेत को कम-ये-कम दो वर्ष की कालाबधि तक औसत भृष्टारकरण दराओं के अन्तर्गत इतना उपर्योग प्रतिशारित करने में समर्थ बनाये।

5. वह नारीश्च जिसका संकेत भरा गया है अमिट रूप में स्थानित होगी।

6. प्रयोग के लिए स्पष्ट और सक्षिप्त निर्देश अधेजी और हिन्दी भाषा में संकेत पर अमिट रूप से मुद्रित होंगे।

भाग—VI

रक्षा नौकाओं के लिये प्राथमिक उत्पावन उपकरण-वर्णन

1. रक्षा नौकाओं में हर एक प्राथमिक उत्पावन उपकरण बक्स की व्यवस्था होनी जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

वस्तु

मात्रा

(क) निपात शार्टरिक शक्ति के हास को नयी चेतना देने वाले (मूँगन्धि अमोनिया के 6 कैप स्पूल)	1 टिन
(ख) योगिक कॉडीन टिकियाए (ट्रेड फॉडोन क०)	25 टिकियाए
(ग) स्फू टोरो वाले धातु पीपे में, प्रयोग के लिए निर्देश महिन, छ मारकीन एम्प्ल विरीज या तो मारकीन लवण जा 1 घन सें० मी० में १ प्रेन निर्जन मारकीन के समतुल्य हो या 1 घन सें० मी० में १ प्रेन पेपाक-रेटम विलयन हो	1 पीपा
(घ) भानक ड्रेसिंग 14 नम्बर की मध्यम BPC 15 सें० मी० × 10 सें० मी०	1
(इ) मानक ड्रेसिंग 15 नम्बर की बड़ी BPC 20 सें० मी० × 16 सें० मी०	2
(ज) प्रत्यास्थ आसजक ड्रेसिंग 5 सें० मी० × 8 सें० मी० के तीन-नीने के पैकेट	2 पैकेट
(ए) 95 सें० मी० चौड़ी 1.25 मीटर आधार के अन्ति की, लिकोण, निरेशनित सहित, पट्टिया	5
(अ) संकेत, अवधारणक, सपीडिन जाली 85 सें० मी० × 2.25 मीटर	3
(म) सपीडिन लपेट पट्टिया—5.6 में० मी० × 3.15 मीटर	1

वस्तु

मात्रा

(अ) प्रविरंजित बिना धूमी पट्टी 15 सें० मी० × 5.5 मीटर	1
(ट) सपीडिन रुई ऊन 125 ग्राम का पैकेट	1 पैकेट
(ठ) 5 सें० मी० पीतल वट्टित, मुरझापित (बक्सूमा)	6
(ड) कोमल पेराफीन 30 ग्राम की ट्यूब	1
(क) मोस्वा रहित और जग रोधी इस्पात की 10 सें० मी० की कची, जिसकी 1 धार तंज, 1 धार कुद हो	1
(ण) ऊर्जा-टिकिया (10 मि० ग्रा० एम्फेटामीन मल्फेट)	60 टिकियाए
(त) मिलिका जेल	1 कैप्स्यूल
(थ) लिनेन या जलगह कागज पर मुक्ति अप्रेजी या हिन्दी भाषा में निर्देश	2
2 प्राथमिक उत्पावन उपकरण बक्स, एक आधार में पैक किया जायेगा जो निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार होगा :—	
(क) यह इकाऊ आर्द्धा मह और प्रभातशानी रूप में मुद्रायन्त्र होगा। यह ऐसा युक्ति भे मुद्रबद्र रिया हुआ लोगा जो यह उपवशित करे कि अन्तर्वस्तुं द्वारा सुरक्षित है।	
(ख) यह ऐसे कमरे में पैक किया जायेगा जिसमें यथासभव वायु मंडलीय नमी निकाल दी जायी हो।	
(ग) जहा प्राधान धातु का बना दुधा है, वहा यह अच्छा कर्नाईवार और लैकर (प्रशाकारम) किया हुआ होगा और ढक्कन में हृल लगा होगा।	
(घ) अन्तर्वस्तुओं की मदवार सूची आधार के बाहर दी जायेगी।	
भाग—VII	
रक्षा नौकाओं के लिये कर-चल पम्प	
हर एक रक्षा नौका कर-चल पम्प निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुसार होगा :—	
1. जब 1.2 मीटर की ऊंचाई में चूषण पर प्रति मिनट 60 डबल ल्डोक के अनधिक पर प्रवालित हो तो धारिता निम्नलिखित से अन्तृप्त होगी।	—
(क) 7.3 मीटर या उससे अधिक लम्बी रक्षा नौकाओं में 32 लीटर प्रति मिनट, या	
(ख) 7.3 मीटर से कम लम्बी रक्षा नौकाओं में 23 लीटर प्रति मिनट	
2. अपनी प्रसामान्य शुष्क स्थिति में (आन्तरिक शीम या अन्य महायना का अगवर्जित कर के) पम्प, जब 1.2 मीटर से अन्तृप्त की ऊंचाई से चूषण पर प्रवालित हो तो सरलता से अपक्रमणीय होगा।	
3. पम्प के सभी भाग गम्बुद जल में सक्षात्कर प्रभाव से न प्रभावित होने वाली मामली के होंगे।	
4. पम्प का प्रवर्भाग, जिसमें बाल्व भी मर्मिलित है आपात सकाई के लिये सरलता से पहुच योग्य होंगा, और पहुच के लिये	

वेक्षन, स्पेनर अन्य विशेष औराग के प्रयोग के बिना आमानी में होते हैं। जो सकते हैं ममर्थ होते हैं।

5 पम्प शाखाएँ कम-मो-फन 32 मिंट मी० आमर्तिक परिधि में रद्दर होने वाली भागों के माध्य प्रयोग के लिये यथोचित होती है। प्रचालन हैडल का धातु भाग, यह निश्चित करने के लिये कि जब पम्प अव्यधिक ठड़क में प्रयुक्त किया जाये तो चालक के हाथ सरक्षत रहे, यथोचित रूप में उठाई में मिल परार्ड में ग्राज्यादित होता। स्पाइडर ग्लैन्ड, शिग भारित सील रिंग प्रकार का होता।

भाग—VIII

1. इस भाग के पैरा 2 के उपचारों के अध्यवीन, बालव तरांग में व्यवस्थित तूर एक प्राथमिक उपचार उपकरण बालम में निर्मालित होते हैं:—

	वस्तु	मात्रा
(अ) सातम ईंगिंग 14 नंबर की मध्यम 15 में० मी० X 10 में० मी०	.	4
(ब्र) भान ईंगिंग 15 नंबर की बड़ी BPC 20 में० मी० X 15 में० मी०	.	4
(ग) 95 में० मी० चौड़ी, 1.25 मीटर आधार में अन्धन की, त्रिकोण, निर्दशी निक्रमित पट्टिया	.	4
(घ) नियृत मग्नित पट्टिया, 9 में० मी० X 3.5 मीटर	.	10
(इ) नने या धाव की पेन्डीसेटिक रोम, गेट्रिमाइड BPC 0.5 प्रतिशत W/W 50 ग्राम की द्रूबू	.	2
(ज) सासा रहित और जग राधी इम्पाल की 10 में० मी० की कैबी, जिगकी 1 धार नेंज, 1 धार कुद हो	.	1
(ए) स्कू टापी नाने धातु पांपे में, प्रयोग के लिये निर्देश महिन ए सारकोन एम्बल- मिरीज जिनमें या तो सारकोन लक्षण जो 1 घन में० मी० में 1 ग्राम निर्जल सारकोन के समुद्धय या 1 घन में० मी० में ½ ग्राम पैपावरेटम BPC का विषयत हो	.	1 पापा

(ज) लिनेत या जलगह कागज पर मुद्रित अप्रेजी भाषा में निर्देश।
2. 21.3 मीटर में कम लम्बाई के वर्ग VIII के पातों में हर एक रक्षा नौका में व्यवस्थित प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स की अन्तर्वर्तुण, इस भाग के पैरा 1 में सम्मिलित वर (क) में (इ) तक में विनिर्दित मात्राओं की आवी तथा उक्त पैरा के खड़ (ग) और (छ) में विनिर्दित मदों महिन होती है।

3. प्राथमिक उपचार उपकरण बक्स एक आधान में पैक किया हुआ होता जो टिकाऊ आर्द्धता मह और प्रभावशाली रूप से मुद्रा बन्द किया हुआ होता। अन्तर्वर्तुण की मदबार भूची आधान के बाहर दी जायेगी।

तरहबी अनुसूची

(नियम 29(9) विविध)

डेविट और रक्षा नौका अवतरण गाधन

भाग—I

माध्यम

"कार्यकारी भार" की वरिभाषा—इस अनुसूची में "कार्यकारी भार" पद में निन्दनिक्षित असिंचेत है:—

(क) उन डेविटों के संबंध में जिनका भाग II के पैरा I का खड़ (क) लागू होता है, रक्षा नौका इसके पूरे उपस्कर दगड़ी और रम्प, और व्यक्तिया, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 किं० प्रा० मात्रा जाय की अवक्षतम सक्षमा जिसे बहन करने के लिये रक्षा नौका ठीक समझी गई है के भार का योग।

(ख) उन डेविटों और अवतरण के अन्य माध्यमों के संबंध में जिनका भाग II के पैरा I का खड़ (ख) या (ग) लागू होता है रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका इसके पूरे उपस्कर दगड़ी और रम्प दो व्यक्तियों प्रत्येक व्यक्ति का वजन 75 किं० प्रा० मात्रा जाय में मिलकर बने अवतरण कर्मीदित के भार का योग।

(ग) विच्छिन्नों के संबंध में अवतरण करने का उत्तोलित करने का नीमरित करने के दीगान शिन्च पांपे पर रम्पे या रम्पों से लगाया गया अधिकतम कर्णण जो किसी भी दशा में डेविट या डेविटों पर कार्यकारी भार को अवतरण करने वाली लाई के लिए अनुपात द्वारा विभाजित करके तिकांगे गये से अन्धन होगा।

भाग—II

मन्त्रिमण

1. मामर्थ

(क) रक्षा नौका में लगा हुआ हर एक डेविट जो इसके व्यक्तियों की पूरी सक्षमा में भारित होने पर नियम 29 के उपनियम (1) द्वारा प्रत्येक जल में रखे जाने को है अपने विन्च रस्से दरबारी और अन्य मधी महयुक्त अवतरण माध्यमों महित ऐसी सामर्थ्य के लिये कि इसके पूरे उपस्कर और दो व्यक्तियों में अन्धन के अवतरण कर्मी से संयोजित रक्षा नौका अवतरित हो सके और जब पांप 10 ग्राम की नसि रखता है और किसी और 15 ग्राम ज्ञा हुआ है तब व्यक्तियों की पूरी संख्या महित नौरोहण स्थिति से मुक्ता-पूर्वक जल में अवतरण हो सके।

(ख) हर एक यंत्र नियंत्रित एक्स-भुज डेविट अपने विन्च रस्से दरबारी और अन्य मधी महयुक्त अवतरण माध्यम सहित ऐसी सामर्थ्य के होगे और प्रचालन गियर ऐसी शक्ति का लाभा कि रक्षा नौका पूर्णतया से उपस्करित और दो मध्यमों के अवतरण कर्मी से संयोजित होने पर अवतरित हो सके और पांप के 25 ग्राम अनुको होने से जल में मुक्ता-पूर्वक अवतरण हो सके।

(ग) उम डेविट में भिन्न जिसकी सामर्थ्य इस पैरा के खड़ (क) और (ख) में विनिर्दित है डेविटों वा हर एक मेट, डेविट या अवतरण के अन्य माध्यम जिसे रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका गंतव्य है अपने विन्च रस्से

दगड़ी और अन्य नहयुक्त अवनमन साधनों महिने ऐसी सामर्थ्यों का होगा कि इसके पूर्ण उपस्कर और वो सदस्यों के अवतरण कर्मी से सयोजित रक्षान्दीका बर्ग ग नौका या अन्य नौका जल पोत 10 अंश की तरफ रखता है और किसी और 15 अंश शुका हुआ है तो अवनर्गित की जा सके और जल में सुरक्षापूर्वक भवनर्मित हो सके।

(ग) डेविटो का हर एक सेट, डेविट या अवतरण के अन्य साधन जिसे रक्षा नौका, बर्ग ग नौका या अन्य नौका समझता है अपने विच और सभी नहयुक्त उत्तोलन गियर महिने ऐसे सामर्थ्य के होंगे कि नौका अपने पूरे उपस्कर और कम से कम वा अविनियो से भारित होने पर सुरक्षापूर्वक उत्तोलित हो सके और नीचरित होने सके और इसके अनियित आपात रक्षा नौका की दशा में अपने पूरे उपस्कर और 1016 किमी प्राप्त के विनियित भार से भारित होने पर प्रति मिनट 18 सीटर से अन्यून गति से यह सुरक्षापूर्वक जल से नौरोहण डेक पर उत्तोलित हो सके।

2 गुरुत्व डेविट --

(i) सभी गुरुत्व डेविट इस प्रकार डिजाइन किये जायेंगे कि जल-यात्रा के मीधे खड़े होने पर और उसके मीधे से किसी ओर 25 अंश तक या उसको सम्मिलित करने हुए इसके होने पर पोत के भीतर से उसके बाहर स्थिति तथा सपूर्ण डेविट की पूरी चाल के दौरान अवतरण की अनात्मक स्थिति हो।

(ii) उत्तर गुरुत्व प्रकार के डेविट जो रोलरो पर भुजा रोकण से बचते हैं और जो स्थायी रूप से झूकी हुई पटरी पर लगे हैं और चलते हैं कि दशा में पटरी जलयात्रा के मीधे खड़े होने पर झूकी में 30 अंश से अन्यून कोण पर झूकी होगी।

3 लकिंग डेविट—सभी लकिंग डेविटों के प्रचालन गियर यह सुनिश्चित करते कि निये पर्याप्त शक्ति के होंगे कि पूर्ण रूप से उपस्करित और अवतरण कर्मी सयोजित किन्तु जो अन्य अविनियो से भारित नहीं है ऐसी रक्षा नौकाएँ से बर्ग ग नौकाएँ या अन्य नौकाएँ कम से कम 15 अंश के सुकाव क विकास अवतरण हो सके।

4. यत्र नियत्रित एकल भुज डेविट—किसी यत्र नियत्रित एकल भुज डेविट का कार्यकारी भार 15.21 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा।

5 प्रतिक्रिया

(क) यत्र नियत्रित एकल भुज डेविटों से भिन्न डेविटों की दशा में अधिकतम भार और नित तथा सुकाव की दशाओं के अन्तर्गत प्रचालित होने पर डेविट भुजाया पर परिकल्पित प्रतिवर्त, प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी समिक्षण की रीति और भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट है का दृष्टि में रखते हुये पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगा।

(ख) यत्र नियत्रित एकल भुज डेविटों की दशा में अधिकतम भार और अनुकूल सुकाव की दशाओं से प्रभावित होने पर डेविट पर परिकल्पित प्रतिवर्त प्रयुक्त सामग्री की क्वालिटी समिक्षण की ओर भार की वास्तविक प्रकृति जिसके अधीन डेविट है का दृष्टि में रखते हुए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करेंगे।

6 स्थापित भार परीक्षण —प्रत्येक डेविट अपनी भुजा सहित सामा में पूर्ण रूप से बाहर होने पर भुजा के द्वारा सभाले गये कार्यकारी भार

के उम से भाग 2.2 गुना से अन्यून के स्थानिक भार परीक्षण को महत भ समर्थ होगा।

7 डेविट ग्रीष्म पर सयोजन—डेविट के ग्रीष्म पर सयोजन जिसे दरबिया लटकी हुई है सयोजनों पर अधिकतम भार के 2-1/2 गुने से अन्यून के प्रमाण भार परीक्षण को महत में समर्थ होगा।

8 दरविया

(क) (1) रक्षा नौकाओं, बर्ग ग नौकाओं या अन्य नौकाओं के उत्तोलन और अवनमन के प्रचालन में प्रयुक्त सभी दरवियों ऐसे डिजाइन की होगी कि पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करे।

(2) निचली दरवियों जब लगी हो तो डगमगाने वाली नहीं होगी और आपात रक्षा नौकाओं भी दशा में एकल हाले से रस्तों को निवारित करने के लिये अवस्था होगी।

(3) दरवियों का प्राकार रस्ते के प्राकार के समानुपातिक होगा।

(ख) (1) धातु दाढ़ी प्रधिकतम भार के 2-1/2 गुने से अन्यून जिसे बह मेवा में बहन करने के लिये आवश्यित है के प्रमाण भार परीक्षण को महत में समर्थ होगी।

(2) धातु दाढ़ी चक्रिका और दरवियों गलने के बीच जिसमें भार रस्ते प्रयुक्त हैं दूरी न्यूनतम अव्याहारिक तक रखी जायगी जो जिसी दरवियों या अप्रचलित के रिय के ऊपर चढ़ने से रस्ती वो निवारित करेगी।

(3) दरवियों के उनकी चक्रिका से भिन्न सषटक भाग तथा समग्री के होंगे।

(ग) एक लकड़ी की दरवियों, दरवियों पर के भार के 2 1/2 गुने में अन्यून के प्रमाण-भार को महत में समर्थ होगी—गलने के बीच छोड़ा है, जब नया काँच परिधि में 4.6 सेमी हो तब उसके व्यास में 12.7 मिमी अधिक होगी और रस्ती के उनसे छोटे होने पर उनकी परिधि के अनुपात में कम होगी।

9 नार रस्ते

(क) रक्षा नौकाओं, बर्ग ग नौकाओं या अन्य नौकाओं को अवनमन करने के लिये प्रयुक्त प्रत्येक नार रस्ते वा मजनकनन भार अवनमन करने उत्तोलन करने या नीचरन के समय रस्ते पर अधिकतम भार के 4 गुने में अन्यून होगा।

(ख) नार रस्ते विच के पीपे से मजड़ी से संलग्न होंगे और तारों के सिरे समाप्त और अन्य भाग जिसे रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका लटकायी जाती है वे ऐसे सयोजनों और अन्य भाग पर के भार के 2-1/2 गुना से अन्यून प्रभाण-भार का महत में समर्थ होंगे।

(ग) जहा नार रस्ती पलाम या जाइ छूटी से बधी अनी अक्षिपट्ट प्रयोग किये जाते हैं वे रस्तों से उन पर रखी भार के 2 1/2 गुने में अन्यून के प्रमाण भार को महत करने में तब तक समर्थ होंगे जब तक कि नार के प्रत्येक प्राकार के प्रतिनिधि नमूने जिस पर वे प्रयुक्त किये गये हैं जब वे नष्ट करने के लिए परीक्षित किये जायें, सुरक्षा का कम से कम 5 गुणक दरित नहीं करने।

10. विच —

- (क) (1) यंत्र नियंत्रित एकल भूग डेविटो से भिन्न डेविटो की दशा में विच पीपे, दोनों रस्मों को पृथक रखने के लिये और उन्हें तासम दर से रस्मी को सीला करने में समर्थ बनाने के लिए व्यवस्थित होंगे।
- (2) नार रस्मे की लपेटन ऐसी होगी कि वे पीपों पर भमस्प से लपेटे जायें और अप्रदरानी खांचेवार पीपों के लिए पांच डिग्री और बिना खांचेवार पीपों के लिए तीन डिग्री से अनुधिक अप्रदरा काण बनाने के लिए, व्यवस्थित होंगी।
- (3) यंत्र नियंत्रित एकल भूग डेविटो की दशा में तार रस्मे की लीड ऐसी होगी कि रस्मा पीपे पर भमस्प से लपेटा जाये।
- (द) (1) विच ब्रेक दृढ़ गतिमाण का होगा और अवनमन करने की सक्रिया में पूर्ण नियंत्रण और गति को सीमित करेगा।
- (2) हाथ ब्रेक इस प्रकार व्यवस्थित होगा कि सामान्य यह 'जारी' स्थित में हो और जब नियंत्रक हैडल प्रबलिन नहीं हो रहा हो तो 'जारी' स्थिति को लौट आना हो।
- (3) ब्रेक-लीवर पर भार, बिना अनिरिक्त दाव के प्रभावशाली स्प से ब्रेक को चाल करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (4) यह मुनिशित करने के लिए कि रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, सुरक्षा के अनुरूप अवनमन करने की दर को बिना बढ़ाये शीघ्रता में अवनमित की जानी है, तो ब्रेक गियर में अवनमन की गति को स्वतं नियंत्रित करने के लिए साधन समिलित होंगे।
- (5) इस प्रयोजन के लिए स्वच्छित ब्रेक इस प्रकार सेट किया जायेगा कि रक्षा नौका को अवनमन गति 18 मीटर और 36 मीटर प्राप्त मिनट के बीच हो।
- (6) रक्षा नौका विचों के हाथ ब्रेक यंत्र रखना रेचेट गियर लगे होंगे।
- (7) जहाँ साथ हो ब्रेक भाधन इस प्रकार स्थित होगा कि विच को प्रचालित करने वाले ग्रादमी को, अवसीर होने की संपूर्ण प्रक्रिया के दौरान रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका को संप्रेक्षण में रखने में समर्थ बनाये परन्तु यह जब तक कि प्राप्त रक्षा नौकाओं की सेवा में लगे विच किसी भी दशा में इस प्रकार रखे होंगे।
- (ग) प्रत्येक विच, भाग 1 की मद (ग) में यथा परिभासित कार्यकारी भार के 1.5 गुना परीक्षण भार का अवनमन करने और धारण करने में समर्थ होंगा।
- (घ) विच इस प्रकार संप्रिमित होंगे कि फ्रेक हैडल रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवनमित होने पर या इसके शक्ति से उत्सोकित होने पर, विच के भागों के गतिमान होने में, प्रत्यावर्तित न हों और रस्मों को हाथ से छोलने के लिए व्यवस्था होंगी।

11. कार्डेज रस्मे —

- (1) कार्डेज रस्मे, भरी मनीषा या किसी अन्य उपयुक्त मामधी के होंगे और टिकाऊ, न गेंठने वाले वृक्ष रखे हुए और लकड़ार होंगे।

- (2) वे किसी भी दशा में रस्मे के नियम व्याप से 1 सें.मी. लंडे छिपे से, मुक्त रूप से पास करने योग्य होंगे।
- (3) रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवनमन के लिए प्रयुक्त प्रत्येक रस्मे का मंजन-भार अवनमन करने या उत्सोकन करने समय रस्मे पर के अधिकतम भार के 6 गुने से अन्यून श्रंगा।
- (4) रक्षा नौका रस्मे के लिए, पर्याप्ति में 6.3 सें.मी. से न्यून का रस्मा प्रयुक्त नहीं होगा। ननीमनीला रस्मे के लिए, लपेटन रील या परन अक्से की व्यवस्था की जायेगी।

12. रक्षा स्तम्भ —

- (1) उन सभी दशाओं में जहाँ कार्डेज रस्मे प्रयुक्त रिये गये हैं किसी रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका के अवनमन के लिए यथोक्ति रक्षा स्तम्भों या मामान रूप से अन्य प्रभावशाली संविदों की व्यवस्था की जायेगी।
- (2) ऐसे रक्षा स्तम्भ या अन्य भाईशिल ऐसे स्थित होंगे कि जो यह मुनिशित करे कि उनमें उक्त रक्षा नौका वर्ग ग नौका या अन्य नौका सुरक्षा पूर्वक अवनमित हो सके, और रस्मी मार्ग शर्णक या अप्रदरानी इस प्रकार लगी होगी कि जो यह मुनिशित करे कि यह, अवनरण पैग की प्रतियोगी के दौरान उत्थापित नहीं होगी।

भाग 3

बोर्ड पर प्रतिष्ठापन के बाद परीक्षण

1. माधारण—यह मुनिशित करने के लिये परीक्षण किया जायेगा कि डेविटों के संलग्न सभी रक्षा नौकाएं, वर्ग ग नौकाएं, या अन्य नौकाएं अपेक्षित उपस्कर में पारित होने पर नीरोहण स्थिति से सुरक्षापूर्वक और सुगमतापूर्वक पुनः नौकारित की जा सके, और इस प्रकार भारित होने पर रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, जब अभियुक्त हो तो विच, रस्मे, दरावी और अन्य सहायक गियर के धर्यण प्रतिगंत्र के विस्तृ जल में गुलत अवनमित हो सके।

2. अवनमन परीक्षण —

- (क) डेविटों का प्रत्येक जोड़ा जिनको भाग 2 के पैग (1) का खण्ड (क) लागू होता है और कोई सहायक रक्षा नौका विच और उनके ब्रेक इन्सालिशिट परीक्षण महने में समर्थ होंगे:—

डेविटों के प्रत्येक सैट में रक्षा नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर से भारित, नौरोहण ब्रेक से जल में अवनीर्ण होगी और व्यक्तियों की पूरी संख्या जिसे स्थान देने के लिए यह टीक समझी गई है तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार के बराबर वितरित भार, मौसम में लूपे विच ब्रेक, गीये ब्रेक तल सहित पूर्ववर्ती परीक्षण महन करने में समर्थ होंगे।

- (ख) उन डेविटों की दशा में जिनको भाग 2 के पैग (1) का खण्ड (ख) या खण्ड (ग) लागू होता है, रक्षा नौका, वर्ग ग नौका या अन्य नौका, इन नियमों द्वारा अपेक्षित उपस्कर और दो व्यक्तियों के अवनरण कर्मीदल के भार तथा 10 प्रतिशत कार्यकारी भार बराबर त्रिसरित भार महिन जल में अवनमित की जायेगी।

- (ग) खण्ड (क) और (ख) के अन्तर्गत अपेक्षित परीक्षण के प्रयोजन के लिए एक व्यक्ति का भार 75 किंवद्दा 80 माना जायेगा।

3. आपात रक्षा नौकरी के लिए उत्थापन परीक्षण—आपात रक्षा नौकरी जिसमें इन विभागों हांग युन प्रोटोन के लिए विक्री से मुक्त होने की अपेक्षा, के, इस भाग के पैरा 2 प्रश्न प्रवेशित परीक्षणों के अधिक्षित जल के नीराहण टैक्टक, प्रविहनम उत्थापन गति से, इन विभागों हांग प्रवेशित उपस्कर और 1016 किंवार के वितरित भार में कुल दग प्रतिशत उत्थापन भार जार कर, जिसमें इसकी और इसमें भी समिक्षित है। उनके नहिं आगा रक्षा नौका के उत्थापन हांग परीक्षण को जायेगी।

बचाव अनुसूची

(नियम 29, 16 (ग) देखिए)

रक्षा नौका को खोलने वाले साधन

1. रक्षा नौका को खोलने वाले साधन इस प्रकार छवत्वित होंगे जिससे रक्षा नौका के दोनों सिरों की एक साथ निर्मुक्ति मुनिश्चित हो।

2. निर्मुक्ति सम्पन्न करने वाले साधन पीछे रखे होंगे।

3. साधन इस प्रकार का होगा जो रक्षा नौका की निर्मुक्ति, जब यह जल बहित हो, करेगा।

4. साधन इस प्रकार का होगा जो, यदि वृद्धिका या रस्मों पर नौकर्य नाश हो तो निर्मुक्ति करे।

5. हुक, ऐसे यथोचित प्रकार के होंगे कि ज्ञाय रो तुरन्त खाले जा सके।

6. हुक के दगबी की अनी, छला या शूखला में लगात्र स्थान उसके स्थान से नीचे नहीं होने जड़ा जावाग स्थानी हुक लगे हों।

7. साधन और निर्मुक्ति सम्पन्न करने के लिये यथावली इस प्रकार मन्त्रिमित और व्यवस्थित होगी जो विना किसी सुरक्षा पिन के रक्षा नौका की सुरक्षा निष्कर्षत करे।

8. (क) (i) निर्मुक्ति सम्पन्न करने के लिये साधन, कर्यण द्वारा या रस्मी छाड़ने या उत्तोलक प्रयोग करने के द्वारा होंगे। यदि निर्मुक्ति रस्मी के कर्यण द्वारा सपन्न की जाती है तो रस्मी समुक्ति रूप से सत्कृत में रखी होगी।

(ii) जब किसी साधन की सुरक्षा के लिये या दक्षतापूर्ण कार्य के लिये या क्षति से व्यक्तियों के सरक्षण के लिये, आवश्यक हो तो हुकों के बीच और अन्य संयोजन भी संदुक में रखे होंगे।

(ख) रस्मी मार्गदर्शक, रस्मियों को कुरना प्रथमा जाम होने से निवारित करने के लिये समुक्ति रूप से व्यवस्थित होने और रक्षा नौका के स्थायी भागों से मजबूती में सलग होने। जहाँ इकाता के लिए आवश्यक है रस्तियों जंगी से लगी होंगी।

9. साधन के ऐसे भाग, जिनके जंग या संक्षारण से अन्यथा जड़ जाने की समावना है असंक्षारणीय धानु के बने होंगे।

10. रक्षा नौका का भार उठाने वाले साधन का कोई भाग ढलवा धातु से नहीं बना होगा।

11. सभी भाग जो रक्षा नौका का भार समाप्त हों उनका घटक माप और अनुपात, मर्वाधिक भार वाली रक्षा नौका, जिसमें साधन का साग होना प्राप्तिय है उससे भार के कम से कम $2\frac{1}{2}$ गुना भार के आनुपातिक मंजन सामर्थ्य की व्यवस्था करने के लिये डिजाइन किया जाएगा।

पद्धति प्रनयूची

(नियम 2 (अ) और 30 (2) (क) और (ब) देखिए)

बचाव तरापा अवतरण सत्रित

1. कार्यकारी भार की परिभाषा—इस अनुसूची में कार्यकारी भार पद में—

बचाव तरापा और इसके उपस्कर, सभी अन्य महायुक्त यितर जा अवतरण वी सक्रिया के द्वारा अनन्य गतिविद्या में समावृत्त गये हैं और अविनियोग, प्रत्येक व्यक्ति का भार 75 किंवार माना जाये कि अधिकतम संक्षय जिसे बहन करने के लिये बचाव तरापा ठीक समझा गया है के भार का योग, अधिप्रेत है।

2. सामर्थ्य—हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र और सभी महायुक्त यितर जा, अवतरण सत्रित के द्वारा कार्यकारी भार या कार्यकारी भार के कारण अधिरापित कुल भार के अध्यधीन है व ऐसी सामर्थ्य के होंगे कि बचाव तरापा तब अविनियोग की पुरी सज्जा और उपस्कर से भारित हो तो जब पीत 10 घंटा तीव्रता है या किसी और 15 डिग्री झुका हुआ है तो सुरक्षातूर्वक अवतरण हो सके।

3. सत्रितीण —

(i) हर एक बचाव तरापा अवतरण गतिविद्या का प्रत्येक भाग ऐसा होगा कि जब साधित्र, कार्यकारी भार और जुकाव तथा ननि की अनुकूल दण्डों के अन्तर्गत प्रचलित हैं तो यह प्रयुक्त मामारी सत्रितीण की रीति और इसके कार्य की प्रकृति को ध्यान में रखने हुये सुरक्षा का पर्यात उपादान रखेगा।

(ii) अग्र चन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका के सिवाय साधित्र सभी भाग और इसके महायुक्त यितर जो कार्यवारी भार के अध्यधीन हैं या जिस पर अवतरण की प्रक्रिया में सत्रित या बचाव तरापे की सुरक्षा निर्भर करती है व तथा धातु से गत्रित होंगे और अग्र चन्द्रिका और दराबी चन्द्रिका, से भिन्न कोई भाग ढलवा धातु रो तब तक सत्रितीण नहीं होगा जब तक केन्द्रीय सरकार इस प्रकार अनुज्ञा नहीं देती है।

4. स्पैनिक भार परीक्षण—हर एक बचाव तरापा अवतरण साधित्र, कार्यकारी भार के 22 गुना में अन्यत के स्पैनिक भार परीक्षण का महत्व करने में समर्थ होगा।

5. प्रचालन—

(क) हर एक बचाव तरापा अवतरण इस प्रकार डिजाइन किया गया होगा कि इस पर व्यक्तियों की पुरी सज्जा और उपस्कर से भारित होने पर बचाव तरापा जब में सुरक्षा पूर्वक अवतरण हो सके।

(ख) बचाव तरापा के अवतरण की गति, प्रतिमिनट 18 मीटर से अन्यत और प्रतिमिनट 36 मीटर से अनधिक पर स्वतः नियन्त्रित होगी और उनी समय बचाव तरापे का अवतरण प्रचालक के हस्त नियन्त्रण होगा।

(ग) (i) अवतरण साधित्र का प्रचालन केवल हाथ के प्रयत्न या गुरुत्व से मिश्र सात्रों के प्रयोग पर ही पूर्ण होने वाली होगी।

(ii) हस्ताम ऐसा होगा कि बचाव तरापा गुरुत्व में अनमित हो सके।

(घ) इनजाम देसा होगा कि जल आहित होने पर बचाव तरापा अवतरण साधित से स्वन निर्मुक्त होगा और बचाव तरापों के बोर्ड पर घटक द्वारा बचाव तरापे की हस्त निर्मुक्त के लिए व्यवस्था होगी।

(ङ) जब बचाव तरापा अवतरण माधिक्रम में विच हो तो विच तेरहडी अनुसन्धी के भाग II के पैरा 10 के अनुगार मन्त्रिमित होगे।

6 अवतरण परीक्षण—जब बचाव तरापा इसके पूर्ण उपस्कर और अधिकारी की पूरी मद्दत जिसे स्थान देने के लिए यह ठोक समझा गया हो उसमें जल में नोशक्रण स्थिति कार्यकारी भार के 10 प्रतिशत को जोड़कर उसके बराबर वितरित भार से भागित हो कर हर एक बचाव तरापा अवतरण माधिक्रम द्वारा बचाव तरापे के अवतरण से परीक्षित किया जायेगा जिसके लिए यह आवश्यक है।

7 प्रशान्त परीक्षण—(i) यह मूलिकित करने के लिये परीक्षण किया जायेगा कि अवतरण माधिक्रम से युक्त कोई बचाव तरापा जब केवल इसके उपस्कर से भागित हो तो जल में गुरुत्व द्वारा अवशीर्ण हो सके।

(ii) यदि एक में अधिक बचाव तरापा किसी अवतरण माधिक्रम से अवशीर्ण किया जारी ना रहे तो प्रशान्तानी अनुक्रमिक अवश्यक निर्देश किया जायेगा।

मोतहरी अनुसन्धी

(नियम 37(1) रचना)

पान की मकट मकेत छन्ही मणाल

1. हर एक पोन की मकट छन्ही मणाल एक चमकील नाल नारक में मिलकर बनेगी जो राकेट द्वारा ऐप्रेक्टिव ऊर्ध्वार्ड से प्रक्षिप्त की जायेगी और जो गिरने समय जने इसके गिरने की वर प्रति सेकेंड 4.5 मीटर की ग्रीष्म वर तक छन्ही द्वारा नियंत्रित हो।

2. (i) जब राकेट लगभग उत्तराधिकार कायर किया गया हो तो नारक और छन्ही, 229 मीटर की न्यूनतम ऊर्ध्वार्ड पर प्रथम पथ के शीर्ष पर या मासमें उत्तिकान होंगे।

(ii) इसके प्रतिरक्षित राकेट धितिज से 15 अण के काण पर कायर किये जाने पर कार्य करने में भावन्त होगा।

3. (i) नारक 40 मेकेड से अन्यून के लिए 30,000 रेंडर एक्सिट की न्यूनतम दीविनि में जानेगा।

(ii) यह समुद्र तल से 46 मीटर से अन्यून ऊर्ध्वार्ड पर जानेगा।

4. (i) छन्ही देसे आकार की होगी कि जने द्वारा नारक के गिरने की दर के अनुक्रम नियन्त्रण की व्यवस्था करे।

(ii) यह नम्र अग्रिगड कायर द्वारा नारक में मनग होगी।

5. (i) राकेट किसी यथावित गीति से प्रज्ञवित हो सकेगा।

(ii) यदि सेकटी पूर्ण द्वारा वाह्य प्रश्वतरण किया गया हो तो सेकटी पूर्ण का बाहरी सिरा वियामलाई संरचना से अम्बर लगे द्वारा फरक्का धारु पर जल से ढके द्वारा होंगे और एक पूरक स्ट्राइकर प्रत्येक राकेट से यथोचित रूप से मनग होगा।

6. दिवासनाई संरचना, स्ट्राइकर संरचना करण्यात् और राकेट की भगवत् वाह्य सतह जलमह होगी।

7. राकेट एक मिनट तक जल में निमजित रहने के पश्चात् और लिपाने में, जो हुए जल के हटाने के पश्चात् समुचित रूप से कार्य करने में स मर्य होगा।

8. मधी संघटक संरचना और प्रबन्धक प्रेसे स्वस्थ और ऐमी क्यालिटी के होंगे जो राकेट को कम से कम दो वर्ष की कालावधि तक अच्छी ग्रीष्म भंडार-करण दण्डाओं के अन्तर्गत इसका उपयोग प्रतिधारित करने में समर्थ बनाये।

9. (i) राकेट देसे आधार में ऐक किया होगा जो टिकाऊ आविन्ता मह और प्रभावशाली स्था में मद्राबन्द होगा।

(ii) यदि धारु का वना हो तो आधार अच्छा कलाईदार और देकर किया हुआ या संक्षारण के विनाश अन्यथा पर्याप्त रूप से संरक्षित होगा।

10. वह तारीख जिसको राकेट भरा गया है गेकेट और आधार पर अस्मिट रूप से स्टाम्पित होगी।

11. प्रयोग के लिए स्पष्ट और सक्षिप्त तिर्देश अप्रेजी और हिन्दी भाषा में राकेट पर अस्मिट रूप से सुदृढ़ित होगे।

[का० म० 5 एम० एम० आर० (8)/74म० ए०]

धी० वी० सुदृढ़ित, उप सचिव

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 27th August, 1974

(Merchant Shipping)

G.S.R. 964.—Whereas the draft of the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1969, was published as required by sub-section (1) of Section 288 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) at pages 316 to 362 of the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (I), dated the 25th January 1969 under the notification of the Government of India in the Ministry of Transport and Shipping No. G.S.R. 149, dated the 15th January, 1969, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby till the 1st March, 1969;

And whereas it is considered desirable to publish the said draft again for the information of all persons likely to be affected thereby;

Now, therefore, the following draft of certain rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c), (d), (e), (f), (g), (h), (j), (k) and (n) of sub-section (2) of section 288 and section 457 of the said Act, and in supersession of the Indian Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1956 is hereby published as required by sub-section (1) of Section 288 for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette;

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft rules before the expiry of the period so specified will be considered by the Central Government

1. Short title, commencement and application.—(1) These rules may be called the Merchant Shipping (Life Saving Appliances) Rules, 1974.

(2) They shall come into force at once.

(3) They shall apply to—

(a) all sea going Indian ships; and

(b) all ships other than Indian ships while they are at any port or place in India or within the territorial waters of India:

Provided that these rules shall not apply to any ship by reason of its being at a port or place in India or within the territorial waters of India if it would not have been at any such port or place but for the stress of weather or any other circumstances that neither the master, nor the

owner nor the charterer, if any of the ship could have prevented or forestalled.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) 'Act' means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958);
- (b) 'approved' means approved by the Central Government;
- (c) 'buoyant apparatus' means floatation equipment other than a life-buoy or a life-jacket, designed to support a specified number of persons who are in the water and of such construction that it retains its shape and properties;
- (d) 'certificated life-boatmen' means any member of the crew who holds a certificate of efficiency issued under the Life boatman's (Qualifications and Certificate) Rules, 1963;
- (e) 'class c boat' means a boat which complies with the provisions of rule 16;
- (f) 'inflatable life-raft' means a life-raft complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule;
- (g) 'launching appliance' means an appliance complying with the requirements of the Fifteenth Schedule;
- (h) 'length' in relation to a registered ship means registered length and in relation to an unregistered ship means the length from the fore part of the steam to the aft side of the head of the stern post, or if not stern post is fitted to take the rudder, to the foreshore of the rudder stock at the point where the rudder stock passes out of the hull;
- (i) 'lifeboat' means a boat complying with the provisions of rule 12;
- (j) 'life-raft' means a life-raft complying with the provisions of rule 17;
- (k) 'mechanically propelled lifeboat' means a lifeboat complying with the provisions of rule 15;
- (l) 'motor lifeboat' means a lifeboat complying with the requirements of rule 14;
- (m) 'person' in relation to these rules means any person above the age of one year and includes ship's crew and officers;
- (n) 'rigid life-raft' means a life-raft complying with the requirements of Part II of the Seventh Schedule;
- (o) 'Schedule' means a Schedule to these rules;
- (p) 'short international voyage' means an international voyage in the course of which a ship is not at any time more than 200 nautical miles away from a port or place where the passengers and crew could be placed in safety and which does not exceed 600 nautical miles in length between last port of call in a country where the voyage begins and the final port of destination.

3. Classification of Ships.—For the purpose of these rules, ships shall be arranged in the following classes, namely:—

A--Passenger Ships

Class I—Passenger ships, other than those failing in classes II, III and IV engaged on international voyages;

Class II—Passenger ships, other than those failing under Class IV, engaged on short international voyages;

Class III—Special trade passenger ships, other than those failing under Class IV, engaged on international voyages;

Class IV—Special trade passenger ships engaged on short international voyages;

Class V—Special trade passenger ships engaged on coastal voyages;

B-- Ships other than passenger ships

Class VI—Cargo ships other than those falling under Class VII;

Class VII—Cargo ships engaged on coastal voyages or on voyages with near neighbouring countries;

Class VIII—Fishing vessels and other ships not falling in Classes I to VII both inclusive.

4. Ships of Class I.—(1) This rule shall apply to ships of Class I.

(2) Every ship of class I shall carry—

- (a) on each side of the ship, such number of life-boats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one half of the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (b) life boats and life-rafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry:

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 37 1/2 percent of the total number of persons the ship is certified to carry:

Provided further that in the case of a ship the keel of which was laid before the 26th day of May, 1965, the provisions of this clause shall apply only if the number of persons the ship is certified to carry is not increased for the reason that the life-rafts available on board are adequate for such increased number.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 meters in length but they may be motor life-boats or lifeboats and, may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, states or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat :

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only such motor lifeboat.

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more, such of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(c) every motor lifeboat carried in compliance with this rule shall be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 25.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not less than 7.3 metres in length.

(8) In every ship each lifeboats shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that the davits of luffing type be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 kgms in their turning out condition

(9) (a) The life rafts carried in compliance with clause (b) of sub rule (2) shall be served by launching appliances

(b) On each side of the ship, there shall atleast be one such appliance and the difference between the number of appliances fitted on each side shall never exceed one

(10) Every ship shall carry life-rafts which may not be served by launching appliances of sufficient capacity to accommodate 25 percent of the total number of persons the ship is certified to carry together with the buoyant apparatus for 3 percent of that number

Provided that —

(a) If life-rafts are also carried in compliance with clause (b) of sub-rule (2), all life-rafts carried by the ship shall be of a type capable of being launched by the launching appliance fitted on the ship in compliance with sub-rule (9), and

(b) a ship which has a factor of sub-division of 0.3 or less may carry in her only buoyant apparatus for 25 percent of the total number of persons it is certified to carry

(11) (a) Every ship shall carry a minimum number of life buoys in accordance with the following Table —

TABLL

Length of the ship in metres	Minimum number of life buoys required to be fitted
Less than 61 metres	9
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of life-buoys so carried, subject to a minimum of 6, shall be provided with efficient self-igniting lights

(c) At least two of the life buoys provided with self igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge

(d) At least one life buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length

(12) (a) Every ship shall carry —

(i) a life-jacket complying with the requirements of part I of the Tenth Schedule for every person on board or as the case may be, for the number of persons it is certified to carry whichever is more, and

(ii) a life jacket complying with the requirements of part II of the Tenth Schedule for at least ten percent of the total number of persons the ship is certified to carry

(b) Every ship in addition to life jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life jackets complying with the requirements of part I of the Tenth Schedule for atleast five percent of the total number of per-

sons it is certified to carry and such life jackets, shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance

5 Ships of class II (1) This rule shall apply to ships of class II

(2) Subject to the provisions of sub rule (8), every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule

Provided that no ship shall be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry

(3) A lifeboat shall be attached to every such set of davits and the lifeboats so attached shall subject to the provisions of sub rule (8), together provide atleast the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which it is certified to carry if the latter be less

(4) (a) On every ship two of the lifeboats required under sub rule (3) shall be kept ready, one on each side of the ship for immediate use in an emergency while the ship is at sea

(b) None of the two lifeboats referred to clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub rule (5)

(c) Notwithstanding the provisions of sub rule (13) of rule 29, skates or other suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats

(5) Every ship shall carry on each side of the ship atleast one motor lifeboat

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat

(6) Subject to the provisions of sub rule (7) and (8) when the lifeboats carried in compliance with sub rule (3) do not accommodate to the total number of persons the ship is certified to carry, additional sets of the davits with a lifeboat attached to each, shall be fitted to make up the deficiency in such accommodation

(7) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship which is sub divided in accordance with the provisions of rules made under section 284 of the Act to carry persons in excess of the lifeboat capacity provided on that ship in compliance with sub rule (3)

Provided that —

(a) when such ship is permitted by the Central Government to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India it shall carry lifeboats attached to davits affording accommodation for atleast seventyfive percent of the persons on board

(b) in all cases the number of life rafts to be carried shall be such as to ensure that total number of lifeboats together with life rafts shall be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry or is permitted to carry, and

(c) if in any such ship a two compartment standard of sub division is not achieved throughout it shall carry life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate ten percent of the persons which it

is certified to carry or is permitted to carry, such life-rafts being in addition to those required to be provided in compliance with clause (b) of this proviso or with clause (b) of the proviso to sub-rule (8), as the case may be, and with sub-rule 12.

(8) Where it is shown to the satisfaction of the Central Government that is impracticable in any ship engaged on a short international voyage to show satisfactory the life-rafts required to be carried in pursuance of sub-rule 7 without reducing the number of lifeboats the Central Government may permit the number of sets of davits required to be fitted under sub rule (2) and also the number of lifeboats required to be attached to davits under sub-rule (3) to be reduced:

Provided that —

- (a) in the case of a ship exceeding 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than four, two of which shall be on each side on the ship and in the case of a ship of less than 58.5 metres in length the number of lifeboats to be carried shall never be less than two one of which shall be carried on each side of the ship;
- (b) in all cases the number of lifeboats and life-rafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry: and
- (c) in the case of a ship in which the aggregate capacity of the lifeboats carried on board is less than the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule additional life-rafts on the type capable of being launched by the appliances referred to in sub-rule (2) of rule 30 shall be provided.
- (d) the number of life-rafts so provided shall be such as to ensure that the total capacity of life-rafts is at least equal to the number obtained by dividing by 10 the difference between the aggregate cubic capacity of the lifeboats and the cubic capacity specified in column C of the First Schedule, subject to the condition that—
 - (i) such additional life-rafts shall be sufficient for accommodating at least 40 persons;
 - (ii) at least one launching appliance is provided on each side of the ship; and
 - (iii) the difference between the number of launching appliances fitted on each side of the ship does not exceed one.

(9) In every ship the lifeboats carried in compliance with this rule shall not be of less than 7.3 metres in length.

(10) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgs. in their turning out condition.

(11) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat provided with equipment specified in sub-rule (1) of rule 25, shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34:

Provided that if in the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of a voyage is such as to render the carriage of a portable radio requirement unnecessary, it may permit the requirement of this rule to be dispensed with.

(12) Every ship shall in addition to any life-rafts carried in pursuance of sub-rules (7) and (8), carry additional life-rafts sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons for whom lifeboat accommodation is provided in the ship.

(13) Every ship shall carry buoyant apparatus sufficient to support five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of life-buoys determined in accordance with the following Table :—

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half the total number of life-buoys so carried, subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the life-buoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal of highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life-buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry;

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

6. Ships of Class III.—(1) This rule shall apply to ships of Class III.

(2) Every ship of Class III shall carry—

- (a) on each side of the ship, such number of lifeboats as would be of sufficient aggregate capacity to accommodate one half of the total number of persons the ship is certified to carry; or
- (b) lifeboats and life-rafts in such number as would be sufficient to provide together aggregate capacity to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry:

Provided that lifeboats carried on each side of the ship shall never be less than necessary to accommodate 35 per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (2) of this rule shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency while the ship is at sea.

(b) None of the lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (4).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, skates or other suitable appliances are not required to be fitted to these lifeboats.

(4) Every ship shall carry on each side of the ship at least one motor lifeboat:

Provided that a ship which is certified to carry not more than 30 persons shall be required to carry only one such motor lifeboat.

(5) (a) In every ship which is certified to carry 1500 persons or more each of the motor lifeboats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(b) In every ship which is certified to carry more than 199 but less than 1500 persons, at least one of the motor boats carried in compliance with sub-rule (4) shall be provided with the equipment specified in sub-rule (1) of rule 25.

(c) Every motor lifeboat on board a ship, the keel of which was laid on or after the 26th day of May 1965 carried in compliance with this rule may be provided with a search light referred to in sub-rule (2) of rule 25.

(6) Every ship which does not carry on each side of the ship a motor lifeboat as required under clause (a) of sub-rule (5) shall also carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

(7) Every lifeboat carried in compliance with this rule shall not be less than 7.3 metres.

(8) In every ship, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of gravity type except that the davits of luffing type may be fitted for operating lifeboats or boats, as the case may be, weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(9) Every ship shall carry life-rafts and buoyant apparatus of sufficient capacity to accommodate twenty-five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

Provided that the number of life-rafts so carried on board any ship under this rule shall be sufficient to accommodate at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(10) (a) Every ship shall carry a minimum number of lifebuoys in accordance with the following Table:

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one-half of the total number of life-buoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the life-buoys provided with self-igniting lights shall also be provided with an efficient self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour lasting for not less than 15 minutes and life-buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 27.5 metres in length.

(11) (a) Every ship shall carry—

(i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more; and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten percent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least 5 percent of the number of persons it is certified to carry and such life-jackets shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(12) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

7. Class IV ships.—(1) This rule shall apply to ships of Class IV.

(2) (a) Every ship shall be fitted, in accordance with its length, with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum specified in column B of the First Schedule :

Provided that no ship will be required to be fitted with a number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of davits, and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule, or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) (a) On every ship, two of the lifeboats required under sub-rule (3), shall be kept ready, one on each side of the ship, for immediate use in an emergency, while the ship is at sea.

(b) None of the two lifeboats referred to in clause (a) shall be more than 8.5 metres in length but they may be motor lifeboats or lifeboats and may be counted for the purpose of compliance with sub-rule (5).

(c) Notwithstanding the provisions of sub-rule (13) of rule 29, skates or suitable appliances shall not be required to be fitted to these lifeboats or boats.

(5) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(6) Where the lifeboats carried in compliance with sub-rule (3) do not accommodate the total number of persons on board, liferafts suitably placed shall be provided so that the accommodation provided on lifeboats and life-rafts is sufficient for all persons on board.

(7) Notwithstanding anything contained in sub-rule (6), no ship of class IV shall carry persons on board in excess of lifeboat capacity unless it is so permitted by the Central Government for reasons of volume of traffic obtaining at the relevant time.

(8) Where under the provisions of sub-rule (7) a ship is permitted to carry persons on board in excess of lifeboat capacity and the Central Government is satisfied that it is impracticable in that ship to stow the life rafts required to be carried in accordance with sub-rule (6) without reducing the number of lifeboats, it may permit a reduction in the number of lifeboats to be carried by such ship :

Provided that—

- (i) the number of lifeboats shall, in the case of a ship of 58 metres in length or over, never be less than four two of which shall be carried on each side of the ship and in the case of a ship of less than 58 metres in length, the number of lifeboats so carried shall never be less than two, one of which shall be carried on each side of the ship,
- (ii) the number of lifeboats and life rafts shall always be sufficient to accommodate the total number of persons on board, and
- (iii) where lifeboats provided do not give capacity required by column C of the Table set out in the First Schedule the life rafts provided for making good the deficiency shall, as far as practicable, be capable of being launched from devices referred to in rule 30.

(9) If in the opinion of the Central Government the volume of the traffic so requires, it may permit any ship to proceed to sea from a port or place in India on an international voyage exceeding 600 miles but not exceeding 1200 miles from the last port or place of call in India to the port or place of final destination outside India.

Provided that—

- (i) the ship carries lifeboats attached to davits affording accommodation for at least 70 per cent of person on board, and
- (ii) the number of lifeboats and life rafts carried on board are sufficient to accommodate the total number of persons the ship is certified or permitted to carry.

(10) In every ship, life boats carried in compliance with this rule shall not be less than 73 metres in length.

(11) In every ship the davits required to be carried in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgs in their turning out condition.

(12) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub-rule (5), shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

Provided that if in the case of any ship or class of ships the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary it may permit the requirement of this sub rule to be dispensed with.

(13) Every ship shall carry, in addition to the lifeboats and life-rafts carried under sub rule (6) or as the case may be sub rule (9), life rafts and buoyant apparatus sufficient to accommodate ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

Provided that the number of life rafts carried on board any ship under this sub rule shall never be less than required to accommodate at least five per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(14) (a) Every ship shall carry at least the number of life buoys in accordance with the following Table—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life buoys required to be carried
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least one half the number of life buoys so carried subject to a minimum of six shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least two of the life-buoys provided with self igniting lights shall also be provided with an efficient self activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for not less than 15 minutes and life buoys so provided with smoke signals shall be capable of quick release from the navigating bridge.

(d) At least one life buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant life line of at least 275 metres in length.

(15) (a) Every ship shall carry—

(i) a life jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, whichever is more and

(ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five per cent of the number of persons the ship is certified to carry and such life jackets shall be stowed in deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(16) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

8 Class V Ships—(1) This rule shall apply to ships of Class V

(2) (a) Every ship shall be fitted in accordance with its length with the minimum number of sets of davits specified in column A of the Table set out in the First Schedule.

(b) Where the Central Government is so satisfied, it shall permit a smaller number of sets of davits to be provided on a ship so however that the number of sets of davits shall never be less than the minimum number specified in column B of the First Schedule.

Provided that no ship shall be required to be fitted with the number of sets of davits which is greater than the number of lifeboats required to accommodate the total number of persons the ship is certified to carry.

(3) A lifeboat shall be attached to each set of such davits and the lifeboats so attached shall together provide at least the capacity specified in column C of the Table set out in the First Schedule or the capacity required to accommodate the total number of persons which the ship is certified to carry, if the latter be less.

(4) Every ship shall carry at least one motor lifeboat.

(5) Such additional lifeboats and life rafts or buoyant apparatus shall be carried as shall be sufficient together with the lifeboats carried in pursuance of sub rule (3), for the total number of persons the ship is certified to carry.

Provided that lifeboats shall be carried to accommodate not less than twentyfive per cent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(6) The life boats carried in compliance with this rule where reasonable and practicable shall not be less than 73 metres in length.

(7) Davits required to be fitted in compliance with this rule shall be of the gravity type except that luffing type davits may be fitted for operating lifeboats or boats weighing not more than 2300 Kgs in their turning out condition.

(8) Every motor lifeboat carried in pursuance of sub rule (4) shall carry a portable radio equipment which shall comply with the provisions of rule 34.

(9) (a) Every ship shall carry at least the number of life-buoys in accordance with the following Table :—

TABLE

Length of the ship in metres	Minimum number of life-buoys required to be carried.
less than 61 metres	8
61 metres and over but less than 122 metres	12
122 metres and over but less than 183 metres	18
183 metres and over but less than 244 metres	24
244 metres and over	30

(b) At least half the number of life-buoys so carried subject to a minimum of six, shall be provided with efficient self-igniting lights.

(c) At least one life-buoy on each side of the ship shall be provided with a buoyant lifeline of at least 27.5 metres in length.

(10) (a) Every ship shall carry—

- (i) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board or, as the case may be, for the number of persons it is certified to carry, which ever is more; and
- (ii) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for at least ten percent of the total number of persons the ship is certified to carry.

(b) Every ship, in addition to life-jackets carried in compliance with clause (a), shall also carry life-jackets complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for at least five percent of the number of persons the ship is certified to carry and such life-jacket shall be stowed on deck at a suitable place which shall be conspicuously marked.

(11) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

9. Class VI ships.—(1) This rule shall apply to ships of Class VI.

(2) Every ship of 500 tons gross or over shall carry on each side three of one or more lifeboats of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board.

(3) In every ship of 1600 tons gross or over, the lifeboats carried in pursuance of sub-rule (2) shall not be less than 7.3 metres in length.

(4) Every ship of 500 tons gross or over other than a tanker of 1600 tons gross or over shall carry life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate at least half the total number of persons on board :

Provided that in the case of such ships engaged on international voyage between near neighbouring countries the Central Government may, if it is satisfied that the conditions of voyage are such as to render the compulsory carriage of life-rafts unreasonable or unnecessary, exempt such individual ships or classes of ships from complying with the requirements of this sub-rule.

(5) Every ship of less than 500 tons gross shall carry either—

- (a) the life-boats prescribed in sub-rule (2) for ships of 500 tons gross or over or
- (b) a lifeboat or class C boat which shall be capable of being launched from either side of the ship and at least tow life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board.

(6) (a) Every tanker of 3,000 tons gross or over shall carry on each side of the ship at least two lifeboats of

sufficient aggregate capacity to accommodate the total number of persons on board.

(b) Two of these lifeboats shall be carried after and two amidships save that in tankers which have no amidships super-structure all lifeboats shall be carried aft:

Provided that in the case of tankers with no amidships superstructure, if it is impracticable to carry four lifeboats aft, the Central Government may permit instead the carriage aft of only one lifeboat on each side of the tanker—subject to the tanker complying with the following provisions, namely :—

- (i) each lifeboat shall not exceed 8.5 metres in length;
- (ii) each lifeboat shall be stowed as far forward as practicable and at least so far forward that the after end of the lifeboat is one and a half times the length of the lifeboat forward of the tankers propeller;
- (iii) each lifeboat shall be stowed as near the sea-level as is safe and practicable; and
- (iv) life-rafts sufficient to accommodate at least one-half of the total number of persons on board are carried in addition to lifeboats.

(7) Life-rafts carried under the provisions of this rule shall be so stowed that they can be readily transferred to the water from either side of the ship.

(8) In every ship to which sub-rule (2) or sub-rule (6) applies, each lifeboat shall be attached to a separate set of davits which shall be of the gravity type except that in ships other than tankers of 1600 tons gross or over luffing type davits may be fitted for operating lifeboats weighing not more than 2300 Kgms. in their turning out condition.

(9) (a) In every ship of 1600 tons gross or over, one of the lifeboats carried in compliance with sub-rule (2) shall be a motor lifeboat.

(b) In every tanker of 1600 tons gross or over, at least one of the lifeboats carried on each side of the ship in compliance with sub-rule (2) or sub-rule (6) shall be motor lifeboat.

(10) Every ship shall carry a portable radio equipment complying with the requirements of rule 34 :

Provided that if the case of any ship the Central Government is satisfied that the duration of voyage is such as to render the carriage of a portable radio equipment unnecessary, it may permit the requirement of this sub-rule to be dispensed with.

(11) (a) Every ship of 500 tons gross or over shall carry at least 8 life-buoys.

(b) Every ship of under 500 tons gross shall carry at least 4 life-buoys.

(c) At least half the number of life-buoys so carried shall be provided with efficient self-igniting lights referred to in rule 21.

(12) Every ship shall carry—

- (a) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board; and
- (b) a life-jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for every child the ship carries.

(13) Every ship shall carry an approved line throwing appliance.

10. Ships of Class VII.—The provisions of rule 9 shall apply to ships of Class VII as they apply to ships of Class VI.

11. Ships of Class VIII.—(1) Every ship of 44 metres or more in length shall carry either—

- (a) at least two lifeboats attached to davits, so arranged that there is at least one lifeboat on each side of the ship the lifeboat on each side of the ship being of sufficient aggregate capacity to accommodate all persons on board the ship; or
- (b) a class c boat attached to a davit and at least two approved inflatable life-rafts of sufficient aggregate capacity to accommodate twice the number of persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (2) Every ship under 44 metres but not under 35 metres in length shall carry, attached to davits, a life-boat of sufficient capacity to accommodate all persons on board the ship and shall also carry approved inflatable life-rafts or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, all persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (3) Every ship under 35 metres but not under 24 metres in length shall carry a class c boat so stowed that it can be readily transferred to the water on either side of the ship and shall also carry approved inflatable life-rafts or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, not less than one and a half times the number of persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (4) Every ship under 24 metres but not under 12 metres in length plying during 'foul weather season' shall carry a class c boat or approved inflatable life-raft of sufficient capacity to accommodate all persons on board the ship, so stowed that it can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (5) Every ship under 24 metres but not under 12 metres in length plying during 'fair weather season' shall carry a class c boat or approved inflatable life-raft or approved buoyant apparatus of sufficient aggregate capacity to accommodate or support, as the case may be, all persons on board and so stowed that they can be readily transferred to the water on either side of the ship.
- (6) (a) Every ship of 30 metres or more in length shall carry at least four approved life-buoys and every ship under 30 metres in length shall carry at least two approved life buoys.
- (b) At least one of the life-buoys required to be carried shall be fitted with a self-igniting light which is capable of remaining un-extinguished in water.
- (7) Nothing in this rule shall apply to dug-out canoes of any length provided that such canoes are provided with a life line backtected at quarter lengths on each side from forward and aft and do not engage in fishing during the "foul weather season".
- (8) For the purpose of this rule—
- (i) "fair weather season" means—
- (a) in the Arabian Sea, the season from the 1st day of September to the 31st day of May; and
- (b) in the Bay of Bengal, the season from the 1st day of December to the 30th day of April;
- (ii) "foul weather season" means—
- (a) in the Arabian Sea, the season from the 1st day of June to the 31st day of August; and
- (b) in the Bay of Bengal, the season from the 1st day of May to the 30th day of November.
- (9) Every ship shall carry—
- (a) a life-jacket complying with the requirements of Part I of the Tenth Schedule for every person on board; and
- (b) a life jacket complying with the requirements of Part II of the Tenth Schedule for every child the ship carries.
12. General requirements for lifeboats.—All lifeboats carried on board ships in pursuance of these rules shall comply with the requirements specified in the Second Schedule.
13. Carrying capacity of lifeboats.—(1) (a) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3), (4) and (5), the number of persons a lifeboat shall be deemed fit to accommodate shall be equal to the greatest whole number obtained by the formula ' V/X ' where " V " is the cubic capacity of the lifeboat in cubic metres determined in accordance with the provisions of the Third Schedule and X is the volume in cubic metres for each person which shall be 0.283 for a lifeboat 7.3 metres in length or over and 0.396 in the case of lifeboats of 4.9 metres in length.
- (b) For intermediate lengths of lifeboats, the value of X shall be determined by interpolation.
- (2) The number of persons which a lifeboat is deemed fit to accommodate shall not exceed the number of adult persons wearing life jackets for which there is proper seating accommodation arranged in such a way that the persons when seated do not interfere in any way with the use of oars or the operation of other propulsion equipment.
- (3) No lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 150 persons.
- (4) No lifeboat other than a motor lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 100 persons.
- (5) No lifeboat other than a motor lifeboat or a mechanically propelled lifeboat shall be deemed fit to accommodate more than 60 persons.
14. Motor lifeboats.—Every motor lifeboat in addition to complying with the requirements of the Third Schedule, shall also comply with the following requirements, namely :—
- (a) it shall be fitted with a compression ignition engine and such engine and its accessories shall comply with the requirements of the Fourth Schedule and shall be so maintained as to be ready for use at all times;
- (b) it shall be provided with sufficient fuel for 24 hours continuous operation at the speed specified in clause (d) for clause (e).
- (c) it shall be capable of going astern;
- (d) if it is a motor lifeboat provided in accordance with sub-rule (4) of rule 4, sub-rule (5) of rule 5, sub-rule (4) of rule 6 or sub-rule (9) of rule 9 it shall be capable of going ahead in smooth water when loaded with its full complement of persons and equipment at a speed of 6 knots;
- (e) if it is a motor lifeboat provided in accordance with any other rule excepting rules referred to in clause (d), it shall be capable of going ahead in smooth water with its full complement of persons and equipment at a speed of 4 knots.
15. Mechanically propelled lifeboats.—Mechanically propelled lifeboats, in addition to complying with the requirements of the Second Schedule, shall be fitted with machinery which shall comply with the requirements of the Fifth Schedule.
16. Class c boats.—Class c boat shall comply with the requirements of the sixth Schedule.
17. Life-rafts.—(1) Life-rafts shall comply with the requirements of either Part I or Part II of the Seventh Schedule.

(2) Life-rafts complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule shall be surveyed at a servicing station approved by the Central Government at intervals of not more than 12 months :

Provided that if the Central Government is satisfied that it is impracticable to survey such life-raft at an interval of 12 months it may permit that interval to be extended by not more than 3 months.

18. Buoyant apparatus.—(1) Buoyant apparatus shall comply with the requirements of the Eighth Schedule.

(2) The number of persons which a buoyant apparatus shall be deemed fit to support shall be equal to—

(a) the greatest whole number obtained by dividing by 14.5 the number of Kgs. of iron which the apparatus is capable of supporting from its grab lines in fresh water; or

(b) the greatest whole number obtained by dividing its perimeter in centimetres by 30.5;

whichever is less.

19. Marking of lifeboats, class c boats, life-rafts and buoyant apparatus.—(1) (a) The dimensions of a lifeboat or a class c boat and the number of persons which it is deemed fit to accommodate shall be clearly marked on it in permanent characters.

(b) The name and port of registry of the ship to which the lifeboat or the class c boat belongs shall be painted on each side of the bow of each such lifeboat or class c boat.

(2) (a) The number of persons which a life-raft complying with the requirements of Part I of the Seventh Schedule is deemed fit to accommodate shall be clearly marked in permanent character on the life-raft and on the valise or other container in which the life-raft is contained when not in use.

(b) Every such life-raft shall also bear a serial number and the manufacturer's name and the year of manufacture.

(3) Every life-raft which complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule shall be marked with the name and port of registry of the ship in which it is carried and with the number of persons it is fit to accommodate.

(4) The number of persons a buoyant apparatus is fit to support shall be clearly marked on it in permanent character.

20. Life-buoys.—Life-buoys shall comply with requirements of the Ninth Schedule.

21. Life-buoy lights, smoke signals and lines.—(1) Life-buoys carried in accordance with these rules shall have attached to them self-igniting lights on the scales specified in sub-rule (11) of rule 4, sub-rule (14) of rule 5, sub-rule (10) of rule 6, sub-rule (14) of rule 7, sub-rule (9) of rule 8 and sub-rule (6) of rule 11.

(2) (a) The self-igniting lights shall be capable of remaining in water without getting extinguished.

(b) They shall be capable of burning for not less than 45 minutes and shall have a luminosity of not less than 3.5 lumens.

(3) The self-igniting lights attached to life-buoys carried in tankers shall be of an electric battery type.

(4) (a) In every ship not being a ship of Class VIII of less than 21.5 metres in length one life-buoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 27.5 metres in length.

(b) In every ship of Class VIII of less than 21.5 metres in length one life-buoy on each side of the ship shall have attached to it a buoyant line of at least 18 metres in length.

(c) The life-buoy having lines attached to them in compliance with this sub-rule shall not have self-igniting lights attached to them.

(5) In every ship, other than a ship of class VIII, not less than two of the life-buoy provided with self-igniting lights in accordance with the provision of sub-rule (1) shall be provided with a self-activating smoke signal capable of producing smoke of a highly visible colour for at least 15 minutes.

(6) (a) The life-buoys provided with self-igniting lights and self-activating smoke signals in accordance with these rules shall be carried on each side of navigating bridge if any, and so fitted as to be capable of quick release.

(b) Each of the life-buoys referred to in clause (a) and any other lifebuoy in position where the release of self-igniting light depends upon the weight of such lifebuoy shall weight not less than 4.3 Kgs.

22. Line throwing appliances.—Every line throwing appliance shall comply with the requirements of the Eleventh Schedule.

23. Equipment for lifeboats and C boats.—(1) Subject to the provisions of sub-rules (2), (3) and (4), the equipment of every life boat shall be as follows :

(a) a single banked complement of buoyant oars, two spare buoyant oars, and a buoyant steering oar; one set and a half of crutches attached to the life-boat by lanyard or chain, a boathook;

(b) Two plugs for each plug hole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the life-boat by lanyards or chains; a bailer and two buckets;

(c) a rudder attached to the lifeboat and a tiller;

(d) a life line becket round the outside of the lifeboat, means to enable persons to cling to the lifeboat if upturned in the form of bilge keels or keel rails, together with grab lines secured from gunwale under the keel;

(e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;

(f) two hatchets, one at each end of the lifeboat;

(g) a lamp with oil sufficient for 12 hours;

(h) a watertight box containing two boxes of matches not readily extinguished by wind;

(i) a mast or masts with galvanized wire stays together with orange coloured sails which shall be marked for identification purposes with the first and last letter of the name of the ship to which the lifeboat belongs;

(j) a compass in binnacle complying with the requirements of Part I of the Twelfth Schedule;

(k) a Sea anchor complying with the requirements of Part II of the Twelfth Schedule;

(l) two painters of sufficient length and size. One shall be secured to the forward end of the lifeboat with strop and toggle so that it can be released and the other shall be firmly secured to the stern of the lifeboat and be ready for use;

(m) a vessel containing 4.5 litres of vegetable, fish or animal oil. A means shall be provided enabling easy distribution of oil on water and it shall be so arranged that it can be attached to the sea anchor.

(n) four parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of the Twelfth Schedule; and six handheld distress flare signals complying with the provisions of Part IV of the Twelfth schedule;

(o) two buoyant smoke signals complying with the requirements of Part V of the Twelfth Schedule;

- (p) a first aid outfit complying with the requirements of Part VI of the Twelfth Schedule;
- (q) a waterproof electric torch suitable for Morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container;
- (r) a day light signalling mirror;
- (s) a jack knife fitted with a tin-opener to be kept attached to the lifeboat with the lanyard;
- (t) two light buoyant heaving lines;
- (u) a manual pump complying with the requirements of Part VIII of the Twelfth Schedule;
- (v) a whistle;
- (w) a fishing line and six hooks;
- (x) a cover of a highly visible colour capable of protecting the occupants against injury by exposure;
- (y) a copy of the Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the International Convention on Safety of Life at Sea 1960;
- (z) means to enable persons in the water to climb into the lifeboat.

(2)(a) No motor lifeboat or mechanically propelled lifeboat shall be required to carry a mast or sails, nor more than half the complement of oars.

(b) Every such lifeboat shall carry two boat hooks.

(3) (a) Every motor lifeboat shall carry at least two portable fire extinguishers capable of discharging foam or other substance suitable for extinguishing oil fires, a receptacle containing a sufficient quantity of sand and a scoop for distributing the sand.

(b) Such portable fire extinguishers shall be of a type complying with the requirements of Merchant Shipping (Fire Appliances) Rules, 1969 except that the capacity of each extinguishers shall not be required to exceed 4.5 litres of fluid or its equivalent.

(4) Every class c boat carried in ships of classes VI, VII and VIII shall be equipped as follows :—

- (a) a single complement of buoyant oars and one spare buoyant oar provided that there shall never be less than three oars; one set of crutches attached to the boat by lanyard or chain; a boathook;
- (b) two plugs for each plughole (except where proper automatic valves are fitted) attached to the boat by lanyard or chain; a bailer and a bucket;
- (c) a rudder attached to the boat and a tiller;
- (d) a life line becketted round the outside of the boat;
- (e) a locker, conspicuously marked as such, suitable for the stowage of small items of equipment;
- (f) a painter of sufficient length and size secured to the forward end of the boat with strop and toggle so that it can be released;
- (g) means to enable persons to cling to the boat if upturned in the form of bilge keels or keel rails;
- (h) a waterproof electric torch suitable for Morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a waterproof container; and
- (i) two light buoyant heaving lines.

24. Rations for lifeboats.—(1) Every lifeboats shall be provided with at least the rations specified in the following scale for each person it is deemed fit to accommodate;

- (a) 450 grams of biscuits;
- (b) 450 grams of barley sugar; and
- (c) 450 grams of sweetened condensed milk of first quality :

Provided that this rule shall not apply to any lifeboat carried in ships of classes V and VIII which do not proceed outside Home-Trade Limits.

(2) All the foodstuffs specified in sub-rule (1) shall be packed in suitable water tight containers and labelled to indicate the contents.

(3) (a) Every lifeboat carried in ships of classes I to VIII (both inclusive) shall be provided with at least 3 litres of fresh water for each of the number of persons it is deemed fit to accommodate or at least two litres of fresh water for each such person together with a desalting apparatus capable of providing atleast one litre of drinking water for each such persons and in either case the total quantity of water shall be increased as far as practicable.

(b) Every class c boat carried in ships of classes referred to in clause (a) shall be provided with adequate quantity of water.

(4) The water shall be kept in the lifeboat in suitable containers and every container shall be provided with at least one dipper which shall be attached to such containers by a lanyard, and three rust proof drinking vessels graduated in 25, 50 and 100 millilitres:

Provided that a container of not more than two litres capacity shall not be required to be provided with a dipper.

(5) The water in containers referred to in sub-rule (4) shall be frequently changed so as to ensure that it is always clean and fit for drinking.

25. Special equipment for certain motor lifeboats.—(1) In every ship of classes I and III, the motor lifeboats which are carried in compliance with clause (a) of sub-rule (5) of rule 4 or clause (a) of sub-rule (5) of rule (6) shall be provided with the following equipment, namely:—

- (a) a radio equipment which shall comply with the Geneva Radio Regulations, 1959 and in addition, the following provisions shall apply thereto:—
 - (i) shall be installed in a cabin large enough to accommodate both the apparatus and the person using it;
 - (ii) the arrangement shall be such that the efficient operation of the transmitter and receiver shall not be impaired through interference from the engine of the motor lifeboat whether a battery is on charge or not; and
 - (iii) the radio battery shall not be used to supply power to any engine starting motor or ignition system.
- (b) a dynamo fitted to the engine of the motor life-boat and capable of recharging all batteries in the life boat.

(2) (a) A search light carried in pursuance of these rules shall include a lamp of at least 80 watts, an efficient reflector and a source of power which will give effective illumination of a light coloured object having a width of about 18 metres at a distance of 183 metres for a total period of six hours.

(b) The search light shall be capable of working for at least 3 hours continuously.

26. Security of equipment and rations in lifeboats and class c boats.—(1) (a) All items of equipment provided in a lifeboat, class c boat or other boat, with the exception of a boat hook which shall be kept free for fending off purposes, shall be suitably secured within the lifeboat or boat.

(b) Any lashing shall be carried out in such a manner as to ensure the security of the equipment and so as not to interfere with the lifting hooks, if fitted, or to prevent ready embarkation.

(c) All items of such equipment shall be as small and as light in weight as possible and shall be packed in suitable and compact form.

(2) All the rations provided in a lifeboat shall be stowed in watertight tanks which shall be firmly secured to the lifeboat.

(3) The tanks for the food and water rations shall be conspicuously marked 'Food' or 'Water' whichever is appropriate.

2 Equipment and rations for life rafts—(1) subject to the provisions of sub-rules (2) and (3), the equipment and rations provided in every life raft shall be as follows—

- (a) one buoyant rescue quoit attached to at least 31 metres of buoyant line,
- (b) (i) for life rafts which are fit for accomodating not more than 12 persons—
one safety knife and one bailer,
- (ii) for life rafts which are fit for accommodating 13 persons or more—
two safety knives and two bailers
- (c) two sponges,
- (d) two sea anchors, one permanently attached to the life rafts and one spare with line,
- (e) two paddles,
- (f) one repair outfit capable of repairing punctures in buoyancy compartments unless the life-raft complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule,
- (g) one topping up pump or bellows, unless the life-raft complies with the requirements of Part II of the Seventh Schedule,
- (h) three safety tin openers,
- (i) a first aid outfit complying with the requirements of Part VIII of the Twelfth Schedule,
- (j) one rust proof drinking vessel graduated in 25.50 and 1000 millilitres,
- (k) one water proof electric torch suitable for morse signalling together with one spare set of batteries and one spare bulb in a water proof container,
- (l) one day light signalling mirror and one signalling whistle,
- (m) two parachute distress rocket signals complying with the requirements of Part III of Twelfth Schedule;
- (n) six hand held distress flare signals complying with the requirements of Part IV of the Twelfth Schedule,
- (o) one fishing line and six hooks,
- (p) 340 grams of suitable non-thirst provoking food providing at least 2200 calories per 450 grams weight and 170 grams of barley sugar or other equally suitable sweets for each person the life raft is deemed fit to accommodate,
- (q) watertight receptacles containing one and a half litres of fresh water for each person the life-raft is deemed fit to accommodate of which 1/2 litre per person may be replaced by a suitable de-salting apparatus capable of producing an equal amount of fresh water,
- (r) six anti-seasickness tablets for each person which the life raft is deemed fit to accommodate,
- (s) instructions printed in the English and Hindi languages on how to survive in the life-raft,
- (t) one copy of Rescue Signal Table as required under Regulation 16 of Part V of the International Convention on Safety of Life at Sea, 1960

(2) In ships of Classes II and IV—(i) One or more life rafts not being less than one sixth of the total number of life-rafts carried in any such ship, may be provided with the equipment specified in clauses (a) to (g) (both inclusive) (k), (s) and (t) of sub-rule (1) and with one half of the equipment specified in clauses (m) and (n) of that sub-rule

(ii) Life-rafts other than those equipped in accordance with clause (i), shall be provided with equipment specified in clause (a) to (g) (both inclusive) and (s) and (f) of sub-rule (1)

(iii) In ships of classes V VII and VIII life rafts shall be provided with the equipment specified in clauses (a), (b), (c), (e), (f), (g), (i), (m), (n), (q), (r), (s), and (t), of sub rule (1) of this rule together with sea anchor which shall be permanently attached to the life-raft

28 General provisions relating to the stowage and handling of life-saving appliances—(1) The arrangements for each life-boat, class c boat or other boat, life-raft and article of buoyant apparatus shall be such that it will not interfere with the operation of other life saving appliances or impede in any way their prompt handling or the marshalling of persons at the launching station or their embarkation

(2) Lifeboats, class c boats or other boats, life-rafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can all be launched safely in the shortest possible time and the overall launching period shall not exceed 30 minutes in the case of ships of classes I, II and VI which carry life-rafts under launching appliances

29 Stowage and handling of life boats, class c boats and other boat—(1) Subject to the provisions of sub rules (2), (3) and (4), every lifeboat attached to a set of davits, other than a lifeboat which is carried as an alternative to a class c boat or other boat, shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way it can be put into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules except that in ships of under 45.7 metres in length of class VII such lifeboats may be so arranged that in the aforesaid conditions they can be put into water when loaded with their required equipment and a launching crew of atleast two persons

(2) Any lifeboat which is carried as an alternative to a class c boat or other boat and any class c boat or other boat which is attached to a davit or of set of davits other than a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons, it can be put into the water on either side of the ship when the ship is upright or from the side of the list when the ship is listed to 15 degrees towards that side

(3) Every lifeboat, class c boat or other boat attached to a mechanically controlled single arm davit shall be so arranged that when loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons it can be put into the water on one side of the ship when the ship is upright or is listed upto 15 degrees towards that side, except that in the case of fishing vessels which carry lifeboats in compliance with sub-rule (3) of rule 11, the lifeboat shall be so arranged that when loaded with its required equipment and a launching crew of two persons it can be put into water from either side of the ship, or, if the ship has a list, from the side to which the ship is listed

(4) Every lifeboat or class c boat carried in compliance with clause (b) of sub-rule (5) of rule 9 and sub-rule (10) of rule 9, if not attached to a davit or a set of davits, shall be attached to a device which shall be provided primarily for the purpose of launching the boat and which shall be capable of putting the boat into the water from one side of the ship when it is loaded with its equipment required by these rules and a launching crew of two persons, and when the ship is upright or listed upto 15 degree such device shall be capable of putting the lifeboat or class c boat into the water from the side of the ship towards which it is listed.

(5) Not more than one lifeboat, class c boat or other boat shall be attached to any set of davits, davit or other means of launching

(6) Life boats may only be stowed on more than one deck provided that proper measures are taken to prevent lifeboats on a lower deck being fouled by those stowed on a deck above.

(7) Life boats shall not be placed in the bows of a ship and they shall be situated in such a position as to ensure safe launching having particular regard to clearance from the propeller and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as practicable, that they can be launched down the straight side of the ship.

(8) Davits shall be suitably placed in the ship.

(9) Davits, winches, falls, blocks and other launching gear provided in accordance with these rules shall comply with the requirements of the Thirteenth Schedule.

10(a) All life boats, class c boats or other boats attached to davits shall be served by wire rope falls and winches in the following cases:—

- (i) when they are attached to gravity davits; or
- (ii) when they are attached to mechanically controlled single arm davits; or
- (iii) when they are fitted to any ship of classes I, II, III, IV, V and to ships of Class VIII under sub-rule (2) of rule 11 or
- (iv) when they are fitted to any ship of classes VI and VII in compliance with sub-rule (2) of rule 9 or clause (a) of sub-rule (5) of rule 9;
- (v) when the weight of the attached life boat, class c boat or other boat in the lowering condition exceeds 2300 kilograms:

Provided that the Central Government may permit other types of falls to be fitted with or without winches in cases of lifeboats other than emergency lifeboats where it is satisfied that such falls are adequate.

(b) In every ship in which lifeboats, class c boats or other boats are served by wire rope falls, winches shall be provided for handling such falls.

(c) Emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, and sub-rule (3) of rule 6 and sub-rule (4) of rule 7 shall be served by winches which are capable of recovering them at a speed of not less than 18 metres per minute when the lifeboat is loaded with its equipment required by these rules and a distributed load equal to 1016 kgs.

(11) Efficient hand gear shall be provided for the recovery of all life boats, class c boats or other boats which are served by winches.

(12) Where davits are recovered by action of the falls by power, safety devices shall be fitted which will automatically cut-off the power when the davits are atleast 10 centimetres away from the steps to ensure that the wire rope falls or davits are not over-stressed.

(13) Unless expressly provided otherwise in these rules, to facilitate the launching of lifeboats against a list of 15 degrees, skates or other suitable means shall be provided for any lifeboat stowed under davits which are of such strength that the lifeboat can be lowered with its full complement of persons and its equipment required by these rules.

(14) Means shall be provided for bringing the lifeboats, which are required to be capable of being lowered in the fully loaded condition against the ship's side for holding them there for the safe embarkation of persons.

(15) (a) In any ship other than a ship in which the life boat, class c boat or other boat is attached to a mechanically controlled single arm davit, the davits shall be fitted with a wire rope span so positioned that when the boat is in the lowering position, the span is as near as practicable over the centre line of the boat.

(b) Such a wire rope span shall be fitted with at least two life lines which shall be long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degrees either way.

(16)(a) Lifeboats, class c boats and other boats attached to davits shall have the falls ready for service and such falls shall be at least long enough to reach the water with the ship at its highest seagoing draught and listed to 15 degrees either way.

(b) Means shall be provided for detaching the lifeboats, class c boats or the other boats from the falls.

(c) Lower fall blocks shall be fitted with a suitable ring or a long link for attaching to the sling hooks, unless disengaging gear complying with the requirements of the Fourteenth Schedule is fitted.

(d) The points of attachment of the lifeboats, class c boats and other boats to the falls shall be at such height above the gunwale as to ensure stability when lowering the lifeboats, class c boats or other boats.

(17)(a) Every emergency lifeboat carried in compliance with sub-rule (3) of rule 4, sub-rule (4) of rule 5, sub-rule (3) of rule 6, and sub-rule (4) of rule 7 shall be provided with means for facilitating the attachment of the lower fall blocks to the lifting arrangements of the boat when the boat is recovered from the sea in adverse weather conditions.

(b) For this purpose a pendant of adequate strength and suitable length shall be provided for each davit, and one end of the pendant shall be attached to lower fall block and other end to the lifting arrangement on the boat.

(c) In addition, means shall also be provided for hanging off the boat after hoisting to enable the lower fall block to be attached directly to the lifting hook.

(18) In any ship, when a lifeboat is attached to any set of davits, davit or other means of launching not of sufficient strength for safe lowering of the boat into the water when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules under conditions of trim or of list specified in these rules for the class of such ship, or when any class c boat or other boat is attached to any set of davits or davit or other means of launching which are not of sufficient strength for safe lowering of such class c boat or other boat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules, each such set of davits, davit or other means of launching shall be conspicuously marked with a red band 15.25 centimetres wide painted on a white background.

30. Stowage and handling of life-rafts, buoyant apparatus and life-buoys.—(1) Life-rafts and buoyant apparatus shall be so stowed that they can be put into water safely even under unfavourable conditions of trim and upto 15 degrees of list either way.

(2)(a) In every ship of classes I and II which carries life-rafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 4, or item (c) of proviso to sub-rule (8) of rule 5, launching appliances complying with the requirements of the Fifteenth Schedule shall be provided for such life-rafts

(b) In every ship of class III which carries life-rafts in accordance with clause (b) of sub-rule (2) of rule 6, there shall be provided launching appliances complying with the requirements of the Fifteenth Schedule, in such number as the Central Government may consider sufficient, which shall, as far as practicable, be distributed equally on each side of the ship :

Provided that there shall never be less than one such appliance on each side of the ship.

(c) Every life-raft launching appliance shall be so arranged that even under unfavourable conditions of trim and of list upto 15 degrees either way, each life-raft which is designed for use with such an appliance can be launched when loaded with its full complement of persons and equipment.

(d) Life-rafts for which launching appliance are provided and such launching appliances, shall not be placed in the bows of the ship and shall be so placed as to ensure safe

launching having particular regard to clearance from the propeller, and steeply over-hanging portions of the hull aft, and to ensure, so far as practicable that they can be launched down the straight side of the ship

(e) Means shall be provided for bringing life-rafts for which launching appliances are provided against the ship's side and for holding them there for the safe embarkation of persons.

(3) Life-buoys shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and in such a way that they can be rapidly cast loose.

(4) Life jackets shall be so stowed as to be readily accessible to all persons on board and their position shall be clearly and permanently indicated.

31 Embarkation into lifeboats, class c boats, other boats and life-rafts—(1) Arrangements shall be made to ensure that it is possible to effect embarkation into the lifeboats, class c boats, other boats and life-rafts rapidly and in good order.

(2) In every ship arrangements shall be made for warning the passengers and crew when the ship is about to be abandoned.

(3)(a) (i) In ships of classes VI, VII and VIII when the length of the ship exceeds 45 metres, one ladder shall be carried at each set of lifeboat davits where the davits are capable of lowering the lifeboat when loaded with its full complement of persons and equipment required by these rules.

(ii) Such provision shall also be made in ships of classes I, II, III, IV and V except that in such ships the Central Government may permit such ladders to be replaced by suitable mechanical devices provided that there shall not be less than one ladder on each side of every such ship

(b) In ships of classes VI, VII and VIII which carry a class c boat or a life boat which is not capable of being lowered into the water when loaded with its full complement of persons and its equipment required by these rules, suitable means shall be provided for embarking persons into the boat

(c) In ships of classes I, II, III, IV and V and in ships of classes VI, VII and VIII of 500 tons gross or over, sufficient ladders shall be provided to facilitate embarkation into the life-rafts when water borne except that in such ships the Central Government may permit replacement of some or all such ladders by suitable mechanical devices

(d) The ladders provided in compliance with the provisions of this sub-rule shall be of sufficient length to reach the water line with the ship at its lightest draught and listed to 15 degrees either way

(4) Every ship shall be provided with means situated outside the engine room where by any discharge of water into the life-boats or into life rafts at fixed launching positions, including those under launching appliances, can be prevented

32 Manning of life-boats and life-rafts—(1) ships of classes I, II, III, IV and V a deck officer or a certificated life-boatman shall be placed in charge of each lifeboat and a second-in-command shall also be nominated. The person in-charge shall have a list of the lifeboats crew and shall see that the persons placed under his orders are acquainted with their several duties

(2) In ships of Classes I and III a person trained in the handling and operation of life-rafts shall be assigned to each life-raft

(3)(a) In ships of class II carrying life rafts served by launching appliances, two persons trained in the handling and operation of life rafts shall be assigned to each launching appliance

(b) In ships of classes III, IV and V carrying life-rafts not served by launching appliances which are stowed in groups at fixed launching position a person trained in the handling and operation of life-rafts shall be assigned to each such position

(4) In ships of classes I, II, III, IV and V a person capable of working the radio equipment and search light equipment shall be assigned to each lifeboat carrying such equipment

(5) In every ship in which motor lifeboats are carried a person capable of working the motor shall be assigned to each motor lifeboat

33 Certificated lifeboatman—(1) The crew of every ship of classes I, II, III, IV and V shall include for each lifeboat carried in compliance with these rules, a number of certificated lifeboatmen not less than that specified in the following Table

Prescribed complement of a lifeboat	Minimum number of certificated life-boatmen required
less than 41 persons	2
41 persons and more but less than 62	3
62 persons and more but less than 86 persons	4
86 persons and more	5

(2) In this rule 'prescribed complement' means the number of persons which the lifeboat is deemed fit to accommodate under these rules

34 Portable radio equipment—(1) The portable radio equipment required to be carried in compliance with sub rule (6) of rule 4 sub-rule (11) of rule 5, sub-rule (6) of rule 6, sub-rule (12) of rule 7, and sub-rule (8) of rule 8 and sub rule (10) of rule 9 shall comply with such of the requirements of the Geneva Radio Regulations, 1959 as apply thereto and shall be kept in a suitable place ready to be moved into a lifeboat or a life-raft in case of emergency

(2) In ships where the disposition of superstructures or deck houses is such as to involve substantial fore and aft separation of the main transmitter and lifeboats such equipment shall be kept in the vicinity of these lifeboats or life-rafts which are farthest away from the main transmitter

35 Electrically operated signals—Every ship of Classes I, II, III and IV shall be provided throughout the ship with electrically operated signals controlled from the bridge for summoning passengers to muster stations

36 Electric lighting—(1)(a) In every ship of classes I, II, III, IV and V an electric lighting system shall be provided throughout the ship and in particular upon the decks from which lifeboats and life-rafts are embarked

(b) Provision shall also be made in every such ship for the electric lighting of the launching gear and of the life-boat and of the life raft launching appliances, where provided and the life rafts which they serve during the preparation for and process of launching and also for illuminating the water into which the lifeboats and life-rafts served by launching appliances are launched until the process of launching is completed and for lighting the stowage position of life rafts for which launching appliances are not provided

(c) The lighting shall be operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ships under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships

(2) In every ship of Classes I, II, III, IV and V the exist from every main compartment occupied by passengers or crew shall be continuously lighted by an emergency electric lamp, operated from the ship's main generating plant and shall be so arranged that power may be supplied from the emergency source of power required to be provided for on such ship under the rules made under section 284 of the Act relating to the construction of passenger ships

(3)(a) In every ship of Classes VI and VII of 500 tons gross or over provision shall be made for the electric lighting of the launching gear and of the lifeboats and of the life-rafts which they serve, during the preparation for the process of launching and also for lighting the water into which the life-boats and the life-rafts served by launching appliance are launched until the process of launching is completed, and for the lighting of the stowage position of life-rafts for which launching appliances are not provided.

(b) In every ship of Classes VI and VII of 1600 tons gross or over, provision shall be made for the electric lighting of the alleyways, stairways and exists so as to ensure that access of all persons on board to the launching stations and stowage positions of lifeboats and life-rafts is not impeded.

(c) The lighting required under clauses (a) and (b) shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated—

(i) in every such ship of 5000 tons gross or over, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 7 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(ii) in every ship of over 1600 tons gross but under 5000 tons gross, from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 8 of the Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules, 1974, in the case of ships to which those rules apply.

(d) In every ship of 500 tons gross or over but of under 1600 tons gross, the lighting required under clause (a) of this sub-rule shall be operated from the ship's main electric generating plant and, in addition, shall be capable of being operated from an emergency source of electric power provided for such lighting in such ships or under sub-rule (1) of rule 9 of Merchant Shipping (Cargo Ship Construction and Survey) Rules 1974, in the case of ship to which those rules apply, or if the Central Government so permit, from the reserve source of electrical energy provided for on such ships under the Geneva Radio Regulations, 1959, subject to the condition that lighting circuits can be readily disconnected and the said reserve source is capable of supplying the additional load or loads without falling below the capacity required under those rules.

(4) In every ship of classes VI and VII to which sub-rule (3) does not apply, and in every ship of class VIII means shall be provided for the electric lighting of the launching gear and lifeboats or boats during the preparation for and the process of launching and also for the lighting of the stowage position of the life-rafts.

37. Ship's distress signals.—(1) Every ship except ships of Class VIII which are less than 24 metres in length shall carry not less than twelve parachute distress rocket signals complying with the requirements of the Sixteenth Schedule.

(2) Ships of class VIII other than ships above 24 metres in length shall carry not less than six red star distress signals which shall comply with sub-rule (3).

(3) Any red star signal required under this rule shall be capable of emitting two or more red stars either together or separately at or to a height of not less than 45.7 metres and each of these stars shall burn with a minimum luminosity of 500 candle power for not less than 5 seconds.

(4) All pyrotechnic distress signals shall be packed in a watertight container and shall be clearly and indelibly labelled to indicate their purpose.

38. Equipments and exemptions.—(1) Where these rules require that a particular fitting, material, appliance or apparatus, or type thereof, shall be fitted or carried in a ship, or that any particular provisions shall be made, the Central Government may permit any other fitting material, appliance or apparatus or type thereof to be fitted or carried or any other provision to be made in a ship, if it is satisfied by trial thereof that such other fitting, material appliance, or apparatus, or type thereof or provision, is at least as effective as that required by these rules.

(2) If it appears to the Central Government on the application of the owner of any ship, that it is not practicable or reasonable to fit in that ship the number of sets of davits required by these rules, the Central Government may permit one or more sets of davits to be dispersed with in that ship subject to such conditions, if any, as it may think fit to impose:

Provided that in the case of ships of Classes II and IV the number of sets of davits fitted shall, subject to the provisions of sub-rules (2) and (8) of rule 5 and sub-rule (2) of rule 7, in no case less than the minimum number determined by column B of the Table set out in the First Schedule.

(3) If a ship of Class I or Class III is permitted to carry between specified ports or places abroad a number of passengers in addition to the number allowed when the ship proceeded to sea from a port or place in India, the Central Government may, subject to such conditions as it may think fit to impose, permit as regards the part of the voyage between such specified ports or places and modifications of the provisions of sub-rules (2) and (10) of rule 4 and sub-rule (2) and (9) of rule 6 as may be specified by it:

Provided that where such modifications are permitted the total number of lifeboats together with such life-rafts as are carried shall be always sufficient for the total number of persons which the ship is certified to carry and, in addition, life-rafts shall be carried sufficiently to support ten percent of that number of persons.

(4) The Central Government may exempt any ship not normally engaged on international voyages but which, in exceptional circumstances, is required to undertake a single international voyage, from any of the requirements of these rules:

Provided that no such exemption shall be granted unless such a ship complies with the safety requirements, which in the opinion of the Central Government are adequate for the voyage which is to be undertaken by the ship.

(5) If it is impracticable or unreasonable for a ship to carry a lifeboat or boat of the minimum length prescribed under these rules, the Central Government may permit a smaller lifeboat or boat to be carried in that ship.

(6) The Central Government may either absolutely or subject to such conditions as it may think fit, exempt any ship the keel of which was laid prior to 26th day of May 1965, from the application of any requirements of these rules if it is satisfied that the compliance with the requirement is either impracticable or unreasonable in the case of such ship.

FIRST SCHEDULE

[See rules 5(2) (3), 8 (c) and (d) 7 (2) and (3), 8 (2) and 38 (2)]

Table showing the minimum number of sets of davits and minimum cubic capacity of Life boats to be provided in ships of classes II, IV & V

Registered length of ship in metres.	Minimum number of sets of davits	Smaller number of sets of davits	Minimum capacity of life-boats in authorised cubic metres exceptionally
Metres	Nos.	Nos.	Cubic metres.
	A	B	C
Upto 37 metres	2	2	11
37 metres and over but less than 43 metres	2	2	18
43 .. 49 ..	2	2	26
49 .. 53 ..	3	3	33
53 .. 58 ..	3	3	38
58 .. 63 ..	4	4	44

		A	B	C
63	.. 67	4	4	50
67	.. 70	5	4	52
70	.. 75	5	4	61
75	.. 78	6	5	68
78	.. 82	6	5	76
82	.. 87	7	5	85
87	.. 91	7	5	84
91	.. 96	8	6	102
96	.. 101	8	6	110
101	.. 107	9	7	122
107	.. 113	9	7	135
113	.. 119	10	7	146
119	.. 125	10	7	157
125	.. 133	12	9	171
135 metres and over but less than 140 metres		12	9	185
140	.. 149	14	10	202
149	.. 159	14	10	221
159	.. 169	16	12	238
169	.. 177	16	12	—
177	.. 187	18	13	—
187	.. 196	18	13	—
196	.. 205	20	14	—
205	.. 214	20	14	—
214	.. 223	22	15	—
223	.. 232	22	15	—
232	.. 241	24	17	—
241	.. 251	24	17	—
251	.. 261	26	18	—
261	.. 271	26	18	—
271	.. 283	28	19	—
283	.. 293	28	19	—
293	.. 304	30	20	—
304	.. 345	30	20	—

SECOND SCHEDULE

[See rules 12 & 15]

General requirements for lifeboats

1. Every lifeboat shall be constructed with rigid sides.

2. (a) In any lifeboat fitted with a rigid shelter, the shelter shall be capable of being readily opened from both inside and outside and shall not impede rapid embarkation and disembarkation or the launching and handling of the lifeboat.

2. (b) Such a shelter where fitted may be accepted as complying with the requirements of clause (v) of sub-rule (1) of rule 23.

3. Every lifeboat, except wooden lifeboats made of planks, shall have a block coefficient of the cubic capacity as determined in accordance with the Third Schedule of not less than 0.64.

4. Every lifeboat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway, and sufficient free-board when loaded with its full complement of persons and equipment.

5. Every lifeboat shall be so constructed that it shall be capable of maintaining positive stability when open to the sea and loaded with its full complement of persons and equipment.

6. (a) Every lifeboat shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient

strength to permit its being safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment.

(b) It shall be of such strength that it will not suffer residual deflection if subjected to an overload of at least 25 per cent.

7. No lifeboat shall be less than 4.9 metres in length except that where these rules permit a lifeboat to be carried as an alternative to a Class C boat, the length of such lifeboat shall not be less than that of the Class C boat as determined in accordance with paragraph 3 of the Sixth Schedule.

8. No lifeboat when laden with its full complement of persons and equipment shall weigh more than 20.3 tonnes.

9. In every lifeboat all thwart and side seats shall be fitted as low in the lifeboat as practicable and bottom boards shall be fitted.

10. Every lifeboat shall have a mean sheet at least equal to four per cent of its length and the sheet shall be approximately parabolic in form.

11. Every lifeboat shall be fitted with internal buoyancy appliances which shall consist either of air cases or buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and which shall not adversely affect the boat.

12. In every lifeboat the total volume of the internal buoyancy appliances shall be such that it will be at least equal to the sum of the volumes of:—

(a) that required to float the lifeboat and its full equipment when the lifeboat is flooded and open to the sea so that the top of the gunwale amidships is not submerged;

(b) that equal to ten per cent of the cubic capacity of the lifeboat;

13. In the case of lifeboats which accommodate 100 or more persons, the volume of the buoyancy appliances required by clause (b) of the preceding paragraph 12 of this Schedule shall be increased as follows:—

(a) in lifeboats which accommodate from 100 to 130 persons by an amount determined by interpolating between nil at 100 persons and 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat at 130 persons;

(b) in lifeboats which accommodate over 130 persons by an amount equal to 1.5 per cent of the cubic capacity of the lifeboat.

THIRD SCHEDULE

[See rules 13(1) and 14]

Calculation of cubic capacity of lifeboats

1. Subject to the provisions of paragraph 4 of this Schedule, the cubic capacity of a lifeboat for the purpose of these rules shall be measured in cubic metres and shall be determined by Stirling's (Simpson's) Rule, which may be considered as given by the following formula:—

$$(a) \text{Cubic Capacity} = L/12(4A+2B+2C), \text{ where } L$$

denotes the length of the lifeboat in metres from the inside of the shell at the top of the stem to the corresponding point at the top of the stern post; in the case of a lifeboat with a square stern the length is measured to the inside of the top of the transom; and A, B, C, denote respectively the areas of the cross-sections at the quarter length forward, amidships and the quarter length aft which correspond to the three points obtained by dividing L into four equal parts (the areas corresponding to the two ends of the lifeboat shall be considered negligible).

(b) The areas A, B, C, shall be deemed to be given in square metres by the successive application of the following formula to each of the three cross sections:—

Area = $h/12(a+4b+2c+4d+e)$, where h denotes the depth measured in metres inside the shell from the keel to the level of the gunwale, or, in certain cases, to a lower level as determined hereafter, and a , b , c , d , e , denote the horizontal breadths of the lifeboat measured in metres inside the shell at the upper and lower points of the depth and at the three points obtained by dividing into four equal parts (a and e being the breadths at the extreme points, and c at the middle point of b).

(c) The capacity of a square-sterned lifeboat shall be calculated as if the lifeboat had a pointed stern.

2. If the sheer of the gunwale, measured at the two points situated at the quarter of the length of the lifeboat from the ends, exceeds one per cent of the length of the lifeboat, the depth employed in calculating the area of the cross-section A or C shall be deemed to be depth amidships plus 1 per cent of the length of the lifeboat.

3. If the depth of the lifeboat amidships exceeds fortyfive per cent of the breadth, the depth employed in calculating the area of the amidship cross-section B shall be deemed to be equal to fortyfive per cent of the breadth, and the depth employed in calculating the areas of the quarter length sections A and C is obtained by increasing this last figure by an amount equal to one per cent of the length of the lifeboat;

Provided that in no case shall the depths employed in the calculation exceed the actual depths at these points.

4. Unless the owner of the lifeboat requires the cubic capacity to be determined by exact measurement, the cubic capacity of a lifeboat constructed of wooden planks may be assumed to be the product of the length, the breadth and the depth multiplied by 0.6 if this formula does not give a greater capacity than that obtained by the formula set out in paragraph (1) of this Schedule. The dimensions shall be measured in the following manner:

(a) Length—From the intersection of the outside of the planking with the top of the stem to the corresponding point at the sternpost, or in the case of squaresterned lifeboat, to the after side of the top of the transom;

(b) Breadth—From the outside of the planking at the point where the breadth of the lifeboat is greatest.

(c) Depth—Amidship inside the planking from the keel to the level of the top of the gunwale but the depth used in calculating the cubic capacity may not in any case exceed fortyfive per cent of the breadth.

5. The cubic capacity of a motor lifeboat or a lifeboat fitted with other propelling gear shall be obtained from the gross capacity by deducting a volume equal to that occupied by the motor and its accessories or the gear box of the other propelling gear, and any equipment with which the lifeboat may be provided in compliance with rule 25.

FOURTH SCHEDULE

(See rule 14 (a))

Machinery of motor lifeboats

1. The engine shall be capable of being readily started in cold weather and of running reliably under conditions of extremes of temperature.

2. (a) The engine shall operate properly under conditions of at least 10 degrees trim.

(b) Circulating water pumps where fitted shall be self-priming.

(3) (a) The engine and its accessories, including the fuel tank, pipes and fittings, shall be adequately protected to ensure reliable operation under conditions likely to arise at sea during adverse weather.

(b) The engine casing shall additionally be fire-resisting, and in the case of air-cooled diesel engines shall be so designed that the supply of cooling air is not restricted.

4. Means shall be provided in all lifeboats to prevent the spread of oil, in a wooden lifeboat a metal tray shall be fitted under the engine.

5. (a) The fuel tank shall be substantially constructed securely fixed in position with a metal tray underneath and fitted with suitable filling, vapour venting and relief arrangements.

(b) No part of the tank or its connections or any part of the fuel piping or fittings shall depend on soft solder for tightness, and tanks made of steel shall be protected externally against corrosion by sea water by metal spraying or similar means.

(c) The tank and its connections shall be capable of withstanding hydraulic pressure corresponding to a head of at least 4.5 metres.

(d) A dock shall be fitted at each end of the pipe.

6. The engine and fuel tank spaces shall be efficiently ventilated.

7. The shafting and other moving parts shall be fenced where necessary to protect the persons in the lifeboat from injury.

FIFTH SCHEDULE

(See rule 15)

Machinery of mechanically propelled

LIFEBOATS

1. The propelling gear shall be so arranged that it can be rapidly and easily made ready for service and will not interfere with the rapid embarkation of persons into the lifeboat.

2. If the propelling gear is manually operated it shall be capable of being operated by persons untrained in its use and shall be capable of being operated when the lifeboat is flooded.

3. The propelling gear shall not require adjustment to enable it to be worked by persons of different stature and it shall be effective in propelling the lifeboat partially or fully loaded.

4. (a) The propelling gear shall be substantially constructed and fitted to the lifeboat in an efficient manner.

(b) The metal part of any operating handle shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operators are protected in conditions of extreme cold.

5. The propelling gear shall be of sufficient power to enable the lifeboat when loaded with its equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is fit to carry to be propelled at a speed ahead of at least 3.5 knots in smooth water over a distance of 400 metres.

6. The propelling gear shall be capable of propelling the lifeboat ahead or astern and a device shall be fitted by means of which the helmsman can cause the lifeboat to a stern or ahead at any time when the propelling gear is in operation.

SIXTH SCHEDULE

(See rules 16)

1. Every class C boat shall be an open boat constructed with rigid sides.

2. The boat shall be of such form and proportions that it shall have ample stability in a seaway and sufficient free-board when loaded with the greatest number of persons for whom seating is provided and with its full equipment.

3. The length of the boat shall be at least—
- 4.3 metres for a ship whose length is 12 metres or more but less than 24 metres;
 - 4.9 metres for a ship whose length is 24 metres or more but less than 35 metres;
 - 5.2 metres for a ship whose length is 35 metres or more but less than 44 metres.
 - 5.5 metres for a ship whose length is 44 metres or more.
4. All thwart and side seats in the boat shall be fitted as low in the boat as practicable and bottom boards shall be fitted.
5. The boat shall be square-sterned and shall have a mean sheer at least equal to five per cent of its length.
6. The boat shall be fitted with internal buoyance appliances which shall be so placed as to secure stability when the boat is fully laden under adverse weather conditions.
7. The internal buoyance appliances shall consist either of air cases constructed of copper or muntz metal of not less than 1675 grams to the superficial metre, or of other equal suitable material.
8. The total volume of the internal buoyance appliances in a wooden Class C boat shall be at least equal to seven and one-half per cent of the cubic capacity of the boat which shall be determined in accordance with paragraph 4 of the Third Schedule.
9. The buoyance of a class C boat which is made of any material other than wood shall be not less than that required for a wooden class C boat of the same cubic capacity and the volume of the internal buoyance appliances shall be increased accordingly.
10. The minimum number of persons for whom seating shall be provided shall be equal to the greatest number obtained by multiplying by 2.65 the cubic capacity of the boat in cubic metres.
- SEVENTH SCHEDULE**
- (See rules 2(f) and (n) 17, 19(2) and(3), 27(f) and (g))
- Requirement for life-rafts
- PART I**
- Inflatable life-rafts
1. Subject to the provisions of paragraph 2 of this Part every inflatable life-raft shall comply with the following requirements :—
- the life-raft shall be so constructed that when fully inflated and floating with the cover uppermost, it shall be stable in a seaway;
 - the life-raft shall be so constructed that if it is dropped into the water from a height of 18 metres neither the life-raft nor its equipment will be damaged;
 - (i) the construction of the life-raft shall include a cover of a highly visible colour which shall automatically be set in place when the life-raft is inflated;
 - this cover shall be capable of protecting the occupants against injury from exposure, and means shall be provided for collecting rain;
 - the top of the cover shall be fitted with a lamp which derives its luminosity from a sea-activated cell and a similar lamp shall also be fitted inside the life-raft;
 - (i) the life-raft shall be fitted with a painter and shall have a lifeline becketted round the outside;
 - a lifeline shall also be fitted round the inside of the life-raft;
 - the life-raft shall be capable of being readily righted by one person if it inflates in an inverted position;
 - the life-raft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board;
 - (i) the life-raft shall be contained in a valise or other container so constructed as to be capable of withstanding hard wear under conditions encountered at sea;
 - the life-raft in its valise or other container shall be inherently buoyant;
 - the buoyance of the life-raft shall be so arranged as to ensure by a division into an even number of separate compartments, half of which shall be capable of supporting out of the water the number of persons which the life-raft is fit to accommodate or by some other equally efficient means, that there is a reasonable margin of buoyancy if the raft is damaged or partially fails to inflate;
 - the total weight of the life-raft, its valise or other container and its equipment shall not exceed 180 K. gms.
 - the number of persons which a life-raft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—
 - the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume, measured in cubic decimetres of the main buoyancy tubes (which for this purpose shall include neither the arches nor the thwarts if fitted) when inflated or
 - the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the area, measured in square centimetres of the floor (which for this purpose may include the thwart or thwarts if fitted) of the life-raft when inflated;
 whichever number shall be the less;
 - the floor of the life-raft shall be waterproof and shall be capable of being sufficiently insulted against cold either—
 - by means of one or more compartments which the occupants can inflate if they so desire, or which inflate automatically and can be deflated and re-inflated by the occupants; or
 - by other equally efficient means not dependent on inflation;
 - (i) the life-raft shall be inflated by a gas which is not injurious to the occupants and the inflation shall take place automatically either on the pulling of a line or by some other equally simple and efficient method;
 - means shall be provided whereby a topping-up pump or bellows may be used to maintain pressure;
 - the life-raft shall be of suitable material and construction, and shall be so constructed as to be capable of withstanding exposure for 30 days afloat in all sea conditions;
 - every life-raft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;
 - the life-raft shall have a carrying capacity calculated in accordance with sub-paragraph (j) of this paragraph of not less than six persons or more than twenty five persons;

- (p) the life-raft shall be capable of operating throughout a temperature range of 66 degree C to minus 30 degree C;
- (q) the life-raft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed.
- (r) every life-raft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangements for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.

2. In ships of Classes IV and V and in ships of Class VIII of under 500 tons gross or under 21 metres in length, the requirements of sub-paragraphs (b), (c), (k) (o), (p) and (q) of paragraph 1 of this part may be modified as follows:—

- (a) the height of 18 metres referred to in the said sub-paragraph (b) may be the height equivalent to that of the deck on which the life-rafts is stowed above the ship's light water line, but in no case less than 6 metres;
- (b) means for collecting rain referred to in the said sub-paragraph (c) shall not be required to be provided;
- (c) the method for insulating the floor of the life-raft against cold as referred to in the said sub-paragraph (k) shall not be required to be complied with;
- (d) the minimum carrying capacity of life-rafts required by the said sub-paragraph (o) as six persons may be four persons, provided that life-rafts which are deemed fit to accommodate less than six persons shall only be carried on such ships on which the total number of persons on board is less than six;
- (e) the temperature of minus 30 degree C referred to in the said sub-paragraph (p) may be minus 18 degree C;
- (f) the arrangements for towing referred to in the said sub-paragraph (q) shall not be required to be provided.

PART II

Rigid Life-rafts

Every rigid life-raft shall comply with the following requirements:—

- (a) the life-raft shall be so constructed that if it is dropped into the water from its stowed position neither the life-raft nor its equipment will be damaged;
- (b) any life-raft which is designed for use with a launching appliance shall be properly constructed for the purpose for which it is intended and shall be of sufficient strength to permit it to be safely lowered into the water when loaded with its full complement of persons and equipment;
- (c) the life-raft shall be so constructed that its air cases or buoyant material are placed as near as possible to its sides;
- (d) (i) The deck area of the life-raft shall be situated within that part of the life-raft which affords protection to its occupants,
 (ii) the nature of the deck shall be such as to prevent so far as practicable the ingress of water and it shall effectively support the occupants out of the water;
- (e) the life-raft shall be fitted with a cover of equivalent arrangements of a highly visible colour, which shall be capable of protecting the occupants against injury whichever way up the life-raft is floating;

(f) the equipment of the life-raft shall be so stowed as to be readily available whichever way up the life-raft is floating;

- (g) (i) the total weight of any life-raft and its equipment carried in passenger ships shall not exceed 180 K. gms.
- (ii) life-raft carried in cargo ships may exceed 180 K. gms. in weight if they are capable of being launched from both sides of the ship or if means are provided for putting them into the water mechanically on either side of the ship;
- (h) the life-raft shall, at all times, be effective and stable when floating either way up;
- (i) the number of persons which the life-raft shall be deemed fit to accommodate shall be equal to—
 (i) the greatest whole number obtained by dividing by 96 the volume measured in cubic decimetres of the air cases or of buoyant material; or
 (ii) the greatest whole number obtained by dividing by 3720 the deck area of the life-raft measured in square centimetres;
 whichever number shall be the less.
- (j) (i) the life-raft shall have a painter attached and a lifeline securely belted round the outside;
 (ii) a life shall also be fitted round the inside of the life-raft;
- (k) the life-raft shall be fitted at each opening with efficient means to enable persons in the water to climb on board;
- (l) the life-raft shall be so constructed as not to be effected by oil or oil products;
- (m) a buoyant light of the electric battery type shall be attached to the life-raft by a lanyard;
- (n) the life-raft shall be fitted with arrangements enabling it to be readily towed;
- (o) life-rafts shall be so stowed as to float free in the event of the ship sinking;
- (p) every life-raft carried on a ship which is provided with portable radio equipment shall be provided with arrangements for accommodating properly in the operating position the aerial of such equipment.

EIGHTH SCHEDULE

(See rule 18)

Requirements for buoyant apparatus

1. (i) Buoyant apparatus shall be of such construction that it retains its shape and properties when exposed to the weather on board ship and when in the water;

(ii) It shall be constructed so as not to require adjustment prior to use.

2. Buoyant apparatus shall be capable of withstanding a drop test, the height of which shall be equivalent to that of the deck on which it is stowed above the ship's light water line, but in no case less than the following:—

Apparatus carried in ships of Class I and Class III.....
18 metres

Apparatus carried in ships of Class IV.....
6 metres

3. (i) Buoyant apparatus shall be effective and stable when floating either way up;

(ii) It shall be capable of supporting a weight of iron suspended in fresh water from the grab lines, 23 K. gms per metre of length along any edge (subject to a minimum of 29 K. gms.) without immersing any part of the upper surface of the apparatus.

4. (i) The air cases or equivalent buoyancy shall be placed as near as possible to the sides of the apparatus, and such buoyancy shall not be dependent upon inflation;

(ii) Buoyant material shall not be adversely affected by oil or oil products nor shall it adversely affect the buoyant apparatus.

5. (1) (i) Grab lines shall be fitted all round the apparatus in such a manner as to provide a number of equal loops corresponding to the number of persons which the apparatus is fit to support;

(ii) Each loop shall have a cork or light wood float and the depth of the loop when wet shall not be less than 15 centimetres and not more than 20 centimetres.

2. (i) On apparatus exceeding 30 centimetres in overall depth two rows of grab lines shall be fitted, one having its points of attachment a little below the top of the air cases and the other a little above the bottom of the air cases and as close to the sides of the air cases as is practicable,

(ii) On apparatus of 30 centimetres or less in overall depth one row of grab lines may be attached along the line of the middle of the depth.

(3) (i) The grab lines shall be of rope of not less than 5 centimetres in circumferences;

(ii) They may be attached to the apparatus by being passed through holes in the framing and being interlaced to prevent movement, or they may be attached to the apparatus by means of wrought iron or steel fastenings;

(iii) Whichever method is adopted the attachment shall be strong enough to permit the apparatus being lifted by the grab lines.

6. Buoyant apparatus shall be fitted with a painter.

7. (i) Buoyant apparatus shall not exceed 181 K.gms. in weight unless suitable means are provided to enable it to be launched without lifting by hand,

(ii) If the weight of the apparatus exceeds 136 K.gms. suitable handles or rungs shall be fitted for this purpose.

8. Buoyant apparatus carried in ships of Class I shall not be less than 106 centimetres in breadth.

NINTH SCHEDULE

(See rule 20)

REQUIREMENTS FOR LIFEBOOYS

1. Every lifebuoy shall be constructed of cork, evenly formed and securely plugged, or of other equally efficient buoyant material which shall not be adversely affected by oil or oil products and shall be capable of floating in fresh water for at least 24 hours with 14.5 K gms of iron suspended from it.

2. Every lifebuoy made of plastic or other synthetic compounds shall be capable of retaining its buoyant properties and durability in contact with sea water or oil products, or under variation of temperature or climate changes prevailing in open sea voyages.

3. A lifebuoy shall not be filled with rushes, cork, shavings, granulated cork or any other loose granulated material, and its buoyancy shall not depend upon air compartments which require to be inflated.

4. (i) The inside diameter of a lifebuoy shall be 45 centimetres and the outside diameter 76 centimetres,

(ii) the major axis of the sections shall be 15 centimetres;

(iii) the minor axis of the section shall be 10 centimetres.

5. Every lifebuoy shall be of a highly visible colour.

6. (i) Every lifebuoy shall be marked in block letter with the name and the port of registry of the ship in which it is carried;

(ii) lifebuoys constructed of materials other than cork shall be permanently marked with the manufacturer's trade name for that product.

7. Every lifebuoy shall be fitted with grab lines which shall be of good quality unsinkable line and well secured at four equidistant points, providing four loops of line each not less than 70 centimetres.

8. The weight of a lifebuoy shall not exceed 6.1 K.gms., when newly constructed.

TENTH SCHEDULE

[See rules 4(12), 5(15), 6(11), 7(15), 8(10), 9(12) and 11(9)]

REQUIREMENTS FOR LIFE-JACKETS

PART I

1. Subject to the provisions of paragraph 7 of this Part, every life-jacket for use by an adult person shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of this Part.

Explanation:—For the purpose of this Part, every person weighing 30 kilograms or more shall be deemed to be an adult person.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 1.27 centimetres in size with the words 'For Adults' and on one side only with the marker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall also comply with the following requirements:

(a) it shall be so constructed as to eliminate as far as possible all risk of its being put on incorrectly and it shall be capable of being worn inside out;

(b) (i) it shall be capable of lifting the face of an exhausted or unconscious person out of the water and holding it safely above the water with the body inclined backwards from its vertical position;

(ii) it shall be capable of turning the body in the water from any position to a safe floating position with the body inclined backwards from its vertical;

(iii) The buoyancy of the life-jackets required to provide the foregoing performance shall not be reduced by more than five per cent after 24 hours submersion in fresh water;

(c) it shall not adversely affected by oil or oil products;

(d) it shall be of a highly visible colour;

(e) it shall be fitted with a ring or loop or similar device of adequate strength to facilitate rescue;

(f) it shall be made of materials of low flammability and the fabric with which it is covered and its tapes shall be rotproof;

(g) it shall be fitted with an approved whistle firmly attached by a lanyard;

(h) (i) it shall have fastening tapes securely attached to the life jacket cover and capable of taking a load of 91 K.gms.

- (ii) the method of fastening the tapes shall be such as to be easily understood and capable of being readily carried out;
- (iii) metal fastening when used shall be of a size & strength consistent with the fastening tapes and of corrosion resistant material;
- (iv) it shall allow the wearer to jump a vertical distance of 6.1 metres into the water without injury and without dislodgement of the life-jacket.
4. The buoyancy of every such life-jacket shall be provided by kapok or other equally effective buoyant material.
5. Every such kapok life-jacket shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 of this part comply with the following requirements:—
- (a) it shall contain not less than 1 K.gm. of kapok;
 - (b) the kapok shall be of good floatation quality, well teased, evenly packed and free from seeds and other foreign matter;
 - (c) the kapok shall be protected from the effects of oil or oil products so that the loss of buoyancy in the life-jacket, after floating in disturbed water containing a layer of not less than 3 milimetres in depth of a mixture of gas oil for a period of 48 hours, shall not exceed 2 per cent of the initial buoyancy and for the purpose of this test the life-jacket shall be loaded with weights equal to half its initial buoyancy;
 - (d) (i) the covering shall be of pre-shrunk cotton material, the weight of which in loom-state per metre shall be not less than 170 gms. for a width of 0.68 metres and in proportion for other width;
 - (ii) the fabric shall be free from admixture of sizing or other foreign matter;
 - (iii) the threads per 25 m.m. in loomstate shall be warp 44 two-fold threads and waft 34 two-fold threads;
 - (iv) the sewing shall be carried out with linen thread of not less quality than No. 25a fine cord whittemore cord.
6. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 4 and clause (d) of paragraph 5 of this part comply with the following requirements :—
- (a) (i) the material shall not weight more than 192.5 K. gms. per cubic metre and shall be of good quality and clean;
 - (ii) if the material is in pieces, the size of each piece shall be not less than 164 cubic centimetres unless such pieces are in layer form and are fastened together with an approved adhesive;
 - (b) the material shall be chemically stable.
7. Every life-jacket the buoyancy of which depends on inflation, which may be carried for use by members of the crews of ships, other than tankers, of Classes VI and VII, shall comply with the requirements of paragraph (3) of this part and in addition shall comply with the following requirements :—

- (a) it shall have two separate buoyancy compartments in either of the following forms—
 - (i) one compartment of inherent buoyancy equal to at least 9 k.gms. and one air compartment of at least 6.8 k.gms; or
 - (ii) two separate air compartments each of at least 9.4 k.gms. buoyancy;
- (b) it shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 25 m.m. in size with the words "CREW ONLY" and on one side only with the maker's name or other identification mark in smaller letters;

- (c) it shall be capable of being inflating both mechanically and by mouth.

PART II

1. Every life-jacket for use by a child shall provide adequate buoyancy so as to enable it to satisfy the requirements of clause (b) of paragraph 3 of part I. Explanation:—For the purposes of this Part, every person weighing less than 30 kilograms shall be deemed to be a child.

2. Every such life-jacket shall be marked indelibly on both sides in letters not less than 12.7 m. in size with the words "FOR CHILD" and on one side only with the maker's name or other identification mark.

3. Every such life-jacket shall comply with the requirements of paragraphs 3 and 4 of Part I.

4. Every such kapok life-jacket shall contain not less than 425 gms. kapok and shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with the requirements of clauses (b), (c) and (d) of paragraph 5 of Part I.

5. Every such life-jacket using a buoyant material other than kapok shall in addition to complying with the requirements of paragraphs 1 to 3 of this Part comply with clause (d) of paragraph (5) and sub-paragraphs (a) and (b) of paragraph 6 of Part I.

ELEVENTH SCHEDULE

(See rule 22)

REQUIREMENTS FOR LINE THROWING APPLIANCES

1. Every line-throwing appliance shall include 4 rockets and 4 lines, each line being 12.7 millimetres in circumference and of suitable length, and having a breaking strain of not less than 114 K.gms.

2. Every line-throwing appliance shall be capable of throwing the line in such a manner that the lateral deflection of the line on either side of the direction of firing does not exceed ten per cent of the length of flight of the rocket.

3. The lines and the rockets, with the means of igniting them, shall be kept in a watertight case.

4. Every line-throwing appliance carried in ships of 44 metres in length or over, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 230 metres in calm weather.

5. Every line-throwing appliance carried in ships of less than 44 metres in length, shall be capable of throwing a line 12.7 millimetres in circumference a minimum distance of 123 metres in calm weather.

6. (i) All components, compositions and ingredients of the rockets and the means of igniting them shall be of such a character and of such quality as to enable them to maintain their service ability under good average storage conditions for a period of at least two years.

(ii) The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and its container and the date of packing shall be similarly stamped on the cartridge containers.

TWELVTH SCHEDULE

[See rules 23(i), (j), (k), (n), (o), (p) and (u) and 27(l), (l), (m) and (n).]

SPECIFICATIONS OF EQUIPMENT FOR LIFEBOATS, BOATS AND LIFE-RAFTS

PART I

Compasses for Lifeboats

1. (i) Every compass shall be of the liquid type.

(ii) The liquid used shall be a mixture of industrial methylated spirit and water, specific gravity 0.93 at 15.5°C

It shall function efficiently over a temperature range of -23.5°C to $+49^{\circ}\text{C}$

2 (i) The magnet shall have ample directive force

(ii) In a period of 18 to 22 seconds after a deflection of 40 degrees at a temperature of about 15.5°C shall be deemed to comply with the requirement. For the purposes of this paragraph a 'period' is the time taken by a complete oscillation of the card after a deflection of 40 degrees, a swing past the position of rest, and back again to the completion of the swing on the side to which it was originally deflected.

3 Over a range of -23.5 to $+49^{\circ}\text{C}$ the card system when immersed in the compass liquid shall rest on the pivot with a weight between 4 and 10 grammes

4 (i) The card shall not be less than 10 centimetres in diameter and shall have a clearance from the bowl of at least 7 millimetres

(ii) It shall be marked to half points, the eight principal points being distinctively marked. The card shall be luminised or fitted with a suitable means of illumination.

5 The centre of the card shall be of sapphire or equally suitable hard material.

6 The pivot of the card shall be of miumid or equally suitable hard material

7 The arrangements made to allow for the expansion and contraction of the liquid shall enable the compass to withstand a temperature range of -23.5°C to $+49^{\circ}\text{C}$ without leakage, formation of bubbles or other defects

8 (i) The bowl shall be adequately weighted and properly poised in the gimbals which shall give a fore and aft and thwartship action

(ii) The gimballing shall be in the same horizontal plane as the point of suspension of the card and the outer gimbal pins shall be placed fore and aft

(iii) The bowl shall be placed in a binnacle or box of non magnetic material and the lubber line or point shall be luminised or fitted with suitable means of illumination.

(iv) The card system shall remain free when the bowl is tilted by 10 degrees.

9 (i) The direction of the lubber line or point from the centre of the card shall lie in the same vertical plane as the outer gimbal axis or other fore and aft datum line

(ii) The cumulative effect of card, pivot, directional and other similar errors, and of inaccurate positioning of the lubber's point, shall be such that in the undisturbed earth's field the direction as read on the card against the lubber's point shall not differ by more than 3 degrees from the magnetic direction of the outer gimbal axis or other fore and aft datum line for any direction of the latter

10 (i) The minimum thickness of the metal used in the construction of the compass shall be as follows —

Compassbowl -21 S W G

Binnacle -24 S W G

Lamp -24 S W G

(ii) (a) The compass bowl shall be efficiently stiffened to take gimbal pins

(b) The binnacle shall be swaged or spun into the base ring and soldered all round

(iii) (a) The gimbal ring shall be of naval brass or other rigid non magnetic metal 16 mm by 31 mm

(b) Gimbal pins shall be of naval brass or other hard non magnetic material of 6.2 mm diameter, both they and the bearings in which they are engaged shall be perfectly smooth

11 The point inside the bowl shall show no sign of blistering

12 The materials and workmanship shall be good throughout and the compass shall be such as will remain efficient under sea going conditions

13 The bowl of the compass shall be engraved or stamped with the maker's name or other identification mark.

PART II

SEA ANCHORS FOR LIFEBOATS AND BOATS OTHER THAN CLASS C BOATS

1 Every sea anchor shall comply with the following requirements —

- (a) It shall be constructed of No 1 best flax canvas or other suitable material,
- (b) The canvas part shall be strongly sewn together and be roped at the seams with 44 mm bolt rope; the ropes then being formed into a bridle with a thimble seized in the connecting end and the ropes extended and seized into a parcelled loops to form the attachment for the tripping line ,
- (c) A hawser shall be attached to the sea anchor by means of a shackle of suitable size to take the thimble ,
- (d) The length of the hawser shall be three times the length of the lifeboat or boat ,
- (e) A tripping line two fathoms longer than the hawser shall be provided

2 (i) A circular sea anchor shall be fitted at the mouth with a galvanised iron hoop

(ii) Any other type of sea anchor shall be fitted with galvanised iron spreaders across the mouth and with an ash spreader at the upper edge

3 The size of sea anchors shall be as follows —

(a) For lifeboats over 9 metres in length Non circular folding sea anchors—Mouth 76 cms Upper edge 68 cms lower edge 68 cms each side

Area of mouth 50 square decimetres

Length of canvas bag—137 metres

Hawser—76 mm in circumference

Tripping line—51 mm in circumference

(b) For lifeboats not over 9 metres in length—7 metres in length but not over 9 metres in length Circular sea anchors—Mouth 68 cms diameter

Non-circular folding sea anchors—Mouth 61 cms each side

Length of canvas bag—12 metres

Hawser—76 mm in circumference

Tripping line—51 mm in circumference

(c) For lifeboats not over 6.7 metres in length and other boats (other than Class C boats) —

Circular sea anchors—Mouth 61 cms diameter

Non-circular folding sea anchors—Mouth 55 cms each side

Length of canvas bag—7 metre

Hawser—64 mm in circumference

Tripping line—38 mm in circumference

PART III

PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS FOR LIFEBOATS AND LIFECASTS

1 (i) Every parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the

required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a small parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

(ii) It shall be fitted with a self-contained means of ignition, so designed as to operate from the hand-held position without external aid, and as to enable the rocket to be discharged from a lifeboat, boat or liferaft without harm to the occupants.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 183 metres,

(ii) The rocket shall also be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 30 seconds.

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such a size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of flexible waterproof harness.

5. The rocket shall be waterproof and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

6. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

7. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be effectively sealed.

(ii) If made of metal, the container shall be well tinned and lacquered or otherwise adequately protected against corrosion.

8. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

9. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

PART IV

HAND-HELD DISTRESS FLARE SIGNALS FOR LIFE-BOATS AND LIFERAFTS

1. Every hand-held distress flare signals shall be fitted with a self-contained means of ignition so designed as to operate from a hand-held position without external aid and as to enable the flare to be displayed from a lifeboat, boat or liferaft without harm to the occupants.

2. Where the flare is carried in a liferaft it shall be so constructed that, when the flare is fired, no burning composition will fall from the flare which might cause damage to the liferaft.

3. The flare shall be capable of emitting a red light of minimum luminosity of 15,000 candle power for not less than 55 seconds.

4. The flare shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

5. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the flare to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

6. The flare shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

7. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

PART V

BUOYANT SMOKE SIGNALS FOR LIFEBOATS

1. Every buoyant smoke signal shall be fitted with self-contained means of ignition.

2. The signals shall be capable, while floating on the water, of emitting a dense volume of orange-coloured smoke for a period of not less than two minutes and not more than four minutes.

3. The signal shall be waterproofed and capable of satisfactory functioning after immersion in water for one minute.

4. All components, composition and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to burn evenly and as to enable the signal to maintain its serviceability under average storage conditions for a period of at least two years.

5. The signal shall be stamped indelibly with the date on which it is filled.

6. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the signal.

PART VI

FIRST AID OUTFITS FOR LIFEBOATS

1. The contents of every first aid outfit provided in a lifeboat shall include the following :—

Article	Quantity
(a) Collapse Revivers (6 capsules of Fragrant Ammonia)	1 Tin
(b) Compound Code -in Tablets (Lab. Codcen Co.)	25 Tablets
(c) Six Morphine Ampoule Syringes containing a Solution of either a morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine † gr. in 1 c.c. or Papaveretum B.P.C. † gr. in 1 c.c. in screw capped metal dram with directions for use	1 Drum
(d) Standard Dressings No. 14 medium B.P.C., 15 cms. × 10 cms.	2
(e) Standard Dressings No. 15, Large B.P.C. 20 cms. × 16 cms.	2
(f) Elastic Adhesive Dressings, 5 cms × 8 cms Packets of three	2 packets
(g) Bandages, Triangular, illustrated, not less 95 cms wide, 1.25 metric base	5
(h) Gauze, white, absorbent, compressed, 85 cms × 2.25 metres	3
(i) Roller Bandages, compressed 5.6 cms × 3.5 metres	4
(j) Bandage, unbleached Calico 15 cms × 5.5 metres	1
(k) Cotton wool compressed 125 grams packet	1 packet
(l) Safety Pins, brass plated 5 cms	6
(m) Soft paraffin 30 grams tube	1
(n) Scissors, 10 cms, 1 sharp, 1 blunt point of rustless and stainless steel	1
(o) Energy Tablets (10 mg. amphetamine Sulphate)	60 Tablets
(p) Silica Gel.	1 Capsule
(q) Instructions in the English and Hindi languages printed on linen or waterproof Paper	

The first aid outfit shall be packed in a container which shall comply with the following requirements :—

- (a) It shall be durable, damp-proof and effectively sealed. It shall also be sealed with a device to indicate that the contents are intact.
- (b) It shall be packed in a room from which atmospheric moisture has been removed as far as possible.
- (c) Where the container is made of metal, it shall be well tinned and lacquered, and a handle shall be fitted to the lid.
- (d) An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

PART VII

MANUAL PUMPS FOR LIFEBOATS

1. Every lifeboat manual pump shall comply with the following requirements :—

1. The capacity when operated at not more than 60 double strokes per minute at 1.2 metres suction head, shall be not less than :—

- (a) 32 litres per minute in lifeboats of 7.3 metres in length or over; or
- (b) 23 litres per minute in lifeboats of less than 7.3 metres in length.

2. In its normal dry state (excluding internal grease or other assistance) the pump shall be readily self-priming when operated at a suction head of not less than 1.2 metres.

3. All parts of the pump shall be of material unaffected by the corrosive effects of sea water.

4. The interior of the pump, including valves, shall be readily accessible for emergency cleaning, and the cover for access shall be capable of being easily removed without the use of a spanner or other special tool.

5. The pump branches shall be suitable for use with rubber hose connections of at least 32 mm bore. The metal part of the operating handle shall be suitably sheathed by material other than wood to ensure that the hands of the operator are protected when the pump is used in extreme cold. The spindle gland shall be of the spring loaded seal ring type.

PART VIII

1. Subject to the provisions of paragraph (2) of this part the contents of every first aid outfit provided in a life-raft shall include the following :—

Articles	Quantity
(a) Standard Dressing No. 14 Medium B.P.C. 15 cms. x 10 cms.	4
(b) Standard Dressings No. 15 Large B.P.C. 20 cms. x 15 cms.	4
(c) Bandages, Triangular, Illustrated, not less than 95 ms side 1.25 metres base	4
(d) Open wove Bandages, B.P.C. 8 cms x 3.5 metres	10
(e) Antiseptic Burn or wound Cream, Cetrimide B.B.C. 0.5% w.w 50 gm. tube	2
(f) Scissors 10 cms, 1 sharp, blunt point, of rustless and stainless steel	1

Articles	Quantity
(g) Six Morphine Ampoule Syringes Containing a solution of either morphine salt equivalent to Anhydrous Morphine in grm 1 c.c. or Papaveratum B.P.C. 1 grm 1 c.c. in screw capped metal drum with directions for use	1 Drum
(h) Instructions in the English Language printed on linen or waterproof paper.	2

2. In ships of Class VIII of less than 21.3 metres in length the contents of the first aid outfit provided in every life-raft shall be one-half of the quantities specified in clauses (a) to (e) inclusive of paragraph 1 of this part together with the items specified in clauses (f) and (h) of the said paragraph.

3. The first aid outfit shall be packed in a container or which shall be durable damp-proof and effectively sealed. An itemized list of contents shall be given on the outside of the container.

THIRTEENTH SCHEDULE

[See rule 29(9)]

DAVITS AND LIFEBOAT LAUNCHING GEAR

PART I

GENERAL

Definition of "Working Load". In this Schedule the expression "Working Load" means :—

- (a) in relation to davits to which clause (a) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, its full equipment, the blocks and falls, and the maximum number of persons which the lifeboat is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (b) In relation to davits and other means of launching to which clause (b) or (c) of paragraph 1 of Part II applies, the sum of the weight of the lifeboat, Class C boat or other boat, its full equipment, the blocks and falls, and a launching crew consisting of two persons, the weight of each person being taken to be 75 K. gms.
- (c) In relation to winches the maximum pull exerted by the fall or falls at the winch drum during lowering, hoisting or stowing which in any case is to be taken as not less than the working load on the davit or davits divided by the velocity ratio of the lowering tackle.

PART II

CONSTRUCTION

1. Strength—

- (a) Every davit serving a lifeboat which is required by sub-rule (1) of rule 29 to be put into the water when loaded with its full complement of persons shall, together with its winch, falls, blocks and all other associated lowering gear, be of such strength that the lifeboat with its full equipment and manned by a launching crew of not less than two persons can be turned out and then safely lowered into the water from the embarkation position with its full complement of persons, when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.
- (b) Every mechanically controlled single-arm davit shall together with its winch falls, blocks and all other associated lowering gear be of such strength and the operating gear shall be of such power that the lifeboat when fully equipped and manned with a launching crew of two members can be turned out and then safely lowered into the water with the ship listed to 25 degrees.

(c) Every set of davits, davit or other means of launching to which a lifeboat, Class C boat or other boat is attached, other than a davit the strength of which is specified in clause (a) or (b) of this paragraph, shall together with its winch, falls, blocks and other associated lowering gear be of such strength that the lifeboat, Class C boat or other boat with its full equipment and manned by a launching crew of two members, can be turned out and then safely lowered into the water when the ship has a trim of 10 degrees and is listed up to 15 degrees either way.

(d) Every set of davits, davit or other means of launching to which a lifeboat, Class C boat or other boat is attached, together with its winch and all associated hoisting gear shall be of such strength that the boat can be safely hoisted and stowed when loaded with its full equipment and at least two persons, and in addition in the case of emergency lifeboat that it can be safely hoisted from the water to the embarkation deck at a speed of not less than 18 metres per minute when loaded with its full equipment and a distributed load of 1016 K. gms.

2. Gravity davits:—(i) All gravity davits shall be so designed that there is a positive turning out moment during the whole of the davit travel from the inboard to the outboard position when the vessel is upright and also when the vessel is listed at any angle up to and including 25 degrees either way from upright.

(ii) In the case of gravity type davits comprising arms mounted on rollers which engage with and travel down fixed inclined trackways, the trackways shall be inclined at an angle of not less than 30 degrees to the horizontal when the vessel is upright.

3. Luffing davits.—The operating gear of all luffing type davits shall be of sufficient power to ensure that the lifeboats, Class C boats or other boats fully equipped and manned with the launching crew, but not loaded with other persons, can be turned out against a list of at least 15 degrees.

4. Mechanically controlled singlearm davits:—The working load of any mechanically controlled singlearm davit shall not exceed 1524 K gms.

5. Stresses :—

(a) In the case of davits other than mechanically controlled single-arm davits the designed stress on the davits arms, when operating under maximum load and conditions of trim and of list, shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction and the live nature of the load to which the davits are subjected.

(b) In the case of mechanically controlled single-arm davits the designed stress on the davit when operating under maximum load and conditions of favourable list shall afford an adequate factor of safety having regard to the quality of the material used, the method of construction, and the live nature of the load to which the davit is subjected.

6. Static load test:—Each davit with its arm at full out-reach shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times that part of the working load supported by the arm.

7. Attachments at the davit head:—The attachments at the davit head from which the blocks are suspended shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2-1/2 times the maximum load on the attachments.

8. Blocks :—

(a)(i) All blocks used in the operation of hoisting and lowering of lifeboats, Class C boats or other boats shall be of a design that affords an adequate factor of safety.

(ii) Lower blocks, when fitted, shall be non-toppling and in the case of emergency lifeboats provision shall be made to prevent the falls from cabling.

(iii) The size of blocks shall be commensurate with the size of the falls.

(b)(ii) A metal block shall be capable of withstanding a proof load test of not less than 2-1/2 times the maximum load it is intended to carry in service.

(ii) The clearance between the sheaves and the block cheeks of metal blocks in which wire rope is used shall be kept to a practical minimum that will prevent the rope from overriding the rim of the sheave of any block or lead sheave.

(iii) Component parts of blocks other than their sheaves shall be of ductile material.

(c) A wood block shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2-1/2 times the load on the block. The width between the cheeks shall be 12.7 m.m. greater than the diameter of new cordage ropes when these ropes are 9.6 c.m.s. in circumference, and less in proportion to the circumference of the ropes when they are smaller.

9. Wire ropes :—

(a) The breaking tensile load of each wire rope used for lowering lifeboats, Class C boats or other boats shall be not less than six times, the maximum load on the wire rope when lowering, hoisting or stowing.

(b) Wire ropes shall be securely attached to the drum of the winch, and the end attachments of the wires and other parts from which the lifeboat, Class C boat or other boat is to be suspended shall be capable of withstanding a proof load of not less than 2-1/2 times the load on such attachments and other parts.

(c) where wire rope splices or ferrule secured eye terminals are used they shall be capable of withstanding a proof test of not less than 2-1/2 times the load imposed on them in service unless samples representing each size of wire on which they are used, show a factor of safety of at least 5 when tested to destruction.

10. Winches :—

(a)(i) In the case of davits other than mechanically controlled single-arm davits, winch drums shall be arranged to keep the two falls separate and to enable them to pay out at the same rate.

(ii) The leads of the wire ropes shall be such that they will wind evenly on the drums and lead blocks shall be arranged to give fleet angle or angle of lead of not more than five degrees for grooved drums and three degrees for ungrooved drums.

(iii) In the case of mechanically controlled single-arm davits, the lead of the wire rope fall shall be such that the fall winds evenly on the drum.

(b)(i) Winch brakes shall be of robust construction and afford complete control and limitation of speed in the operation of lowering.

(ii) The hand brake shall be so arranged that it is normally in the "ON" position and returns to the "ON" position when the control handle is not being operated.

(iii) The weight on the brake lever shall be sufficient to operate the brake effectively without additional pressure.

(iv) The brake gear shall include means for automatically controlling the speed of lowering to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat is lowered expeditiously without exceeding a rate of lowering consistent with safety.

- (v) For this purpose, the automatic brake shall be set to give a speed of lowering of the lifeboat of between 18 and 36 metres per minute.
- (vi) Ratchet gear shall be incorporated in the hand brake mechanism of lifeboat winches.
- (vii) Where practicable the brake gear shall be so situated as to enable the man operating the winch to have the lifeboat, Class C boat or other boat under observation during the whole process of its being launched into the water, provided that winches serving emergency lifeboats shall in any case be so placed.
- (c) Each winch shall be capable of lowering and holding a test load of 1.5 times the working load as defined in item (c) of Part I.
- (d) Winches shall be so constructed that the crank handle or handles are not rotated by moving parts of the winch when the lifeboat, Class C boat or other boat is being lowered or when it is being hoisted by power and provision shall be made to allow the falls to be manually unwound.

11. Cordage rope falls.—(i) Cordage rope falls shall be of manilla or some other suitable material and shall be durable, unkinkable, firm laid and pliable.

(ii) They shall be able to pass freely under any conditions through a hole 1 cm. larger than the nominal diameter of the rope.

(iii) The breaking load of each rope used for lowering lifeboats, Class C boats or other boats shall be not less than 6 times the maximum load on the rope when lowering or hoisting.

(iv) Rope of less than 6.3 cms. in circumference shall not be used for lifeboat falls. Winding reels or flaking boxes for the manilla rope falls shall be provided.

12. Bollards.—(i) Suitable bollards or other equally effective appliances for lowering any lifeboat, Class C boat or other boat shall be provided in all cases where cordage rope falls are used.

(ii) Such bollards or other appliances shall be sited so as to ensure that the lifeboat, Class C boat or other boat served by them can be safely lowered, and fairleads or lead sheaves shall be fitted so as to ensure that it shall not be lifted during the process of turning out or swinging out.

PART III

TESTS AFTER INSTALLATION ON BOARD

1. General.—Tests shall be made to ensure that all lifeboats, Class C boats or other boats attached to davits can be restored from the embarkation position safely and with facility when loaded with the required equipment and that when so loaded the lifeboat, Class C boat or other boat can when released be lowered by gravity into the water against the frictional resistance of the winch, falls, blocks and other associated gear.

2. Lowering tests:

(a) Each pair of davits to which clause (a) of paragraph (1) of Part II applies and any associated lifeboat winches and their brakes shall be capable of withstanding the following test:

The lifeboat at each set of davits shall be lowered from the embarkation deck into the water loaded with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus 10 per cent of the working load, winch brakes exposed to the weather shall be capable of withstanding the foregoing test with braking surface wetted.

(b) In the case of davits to which clause (b) or (c) of paragraph (1) of Part II applies, the lifeboat, Class C boat or other boat shall be lowered into the water with the equipment required by these rules and a distributed weight equal to the weight

of a launching crew of two persons plus 10 per cent of the working load.

(c) For the purpose of the tests required under clauses (a) and (b) the weight of a person shall be taken to be 75 Kgs.

3. Hoisting tests for emergency lifeboats.—Emergency lifeboats which are required by these rules to be served by winches for recovery shall in addition to the tests required by paragraph 2 of this Part be tested by hoisting the emergency lifeboat with the equipment required by these Rules and a distributed load of 1616 Kgs. plus ten per cent of the total hoisting load, including blocks and falls, from the water to the embarkation deck, at the maximum hoisting speed.

FOURTEENTH SCHEDULE

[See rule 29 (16)(C)]

LIFEBOAT DISENGAGING GEARS

1. Lifeboat disengaging gears shall be so arranged as to ensure simultaneous release of both ends of the lifeboat.

2. The means of effecting release shall be placed aft.

3. The gear shall be of a type which will permit the release of the lifeboat only when it is waterborne.

4. The gear shall be of a type which will permit release should there be a towing strain on the link or falls.

5. The hooks shall be suitable for instant unhooking by hand.

6. The point of attachment of the hook to the eye, ring or link of the block shall not be lower than when ordinary fixed hooks are fitted.

7. The gear and mechanism for effecting release shall be so constructed and arranged as to ensure the safety of the lifeboat independently of any safety pins.

8. (a) (i) The means for effecting release shall be by hauling on or letting go a line or by using a lever. If release is effected by a pull upon a line the line shall be properly raised in

(ii) Rods or other connections between hooks shall also be used in whenever this is necessary for the safety or the efficient action of the gear or for the protection of persons from injury.

(b) The fairleads shall be properly arranged to prevent the lines from jamming or nipping, and shall be strongly attached to permanent parts of the lifeboat. The lines shall be fitted with chains were necessary for efficiency.

9. Such parts of the gear as would otherwise be likely to be set fast by rust or corrosion shall be made of non-corrodible metal.

10. No part of the gear taking the weight of the lifeboat shall be made of cast metal.

11. The scantlings and proportions of all parts which support the weight of the lifeboat shall be designed to provide breaking strength proportionate to a load of at least 2-1/2 times the weight of the heaviest loaded lifeboat in which the gear is intended to be fitted.

FIFTEENTH SCHEDULE

[See rules 2 (g) and 30(2) (a) and (b)]

LIFERAFT LAUNCHING APPLIANCES

1. Definition of "Working Load". In this Schedule the expression "Working load" means:

the sum of the weight of the liferaft and its equipment, all other associated gear that is supported by the launching appliance during the launching operation and the maximum number of persons which the liferaft is deemed fit to carry, the weight of each person being taken to be 75 Kgs.

2. Strength.—Every liferaft launching appliance and all associated gear which during the launching operation is subjected to the working load or total load imposed due to the working load shall be of such strength that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered when the ship has a trim of up to 10 degrees and is listed upto 15 degrees either way.

3. Construction.—(i) Each part of every liferaft launching appliance shall be such when the appliance is operating under the working load and unfavourable conditions of list and trim it shall have an adequate factor of safety having regard to the material used, the method of construction and the natures of its duty.

(ii) Except for lead sheaves and block shaves, all parts of the appliance and its associated gear which are subjected to the working load or on which the safety of the appliance or the liferaft while in the process of launching depends shall be constructed of ductile material and no part, other than lead sheaves and block sheaves, shall be constructed of cast metal unless the Central Government so permits.

4. Static Load Test.—Every liferaft launching appliance shall be capable of withstanding a static load test of not less than 2.2 times the working load.

5. Operation :—

(a) Every liferaft launching appliance shall be so designed that the liferaft when loaded with its full complement of persons and equipment can be safely lowered into the water.

(b) The speed of lowering of the liferaft shall be automatically controlled at not less than 18 metres per minute nor more than 36 metres per minute and the descent of the liferaft shall be at all times under the manual control of the operator.

(c)(i) Operation of the launching appliance shall not be solely dependent on the use of means other than manual effort or gravity.

(ii) The arrangements shall be such that the liferaft can be lowered by gravity.

(d) Arrangements shall be such that on becoming water-borne the liferaft shall be automatically released from the launching appliance, and there shall be provisions for the manual release of the liferaft by a person on board the liferaft.

(e) When liferaft launching appliances incorporate winches, the winches shall be constructed in accordance with paragraph 10 of Part II of the Thirteenth Schedule.

6. Lowering Test.—Every liferaft launching appliance shall be tested by lowering the largest liferaft it is intended to serve when loaded with its full equipment and a distributed weight equal to the full number of persons which it is deemed fit to accommodate plus ten percent of the working load from the embarkation position into the water.

7. Operational Tests.—(i) Tests shall be made to ensure that any liferaft served by any launching appliance when loaded only with its full equipment can be lowered by gravity into the water.

(ii) If more than one liferaft is serviced by any launching appliance effective successive launching shall be demonstrated.

SIXTEENTH SCHEDULE

[See rule 37 (1)]

SHIP'S PARACHUTE DISTRESS ROCKET SIGNALS

1. Every ship's parachute distress rocket signal shall consist of a single bright red star which is projected to the required height by means of a rocket, and which burns while falling, its rate of fall being controlled by means of a parachute to an average rate of 4.5 metres per second.

2. (i) When the rocket is fired approximately vertically, the star and parachute shall be ejected at or before the top of the trajectory, at a minimum height of 229 metres.

(ii) The rocket shall in addition be capable of functioning when fired at an angle of 45 degrees to the horizontal.

3. (i) The star shall burn with a minimum luminosity of 30,000 candle power for not less than 40 seconds

(ii) It shall burn out at a height of not less than 46 metres from the sea level.

4. (i) The parachute shall be of such size as to provide the required control of the rate of fall of the burning star.

(ii) It shall be attached to the star by means of a flexible fireproof harness.

(5) (i) The rocket may be ignited by any suitable method.

(ii) If external ignition by means of a safety fuse is employed, the outer end of the safety fuse shall be covered with a metal ferrule primed with match composition and a separate striker shall be suitably attached to each rocket.

6. The match composition, the striker composition, the ferrule, and the whole of the external surface of the rocket shall be water-proofed.

7. The rocket shall be capable of functioning properly after immersion in water for one minute and removal of the adhering water by shaking.

8. All components, compositions and ingredients shall be of such a character and of such a quality as to enable the rocket to maintain its serviceability under good average storage conditions for a period of at least two years.

9. (i) The rocket shall be packed in a container which shall be durable, damp-proof and effectively sealed.

(ii) If made of metal the container shall be well tinned and lacquered, or otherwise adequately protected against corrosion.

10. The date on which the rocket is filled shall be stamped indelibly on the rocket and on the container.

11. Clear and concise directions for use in the English and Hindi languages shall be printed indelibly on the rocket.

निर्माण और आवास मन्त्रालय

नई दिल्ली, 7 अगस्त, 1974

मा० का० नं०-५६५—गप्तपति मंविधान के अनुच्छद ३०९ के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, निर्माण और आवास मन्त्रालय में उप निदेशक (क्षेत्र महानगरीय विकास) के पद पर भर्ती की पद्धति को विस्तृत करने वाला निम्नलिखित नियम गतवद्वारा बनाये हैं, अधर्तु—

१ सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ —(१) इन नियमों का नाम उप निदेशक (क्षेत्र महानगरीय विकास) भर्ती नियम, १९७१ है।

(२) ये गप्तपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२ पदभूतपाता, वर्गीकरण और बेननमान —उक्त पद की मध्यमा, उसका वर्गीकरण और बेननमान वे होंगे जो इसमें उपवद्वा अनुसूची के सम्म २ से ५ तक में विविच्छिन्न हैं।

३ भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य प्रहंताएँ —उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, प्रहंताएँ और उसमें सम्बन्धित अन्य आदेश वे होंगी जो उक्त अनुसूची के सम्म ५ से १३ तक में विविच्छिन्न हैं।

४ निर्वहनाएँ —यह व्यक्ति—

(अ) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ब) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर निर्युक्त का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुशेष्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आगार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छोड़ दे गकेगी।

५ गियिन करन की शक्ति —जहाँ केन्द्रीय गरकार की राय हो कि एसा करना आवश्यक या समीक्षीय है वहा, वह, उसके लिए जो कारण है उहूँ नियिकद्वा करने के गया सब लोक भेद आयोग में परमाणु करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध वा, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रश्रूत की आदेश आदेश द्वारा, गियिन कर सकती।

६ व्यावर्ति —इन नियमों की काई भी बात ऐसे अनियंत्रणों और अन्य विवाहों पर प्रभाव नहीं डालती जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समयनामय पर निकाल गए आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियाँ अनुसूचित जनजातियों और व्यक्तियों के अन्य विशेष प्रवर्गों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद वा नाम	पदों की	वर्गीकरण	बेननमान	चयन पद अधिकार	सीधी भर्ती किए जाने	सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों
	मध्यमा			अन्यवत् पद	वाले व्यक्तियों के लिए	के लिए अपेक्षित ग्रेडिक और अन्य
१	२	३	४	५	६	७
उप निदेशक (क्षेत्र महानगरीय विकास)	१	साधारण केन्द्रीय सेवा	७००-१०-११००-	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
		वर्ग १ राजपत्रिन	५०१२-१२५० रु०			
			(गुनरीक्षित बेननमान,			
			१२००-५०-१६०० रु०)			

सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्राप्ति, यदि विहित आयु और शैक्षिक प्राप्ति भर्ती की पद्धतियों में द्वारा द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणिया त्रिनम समिति है, तो उसकी परिस्थितियों में भव लाक में वा आयोग में परामर्श किया जाएगा।	परिवीक्षा की अवधि, यदि विहित आयु और शैक्षिक प्राप्ति द्वारा द्वारा भर्ती की पद्धति प्राप्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।
सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्राप्ति भर्ती की पद्धतियों में द्वारा द्वारा भर्ती की पद्धति प्राप्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।	परिवीक्षा की अवधि, यदि विहित आयु और शैक्षिक प्राप्ति द्वारा द्वारा भर्ती की पद्धति प्राप्ति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा।

8

9

10

11

12

13

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण के न्दीय सरकार के अधीन सामान्य पद धारण करने वाले अधिकारी या वे अधिकारी जो 400-950 रु के बेतनमान (700-1300 रु के पुनरीक्षित बेतनमान) में किसी पद पर कम से कम पाँच वर्ष सेवा कर चुके हो अथवा 350-900 रु के बेतनमान (650-1250 रु के पुनरीक्षित बेतनमान) में कम से कम आठ वर्ष सेवा कर चुके हो या समतुल्य अधिकारी तथा सामान्य प्रशासन और विनीय विषया का प्रनुभव (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता सभी लोक सेवा आयोग (परामर्श में सूट) विनियम, 1958 के अधीन यथा अपेक्षित।
----------------	----------------	--	---

[मं० ५०-१२०११/५/७३-प्र० १]

MINISTRY OF WORKS AND HOUSING

New Delhi, the 7th August, 1974.

G. S. R. 965 In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Deputy Director (Area Metropolitan Development) in the Ministry of Works & Housing, namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Deputy Director (Area Metropolitan Development) Recruitment Rules, 1974. (2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. Number Classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in Column 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications:—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:—

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules in respect of any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes and Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Deputy Director (Area Metropolitan Development) in Ministry of Works and Housing

Name of Post	No. of post.	Classification	Scale of pay	Whether selection Post or non-selection post.	Age limit for direct recruit.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7
Deputy Director (Area Metropolitan Development)	1	General Central Service Class I Gazetted	Rs.700-40-1100-50/2 1250 (Revised Scale Rs. 1200-50-1600)	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Whether age and Educational prescribed for D.R. will apply in the case of Promotees	Period of probation if any	Method of neclt. whether by D.R. or by promotion or by deputation, transfer & percentage of the vacancies to be filled by various method	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer grades from, promotion/deputation, transfer to be made.	If a DPC exists, what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable.	Not applicable.	By transfer on deputation.	Transfer on Deputation: Officers under the Central Govt. holding analogous posts or with at least 5 years' service in post in the scale of Rs. 400-950 (Revised scale Rs. 700-1300) or with at least 8 years service in the scale of Rs.350-900 (Revised scale Rs. 650-1250) or equivalent and having experience of gl. admin. & financial matters. (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)	Not applicable.	As required under the UPSC Exemption from consultation Regulation, 1958.	

[No. A-12011/5/73-Admn 1]

नई दिल्ली, २२ अगस्त, १९७४

साठ काठ निः १९६६.—राष्ट्रपति, भविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तिया का प्रयोग करने द्वापरा, निर्माण और आवास मंदाग्राम के निर्माण एवं अन्यांश अधिकारी (विशेष) के पद भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्ननिर्वित नियम एन्ड ड्राग बनाते हैं, ग्राहक सं—

¹ मध्यकाल नाम और प्रारम्भ (१) उन नियमों का नाम निर्माण और आवास मनालय, निर्माण बृहद (अन्तर्भाग अधिकारी-विशेष) भर्ती नियम, १९४२ है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्ति छाँग।

उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और बेनमान थे हांगे जो इससे उपावद्ध अनुभूति के स्तर 2 से 4 तक भी विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, और सत्य ग्रहणागत उक्त पत्र पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणागत और उम्मेद मन्दिरित अन्य बालों के हांगी जा उक्त अनुसूची के संबंध 5 से 13 तक से विनियोगित है।

4. निरहृष्टाणः—यह व्यक्ति—

(क) जिसने प्रेम व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जोवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिमने अपने पर्ति या अपनी पृष्ठी के जीवित हांते हुगे किसी व्यक्ति में विवाह किया है; उसके पद पर नियुक्ति का पावन नहीं होगा।

परन्तु यदि केंद्रीय भरकार का समाप्तान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को आगे स्वीय विधि के अधीन अनुचल है और ऐसा कर्म के लिए अन्य आधार मौजद है तो वह इसी व्यक्ति को इस नियम के प्रबंधन से छाट दे सकेगी।

५. शिथिल बरते की शक्ति —जहां केन्द्रीय मण्डार की गय हो वि गेमा बरना आवश्यक या समीर्धीन है वहा, वह उसके द्वारा जा कारण है उसहे निपियद्व कर्वे तथा मष तोक सेवा प्रायोग में परमपर्ण करके, हन नियमा के किसी उत्तरध का, व्यक्तियों के किसी वर्ग या प्रबन्ध की वाबन, प्रादेश हारा शिथिल कर सकेंगा।

6. अधिकृति.—इन नियमों की कोई भी भाव प्रेसे आरक्षणों और ग्रन्थ रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय भरकार द्वारा हम संबंध में ममय-ममय पर निकात गए आवेदों के अनुसार अनुमूलित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अस्तित्वों के ग्रन्थ विशेष प्रत्यर्ग के लिए उपबंध करता अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की मंख्या	वर्गीकरण	बेतनमात्रा	चयन पद अवधार प्रबलत पद	सीधे भर्ती किए जाने सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए वाले व्यक्तियों के लिए	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए व्यक्तियों के लिए व्यक्तियों के लिए	आयु सीमा	अद्यतार्थ
1	2	3	4	5	6	7		
भ्रान्तभाग भर्तिकारी (विशेष)	5	वर्ग 2 ग्रामपत्रिन	350- (400)-25- 500-30-590- द०र००-30-800- द०र००-30-830- 35-900 रु	लागू नहीं होता लागू नहीं होता लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	
		(पुनरीक्षित बेतनमात्रा	650-30-740- 35-810-द०र००- 35-880-10- 1000-द०र००-40- 1200 रु)					

सीधे भर्ती किए जाने परिवेश की भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी वाले अधिकार्यों के अवधि यदि कोई या प्रोत्साहन द्वारा या प्रतिनियुक्ति/लिए विद्वित आयु स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न प्रोत्साहित अनुसार पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली प्राप्तताओं की वज्रा में रिक्तियों का प्रतिशत लाग द्वारा या नहीं

**प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा यदि विभागीय प्रोश्नति
भर्ती की दशा में वे व्येणिया जिनमें समिति हैं, तो उसकी
प्रोश्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण संरचना
किया जाएगा**

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श दिया जाएगा

8	9	10	11	12	13
पागू नहीं होता	बागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण केन्द्रीय सचिवालय मेवा के अनुभाग अधिकारी की रेंक के अधिकारी या उस सेवा के स्थायी सहायक जो उस रूप में ग्राह वर्य सेवा कर सके हों प्रीर जिनके पाग किसी मान्यता- प्राप्त विष्विदालय की डिग्री हों प्रीर केन्द्रीय मार्बेज़िनिक निर्माण विभाग के कार्य तथा लेखा संबंधी विषयों, संविदाओं, नियमित और कार्य प्रभारित स्थापन से सम्बन्धित स्थापन-विषयों का ज्ञान ।	पागू नहीं होता	संघ और सेवा प्रायोग (परामर्श में छट) विनियम, 1958 के प्रधीन यथा प्रयोक्ता

(प्रतिनियुक्ति की अवधि भासान्त्रः
तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)

[संग्रहीत ११०९१/२/७१-प्र० १]

प्रगति रंगास्त्रामी,
अवर सचिव

New Delhi, the 22nd August, 1974

G.S.R. 966.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Section Officer (Special) in the Works Division in the Ministry of Works and Housing, namely :—

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Ministry of Works and Housing, Works Division (Section Officer—Special) Recruitment Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay : The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications : The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualifications :—

No person :—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax : Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving : Nothing in these rules shall affect reservations and other concessions required to be provided for the Schedule Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Section Officer, (special) in the Ministry of Works & Housing in the Works Division of the Secretariat—File No. 3/23(3)/73-RR.

Name of post	No of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selec- tion post or non- selection post	Age limit for direct recruits	Educational & other qualifications required for recruits
1	2	3	4	5	6	7
Section Officer (Special)	Class II Gazetted	Rs. 350-(400)25- 500-30-590-EB- 30-800-EB-30- 830-35-900-(Re- vised Scale : Rs. 650-30-740- 35-810-EB-35- 880-40-1000- FB-40-1200)	Not applicable	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation, if any	Method of Recrtt, whether by direct recrt. or by promotion or by deputation/ transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	Not Applicable	By transfer on deputation	Transfer on deputation : Officers of the Rank of Section Officer of the Central Secretarial Service or permanent Assistants of that service with 8 years service as such and possessing a degree of a recognised University, knowledge of Central Public Works Department work and accounts matters contract, establishment matters relating to regular and work charged establishment. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.	

(निर्माण प्रभाग)

नई दिल्ली, 15 अगस्त, 1974

संग्रह का० निं० 967.—गण्डपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वाग प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अधिनियम कर्मचारिण्य भर्ती नियम, 1961 में और मर्यादित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधार्त—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अधिनियम कर्मचारिण्य भर्ती (मर्यादित) नियम 1974 है।

(2) ये गजपत्र में प्रकाशित भी तारीख को प्रत्यक्ष होंगे।

2. केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (अधीनस्थ कार्यालय) अधिनियम कर्मचारिण्य भर्ती नियम 1961 की अनुसूची में कायरमैन के पद में मर्यादित कम संख्या 3 के सामने—

(i) स्तम्भ 4 में “100 प्रतिशत” प्रविष्टि के स्थान पर “50 प्रतिशत” प्रविष्टि रखी जाएगी।

(ii) स्तम्भ 6 में, “50 प्रतिशत” प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी।

(iii) स्तम्भ 9 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अधार्त—

“अधिसाक्षयः मिश्न लिन (शीसरा कार्म या सातवां लिन) या स्थानीय जनभाषा पड़ते और लिखने के योग्य हाना आकृति।

अध्यर्थी का निम्नलिखित गारीबिक स्तर होना चाहिए—

(क) ऊँचाई, 5 फुट 5 इंच।

(ख) आती: 2 हंच के न्यूनतम प्रमरण महित 32 हंच।

(ग) भार में 110 पौण्ड में कम न हो। किसी ग्रामिक या पूरगने रोगी में मुक्त हो।

(घ) एक मिनट में 10 स्टोन के भार सहित 100 गज की दूरी तक भागने के योग्य होना चाहिए, और धरनी से 8 से 10 फुट की ऊँचाई तक रस्सी या झड़ी सीधी ननी पर चढ़ने में मर्याद होना चाहिए।”

(iv) स्तम्भ 11 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर, “हां सिवाए आय सीमा के” प्रविष्टि रखी जाएगी।

(v) स्तम्भ 12 में, विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अधार्त—

“केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के अधीनस्थ कार्यालय काडर के वर्ग 4 कर्मचारिण्य भर्ती नियमावली, 1961 में विनियिष्ट अहंताएं हों।”

[म० एफ० 33(2)/73-एम० एम०-2]

पी० बी० कुलकर्णी, प्रबन्ध सचिव

(Works Division)

New Delhi, the 15th July, 1974

G.S.R. 967.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Central Public Works Department (Subordinate Offices) Fire Fighting Staff Recruitment Rules, 1961, against serial number 3 relating to the post of Fireman,—

(i) in column 4, for the entry “100 per cent” the entry “50 per cent” shall be substituted;

(ii) in column 6, the entry “50 per cent” shall be inserted;

(iii) in column 9, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:

“Preferably middle standard (3rd form or 7th standard) or should be able to read and write local vernacular. The candidate should possess the physical standard of—

(a) Height: 5' 5";

(b) Chest: 32" with minimum expansion of 2";

(c) Not less than 110 lbs. in weight. Must be free from any organic or chronic diseases;

(d) Should be able to run a distance of 100 yards with a load of 10 stones in one minute and should be capable of climbing a rope or a vertical pipe to a height of 8 to 10 feet from the ground.”;

(iv) in column 11, for the existing entry, the entry “Yes, except age limits” shall be substituted;

(v) in column 12, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:

“Class IV staff of subordinate offices Cadre of Central Public Works Department, who fulfil the qualifications specified in column 9”.

[No. F. 33(2)/73-MS-H]

P. B. KULKARNI, Under Secy.

मूलना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली-1 अगस्त, 1974

संग्रह का० निं० 968.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वाग प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, गण्डपति आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1961 में अनियिष्ट संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधार्त—

(1) इन नियमों को आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) (तृतीय संशोधन) भर्ती नियमावली, 1974 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम संग्रहालय गजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रत्यक्ष होंगे।

3 आकाशवाणी (श्रेणी 3 पद) भर्ती नियमावली, 1961 की अनुसूची में, कम संख्या 64 के मम्बुख कालम 2 के अन्तर्गत वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिनिधित्व की जायेगी, अधार्त—

“कैड कर्क या एकाउन्टेंट या सीनियर स्टोरकीपर”।

[म० 1/5/73-शी० (ए०)]

एम० एल० टण्डन, प्रबन्ध सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 27th August, 1974

G.S.R. 968.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the All India Radio (Class III posts) Recruitment Rules, 1964, namely :—

(1) These rules may be called the All India Radio (Class III Posts) Recruitment (Third Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the All India Radio (Class III Posts) Recruitment Rules, 1964, against Serial No. 64 in Column 2 for the existing entry the following entry shall be substituted, namely :—

"Head Clerk or Accountant or Senior Storekeeper".

[No. 1/5/73-B(A)]
M. L. TANDON, Under Secy.

संचार मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1974

शुद्धिपत्र

सा० का० नि० 969.—दिनांक 18 मई, 1974 के भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (I) के पृष्ठ 1107 पर प्रकाशित भारत मरकार, संचार मंत्रालय की प्रधिसूचना सा० का० नि० 491 में :—

(क) उक्त नियम के नियम 3(1) की ओरीं परिमि में आये शब्द 'एक' के स्थान पर 'तक' पढ़ा जाए।

(ख) उक्त नियम के नियम 3(2)(3) के अन्तिम दो ओरीं परिमि में आये शब्द 'युक्तिमुक्त' के स्थान पर 'युक्तियुक्त' पढ़ा जाए।

[सं० भा० 11012/1/73-ए० भा०]

मा० मु० जोशी,

संत्रायक बेतार मलाहकार

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 970.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1967, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment (Seventh Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Mica Mines Labour Welfare Fund (Class III and IV posts) Recruitment Rules, 1967,—

(i) in 'Part I—Andhra Pradesh'—

(a) against item 1, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

"Junior Assistant Welfare Inspector with 4 years' service and Head Clerk-cum-Accountant with 3 years' service rendered after appointment thereto on a regular basis."

(b) against item 2, for the entries in columns 4, 5, 9 and 10, the following entries shall respectively be substituted, namely :—

4	5	9	10
Selection	By promotion failing which by direct recruitment	Age—No Qualifications— Yes	Senior Clerk with 3 years' service in the grade.";

(ii) in 'Part II—Bihar',—

(a) against item 1, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

"Welfare Organiser or Head Clerk-cum-Accountant with three years' service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.";

(b) against item 2, for the entry in column 10, the following shall be substituted, namely :—

"Field worker or senior clerk in the scale Rs. 130-300 with three years' service in the grade.";

(iii) in 'Part III—Rajasthan',—

(a) against item 1, for the entries in column 10, the following entries shall be substituted, namely :—

"Junior Assistant Welfare Inspector or Head Clerk-cum-Accountant with 3 years' service rendered after appointment thereto on a regular basis.";

(b) against item 1-A, for the entries in columns 4, 5, 9 and 10 the following entries shall respectively be substituted, namely :—

4	5	9	10
Selection	By promotion failing which by direct recruitment	Age—No Qualifications— Yes	Senior Clerk with 3 years' service in the grade.";

[A-12018/1/74 M-III]

New Delhi, the 23rd August, 1974

G.S.R. 971.—In exercise of the powers conferred by section 6 of the Mica Mines Labour Welfare Fund Act, 1946 (22 of 1946), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, namely :—

1. (1) These rules may be called the Mica Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1974.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Mica Mines Labour Welfare Fund Rules, 1948, in sub-rule (2) of rule 14, for the words "five members," the words "five members; provided that the Chairman may reject any such matter if he is satisfied that it is perverse, mala fide or against public decency or morals" shall be substituted.

[S-22012/1/74 M-III]

B. K. SAKSENA, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

(खान सुरक्षा महानिदेशालय)

धनबाद, 21 अगस्त, 1974

सांकेति. 972—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के अधिकार (23) और विनियम 173 के अधिकार (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तरभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तरभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया है, मध्ये प्रथम स्तर वाले ऐसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तरभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करता है।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
एजेक्स-जी (मिश्रण-जी०४०-३८)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव जी०४०-४२)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव जी०४०-४२)
	प्रिमिटेड, डाकघर- इंडियन एक्सप्लोसिव (गोमिया), जिला- गिरिधीह (बिहार)।	प्रिमिटेड, डाकघर- इंडियन एक्सप्लोसिव (गोमिया), जिला- गिरिधीह (बिहार)।

[सं० 14(14)/73-मामान्य/15710]

MINISTRY OF LABOUR
(Directorate-General of Mines Safety)

Dhanbad, the 21st August, 1974.

G. S. R. 972.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in First Degree gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE

Name of the Explosive	Name of the Firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Ajax-G (Composition GE-38).	Messers Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia), Dist. Giridih, Bihar.	790 Grammes.

[No.14(14)/73-Genl/15710]

सांकेति. 973—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के अधिकार (23) और विनियम 173 के अधिकार (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तरभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक का, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तरभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया है, मध्ये प्रथम स्तर वाले ऐसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, और उक्त सारणी के स्तरभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करता है।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
एजेक्स-जी० (मिश्रण-जी०४०-४२)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव जी०४०-४२)	1.00 ग्राम

[मं० 14(32)/73-मामान्य/15708]

G. S. R. 973.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulation 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in all degrees of gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE

Name of the Explosive	Name of the firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Unisax-G (Composition GE-42).	Messers Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia), Dist. Giridih, Bihar.	1.00 Kilogram

[No.1432/73-Genl/15708]

सांकेति. 974—मुख्य निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के अधिकार (23) और विनियम 173 के अधिकार (घ) के अनुसरण में नीचे की सारणी के स्तरभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक का, जिसका विनिर्माण उक्त सारणी के स्तरभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा किया गया है, मध्ये प्रथम स्तर वाले ऐसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में विनिर्दिष्ट करता है, और उक्त सारणी के स्तरभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण भी अधिकथित करता है।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम भरण
(1)	(2)	(3)
एजेक्स-जी० (मिश्रण-जी०४०-४४)	मेसर्स इंडियन एक्सप्लोसिव जी०४०-४४)	790 ग्राम

[मं० 14(2)/74-मामान्य/15712]

हि० भ० घोष

खान सुरक्षा महानिदेशक

G.S.R. 974.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957, the Chief Inspector of Mines hereby specifies the explosives specified in column (1) of the Table below, manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be Permitted Explosive suitable for use in First Degree gassy coal mines, and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said Permitted Explosive.

TABLE

Name of the Explosive	Name of the Firm	Permissible maximum charge
(1)	(2)	(3)
Ajax-G (Composition GE-44).	Messers Indian Explosives Limited, P.O. Indian Explosives (Gomia), Dist. Giridih, Bihar.	790 Grammes.

[No.14(2)/74-Genl/15712]

H. B. GHOSE, Director-General of Mines Safety

